विदेह VIDEHA

विदेह-सदेह १–३७ विस्तृत अध्ययन

Videha Sadeha 1–37 Detailed Study

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ८ / २२ · Volume 8 of 22

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. विदेह-सदेह ८ — विस्तृत अध्ययन २८० प्रश्न

२. विदेह-सदेह ९ — विस्तृत अध्ययन १३०६ प्रश्न

३. विदेह-सदेह १० — विस्तृत अध्ययन ७३७ प्रश्न

४. विदेह-सदेह ११ — विस्तृत अध्ययन १७३ प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : विदेह-सदेह ८ — विस्तृत अध्ययन

खण्ड 1907 : विदेह-सदेह 8 — दुगानन्द मण्डल: आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)

१. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) संस्मरण/लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) ऐतिहासिक मूल्यांकन

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली रंगमंचक विकासमे योगदानक दस्तावेजीकरण

५. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली रंगमंचक विकासमे योगदानक दस्तावेजीकरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक दुगानन्द मण्डल, विधा संस्मरण/लेख, उप-विधा ऐतिहासिक मूल्यांकन

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)”कैं विदेह-सदेह 8क संस्मरण/लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ ऐतिहासिक मूल्यांकनक रूपमे संस्मरण/लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

९. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०. खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598मे दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)” प्रविष्टि संस्मरण/लेख, ऐतिहासिक मूल्यांकन आ “मैथिली रंगमंचक विकासमे योगदानक दस्तावेजीकरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1908 : विदेह-सदेह 8 — सुजीत कुमार झा: मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन

११. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) स्ट्रीट थियेटर

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जन-जागरूकता, लोक-नाट्य परम्परा

१५. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जन-जागरूकता, लोक-नाट्य परम्परा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सुजीत कुमार झा, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा स्ट्रीट थियेटर

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन”केँ विदेह-सदेह 8क रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ स्ट्रीट थियेटरक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

१९. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०. खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599मे सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन” प्रविष्टि रिपोर्ताज, स्ट्रीट थियेटर आ “जन-जागरूकता, लोक-नाट्य परम्परा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1909 : विदेह-सदेह 8 — सुजीत कुमार झा: उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे

२१. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) राजनीतिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) नेपाली राजनीति, मैथिली प्रतिनिधित्व

२५. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नेपाली राजनीति, मैथिली प्रतिनिधित्व

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सुजीत कुमार झा, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा राजनीतिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे”केँ विदेह-सदेह 8क रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ राजनीतिकक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

२९. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०. खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600मे सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे” प्रविष्टि रिपोर्ताज, राजनीतिक आ “नेपाली राजनीति, मैथिली प्रतिनिधित्व” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1910 : विदेह-सदेह 8 — तरुणेश मिश्र: महाविद्यालय-झंकार

३१. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) महाविद्यालय-झंकार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शैक्षिक-सांस्कृतिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) छात्र आन्दोलन, सांस्कृतिक गतिविधि

३५. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) छात्र आन्दोलन, सांस्कृतिक गतिविधि

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक तरुणेश मिश्र, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा शैक्षिक-सांस्कृतिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार”कैं विदेह-सदेह 8क रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शैक्षिक-सांस्कृतिकक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

३९. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०. खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601मे तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार” प्रविष्टि रिपोर्ताज, शैक्षिक-सांस्कृतिक आ “छात्र आन्दोलन, सांस्कृतिक गतिविधि” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1911 : विदेह-सदेह 8 — उमेश मण्डल: विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

४१. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) नाट्य-महोत्सव

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) दस्तावेजीकरण

४५. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) दस्तावेजीकरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक उमेश मण्डल, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा नाट्य-महोत्सव

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव”केँ विदेह-सदेह 8क रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ नाट्य-महोत्सवक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

४९. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०. खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602मे उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव” प्रविष्टि रिपोर्ताज, नाट्य-महोत्सव आ “दस्तावेजीकरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1912 : विदेह-सदेह 8 — मयंक सुन्दर शशि: अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन

५१. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) अन्तर्राष्ट्रिय नाट्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) डायस्पोरा, बोरद्यू सांस्कृतिक पूँजी, वैश्विक मैथिली

५५. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) डायस्पोरा, बोरद्यू सांस्कृतिक पूँजी, वैश्विक मैथिली

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मयंक सुन्दर शशि, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा अन्तर्राष्ट्रिय नाट्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन”कैं विदेह-सदेह 8क रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ अन्तर्राष्ट्रिय नाट्यक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

५९. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०. खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603मे मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन” प्रविष्टि रिपोर्ताज, अन्तर्राष्ट्रिय नाट्य आ “डायस्पोरा, बोरद्यू सांस्कृतिक पूँजी, वैश्विक मैथिली” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1913 : विदेह-सदेह 8 — जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा): नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन

६१. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) मंचन-विवरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) राजा, पतन, शक्ति-विश्लेषण

६५. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) राजा, पतन, शक्ति-विश्लेषण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा), विधा रिपोर्ताज, उप-विधा मंचन-विवरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन”कैं विदेह-सदेह 8क रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ मंचन-विवरणक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

६९. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०. खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604मे जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन” प्रविष्टि रिपोर्ताज, मंचन-विवरण आ “राजा, पतन, शक्ति-विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1914 : विदेह-सदेह 8 — सत्यनारायण झा: मैथिली फिल्मक लिस्ट

७१. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मैथिली फिल्मक लिस्ट

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) सूची/दस्तावेज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सिनेमा-परम्परा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली चलचित्रक अभिलेख

७५. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली चलचित्रक अभिलेख

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सत्यनारायण झा, विधा सूची/दस्तावेज, उप-विधा सिनेमा-परम्परा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट”कैं विदेह-सदेह 8क सूची/दस्तावेज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सिनेमा-परम्पराक रूपमे सूची/दस्तावेज-संसारसँ जुड़ल अछि।

७९. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०. खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605मे सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट” प्रविष्टि सूची/दस्तावेज, सिनेमा-परम्परा आ “मैथिली चलचित्रक अभिलेख” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1915 : विदेह-सदेह 8 — सत्यनारायण झा: आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार

८१. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पुरस्कार-वृत्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सम्मान-रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली रंगकर्मी सम्मान

८५. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली रंगकर्मी सम्मान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सत्यनारायण झा, विधा पुरस्कार-वृत्त, उप-विधा सम्मान-रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार”कैं विदेह-सदेह 8क पुरस्कार-वृत्त-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सम्मान-रिपोर्ताजक रूपमे पुरस्कार-वृत्त-संसारसँ जुड़ल अछि।

८९. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०. खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606मे सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार” प्रविष्टि पुरस्कार-वृत्त, सम्मान-रिपोर्ताज आ “मैथिली रंगकर्मी सम्मान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1916 : विदेह-सदेह 8 — सत्यनारायण झा: रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार

९१. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पुरस्कार-वृत्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सम्मान-रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) महिला रंगकर्मी सम्मान

९५. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) महिला रंगकर्मी सम्मान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सत्यनारायण झा, विधा पुरस्कार-वृत्त, उप-विधा सम्मान-रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार”केँ विदेह-सदेह 8क पुरस्कार-वृत्त-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सम्मान-रिपोर्ताजिक रूपमे पुरस्कार-वृत्त-संसारसँ जुड़ल अछि।

९९. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००. खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607मे सत्यनारायण झाक “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार” प्रविष्टि पुरस्कार-वृत्त, सम्मान-रिपोर्ताज आ “महिला रंगकर्मी सम्मान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1917 : विदेह-सदेह 8 — — (रिपोर्ताज): बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित

१०१. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) मंचन-सूचना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) नाटक-प्रदर्शन

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) कर्म, भाग्य, दैव – लोक दर्शन

१०५. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) कर्म, भाग्य, दैव – लोक दर्शन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक — (रिपोर्ताज), विधा मंचन-सूचना, उप-विधा नाटक-प्रदर्शन

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित”केँ विदेह-सदेह 8क मंचन-सूचना-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ नाटक-प्रदर्शनक रूपमे मंचन-सूचना-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०९. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०. खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608मे — (रिपोर्ताज)क “बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित” प्रविष्टि मंचन-सूचना, नाटक-प्रदर्शन आ “कर्म, भाग्य, दैव – लोक दर्शन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1918 : विदेह-सदेह 8 — गजेन्द्र ठाकूर: नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पु...

१११. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पुरस्कार-वृत्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सम्मान-रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) युवा नाट्य-प्रतिभाक संस्थागत मान्यता

११५. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) युवा नाट्य-प्रतिभाक संस्थागत मान्यता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा पुरस्कार-वृत्त, उप-विधा सम्मान-रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११”केँ विदेह-सदेह 8क पुरस्कार-वृत्त-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सम्मान-रिपोर्ताजक रूपमे पुरस्कार-वृत्त-संसारसँ जुड़ल अछि।

११९. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०. खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609मे गजेन्द्र ठाकूरक “नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११” प्रविष्टि पुरस्कार-वृत्त, सम्मान-रिपोर्ताज आ “युवा नाट्य-प्रतिभाक संस्थागत मान्यता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1919 : विदेह-सदेह 8 — — (रिपोर्ताज): "भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक

१२१. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) "भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) नाटक/मंचन

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सामाजिक यथार्थ

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) विस्मृति, भूल, पहिचान

१२५. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) विस्मृति, भूल, पहिचान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक — (रिपोर्ताज), विधा नाटक/मंचन, उप-विधा सामाजिक यथार्थ

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक”केँ विदेह-सदेह 8क नाटक/मंचन-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सामाजिक यथार्थक रूपमे नाटक/मंचन-संसारसँ जुड़ल अछि।

१२९. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०. खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610मे — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक” प्रविष्टि नाटक/मंचन, सामाजिक यथार्थ आ “विस्मृति, भूल, पहिचान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1920 : विदेह-सदेह 8 — मुन्ना जी: मैथिलोत्सव २०११

१३१. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मैथिलोत्सव २०११

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) महोत्सव-विवरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सामूहिक अस्मिता

१३५. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सामूहिक अस्मिता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मुन्ना जी, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा महोत्सव-विवरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११”कैं विदेह-सदेह 8क रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ महोत्सव-विवरणक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

१३९. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०. खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611मे मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११” प्रविष्टि रिपोर्ताज, महोत्सव-विवरण आ “मैथिली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सामूहिक अस्मिता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1921 : विदेह-सदेह 8 — पूनम मण्डल: जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य...

१४१. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पुरस्कार-रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) साहित्य सम्मान

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ग्राम-जीवन, लोक-संवेदना, दस्तावेजीकरण

१४५. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ग्राम-जीवन, लोक-संवेदना, दस्तावेजीकरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पूनम मण्डल, विधा पुरस्कार-रिपोर्ताज, उप-विधा साहित्य सम्मान

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११”कैं विदेह-सदेह 8क पुरस्कार-रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ साहित्य सम्मानक रूपमे पुरस्कार-रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

१४९. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०. खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612मे पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११” प्रविष्टि पुरस्कार-रिपोर्ताज, साहित्य सम्मान आ “ग्राम-जीवन, लोक-संवेदना, दस्तावेजीकरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1922 : विदेह-सदेह 8 — मनोज कुमार मण्डल: "बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन

१५१. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) "बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) मंचन-रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सिल थियेटर

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पितृ-संकट

१५५. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पितृ-संकट

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मनोज कुमार मण्डल, विधा मंचन-रिपोर्ताज, उप-विधा सिल थियेटर

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन”केँ विदेह-सदेह 8क मंचन-रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सिल थियेटरक रूपमे मंचन-रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

१५९. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०. खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613मे मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टि मंचन-रिपोर्ताज, सिल थियेटर आ “पितृ-संकट” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1923 : विदेह-सदेह 8 — मनोज कुमार मण्डल: "अधिकार" नाटक – सिल मंचन

१६१. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) "अधिकार" नाटक – सिल मंचन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) मंचन-रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सिल थियेटर

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) अधिकार-चेतना, ग्राम्सी, संघर्ष

१६५. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) अधिकार-चेतना, ग्राम्सी, संघर्ष

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मनोज कुमार मण्डल, विधा मंचन-रिपोर्ताज, उप-विधा सिल थियेटर

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन”केँ विदेह-सदेह 8क मंचन-रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सिल थियेटरक रूपमे मंचन-रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

१६९. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०. खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614मे मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टि मंचन-रिपोर्ताज, सिल थियेटर आ “अधिकार-चेतना, ग्राम्सी, संघर्ष” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1924 : विदेह-सदेह 8 — बृषेश चन्द्र लाल: तितिया प्रस्तुति

१७१. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) तितिया प्रस्तुति

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सांस्कृतिक प्रस्तुति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) रंगमंच विविधता, प्रयोगात्मक प्रदर्शन

१७५. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) रंगमंच विविधता, प्रयोगात्मक प्रदर्शन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक बृषेश चन्द्र लाल, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा सांस्कृतिक प्रस्तुति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति”केँ विदेह-सदेह 8क रिपोर्ताज-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सांस्कृतिक प्रस्तुतिक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।

१७९. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति” प्रविष्टि विदेह-सदेह 8क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०. खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615मे बृषेश चन्द्र लालक “तितिया प्रस्तुति” प्रविष्टि रिपोर्ताज, सांस्कृतिक प्रस्तुति आ “रंगमंच विविधता, प्रयोगात्मक प्रदर्शन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 5124 : विदेह-सदेह 8 — नचिकेता — नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)

१८१. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) २५ वर्षक मौन भंग

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१८२. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) २५ वर्षक मौन भंग

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१८३. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’कैं नाटक रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) २५ वर्षक मौन भंग

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१८४. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक २५ वर्षक मौन भंग दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१८५. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) २५ वर्षक मौन भंग

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१८६. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) २५ वर्षक मौन भंग

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१८७. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) २५ वर्षक मौन भंग

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१८८. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) २५ वर्षक मौन भंगक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१८९. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’मे नाटकक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) नाटकक रूप २५ वर्षक मौन भंग कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१९०. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (प्रथम अंक)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ २५ वर्षक मौन भंग धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5125 : विदेह-सदेह 8 — -- — मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)

१९१. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) छठम किस्त

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१९२. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) छठम किस्त

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१९३. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’कैँ शोध-लेख रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) छठम किस्त

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१९४. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक छठम किस्त दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१९५. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) छठम किस्त

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१९६. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) छठम किस्त

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१९७. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) छठम किस्त

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१९८. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) छठम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१९९. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’मे शोध-लेखक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) शोध-लेखक रूप छठम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२००. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ६)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ छठम किस्त धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5126 : विदेह-सदेह 8 — गजेन्द्र ठाकुर — सहस्रबाढ़नि (अंक ८)

२०१. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) आठम किस्त

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

२०२. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) आठम किस्त

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

२०३. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’कैँ उपन्यास रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) आठम किस्त

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

२०४. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक आठम किस्त दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२०५. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) आठम किस्त

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

२०६. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) आठम किस्त

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

२०७. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) आठम किस्त

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

२०८. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) आठम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२०९. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’मे उपन्यासक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) उपन्यासक रूप आठम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२१०. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ८)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ आठम किस्त धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5127 : विदेह-सदेह 8 — गजेन्द्र ठाकुर — महाभारत (अंक ८)

२११. ‘महाभारत (अंक ८)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) आठम किस्त

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

२१२. ‘महाभारत (अंक ८)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) आठम किस्त

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

२१३. ‘महाभारत (अंक ८)’कैँ महाकाव्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) आठम किस्त

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

२१४. ‘महाभारत (अंक ८)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक आठम किस्त दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२१५. ‘महाभारत (अंक ८)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) आठम किस्त

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

२१६. ‘महाभारत (अंक ८)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) आठम किस्त

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

२१७. ‘महाभारत (अंक ८)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) आठम किस्त

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

२१८. ‘महाभारत (अंक ८)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) आठम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२१९. ‘महाभारत (अंक ८)’मे महाकाव्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) महाकाव्यक रूप आठम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२२०. ‘महाभारत (अंक ८)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ आठम किस्त धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5128 : विदेह-सदेह 8 — गजेन्द्र ठाकुर — (अंक ८ केर कथा भाग)

२२१. '(अंक ८ केर कथा भाग)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) --

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

२२२. '(अंक ८ केर कथा भाग)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) --

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

२२३. '(अंक ८ केर कथा भाग)'कैं कथा रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) --

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

२२४. '(अंक ८ केर कथा भाग)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक -- दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२२५. '(अंक ८ केर कथा भाग)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) --

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

२२६. '(अंक ८ केर कथा भाग)'क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) --

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

२२७. '(अंक ८ केर कथा भाग)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) --

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

२२८. '(अंक ८ केर कथा भाग)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) --क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२२९. ‘(अंक ८ केर कथा भाग)’मे कथाक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) कथाक रूप -- कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२३०. ‘(अंक ८ केर कथा भाग)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ -- धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5129 : विदेह-सदेह 8 — गजेन्द्र ठाकुर — (अंक ८ केर पद्य भाग)

२३१. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) --

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

२३२. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) --

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

२३३. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) --

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

२३४. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक -- दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२३५. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) --

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

२३६. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) --

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

२३७. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) --

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

२३८. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) --क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२३९. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’मे पद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप -- कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२४०. ‘(अंक ८ केर पद्य भाग)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं -- धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5130 : विदेह-सदेह 8 — -- — Awakened Maithili

२४१. ‘Awakened Maithili’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) प्रवासी स्तंभ

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

२४२. ‘Awakened Maithili’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्रवासी स्तंभ

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

२४३. ‘Awakened Maithili’कैं अंग्रेजी-पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) प्रवासी स्तंभ

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

२४४. ‘Awakened Maithili’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक प्रवासी स्तंभ दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२४५. ‘Awakened Maithili’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) प्रवासी स्तंभ

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

२४६. ‘Awakened Maithili’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) प्रवासी स्तंभ

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

२४७. ‘Awakened Maithili’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) प्रवासी स्तंभ

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

२४८. ‘Awakened Maithili’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) प्रवासी स्तंभक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२४९. ‘Awakened Maithili’मे अंग्रेजी-पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) अंग्रेजी-पद्यक रूप प्रवासी स्तंभ कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२५०. ‘Awakened Maithili’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ प्रवासी स्तंभ धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5131 : विदेह-सदेह 8 — -- — (अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)

२५१. ‘(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) धारावाहिक

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

२५२. ‘(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

२५३. '(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)'कैं संस्कृत-शिक्षा रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) धारावाहिक

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

२५४. '(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक धारावाहिक दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२५५. '(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

२५६. '(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)'क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) धारावाहिक

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

२५७. '(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

२५८. '(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) धारावाहिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२५९. '(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)'मे संस्कृत-शिक्षाक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) संस्कृत-शिक्षाक रूप धारावाहिक कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२६०. '(अंक ८ केर संस्कृत शिक्षा)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं धारावाहिक धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5132 : विदेह-सदेह 8 — -- — (भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)

२६१. '(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) धारावाहिक

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

२६२. '(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

२६३. '(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)'कैं रचना लिखबासँ पहिने... रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) धारावाहिक

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

२६४. '(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक धारावाहिक दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२६५. '(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

२६६. '(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)'क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) धारावाहिक

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

२६७. '(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

२६८. '(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) धारावाहिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२६९. ‘(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)’मे रचना लिखबासँ पहिने...क रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) रचना लिखबासँ पहिने...क रूप धारावाहिक कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२७०. ‘(भाग ५, पद्य प्रशिक्षण)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं धारावाहिक धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5133 : विदेह-सदेह 8 — -- — VIDEHA MITHILA... (भाग ६)

२७१. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) धारावाहिक

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

२७२. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

२७३. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’कैं अंग्रेजी-गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) धारावाहिक

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

२७४. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक धारावाहिक दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२७५. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

२७६. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) धारावाहिक

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

२७७. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

२७८. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) धारावाहिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२७९. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’मे अंग्रेजी-गद्यक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) अंग्रेजी-गद्यक रूप धारावाहिक कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२८०. ‘VIDEHA MITHILA... (भाग ६)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं धारावाहिक धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. **(A) आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)** — सूचकांक पंक्ति 598मे दुगानन्द मण्डलक प्रविष्टि “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)” रूपमे देल अछि।

२. **(B) संस्मरण/लेख** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकैं “संस्मरण/लेख” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३. **(C) ऐतिहासिक मूल्यांकन** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “ऐतिहासिक मूल्यांकन” अछि।

४. **(D) मैथिली रंगमंचक विकासमे योगदानक दस्तावेजीकरण** — टिप्पणीक पहिल संकेत “मैथिली रंगमंचक विकासमे योगदानक दस्तावेजीकरण” अछि।

५. **(A) मैथिली रंगमंचक विकासमे योगदानक दस्तावेजीकरण** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मैथिली रंगमंचक विकासमे योगदानक दस्तावेजीकरण” रूपमे देखाइत अछि।

६. **(B) लेखक दुगानन्द मण्डल, विधा संस्मरण/लेख, उप-विधा ऐतिहासिक मूल्यांकन** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकैं एक साथ रखैत अछि।

७. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककैं केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८. **(D) ई पाठ ऐतिहासिक मूल्यांकनक रूपमे संस्मरण/लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकैं स्पष्ट करैत अछि।

९. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०. **(B) खण्ड 1907, सूचकांक पंक्ति 598मे दुगानन्द मण्डलक “आनन्द जीक योगदान (नाट्य संस्मरण)” प्रविष्टि संस्मरण/लेख, ऐतिहासिक मूल्यांकन आ “मैथिली रंगमंचक विकासमे योगदानक दस्तावेजीकरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकैं प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११. **(A) मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन** — सूचकांक पंक्ति 599मे सुजीत कुमार झाक प्रविष्टि “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन” रूपमे देल अछि।

१२. **(B) रिपोर्ताज** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकैं “रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१३. (C) स्ट्रीट थियेटर — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “स्ट्रीट थियेटर” अछि।

१४. (D) जन-जागरूकता, लोक-नाट्य परम्परा — टिप्पणीक पहिल संकेत “जन-जागरूकता, लोक-नाट्य परम्परा” अछि।

१५. (A) जन-जागरूकता, लोक-नाट्य परम्परा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “जन-जागरूकता, लोक-नाट्य परम्परा” रूपमे देखाइत अछि।

१६. (B) लेखक सुजीत कुमार झा, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा स्ट्रीट थियेटर — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१८. (D) ई पाठ स्ट्रीट थियेटरक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२०. (B) खण्ड 1908, सूचकांक पंक्ति 599मे सुजीत कुमार झाक “मैथिली भाषाक सड़क नाटक प्रदर्शन” प्रविष्टि रिपोर्ताज, स्ट्रीट थियेटर आ “जन-जागरूकता, लोक-नाट्य परम्परा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२१. (A) उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे — सूचकांक पंक्ति 600मे सुजीत कुमार झाक प्रविष्टि “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे” रूपमे देल अछि।

२२. (B) रिपोर्ताज — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२३. (C) राजनीतिक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “राजनीतिक” अछि।

२४. (D) नेपाली राजनीति, मैथिली प्रतिनिधित्व — टिप्पणीक पहिल संकेत “नेपाली राजनीति, मैथिली प्रतिनिधित्व” अछि।

२५. (A) नेपाली राजनीति, मैथिली प्रतिनिधित्व — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “नेपाली राजनीति, मैथिली प्रतिनिधित्व” रूपमे देखाइत अछि।

२६. (B) लेखक सुजीत कुमार झा, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा राजनीतिक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२८. (D) ई पाठ राजनीतिकक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३०. (B) खण्ड 1909, सूचकांक पंक्ति 600मे सुजीत कुमार झाक “उप-प्रधानमन्त्री विमान अपमे” प्रविष्टि रिपोर्ताज, राजनीतिक आ “नेपाली राजनीति, मैथिली प्रतिनिधित्व” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३१. (A) महाविद्यालय-झंकार — सूचकांक पंक्ति 601मे तरुणेश मिश्रक प्रविष्टि “महाविद्यालय-झंकार” रूपमे देल अछि।

३२. (B) रिपोर्ताज — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३३. (C) शैक्षिक-सांस्कृतिक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शैक्षिक-सांस्कृतिक” अछि।

३४. (D) छात्र आन्दोलन, सांस्कृतिक गतिविधि — टिप्पणीक पहिल संकेत “छात्र आन्दोलन, सांस्कृतिक गतिविधि” अछि।

३५. (A) छात्र आन्दोलन, सांस्कृतिक गतिविधि — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “छात्र आन्दोलन, सांस्कृतिक गतिविधि” रूपमे देखाइत अछि।

३६. (B) लेखक तरुणेश मिश्र, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा शैक्षिक-सांस्कृतिक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३८. (D) ई पाठ शैक्षिक-सांस्कृतिकक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४०. (B) खण्ड 1910, सूचकांक पंक्ति 601मे तरुणेश मिश्रक “महाविद्यालय-झंकार” प्रविष्टि रिपोर्ताज, शैक्षिक-सांस्कृतिक आ “छात्र आन्दोलन, सांस्कृतिक गतिविधि” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४१. (A) विदेह मैथिली नाट्य उत्सव — सूचकांक पंक्ति 602मे उमेश मण्डलक प्रविष्टि “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव” रूपमे देल अछि।

४२. (B) रिपोर्ताज — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४३. (C) नाट्य-महोत्सव — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “नाट्य-महोत्सव” अछि।

४४. (D) दस्तावेजीकरण — टिप्पणीक पहिल संकेत “दस्तावेजीकरण” अछि।

४५. (A) दस्तावेजीकरण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “दस्तावेजीकरण” रूपमे देखाइत अछि।

४६. (B) लेखक उमेश मण्डल, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा नाट्य-महोत्सव — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४८. (D) ई पाठ नाट्य-महोत्सवक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५०. (B) खण्ड 1911, सूचकांक पंक्ति 602मे उमेश मण्डलक “विदेह मैथिली नाट्य उत्सव” प्रविष्टि रिपोर्ताज, नाट्य-महोत्सव आ “दस्तावेजीकरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५१. (A) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन — सूचकांक पंक्ति 603मे मयंक सुन्दर शशिक प्रविष्टि “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन” रूपमे देल अछि।

५२. (B) रिपोर्ताज — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५३. (C) अन्तर्राष्ट्रिय नाट्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “अन्तर्राष्ट्रिय नाट्य” अछि।

५४. (D) डायस्पोरा, बोरद्यू सांस्कृतिक पूँजी, वैश्विक मैथिली — टिप्पणीक पहिल संकेत “डायस्पोरा, बोरद्यू सांस्कृतिक पूँजी, वैश्विक मैथिली” अछि।

५५. (A) डायस्पोरा, बोरद्यू सांस्कृतिक पूँजी, वैश्विक मैथिली — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “डायस्पोरा, बोरद्यू सांस्कृतिक पूँजी, वैश्विक मैथिली” रूपमे देखाइत अछि।

५६. (B) लेखक मयंक सुन्दर शशि, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा अन्तर्राष्ट्रिय नाट्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५८. (D) ई पाठ अन्तर्राष्ट्रिय नाट्यक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६०. (B) खण्ड 1912, सूचकांक पंक्ति 603मे मयंक सुन्दर शशिक “अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली नाटक महोत्सव आयोजन” प्रविष्टि रिपोर्ताज, अन्तर्राष्ट्रिय नाट्य आ “डायस्पोरा, बोरद्यू सांस्कृतिक पूँजी, वैश्विक मैथिली” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६१. (A) नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन — सूचकांक पंक्ति 604मे जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क प्रविष्टि “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन” रूपमे देल अछि।

६२. (B) रिपोर्ताज — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६३. (C) मंचन-विवरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “मंचन-विवरण” अछि।

६४. (D) राजा, पतन, शक्ति-विश्लेषण — टिप्पणीक पहिल संकेत “राजा, पतन, शक्ति-विश्लेषण” अछि।

६५. (A) राजा, पतन, शक्ति-विश्लेषण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “राजा, पतन, शक्ति-विश्लेषण” रूपमे देखाइत अछि।

६६. (B) लेखक जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा), विधा रिपोर्ताज, उप-विधा मंचन-विवरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६८. (D) ई पाठ मंचन-विवरणक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७०. (B) खण्ड 1913, सूचकांक पंक्ति 604मे जीतू (विजयेन्द्र कुमार झा)क “नचिकेताक "एक छल राजा"क मंचन” प्रविष्टि रिपोर्ताज, मंचन-विवरण आ “राजा, पतन, शक्ति-विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७१. (A) मैथिली फिल्मक लिस्ट — सूचकांक पंक्ति 605मे सत्यनारायण झाक प्रविष्टि “मैथिली फिल्मक लिस्ट” रूपमे देल अछि।

७२. (B) सूची/दस्तावेज — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “सूची/दस्तावेज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७३. (C) सिनेमा-परम्परा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सिनेमा-परम्परा” अछि।

७४. (D) मैथिली चलचित्रक अभिलेख — टिप्पणीक पहिल संकेत “मैथिली चलचित्रक अभिलेख” अछि।

७५. (A) मैथिली चलचित्रक अभिलेख — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मैथिली चलचित्रक अभिलेख” रूपमे देखाइत अछि।

७६. (B) लेखक सत्यनारायण झा, विधा सूची/दस्तावेज, उप-विधा सिनेमा-परम्परा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७८. (D) ई पाठ सिनेमा-परम्पराक रूपमे सूची/दस्तावेज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८०. (B) खण्ड 1914, सूचकांक पंक्ति 605मे सत्यनारायण झाक “मैथिली फिल्मक लिस्ट” प्रविष्टि सूची/दस्तावेज, सिनेमा-परम्परा आ “मैथिली चलचित्रक अभिलेख” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८१. (A) आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार — सूचकांक पंक्ति 606मे सत्यनारायण झाक प्रविष्टि “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार” रूपमे देल अछि।

८२. (B) पुरस्कार-वृत्त — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “पुरस्कार-वृत्त” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८३. (C) सम्मान-रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सम्मान-रिपोर्ताज” अछि।

८४. (D) मैथिली रंगकर्मी सम्मान — टिप्पणीक पहिल संकेत “मैथिली रंगकर्मी सम्मान” अछि।

८५. (A) मैथिली रंगकर्मी सम्मान — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मैथिली रंगकर्मी सम्मान” रूपमे देखाइत अछि।

८६. (B) लेखक सत्यनारायण झा, विधा पुरस्कार-वृत्त, उप-विधा सम्मान-रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८८. (D) ई पाठ सम्मान-रिपोर्ताजक रूपमे पुरस्कार-वृत्त-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९०. (B) खण्ड 1915, सूचकांक पंक्ति 606मे सत्यनारायण झाक “आशुतोष अभिज्ञ – शैलबाला पुरस्कार” प्रविष्टि पुरस्कार-वृत्त, सम्मान-रिपोर्ताज आ “मैथिली रंगकर्मी सम्मान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९१. (A) रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार — सूचकांक पंक्ति 607मे सत्यनारायण झाक प्रविष्टि “रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार” रूपमे देल अछि।

९२. (B) पुरस्कार-वृत्त — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “पुरस्कार-वृत्त” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९३. (C) सम्मान-रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सम्मान-रिपोर्ताज” अछि।

९४. (D) महिला रंगकर्मी सम्मान — टिप्पणीक पहिल संकेत “महिला रंगकर्मी सम्मान” अछि।

९५. (A) महिला रंगकर्मी सम्मान — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “महिला रंगकर्मी सम्मान” रूपमे देखाइत अछि।

९६. (B) लेखक सत्यनारायण झा, विधा पुरस्कार-वृत्त, उप-विधा सम्मान-रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९८. (D) ई पाठ सम्मान-रिपोर्ताजक रूपमे पुरस्कार-वृत्त-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९९. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१००. **(B) खण्ड 1916, सूचकांक पंक्ति 607मे सत्यनारायण झाक "रीतू कर्ण – कामेश्वरी देवी पुरस्कार" प्रविष्टि पुरस्कार-वृत्त, सम्मान-रिपोर्ताज आ "महिला रंगकर्मी सम्मान" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०१. **(A) बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित** — सूचकांक पंक्ति 608मे — (रिपोर्ताज)क प्रविष्टि "बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित" रूपमे देल अछि।

१०२. **(B) मंचन-सूचना** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "मंचन-सूचना" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०३. **(C) नाटक-प्रदर्शन** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "नाटक-प्रदर्शन" अछि।

१०४. **(D) कर्म, भाग्य, दैव – लोक दर्शन** — टिप्पणीक पहिल संकेत "कर्म, भाग्य, दैव – लोक दर्शन" अछि।

१०५. **(A) कर्म, भाग्य, दैव – लोक दर्शन** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "कर्म, भाग्य, दैव – लोक दर्शन" रूपमे देखाइत अछि।

१०६. **(B) लेखक — (रिपोर्ताज), विधा मंचन-सूचना, उप-विधा नाटक-प्रदर्शन** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०७. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०८. **(D) ई पाठ नाटक-प्रदर्शनक रूपमे मंचन-सूचना-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०९. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११०. **(B) खण्ड 1917, सूचकांक पंक्ति 608मे — (रिपोर्ताज)क "बेरमा मे "अप्पन कर्मणक लि" नाटक मंचित" प्रविष्टि मंचन-सूचना, नाटक-प्रदर्शन आ "कर्म, भाग्य, दैव – लोक दर्शन" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१११. **(A) नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११** — सूचकांक पंक्ति 609मे गजेन्द्र ठाकूरक प्रविष्टि "नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११" रूपमे देल अछि।

११२. **(B) पुरस्कार-वृत्त** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "पुरस्कार-वृत्त" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११३. **(C) सम्मान-रिपोर्ताज** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "सम्मान-रिपोर्ताज" अछि।

११४. **(D) युवा नाट्य-प्रतिभाक संस्थागत मान्यता** — टिप्पणीक पहिल संकेत "युवा नाट्य-प्रतिभाक संस्थागत मान्यता" अछि।

११५. **(A) युवा नाट्य-प्रतिभाक संस्थागत मान्यता** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "युवा नाट्य-प्रतिभाक संस्थागत मान्यता" रूपमे देखाइत अछि।

११६. **(B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा पुरस्कार-वृत्त, उप-विधा सम्मान-रिपोर्ताज** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११७. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११८. **(D) ई पाठ सम्मान-रिपोर्ताजक रूपमे पुरस्कार-वृत्त-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११९. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१२०. **(B) खण्ड 1918, सूचकांक पंक्ति 609मे गजेन्द्र ठाकूरक "नाटककार आनन्द कुमार झा – साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार २०११" प्रविष्टि पुरस्कार-वृत्त, सम्मान-रिपोर्ताज आ "युवा नाट्य-प्रतिभाक संस्थागत मान्यता" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१२१. **(A) "भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक** — सूचकांक पंक्ति 610मे — (रिपोर्ताज)क प्रविष्टि ""भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक" रूपमे देल अछि।

१२२. **(B) नाटक/मंचन** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "नाटक/मंचन" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१२३. **(C) सामाजिक यथार्थ** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "सामाजिक यथार्थ" अछि।

१२४. **(D) विस्मृति, भूल, पहिचान** — टिप्पणीक पहिल संकेत "विस्मृति, भूल, पहिचान" अछि।

१२५. (A) विस्मृति, भूल, पहिचान — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “विस्मृति, भूल, पहिचान” रूपमे देखाइत अछि।

१२६. (B) लेखक — (रिपोर्ताज), विधा नाटक/मंचन, उप-विधा सामाजिक यथार्थ — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१२७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१२८. (D) ई पाठ सामाजिक यथार्थक रूपमे नाटक/मंचन-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१३०. (B) खण्ड 1919, सूचकांक पंक्ति 610मे — (रिपोर्ताज)क “"भोरक भुलाइल" – जवाहरलाल कश्यपक नाटक” प्रविष्टि नाटक/मंचन, सामाजिक यथार्थ आ “विस्मृति, भूल, पहिचान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१३१. (A) मैथिलोत्सव २०११ — सूचकांक पंक्ति 611मे मुन्ना जीक प्रविष्टि “मैथिलोत्सव २०११” रूपमे देल अछि।

१३२. (B) रिपोर्ताज — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१३३. (C) महोत्सव-विवरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “महोत्सव-विवरण” अछि।

१३४. (D) मैथिली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सामूहिक अस्मिता — टिप्पणीक पहिल संकेत “मैथिली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सामूहिक अस्मिता” अछि।

१३५. (A) मैथिली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सामूहिक अस्मिता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मैथिली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सामूहिक अस्मिता” रूपमे देखाइत अछि।

१३६. (B) लेखक मुन्ना जी, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा महोत्सव-विवरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१३७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१३८. (D) ई पाठ महोत्सव-विवरणक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१३९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१४०. (B) खण्ड 1920, सूचकांक पंक्ति 611मे मुन्ना जीक “मैथिलोत्सव २०११” प्रविष्टि रिपोर्ताज, महोत्सव-विवरण आ “मैथिली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सामूहिक अस्मिता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१४१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११ — सूचकांक पंक्ति 612मे पूनम मण्डलक प्रविष्टि “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११” रूपमे देल अछि।

१४२. (B) पुरस्कार-रिपोर्ताज — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “पुरस्कार-रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१४३. (C) साहित्य सम्मान — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “साहित्य सम्मान” अछि।

१४४. (D) ग्राम-जीवन, लोक-संवेदना, दस्तावेजीकरण — टिप्पणीक पहिल संकेत “ग्राम-जीवन, लोक-संवेदना, दस्तावेजीकरण” अछि।

१४५. (A) ग्राम-जीवन, लोक-संवेदना, दस्तावेजीकरण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “ग्राम-जीवन, लोक-संवेदना, दस्तावेजीकरण” रूपमे देखाइत अछि।

१४६. (B) लेखक पूनम मण्डल, विधा पुरस्कार-रिपोर्ताज, उप-विधा साहित्य सम्मान — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१४७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१४८. (D) ई पाठ साहित्य सम्मानक रूपमे पुरस्कार-रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१४९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१५०. **(B) खण्ड 1921, सूचकांक पंक्ति 612मे पूनम मण्डलक “जगदीश प्रसाद मण्डल – "गामक जिनगी" लेल टैगोर साहित्य पुरस्कार २०११” प्रविष्टि पुरस्कार-रिपोर्ताज, साहित्य सम्मान आ “ग्राम-जीवन, लोक-संवेदना, दस्तावेजीकरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१५१. **(A) "बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन** — सूचकांक पंक्ति 613मे मनोज कुमार मण्डलक प्रविष्टि “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन” रूपमे देल अछि।

१५२. **(B) मंचन-रिपोर्ताज** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “मंचन-रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१५३. **(C) सिल थियेटर** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सिल थियेटर” अछि।

१५४. **(D) पितृ-संकट** — टिप्पणीक पहिल संकेत “पितृ-संकट” अछि।

१५५. **(A) पितृ-संकट** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “पितृ-संकट” रूपमे देखाइत अछि।

१५६. **(B) लेखक मनोज कुमार मण्डल, विधा मंचन-रिपोर्ताज, उप-विधा सिल थियेटर** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१५७. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१५८. **(D) ई पाठ सिल थियेटरक रूपमे मंचन-रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१५९. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१६०. **(B) खण्ड 1922, सूचकांक पंक्ति 613मे मनोज कुमार मण्डलक “"बाप भेल विपत्ति" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टि मंचन-रिपोर्ताज, सिल थियेटर आ “पितृ-संकट” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१६१. **(A) "अधिकार" नाटक – सिल मंचन** — सूचकांक पंक्ति 614मे मनोज कुमार मण्डलक प्रविष्टि “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन” रूपमे देल अछि।

१६२. **(B) मंचन-रिपोर्ताज** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “मंचन-रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१६३. **(C) सिल थियेटर** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सिल थियेटर” अछि।

१६४. **(D) अधिकार-चेतना, ग्राम्सी, संघर्ष** — टिप्पणीक पहिल संकेत “अधिकार-चेतना, ग्राम्सी, संघर्ष” अछि।

१६५. **(A) अधिकार-चेतना, ग्राम्सी, संघर्ष** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “अधिकार-चेतना, ग्राम्सी, संघर्ष” रूपमे देखाइत अछि।

१६६. **(B) लेखक मनोज कुमार मण्डल, विधा मंचन-रिपोर्ताज, उप-विधा सिल थियेटर** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१६७. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१६८. **(D) ई पाठ सिल थियेटरक रूपमे मंचन-रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१६९. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१७०. **(B) खण्ड 1923, सूचकांक पंक्ति 614मे मनोज कुमार मण्डलक “"अधिकार" नाटक – सिल मंचन” प्रविष्टि मंचन-रिपोर्ताज, सिल थियेटर आ “अधिकार-चेतना, ग्राम्सी, संघर्ष” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१७१. **(A) तितिया प्रस्तुति** — सूचकांक पंक्ति 615मे बृषेश चन्द्र लालक प्रविष्टि “तितिया प्रस्तुति” रूपमे देल अछि।

१७२. **(B) रिपोर्ताज** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “रिपोर्ताज” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१७३. **(C) सांस्कृतिक प्रस्तुति** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सांस्कृतिक प्रस्तुति” अछि।

१७४. **(D) रंगमंच विविधता, प्रयोगात्मक प्रदर्शन** — टिप्पणीक पहिल संकेत “रंगमंच विविधता, प्रयोगात्मक प्रदर्शन” अछि।

१७५. **(A) रंगमंच विविधता, प्रयोगात्मक प्रदर्शन** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “रंगमंच विविधता, प्रयोगात्मक प्रदर्शन” रूपमे देखाइत अछि।

१७६. **(B) लेखक बृषेश चन्द्र लाल, विधा रिपोर्ताज, उप-विधा सांस्कृतिक प्रस्तुति** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१७७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१७८. (D) ई पाठ सांस्कृतिक प्रस्तुतिक रूपमे रिपोर्ताज-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१७९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१८०. (B) खण्ड 1924, सूचकांक पंक्ति 615मे बृषेश चन्द्र लालक "तितिया प्रस्तुति" प्रविष्टि रिपोर्ताज, सांस्कृतिक प्रस्तुति आ "रंगमंच विविधता, प्रयोगात्मक प्रदर्शन" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 8क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१८१. (A) २५ वर्षक मौन भंग — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ २५ वर्षक मौन भंग सँ जोड़ैत अछि।

१८२. (A) २५ वर्षक मौन भंग — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१८३. (A) २५ वर्षक मौन भंग — सुरक्षित पठन स्रोत-सार २५ वर्षक मौन भंग धरि सीमित रहैत अछि।

१८४. (A) शीर्षक २५ वर्षक मौन भंग दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१८५. (A) २५ वर्षक मौन भंग — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल २५ वर्षक मौन भंग सँ बनैत अछि।

१८६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१८७. (A) २५ वर्षक मौन भंग — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ २५ वर्षक मौन भंगक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१८८. (A) २५ वर्षक मौन भंगक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१८९. (A) नाटकक रूप २५ वर्षक मौन भंग केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१९०. (A) उत्तरकेँ २५ वर्षक मौन भंग धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१९१. (A) छठम किस्त — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ छठम किस्त सँ जोड़ैत अछि।

१९२. (A) छठम किस्त — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१९३. (A) छठम किस्त — सुरक्षित पठन स्रोत-सार छठम किस्त धरि सीमित रहैत अछि।

१९४. (A) शीर्षक छठम किस्त दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१९५. (A) छठम किस्त — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल छठम किस्त सँ बनैत अछि।

१९६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१९७. (A) छठम किस्त — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ छठम किस्तक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१९८. (A) छठम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१९९. (A) शोध-लेखक रूप छठम किस्त केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२००. (A) उत्तरकेँ छठम किस्त धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

२०१. (A) आठम किस्त — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ आठम किस्त सँ जोड़ैत अछि।

२०२. (A) आठम किस्त — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

२०३. (A) आठम किस्त — सुरक्षित पठन स्रोत-सार आठम किस्त धरि सीमित रहैत अछि।

२०४. (A) शीर्षक आठम किस्त दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

२०५. (A) आठम किस्त — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल आठम किस्त सँ बनैत अछि।

२०६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

२०७. (A) आठम किस्त — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ आठम किस्तक आधार पर ग्रहणीय अछि।

२०८. (A) आठम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२०९. (A) उपन्यासक रूप आठम किस्त केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२१०. (A) उत्तरकेँ आठम किस्त धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

२११. (A) आठम किस्त — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ आठम किस्त सँ जोड़ैत अछि।

२१२. (A) आठम किस्त — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

२१३. (A) आठम किस्त — सुरक्षित पठन स्रोत-सार आठम किस्त धरि सीमित रहैत अछि।

२१४. (A) शीर्षक आठम किस्त दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

२१५. (A) आठम किस्त — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल आठम किस्त सँ बनैत अछि।

२१६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

२१७. (A) आठम किस्त — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ आठम किस्तक आधार पर ग्रहणीय अछि।

२१८. (A) आठम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२१९. (A) महाकाव्यक रूप आठम किस्त केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२२०. (A) उत्तरकेँ आठम किस्त धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

२२१. (A) -- — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ -- सँ जोड़ैत अछि।

२२२. (A) -- — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

२२३. (A) -- — सुरक्षित पठन स्रोत-सार -- धरि सीमित रहैत अछि।

२२४. (A) शीर्षक -- दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

२२५. (A) -- — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल -- सँ बनैत अछि।

२२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

२२७. (A) -- — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ --क आधार पर ग्रहणीय अछि।

२२८. (A) --क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२२९. (A) कथाक रूप -- केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२३०. (A) उत्तरकेँ -- धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

२३१. (A) -- — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ -- सँ जोड़ैत अछि।

२३२. (A) -- — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

२३३. (A) -- — सुरक्षित पठन स्रोत-सार -- धरि सीमित रहैत अछि।

२३४. (A) शीर्षक -- दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

२३५. (A) -- — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल -- सँ बनैत अछि।

२३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

२३७. (A) -- — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ --क आधार पर ग्रहणीय अछि।

२३८. (A) --क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२३९. (A) पद्यक रूप -- केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२४०. (A) उत्तरकेँ -- धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

२४१. (A) प्रवासी स्तंभ — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रवासी स्तंभ सँ जोड़ैत अछि।

२४२. (A) प्रवासी स्तंभ — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

२४३. (A) प्रवासी स्तंभ — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रवासी स्तंभ धरि सीमित रहैत अछि।

२४४. (A) शीर्षक प्रवासी स्तंभ दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

२४५. (A) प्रवासी स्तंभ — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रवासी स्तंभ सँ बनैत अछि।

२४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

२४७. (A) प्रवासी स्तंभ — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रवासी स्तंभक आधार पर ग्रहणीय अछि।

२४८. (A) प्रवासी स्तंभक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२४९. (A) अंग्रेजी-पद्यक रूप प्रवासी स्तंभ कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२५०. (A) उत्तरकैँ प्रवासी स्तंभ धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

२५१. (A) धारावाहिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ धारावाहिक सँ जोड़ैत अछि।

२५२. (A) धारावाहिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

२५३. (A) धारावाहिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार धारावाहिक धरि सीमित रहैत अछि।

२५४. (A) शीर्षक धारावाहिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

२५५. (A) धारावाहिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल धारावाहिक सँ बनैत अछि।

२५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

२५७. (A) धारावाहिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ धारावाहिकक आधार पर ग्रहणीय अछि।

२५८. (A) धारावाहिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२५९. (A) संस्कृत-शिक्षाक रूप धारावाहिक कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२६०. (A) उत्तरकैँ धारावाहिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

२६१. (A) धारावाहिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ धारावाहिक सँ जोड़ैत अछि।

२६२. (A) धारावाहिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

२६३. (A) धारावाहिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार धारावाहिक धरि सीमित रहैत अछि।

२६४. (A) शीर्षक धारावाहिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

२६५. (A) धारावाहिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल धारावाहिक सँ बनैत अछि।

२६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

२६७. (A) धारावाहिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ धारावाहिकक आधार पर ग्रहणीय अछि।

२६८. (A) धारावाहिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२६९. (A) रचना लिखबासँ पहिने...क रूप धारावाहिक कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२७०. (A) उत्तरकैँ धारावाहिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

२७१. (A) धारावाहिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ धारावाहिक सँ जोड़ैत अछि।

२७२. (A) धारावाहिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

२७३. (A) धारावाहिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार धारावाहिक धरि सीमित रहैत अछि।

२७४. (A) शीर्षक धारावाहिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

२७५. (A) धारावाहिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल धारावाहिक सँ बनैत अछि।

२७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

२७७. (A) धारावाहिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ धारावाहिकक आधार पर ग्रहणीय अछि।

२७८. (A) धारावाहिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२७९. (A) अंग्रेजी-गद्यक रूप धारावाहिक कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२८०. (A) उत्तरकैँ धारावाहिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

अध्याय २ : विदेह-सदेह ९ — विस्तृत अध्ययन

खण्ड ५ : विदेह-सदेह ९ — बाल साहित्य (विस्तार)

१. विदेह-सदेह ९ मे ब्युटी कुमारीक आलेख कोन महापुरुषपर अछि?

(A) राहुल सांकृत्यायन
(B) विद्यापति
(C) ज्योतिरीश्वर
(D) कोनो नहि

२. राहुल सांकृत्यायनक मूल नाम की छल?

(A) केदारनाथ पाण्डे
(B) रामनाथ पाण्डे
(C) श्यामनाथ पाण्डे
(D) कोनो नहि

३. राहुल सांकृत्यायन सन् १९४५ मे कोन विश्वविद्यालयमे प्राध्यापक बनलाह?

(A) लेनिनग्राद विश्वविद्यालय
(B) दिल्ली विश्वविद्यालय
(C) JNU
(D) कोनो नहि

४. राहुल सांकृत्यायन सोवियत संघमे कतेक मास रहलाह, आलेख अनुसार?

(A) पचीस मास
(B) दस मास
(C) सय मास
(D) कोनो नहि

५. विदेह-सदेह ९ मे ब्युटी कुमारीक कथा 'कैदी' मे चित्रकार किनकर चित्र बनबैत छथि?

(A) ईसा मसीह आ शैतान (एकटा कैदीक मुँहसँ प्रेरित)
(B) विद्यापति
(C) गोनू झा
(D) कोनो नहि

६. विदेह-सदेह ९ मे भावना नवीनक रचनाक शीर्षक की?

(A) हमर प्रिये नेना भुटका
(B) कैदी
(C) राहुलजी एक नजरिमे
(D) कोनो नहि

७. भावना नवीनक रचनामे मातृभाषाक प्रति की सन्देश अछि?

(A) विदेशी भाषाक खर्च बढ़ाएब
(B) अपन भाषाकेँ उपेक्षा नहि करबाक चाही
(C) केवल अंग्रेजी सीखब
(D) कोनो नहि

८. विदेह-सदेह ९ मे शबनम श्रीक रचनाक शीर्षक की?

(A) कंप्यूटरक खेल
(B) हमर प्रिये नेना भुटका
(C) कैदी
(D) कोनो नहि

९. विदेह-सदेह ९ मे डॉ. रमण झा प्रीति ठाकुरक कोन कृतिक चर्चा करैत छथि?

(A) मैथिली चित्रकथा आ गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा

(B) सहस्रबाढ़नि

(C) भाग रौ

(D) कोनो नहि

१०. डॉ. रमण झाक आलेख अनुसार मिथिलामे खिस्सा-कहबाक परम्परा के सुनबैत छथि?

(A) बूढ़ पुरान स्त्रीगण

(B) केवल पुरुष

(C) विदेशी

(D) कोनो नहि

११. डॉ. रमण झाक आलेख अनुसार मैथिली विद्यालय-स्तरपर कोन विडम्बना अछि?

(A) सरकारी घोषनाक बादो पढ़ल नहि जाइत अछि

(B) कोनो नहि

(C) अनिवार्य अछि

(D) सभठाम पढ़ल जाइत अछि

१२. ब्युटी कुमारी कोन विद्यालयमे सहायक शिक्षिका छथि?

(A) संस्कृत मधुराम इंटर स्तरीय विद्यालय, ग्वालपाड़ा, मधेपुरा

(B) दिल्ली विश्वविद्यालय

(C) JNU

(D) कोनो नहि

१३. ब्युटी कुमारी कतयसँ बी.एड. केलनि?

(A) जम्मू विश्वविद्यालय

(B) दिल्ली विश्वविद्यालय

(C) JNU

(D) कोनो नहि

१४. विदेह-सदेह ९ मे डाक्टर-बोखार सन्दर्भक लोकोक्तिमे 'फारसी पढ़लौं पुत्ता' क भाव की?

(A) विदेशी भाषाक अति-मोहसँ अपन हानि

(B) केवल मनोरंजन

(C) फारसी निरर्थक

(D) कोनो नहि

१५. विदेह-सदेह ९ मे प्रीति ठाकुरक चित्रकथा कोन डिजिटल मंचपर डाउनलोड-योग्य अछि?

(A) गूगल साइट्स (sites.google.com/a/videha)

(B) फेसबुक

(C) ट्विटर

(D) कोनो नहि

खण्ड ३९ : विदेह-सदेह ९ — गोनू झा चित्रकथा समीक्षा (विस्तार)

१६. भावना नवीनक रचनामे माय आ मातृभाषाक तुलना कोना कएल गेल अछि?

(A) दूधक संग घोंटल जाइत भाषा (मातृभाषा) सँ तुलना

(B) केवल विदेशी भाषासँ तुलना

(C) कोनो तुलना नहि

(D) कोनो नहि

१७. डॉ. रमण झाक समीक्षित ‘गोनू आ आन मैथिली चित्रकथा’ मे कुल कतेक कथा अछि?

(A) १६ गोट (नओ गोट गोनू झासँ सम्बद्ध)

(B) दस गोट

(C) पाँच गोट

(D) कोनो नहि

१८. डॉ. रमण झाक समीक्षित प्रीति ठाकुरक दोसर संग्रह ‘मैथिली चित्रकथा’ मे कतेक प्रमुख कथा अछि?

(A) दस गोट

(B) सोलह गोट

(C) पाँच गोट

(D) कोनो नहि

१९. डॉ. रमण झा अनुसार एहि चित्रकथा-संग्रहमे कथाक यथार्थताकेँ की बढ़ाबैत अछि?

(A) कथाक बीच-बीचमे काल्पनिक चित्रक समायोजन

(B) केवल पाठ

(C) केवल शीर्षक

(D) कोनो नहि

खण्ड ४९ : विदेह-सदेह ९ — मुन्नाजीक स्मृति-लेख आ काश्यप कमलक खिस्सा (विस्तार)

२०. मुन्नाजीक आत्मकथात्मक लेखक नाम की?

(A) पथ दर्शन

(B) सहस्रमुखक दीप

(C) बाबूक सुनाएल खिस्सा

(D) कोनो नहि

२१. ‘पथ दर्शन’ मे लेखक कोन घटनासँ मर्माहत भेलाह?

(A) विद्यालयक सांस्कृतिक कार्यक्रममे बच्चाक संगीत-चयन

(B) परीक्षाफल

(C) खेल-प्रतियोगिता

(D) कोनो नहि

२२. लेखक एहि घटनाक बाद शिक्षककेँ शिकायत कएलापर के उत्तर भेटलनि?

(A) बच्चा जेहन धरनदार, तैयारियो तेहने

(B) समाधानक आश्वासन

(C) माफी

(D) कोनो नहि

२३. काश्यप कमलक खिस्साक नाम की?

(A) सहस्रमुखक दीप

(B) पथ दर्शन

(C) बाबूक सुनाएल खिस्सा (शीर्षक-शृंखला)

(D) कोनो नहि

२४. ‘सहस्रमुखक दीप’ खिस्साक मुख्य पात्र के छथि?

(A) एक राजा जे रोज वेश बदलि प्रजाक हाल देखैत छलाह

(B) केवल गरीब आदमी

(C) केवल पत्नी

(D) कोनो नहि

२५. खिस्सामे राजा कोन गरीब परिवारक संवाद सुनैत छथि?

(A) कर्जा लऽ कऽ ‘सहस्रमुखक दीप’ जरबैत परिवार

(B) धनिक परिवार

(C) विदेशी परिवार

(D) कोनो नहि

२६. खिस्साक मूल सीख की?

(A) गरीबीमे सेहो श्रद्धा-सन्तोषक भाव सम्भव

(B) धन्य लोक सुखी होइत छथि

(C) कोनो सीख नहि

(D) कोनो नहि

खण्ड 1925 : विदेह-सदेह 9 — गजेन्द्र ठाकूर: शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र

२७. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचना/प्रस्तावना

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) भरतमुनिक रससिद्धान्त – बाल-हृदयसंवाद

३१. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भरतमुनिक रससिद्धान्त – बाल-हृदयसंवाद

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा गद्य, उप-विधा समालोचना/प्रस्तावना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र”केँ विदेह-सदेह 9क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समालोचना/प्रस्तावनाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३५. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६. खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616मे गजेन्द्र ठाकूरक “शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र” प्रविष्टि गद्य, समालोचना/प्रस्तावना आ “भरतमुनिक रससिद्धान्त – बाल-हृदयसंवाद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1926 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: ध्वनि-प्रतिध्वनि

३७. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) ध्वनि-प्रतिध्वनि

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कहानी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चेतना

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ध्वनि-प्रतिध्वनि – वैदिक उपमा

४१. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ध्वनि-प्रतिध्वनि – वैदिक उपमा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कहानी, उप-विधा बाल-चेतना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि”केँ विदेह-सदेह 9क कहानी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चेतनाक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।

४५. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६. खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617मे ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि” प्रविष्टि कहानी, बाल-चेतना आ “ध्वनि-प्रतिध्वनि – वैदिक उपमा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1927 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: अदृश्य बन्धन

४७. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) अदृश्य बन्धन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कहानी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-मनोविज्ञान

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) माया-भ्रामकता

५१. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) माया-भ्रामकता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कहानी, उप-विधा बाल-मनोविज्ञान

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन”केँ विदेह-सदेह 9क कहानी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-मनोविज्ञानक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।

५५. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६. खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618मे ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन” प्रविष्टि कहानी, बाल-मनोविज्ञान आ “माया-भ्रामकता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1928 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी

५७. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शिशु-साहित्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लोभ-परिणाम

६१. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लोभ-परिणाम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी”केँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

६५. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६. खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “लोभ-परिणाम” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1929 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल

६७. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शिशु-साहित्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मणि-अंगूठी प्रतीक

७१. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बेट्टेलहाइमक परीकथा-विश्लेषण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल”कैँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

७५. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६. खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “बेट्टेलहाइमक परीकथा-विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1930 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी

७७. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शिशु-साहित्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) अनुरणन-पुनरुद्धार

८१. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लूकाच्सक ‘सामाजिक यथार्थ’

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी”कैं विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

८५. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६. खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “लूकाच्सक ‘सामाजिक यथार्थ’” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1931 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि

८७. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शिशु-साहित्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बुद्धि-पराक्रम (नारी)

९१. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बुद्धि-पराक्रम (नारी)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि”कैँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

९५. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६. खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “बुद्धि-पराक्रम (नारी)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1932 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: नानीक खिस्सा – सुहान बोन

९७. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नानीक खिस्सा – सुहान बोन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शिशु-साहित्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) राक्षसी-विजय (असत्य पर सत्य)

१०१. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) राक्षसी-विजय (असत्य पर सत्य)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन”कैं विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०५. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६. खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “राक्षसी-विजय (असत्य पर सत्य)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1933 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: राहुलजी एक नजरिमे

१०७. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) राहुलजी एक नजरिमे

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-जीवनी

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ज्ञान-यात्रा, भ्रमणकथा

१११. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ज्ञान-यात्रा, भ्रमणकथा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लेख, उप-विधा बाल-जीवनी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे”केँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-जीवनीक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

११५. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६. खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624मे ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टि लेख, बाल-जीवनी आ “ज्ञान-यात्रा, भ्रमणकथा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1934 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: कैदी

११७. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) कैदी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेरणादायक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) चित्रकारक चित्र-सत्य

१२१. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) चित्रकारक चित्र-सत्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लेख, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी”कैं विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

१२५. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६. खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625मे ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी” प्रविष्टि लेख, बाल-प्रेरणादायक आ “चित्रकारक चित्र-सत्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1935 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: हमर प्रिये नेना भुटका

१२७. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) हमर प्रिये नेना भुटका

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२८. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चेतना

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मातृभाषाक महिमा (भरत ‘स्वभाषा-रस’)

१३१. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मातृभाषाक महिमा (भरत ‘स्वभाषा-रस’)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३२. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लेख, उप-विधा बाल-चेतना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका”कैं विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चेतनाक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

१३५. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६. खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626मे ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टि लेख, बाल-चेतना आ “मातृभाषाक महिमा (भरत ‘स्वभाषा-रस’)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1936 : विदेह-सदेह 9 — ब्युटी कुमारी: राहुलजी एक नजरिमे

१३७. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) राहुलजी एक नजरिमे

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३८. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-जीवनी

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) राहुल सांकृत्यायन – बाल-साहित्य हेतु आदर्श चरित

१४१. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) राहुल सांकृत्यायन – बाल-साहित्य हेतु आदर्श चरित

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४२. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ब्युटी कुमारी, विधा लेख, उप-विधा बाल-जीवनी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे”केँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-जीवनीक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

१४५. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६. खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627मे ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टि लेख, बाल-जीवनी आ “राहुल सांकृत्यायन – बाल-साहित्य हेतु आदर्श चरित” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1937 : विदेह-सदेह 9 — भावना नवीन: हमर प्रिये नेना भुटका

१४७. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) हमर प्रिये नेना भुटका

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४८. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चेतना

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मातृभाषा-प्रेम, राष्ट्रभाषा हिन्दी-मैथिली संवाद

१५१. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मातृभाषा-प्रेम, राष्ट्रभाषा हिन्दी-मैथिली संवाद

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५२. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक भावना नवीन, विधा लेख, उप-विधा बाल-चेतना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका”केँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चेतनाक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

१५५. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६. खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628मे भावना नवीनक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टि लेख, बाल-चेतना आ “मातृभाषा-प्रेम, राष्ट्रभाषा हिन्दी-मैथिली संवाद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1938 : विदेह-सदेह 9 — शबनम श्री: कंप्यूटरक खेल

१५७. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) कंप्यूटरक खेल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५८. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शैक्षिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पियाजेक आपरेशनल अवस्था – कम्प्यूटर सीखल

१६१. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पियाजेक आपरेशनल अवस्था – कम्प्यूटर सीखल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६२. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शबनम श्री, विधा लेख, उप-विधा बाल-शैक्षिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल”कैं विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शैक्षिकक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

१६५. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६. खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629मे शबनम श्रीक “कंप्यूटरक खेल” प्रविष्टि लेख, बाल-शैक्षिक आ “पियाजेक आपरेशनल अवस्था – कम्प्यूटर सीखल” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1939 : विदेह-सदेह 9 — डॉ. रमण झा: गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा

१६७. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६८. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-पुस्तक-समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) चित्र-कथा परम्परा

१७१. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) चित्र-कथा परम्परा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७२. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. रमण झा, विधा समीक्षा, उप-विधा बाल-पुस्तक-समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”केँ विदेह-सदेह 9क समीक्षा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-पुस्तक-समीक्षाक रूपमे समीक्षा-संसारसँ जुड़ल अछि।

१७५. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७६. खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630मे डॉ. रमण झाक “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” प्रविष्टि समीक्षा, बाल-पुस्तक-समीक्षा आ “चित्र-कथा परम्परा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1940 : विदेह-सदेह 9 — विनीत उत्पल: कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार

१७७. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७८. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-सिनेमा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बाल-कलाकारक परिणति

१८१. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बाल-कलाकारक परिणति

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८२. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक विनीत उत्पल, विधा लेख, उप-विधा बाल-सिनेमा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार”केँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-सिनेमाक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

१८५. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८६. खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631मे विनीत उत्पलक “कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार” प्रविष्टि लेख, बाल-सिनेमा आ “बाल-कलाकारक परिणति” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1941 : विदेह-सदेह 9 — डॉ. अभ्यधारी सिंह: अभिनव वर्ष

१८७. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) अभिनव वर्ष

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८८. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-जानकारी

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) विक्रम संवत्क प्राचीनता

१९१. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) विक्रम संवत्क प्राचीनता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९२. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. अभ्यधारी सिंह, विधा लेख, उप-विधा बाल-जानकारी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष”कैँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-जानकारीक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

१९५. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९६. खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632मे डॉ. अभ्यधारी सिंहक “अभिनव वर्ष” प्रविष्टि लेख, बाल-जानकारी आ “विक्रम संवत्क प्राचीनता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1942 : विदेह-सदेह 9 — अनमोल झा: एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर

१९७. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९८. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-व्यंग्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) हास्य-व्यंग्य (ललित कला)

२०१. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) हास्य-व्यंग्य (ललित कला)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०२. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अनमोल झा, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-व्यंग्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर”केँ विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-व्यंग्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

२०५. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०६. खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633मे अनमोल झाक “एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-व्यंग्य आ “हास्य-व्यंग्य (ललित कला)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1943 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा ‘टिल्लू’: तरंगन देखाइए

२०७. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “तरंगन देखाइए” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) तरंगन देखाइए

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०८. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लोक-जीवन, कथा-प्रवाह

२११. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लोक-जीवन, कथा-प्रवाह

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१२. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा 'टिल्लू', विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए"कैं विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

२१५. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१६. खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन देखाइए" प्रविष्टि लघुकथा, बाल-हास्य आ "लोक-जीवन, कथा-प्रवाह" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1944 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा 'टिल्लू': दहीक ठोप

२१७. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "दहीक ठोप" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) दहीक ठोप

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१८. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "दहीक ठोप"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "दहीक ठोप"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "दहीक ठोप" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ग्राम्य-व्यंग्य

२२१. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "दहीक ठोप" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ग्राम्य-व्यंग्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२२. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "दहीक ठोप"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा 'टिल्लू', विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "दहीक ठोप" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “दहीक ठोप”कैं विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

२२५. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “दहीक ठोप” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२६. खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “दहीक ठोप” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-हास्य आ “ग्राम्य-व्यंग्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1945 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा ‘टिल्लू’: खाँइछक लेल साडी

२२७. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) खाँइछक लेल साडी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२८. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-मार्मिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मातृ-प्रेम, दीन-दर्शन

२३१. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मातृ-प्रेम, दीन-दर्शन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३२. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-मार्मिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी”केँ विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-मार्मिकक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

२३५. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३६. खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-मार्मिक आ “मातृ-प्रेम, दीन-दर्शन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1946 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा ‘टिल्लू’: नारियल-गाछ

२३७. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नारियल-गाछ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३८. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-संस्मरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) वृक्ष-संस्कार

२४१. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) वृक्ष-संस्कार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४२. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-संस्मरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ”केँ विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-संस्मरणक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

२४५. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४६. खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “नारियल-गाछ” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-संस्मरण आ “वृक्ष-संस्कार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1947 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा ‘टिल्लू’: मिथिलाक लोकदेवता

२४७. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मिथिलाक लोकदेवता” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मिथिलाक लोकदेवता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४८. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मिथिलाक लोकदेवता”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मिथिलाक लोकदेवता”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-सांस्कृतिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५०. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मिथिलाक लोकदेवता” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लोकदेवता-पूजा

२५१. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मिथिलाक लोकदेवता” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लोकदेवता-पूजा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५२. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मिथिलाक लोकदेवता”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा लेख, उप-विधा बाल-सांस्कृतिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५३. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मिथिलाक लोकदेवता” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५४. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मिथिलाक लोकदेवता”कैं विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-सांस्कृतिकक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

२५५. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "मिथिलाक लोकदेवता" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५६. खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "मिथिलाक लोकदेवता" प्रविष्टि लेख, बाल-सांस्कृतिक आ "लोकदेवता-पूजा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1948 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा 'टिल्लू': तरंगन आनक बडाइ

२५७. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन आनक बडाइ" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) तरंगन आनक बडाइ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५८. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन आनक बडाइ"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५९. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन आनक बडाइ"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-पुस्तक-समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६०. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन आनक बडाइ" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'तरंगन' – बाल-नैतिकता, कर्म-सिद्धान्त

२६१. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन आनक बडाइ" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'तरंगन' – बाल-नैतिकता, कर्म-सिद्धान्त

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६२. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन आनक बडाइ"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा 'टिल्लू', विधा समीक्षा, उप-विधा बाल-पुस्तक-समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६३. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “तरंगन आनक बडाइ” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६४. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “तरंगन आनक बडाइ”कैँ विदेह-सदेह 9क समीक्षा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-पुस्तक-समीक्षाक रूपमे समीक्षा-संसारसँ जुड़ल अछि।

२६५. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “तरंगन आनक बडाइ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६६. खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “तरंगन आनक बडाइ” प्रविष्टि समीक्षा, बाल-पुस्तक-समीक्षा आ “जगदीश प्रसाद मण्डलक ‘तरंगन’ – बाल-नैतिकता, कर्म-सिद्धान्त” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1949 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा ‘टिल्लू’: साबरमती आश्रम

२६७. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) साबरमती आश्रम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६८. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) यात्रा-संस्मरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६९. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेरणादायक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७०. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गाँधीजीक अहिंसा

२७१. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गाँधीजीक अहिंसा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७२. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा यात्रा-संस्मरण, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७३. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७४. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम”केँ विदेह-सदेह 9क यात्रा-संस्मरण-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे यात्रा-संस्मरण-संसारसँ जुड़ल अछि।

२७५. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७६. खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम” प्रविष्टि यात्रा-संस्मरण, बाल-प्रेरणादायक आ “गाँधीजीक अहिंसा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1950 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा ‘टिल्लू’: मूर्ख राजा आ ओकर बेटा

२७७. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मूर्ख राजा आ ओकर बेटा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७८. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कहानी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७९. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८०. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मूर्ख-राजा बिम्ब – कौटिल्य ‘अर्थशास्त्र’

२८१. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) अरस्तू: करुणा-भय

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८२. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा कहानी, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८३. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८४. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा”कैं विदेह-सदेह 9क कहानी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।

२८५. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८६. खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा” प्रविष्टि कहानी, बाल-शिक्षाप्रद आ “अरस्तू: करुणा-भय” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1951 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा ‘टिल्लू’: देश-प्रेम

२८७. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “देश-प्रेम” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) देश-प्रेम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८८. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “देश-प्रेम”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कहानी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८९. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “देश-प्रेम”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-देशभक्ति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९०. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “देश-प्रेम” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) रूस-जापान युद्ध – बलिदान

२९१. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "देश-प्रेम" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) रूस-जापान युद्ध – बलिदान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९२. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "देश-प्रेम"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा 'टिल्लू', विधा कहानी, उप-विधा बाल-देशभक्ति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९३. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "देश-प्रेम" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९४. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "देश-प्रेम"केँ विदेह-सदेह 9क कहानी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।

२९५. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "देश-प्रेम" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९६. खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "देश-प्रेम" प्रविष्टि कहानी, बाल-देशभक्ति आ "रूस-जापान युद्ध – बलिदान" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1952 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा 'टिल्लू': गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा

२९७. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९८. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९९. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-पुस्तक-समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३००. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) प्रीति ठाकूर – शब्द-चित्र संवाद, पियाजेक दृश्य-सीख

३०१. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) प्रीति ठाकूर – शब्द-चित्र संवाद, पियाजेक दृश्य-सीख

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०२. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा समीक्षा, उप-विधा बाल-पुस्तक-समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०३. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०४. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”केँ विदेह-सदेह 9क समीक्षा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-पुस्तक-समीक्षाक रूपमे समीक्षा-संसारसँ जुड़ल अछि।

३०५. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०६. खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा" प्रविष्टि समीक्षा, बाल-पुस्तक-समीक्षा आ "प्रीति ठाकूर – शब्द-चित्र संवाद, पियाजेक दृश्य-सीख" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1953 : विदेह-सदेह 9 — शिवकुमार झा 'टिल्लू': बाल दिवस

३०७. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "बाल दिवस" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल दिवस

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०८. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "बाल दिवस"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०९. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "बाल दिवस"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-जानकारी

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१०. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "बाल दिवस" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) नेहरू – बाल-मैत्री, विज्ञान-प्रेम

३११. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "बाल दिवस" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नेहरू – बाल-मैत्री, विज्ञान-प्रेम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१२. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "बाल दिवस"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिवकुमार झा 'टिल्लू', विधा लेख, उप-विधा बाल-जानकारी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१३. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “बाल दिवस” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१४. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “बाल दिवस”कैं विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-जानकारीक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

३१५. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “बाल दिवस” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१६. खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “बाल दिवस” प्रविष्टि लेख, बाल-जानकारी आ “नेहरू – बाल-मैत्री, विज्ञान-प्रेम” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1954 : विदेह-सदेह 9 — शेफालिका वर्मा: विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)

३१७. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१८. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१९. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२०. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ‘आसनम प्रभु चालन’ – छल-भेद

३२१. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ‘आसनम प्रभु चालन’ – छल-भेद

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२२. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शेफालिका वर्मा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२३. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२४. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)”कैं विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

३२५. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२६. खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645मे शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)” प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ “‘आसनम प्रभु चालन’ – छल-भेद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1955 : विदेह-सदेह 9 — शेफालिका वर्मा: पथ दर्शन

३२७. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) पथ दर्शन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२८. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२९. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३०. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बाल-गीत ‘आवारा’ पर व्यंग्य – सांस्कृतिक पतन

३३१. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बाल-गीत ‘आवारा’ पर व्यंग्य – सांस्कृतिक पतन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३२. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शेफालिका वर्मा, विधा लेख, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३३. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३४. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन”केँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

३३५. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३६. खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646मे शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन” प्रविष्टि लेख, बाल-शिक्षाप्रद आ “बाल-गीत ‘आवारा’ पर व्यंग्य – सांस्कृतिक पतन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1956 : विदेह-सदेह 9 — पवनकान्त झा: बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप

३३७. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३८. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३९. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४०. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सहस्रमुख दीप (कल्पना-यथार्थ)

३४१. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सहस्रमुख दीप (कल्पना-यथार्थ)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४२. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४३. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४४. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप”केँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

३४५. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४६. खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647मे पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप” प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ “सहस्रमुख दीप (कल्पना-यथार्थ)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1957 : विदेह-सदेह 9 — पवनकान्त झा: गप्पक अर्थ

३४७. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गप्पक अर्थ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४८. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४९. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५०. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) नटुआक गीत – संयम

३५१. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) अरस्तू: कथानक-बोध

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५२. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५३. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५४. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ”केँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

३५५. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५६. खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648मे पवनकान्त झाक “गप्पक अर्थ” प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ “अरस्तू: कथानक-बोध” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1958 : विदेह-सदेह 9 — पवनकान्त झा: जिहियासँ काल धेलक

३५७. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) जिहियासँ काल धेलक

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५८. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५९. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-व्यंग्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६०. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ज्योतिषी-साँप – व्यंग्य-शिक्षा

३६१. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ज्योतिषी-साँप – व्यंग्य-शिक्षा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६२. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-व्यंग्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६३. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६४. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक”केँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-व्यंग्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

३६५. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६६. खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649मे पवनकान्त झाक “जिहियासँ काल धेलक” प्रविष्टि लोककथा, बाल-व्यंग्य आ “ज्योतिषी-साँप – व्यंग्य-शिक्षा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1959 : विदेह-सदेह 9 — पवनकान्त झा: नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?

३६७. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६८. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६९. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७०. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पण्डित-राजकुमार

३७१. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पण्डित-राजकुमार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७२. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७३. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७४. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?”केँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

३७५. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७६. खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650मे पवनकान्त झाक “नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?” प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ “पण्डित-राजकुमार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1960 : विदेह-सदेह 9 — पवनकान्त झा: पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी

३७७. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७८. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७९. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८०. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) कण-कणमे भगवान – व्यवहार-ज्ञान

३८१. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) कण-कणमे भगवान – व्यवहार-ज्ञान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८२. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८३. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८४. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी”केँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

३८५. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८६. खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651मे पवनकान्त झाक “पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी” प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ “कण-कणमे भगवान – व्यवहार-ज्ञान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1961 : विदेह-सदेह 9 — पवनकान्त झा: अकलक मोल

३८७. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) अकलक मोल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८८. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८९. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९०. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) वृद्ध-युवा मंत्री – प्रज्ञा-परीक्षा

३९१. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) वृद्ध-युवा मंत्री – प्रज्ञा-परीक्षा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९२. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९३. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९४. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल”कैं विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

३९५. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: पवनकान्त झाक “अकलक मोल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९६. खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652मे पवनकान्त झाक “अकलक मोल” प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ “वृद्ध-युवा मंत्री – प्रज्ञा-परीक्षा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1962 : विदेह-सदेह 9 — गंगेश गुंजन: लाट साहेबक किरानी

३९७. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) लाट साहेबक किरानी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९८. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९९. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-व्यंग्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४००. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) भिखारी-व्यवस्था

४०१. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भिखारी-व्यवस्था

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०२. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गंगेश गुंजन, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-व्यंग्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०३. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०४. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी”केँ विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-व्यंग्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

४०५. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०६. खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653मे गंगेश गुंजनक “लाट साहेबक किरानी” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-व्यंग्य आ “भिखारी-व्यवस्था” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1963 : विदेह-सदेह 9 — दुर्गानन्द मण्डल: पारस

४०७. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) पारस

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०८. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०९. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेरणादायक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१०. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) चायबला पारस – विद्या-अर्जन

४११. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) चायबला पारस – विद्या-अर्जन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१२. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक दुर्गानन्द मण्डल, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१३. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१४. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस”केँ विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

४१५. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: दुर्गानन्द मण्डलक “पारस” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१६. खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654मे दुर्गानन्द मण्डलक “पारस” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-प्रेरणादायक आ “चायबला पारस – विद्या-अर्जन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1964 : विदेह-सदेह 9 — दुर्गानन्द मण्डल: राखी

४१७. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) राखी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१८. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१९. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-सांस्कृतिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२०. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) रक्षा-बन्धन – संस्कार

४२१. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) रक्षा-बन्धन – संस्कार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२२. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक दुर्गानन्द मण्डल, विधा लेख, उप-विधा बाल-सांस्कृतिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२३. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२४. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी”केँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-सांस्कृतिकक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

४२५. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: दुर्गानन्द मण्डलक “राखी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२६. खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655मे दुर्गानन्द मण्डलक “राखी” प्रविष्टि लेख, बाल-सांस्कृतिक आ “रक्षा-बन्धन – संस्कार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1965 : विदेह-सदेह 9 — दुर्गानन्द मण्डल: स्वतंत्रता दिवस

४२७. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) स्वतंत्रता दिवस

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२८. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२९. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-देशभक्ति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३०. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) भ्रष्टाचार-व्यंग्य, राजनीति-पाखंड

४३१. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भ्रष्टाचार-व्यंग्य, राजनीति-पाखंड

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३२. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक दुर्गानन्द मण्डल, विधा लेख, उप-विधा बाल-देशभक्ति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३३. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३४. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस”कैँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

४३५. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३६. खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656मे दुर्गानन्द मण्डलक “स्वतंत्रता दिवस” प्रविष्टि लेख, बाल-देशभक्ति आ “भ्रष्टाचार-व्यंग्य, राजनीति-पाखंड” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1966 : विदेह-सदेह 9 — नवीन ठाकूर: चंदा मामा आ चंद्रमा

४३७. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चंदा मामा आ चंद्रमा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३८. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३९. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-वैज्ञानिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४०. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) चन्दा-मामा परीकथा

४४१. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) चन्दा-मामा परीकथा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४२. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक नवीन ठाकूर, विधा कविता, उप-विधा बाल-वैज्ञानिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४३. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४४. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-वैज्ञानिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

४४५. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४६. खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657मे नवीन ठाकूरक “चंदा मामा आ चंद्रमा” प्रविष्टि कविता, बाल-वैज्ञानिक आ “चन्दा-मामा परीकथा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1967 : विदेह-सदेह 9 — विपिन कुमार झा: ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?

४४७. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४८. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४९. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-दार्शनिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५०. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ब्रह्मा-वनराज संवाद

४५१. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ब्रह्मा-वनराज संवाद

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५२. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक विपिन कुमार झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-दार्शनिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५३. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५४. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?”कैँ विदेह-सदेह 9क लोककथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-दार्शनिकक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

४५५. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५६. खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658मे विपिन कुमार झाक “ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?” प्रविष्टि लोककथा, बाल-दार्शनिक आ “ब्रह्मा-वनराज संवाद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1968 : विदेह-सदेह 9 — अनिल मल्लिक: दादीक गीत

४५७. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) दादीक गीत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५८. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लोकगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५९. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-लोकसाहित्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६०. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ‘उठू फूलकुमैर रानी’ – ग्राम-संस्कार

४६१. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ‘उठू फूलकुमैर रानी’ – ग्राम-संस्कार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६२. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अनिल मल्लिक, विधा लोकगीत, उप-विधा बाल-लोकसाहित्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६३. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६४. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत”कैं विदेह-सदेह 9क लोकगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-लोकसाहित्यक रूपमे लोकगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

४६५. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: अनिल मल्लिकक “दादीक गीत” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६६. खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659मे अनिल मल्लिकक “दादीक गीत” प्रविष्टि लोकगीत, बाल-लोकसाहित्य आ “‘उठू फूलकुमैर रानी’ – ग्राम-संस्कार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1969 : विदेह-सदेह 9 — बृषेश चन्द्र लाल: गोलबा

४६७. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गोलबा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६८. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कहानी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६९. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-मार्मिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७०. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गोलबा (बकरा) – बलिदान

४७१. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गोलबा (बकरा) – बलिदान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७२. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक बृषेश चन्द्र लाल, विधा कहानी, उप-विधा बाल-मार्मिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७३. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७४. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा”केँ विदेह-सदेह 9क कहानी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-मार्मिकक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।

४७५. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७६. खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660मे बृषेश चन्द्र लालक “गोलबा” प्रविष्टि कहानी, बाल-मार्मिक आ “गोलबा (बकरा) – बलिदान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1970 : विदेह-सदेह 9 — बृषेश चन्द्र लाल: एकदन्त हाथी आ नौलखा हार

४७७. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) एकदन्त हाथी आ नौलखा हार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७८. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कहानी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७९. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-ऐतिहासिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८०. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) स्त्री-अस्मिता, दहेज-विरोध

४८१. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नारी-विमर्श

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८२. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक बृषेश चन्द्र लाल, विधा कहानी, उप-विधा बाल-ऐतिहासिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८३. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८४. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार”केँ विदेह-सदेह 9क कहानी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-ऐतिहासिकक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।

४८५. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८६. खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661मे बृषेश चन्द्र लालक “एकदन्त हाथी आ नौलखा हार” प्रविष्टि कहानी, बाल-ऐतिहासिक आ “नारी-विमर्श” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1971 : विदेह-सदेह 9 — जगदानन्द झा ‘मनु’: चोनहा

४८७. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा ‘मनु’क “चोनहा” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चोनहा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८८. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा ‘मनु’क “चोनहा”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कहानी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८९. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा ‘मनु’क “चोनहा”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-सामाजिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९०. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा ‘मनु’क “चोनहा” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आँखि-कमजोरी, माता-पिताक उपेक्षा – पियाजे

४९१. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा ‘मनु’क “चोनहा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) आँखि-कमजोरी, माता-पिताक उपेक्षा – पियाजे

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९२. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा ‘मनु’क “चोनहा”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जगदानन्द झा ‘मनु’, विधा कहानी, उप-विधा बाल-सामाजिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९३. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा ‘मनु’क “चोनहा” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९४. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा 'मनु'क "चोनहा"कैं विदेह-सदेह 9क कहानी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-सामाजिकक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।

४९५. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: जगदानन्द झा 'मनु'क "चोनहा" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९६. खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662मे जगदानन्द झा 'मनु'क "चोनहा" प्रविष्टि कहानी, बाल-सामाजिक आ "आँखि-कमजोरी, माता-पिताक उपेक्षा – पियाजे" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1972 : विदेह-सदेह 9 — जगदीश प्रसाद मण्डल: बुद्धिया दादी

४९७. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक "बुद्धिया दादी" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बुद्धिया दादी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९८. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक "बुद्धिया दादी"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९९. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक "बुद्धिया दादी"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५००. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक "बुद्धिया दादी" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) दादी-पोता – सजमनियाँ तोड़ा

५०१. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक "बुद्धिया दादी" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लोक-हास्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०२. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक “बुद्धिया दादी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जगदीश प्रसाद मण्डल, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०३. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक “बुद्धिया दादी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०४. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक “बुद्धिया दादी”केँ विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

५०५. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: जगदीश प्रसाद मण्डलक “बुद्धिया दादी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०६. खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663मे जगदीश प्रसाद मण्डलक “बुद्धिया दादी” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-हास्य आ “लोक-हास्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1973 : विदेह-सदेह 9 — जगदीश प्रसाद मण्डल: मान

५०७. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०८. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लघुकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०९. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-सामाजिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१०. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ‘आद्रा’ – कर्म-ईमानदारी

५११. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ‘आद्रा’ – कर्म-ईमानदारी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१२. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जगदीश प्रसाद मण्डल, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-सामाजिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१३. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१४. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान”केँ विदेह-सदेह 9क लघुकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-सामाजिकक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

५१५. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१६. खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664मे जगदीश प्रसाद मण्डलक “मान” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-सामाजिक आ “‘आद्रा’ – कर्म-ईमानदारी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1974 : विदेह-सदेह 9 — गजेन्द्र ठाकूर: तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)

५१७. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१८. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) उपन्यास

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१९. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-फंतासी

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२०. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) परीलोक – वैज्ञानिक-कल्पना

५२१. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) परीलोक – वैज्ञानिक-कल्पना

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२२. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा उपन्यास, उप-विधा बाल-फंतासी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२३. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२४. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)”कैं विदेह-सदेह 9क उपन्यास-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-फंतासीक रूपमे उपन्यास-संसारसँ जुड़ल अछि।

५२५. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२६. खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665मे गजेन्द्र ठाकूरक “तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)” प्रविष्टि उपन्यास, बाल-फंतासी आ “परीलोक – वैज्ञानिक-कल्पना” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1975 : विदेह-सदेह 9 — दमन कुमार झा: हीरा-मोती

५२७. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) हीरा-मोती

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२८. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कहानी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२९. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३०. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सत्य-रुपी हीरा, प्रेम-रुपी मोती – सदाचार

५३१. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सत्य-रुपी हीरा, प्रेम-रुपी मोती – सदाचार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३२. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक दमन कुमार झा, विधा कहानी, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३३. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३४. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती”केँ विदेह-सदेह 9क कहानी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।

५३५. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: दमन कुमार झाक “हीरा-मोती” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३६. खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666मे दमन कुमार झाक “हीरा-मोती” प्रविष्टि कहानी, बाल-शिक्षाप्रद आ “सत्य-रुपी हीरा, प्रेम-रुपी मोती – सदाचार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1976 : विदेह-सदेह 9 — डॉ. शिशिधर कुमार: दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष

५३७. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३८. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३९. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-भूगोल

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४०. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) अण्टाकंटिका – वैज्ञानिक-रोमांच

५४१. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) अण्टाकंटिका – वैज्ञानिक-रोमांच

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४२. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. शिशिधर कुमार, विधा लेख, उप-विधा बाल-भूगोल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४३. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४४. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष”कैं विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-भूगोलक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

५४५. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४६. खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667मे डॉ. शिशिधर कुमारक “दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष” प्रविष्टि लेख, बाल-भूगोल आ “अण्टाकंटिका – वैज्ञानिक-रोमांच” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1977 : विदेह-सदेह 9 — डॉ. शिशिधर कुमार: उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम

५४७. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४८. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४९. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्राणी-विज्ञान

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५०. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) न उड़ेबला पक्षी – जीव-वैविध्य

५५१. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) न उड़ेबला पक्षी – जीव-वैविध्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५२. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. शिशिधर कुमार, विधा लेख, उप-विधा बाल-प्राणी-विज्ञान

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५३. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५४. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम”केँ विदेह-सदेह 9क लेख-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्राणी-विज्ञानक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।

५५५. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५६. खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668मे डॉ. शिशिधर कुमारक “उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम” प्रविष्टि लेख, बाल-प्राणी-विज्ञान आ “न उड़ेबला पक्षी – जीव-वैविध्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1978 : विदेह-सदेह 9 — — (सामूहिक/अनाम): चल रॉकेट उड़ान भर

५५७. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चल रॉकेट उड़ान भर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५८. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५९. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-कविता

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६०. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) रॉकेट-चाँद – कल्पना-विज्ञान

५६१. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) रॉकेट-चाँद – कल्पना-विज्ञान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६२. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक — (सामूहिक/अनाम), विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६३. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६४. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर”कैं विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

५६५. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६६. खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669मे — (सामूहिक/अनाम)क “चल रॉकेट उड़ान भर” प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ “रॉकेट-चाँद – कल्पना-विज्ञान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1979 : विदेह-सदेह 9 — पंकज कुमार झा: माए गइ माए

५६७. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) माए गइ माए

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६८. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६९. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-कविता

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७०. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) माँ-पुकार – लोक-विविधता

५७१. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) माँ-पुकार – लोक-विविधता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७२. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पंकज कुमार झा, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७३. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७४. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए”केँ विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

५७५. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: पंकज कुमार झाक “माए गइ माए” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७६. खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670मे पंकज कुमार झाक “माए गइ माए” प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ “माँ-पुकार – लोक-विविधता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1980 : विदेह-सदेह 9 — गजेन्द्र ठाकूर: बड़द करैए दाउन ने यौ

५७७. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बड़द करैए दाउन ने यौ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७८. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७९. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-कविता

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८०. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पशु-पक्षी नाम – सीख

५८१. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पशु-पक्षी नाम – सीख

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८२. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८३. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८४. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ”कैं विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

५८५. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८६. खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671मे गजेन्द्र ठाकूरक “बड़द करैए दाउन ने यौ” प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ “पशु-पक्षी नाम – सीख” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1981 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: बालपन

५८७. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बालपन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८८. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८९. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-संस्मरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९०. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बचपनक बीतल पल – नॉस्टेल्जिया

५९१. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बचपनक बीतल पल – नॉस्टेल्जिया

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९२. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-संस्मरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९३. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९४. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-संस्मरणक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

५९५. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९६. खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672मे ज्योति सुनीत चौधरीक “बालपन” प्रविष्टि कविता, बाल-संस्मरण आ “बचपनक बीतल पल – नॉस्टेल्जिया” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1982 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: सैण्टाक अस्तित्व

५९७. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) सैण्टाक अस्तित्व

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९८. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९९. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-दार्शनिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६००. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सांता-उपग्रह – सत्य-असत्य

६०१. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सांता-उपग्रह – सत्य-असत्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०२. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-दार्शनिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०३. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०४. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व”कैँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-दार्शनिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

६०५. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०६. खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673मे ज्योति सुनीत चौधरीक “सैण्टाक अस्तित्व” प्रविष्टि कविता, बाल-दार्शनिक आ “सांता-उपग्रह – सत्य-असत्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1983 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: दलमा

६०७. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) दलमा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०८. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०९. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रकृति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१०. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) हाथी-सैलानी – प्रकृति-संघर्ष

६११. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) हाथी-सैलानी – प्रकृति-संघर्ष

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१२. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१३. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१४. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा”कैं विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

६१५. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१६. खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674मे ज्योति सुनीत चौधरीक “दलमा” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “हाथी-सैलानी – प्रकृति-संघर्ष” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1984 : विदेह-सदेह 9 — जगदीश प्रसाद मण्डल: सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ

६१७. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१८. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१९. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेरणादायक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२०. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बाल-प्रेरणा-गीत

६२१. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बाल-प्रेरणा-गीत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२२. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जगदीश प्रसाद मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२३. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२४. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

६२५. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२६. खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675मे जगदीश प्रसाद मण्डलक “सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रेरणादायक आ “बाल-प्रेरणा-गीत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1985 : विदेह-सदेह 9 — जगदीश प्रसाद मण्डल: पुत्र-शपता सम्वाद

६२७. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) पुत्र-शपता सम्वाद

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२८. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) संवाद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२९. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-दार्शनिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३०. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) धर्म-पाप-विवेचना

६३१. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) धर्म-पाप-विवेचना

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३२. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जगदीश प्रसाद मण्डल, विधा संवाद, उप-विधा बाल-दार्शनिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३३. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३४. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद”कैं विदेह-सदेह 9क संवाद-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-दार्शनिकक रूपमे संवाद-संसारसँ जुड़ल अछि।

६३५. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३६. खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676मे जगदीश प्रसाद मण्डलक “पुत्र-शपता सम्वाद” प्रविष्टि संवाद, बाल-दार्शनिक आ “धर्म-पाप-विवेचना” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1986 : विदेह-सदेह 9 — डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’: बाल गीत

६३७. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’क “बाल गीत” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल गीत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३८. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’क “बाल गीत”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३९. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’क “बाल गीत”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-देशभक्ति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४०. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’क “बाल गीत” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गंगा-हिमालय – देश-प्रेम

६४१. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’क “बाल गीत” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गंगा-हिमालय – देश-प्रेम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४२. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’क “बाल गीत”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-देशभक्ति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४३. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’क “बाल गीत” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४४. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार ‘विकल’क “बाल गीत”केँ विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

६४५. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: डॉ. नरेश कुमार 'विकल'क "बाल गीत" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४६. खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677मे डॉ. नरेश कुमार 'विकल'क "बाल गीत" प्रविष्टि बालगीत, बाल-देशभक्ति आ "गंगा-हिमालय – देश-प्रेम" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1987 : विदेह-सदेह 9 — संस्कृति वर्मा: कतए जाइ

६४७. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक "कतए जाइ" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) कतए जाइ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४८. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक "कतए जाइ"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४९. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक "कतए जाइ"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-सामाजिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५०. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक "कतए जाइ" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) दिल्ली-फ्लैट मे बच्चीक अकेलापन

६५१. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक "कतए जाइ" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) दिल्ली-फ्लैट मे बच्चीक अकेलापन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५२. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक "कतए जाइ"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक संस्कृति वर्मा, विधा कविता, उप-विधा बाल-सामाजिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५३. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक “कतए जाइ” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५४. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक “कतए जाइ”कैँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-सामाजिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

६५५. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: संस्कृति वर्माक “कतए जाइ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५६. खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678मे संस्कृति वर्माक “कतए जाइ” प्रविष्टि कविता, बाल-सामाजिक आ “दिल्ली-फ्लैट मे बच्चीक अकेलापन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1988 : विदेह-सदेह 9 — अनमोल झा: अपन गाम

६५७. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) अपन गाम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५८. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५९. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-ग्राम्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६०. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गाम-मामा गाम – बाल-दृष्टि

६६१. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गाम-मामा गाम – बाल-दृष्टि

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६२. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अनमोल झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-ग्राम्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६३. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६४. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-ग्राम्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

६६५. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: अनमोल झाक “अपन गाम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६६. खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679मे अनमोल झाक “अपन गाम” प्रविष्टि कविता, बाल-ग्राम्य आ “गाम-मामा गाम – बाल-दृष्टि” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1989 : विदेह-सदेह 9 — राजेश मोहन झा ‘गुंजन’: साओन कुमार

६६७. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) साओन कुमार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६८. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६९. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रकृति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७०. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सावन-मेघ-दृश्य

६७१. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सावन-मेघ-दृश्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७२. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजेश मोहन झा ‘गुंजन’, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७३. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७४. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

६७५. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७६. खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680मे राजेश मोहन झा ‘गुंजन’क “साओन कुमार” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “सावन-मेघ-दृश्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1990 : विदेह-सदेह 9 — राजेश मोहन झा: छुट्टी

६७७. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) छुट्टी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७८. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७९. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-छुट्टी

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८०. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) छुट्टीक आनन्द

६८१. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) छुट्टीक आनन्द

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८२. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजेश मोहन झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-छुट्टी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८३. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८४. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-छुट्टीक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

६८५. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: राजेश मोहन झाक “छुट्टी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८६. खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681मे राजेश मोहन झाक “छुट्टी” प्रविष्टि कविता, बाल-छुट्टी आ “छुट्टीक आनन्द” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1991 : विदेह-सदेह 9 — शिव कुमार झा: पेटू गोलू

६८७. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) पेटू गोलू

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८८. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८९. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९०. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पेटू-गोलू – आहार-व्यंग्य

६९१. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पेटू-गोलू – आहार-व्यंग्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९२. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिव कुमार झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९३. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९४. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू”कैँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

६९५. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: शिव कुमार झाक “पेटू गोलू” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९६. खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682मे शिव कुमार झाक “पेटू गोलू” प्रविष्टि कविता, बाल-हास्य आ “पेटू-गोलू – आहार-व्यंग्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1992 : विदेह-सदेह 9 — रमाकान्त राय रमा: उल्लूक शिकारी

६९७. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) उल्लूक शिकारी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९८. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९९. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७००. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) उल्लू-शिकार – हास्य

७०१. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) उल्लू-शिकार – हास्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०२. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक रमाकान्त राय रमा, विधा कविता, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०३. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०४. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

७०५. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०६. खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683मे रमाकान्त राय रमाक “उल्लूक शिकारी” प्रविष्टि कविता, बाल-हास्य आ “उल्लू-शिकार – हास्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1993 : विदेह-सदेह 9 — मिथिलेश कुमार झा: बाबाक रोपल गाछ

७०७. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाबाक रोपल गाछ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०८. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०९. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-ग्राम्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१०. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बाबाक आम पेड़ – संस्मरण

७११. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बाबाक आम पेड़ – संस्मरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१२. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मिथिलेश कुमार झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-ग्राम्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१३. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१४. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-ग्राम्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

७१५. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१६. खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684मे मिथिलेश कुमार झाक “बाबाक रोपल गाछ” प्रविष्टि कविता, बाल-ग्राम्य आ “बाबाक आम पेड़ – संस्मरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1994 : विदेह-सदेह 9 — महाकान्त ठाकुर: सिनेहक सरगम

७१७. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) सिनेहक सरगम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१८. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१९. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेम

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२०. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) स्नेह-प्रेम-भावना

७२१. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) स्नेह-प्रेम-भावना

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२२. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक महाकान्त ठाकुर, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रेम

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२३. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२४. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम”कैं विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेमक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

७२५. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२६. खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685मे महाकान्त ठाकुरक “सिनेहक सरगम” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रेम आ “स्नेह-प्रेम-भावना” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1995 : विदेह-सदेह 9 — महाकान्त ठाकुर: अपन भूमि

७२७. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) अपन भूमि

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२८. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२९. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-देशभक्ति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३०. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) माटी-मोह

७३१. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) माटी-मोह

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३२. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक महाकान्त ठाकुर, विधा कविता, उप-विधा बाल-देशभक्ति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३३. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३४. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

७३५. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३६. खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686मे महाकान्त ठाकुरक “अपन भूमि” प्रविष्टि कविता, बाल-देशभक्ति आ “माटी-मोह” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1996 : विदेह-सदेह 9 — महाकान्त ठाकुर: भोर पोख

७३७. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) भोर पोख

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३८. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) सूचकांकमे विधा रिक्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३९. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सूचकांकमे उप-विधा रिक्त

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४०. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मुख्य साहित्यिक संकेत

७४१. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मुख्य साहित्यिक संकेत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४२. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक महाकान्त ठाकुर, विधा सूचकांकमे विधा रिक्त, उप-विधा सूचकांकमे उप-विधा रिक्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४३. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४४. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख”केँ विदेह-सदेह 9क सूचकांकमे विधा रिक्त-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सूचकांकमे उप-विधा रिक्तक रूपमे सूचकांकमे विधा रिक्त-संसारसँ जुड़ल अछि।

७४५. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४६. खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687मे महाकान्त ठाकुरक “भोर पोख” प्रविष्टि सूचकांकमे विधा रिक्त, सूचकांकमे उप-विधा रिक्त आ “मुख्य साहित्यिक संकेत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1997 : विदेह-सदेह 9 — सुबह-पोखर।: सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त

७४७. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४८. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) सूचकांकमे विधा रिक्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४९. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सूचकांकमे उप-विधा रिक्त

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५०. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मुख्य साहित्यिक संकेत

७५१. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मुख्य साहित्यिक संकेत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५२. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सुबह-पोखर।, विधा सूचकांकमे विधा रिक्त, उप-विधा सूचकांकमे उप-विधा रिक्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५३. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५४. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त”केँ विदेह-सदेह 9क सूचकांकमे विधा रिक्त-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सूचकांकमे उप-विधा रिक्तक रूपमे सूचकांकमे विधा रिक्त-संसारसँ जुड़ल अछि।

७५५. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५६. खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688मे सुबह-पोखर।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टि सूचकांकमे विधा रिक्त, सूचकांकमे उप-विधा रिक्त आ “मुख्य साहित्यिक संकेत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1998 : विदेह-सदेह 9 — महाकान्त ठाकुर: ज्ञान दीप

७५७. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) ज्ञान दीप

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५८. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५९. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिक्षाप्रद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६०. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ज्ञान-प्रकाश

७६१. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ज्ञान-प्रकाश

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६२. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक महाकान्त ठाकुर, विधा कविता, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६३. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६४. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप”कैं विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

७६५. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६६. खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689मे महाकान्त ठाकुरक “ज्ञान दीप” प्रविष्टि कविता, बाल-शिक्षाप्रद आ “ज्ञान-प्रकाश” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 1999 : विदेह-सदेह 9 — डॉ. जया वर्मा: बेटी

७६७. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बेटी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६८. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६९. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-नारी-चेतना

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७०. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बेटी-रक्षा-सम्मान

७७१. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बेटी-रक्षा-सम्मान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७२. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. जया वर्मा, विधा कविता, उप-विधा बाल-नारी-चेतना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७३. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७४. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-नारी-चेतनाक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

७७५. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: डॉ. जया वर्माक “बेटी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७६. खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690मे डॉ. जया वर्माक “बेटी” प्रविष्टि कविता, बाल-नारी-चेतना आ “बेटी-रक्षा-सम्मान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2000 : विदेह-सदेह 9 — चन्द्रशेखर कामत: भात छै नाम-नाम

७७७. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) भात छै नाम-नाम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७८. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७९. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-कविता

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८०. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) भात-दाल-तरकारी

७८१. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भात-दाल-तरकारी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८२. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक चन्द्रशेखर कामत, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८३. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८४. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम”केँ विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

७८५. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८६. खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691मे चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम” प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ “भात-दाल-तरकारी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2001 : विदेह-सदेह 9 — चन्द्रशेखर कामत: गीत (छल-छल-छल)

७८७. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गीत (छल-छल-छल)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८८. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८९. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-कविता

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९०. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) नानी-गाम

७९१. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नानी-गाम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९२. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक चन्द्रशेखर कामत, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९३. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९४. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)”केँ विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

७९५. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९६. खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692मे चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)” प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ “नानी-गाम” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2002 : विदेह-सदेह 9 — डॉ. शिशिधर कुमार: हम फूल बनब, हम काँट बनब

७९७. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) हम फूल बनब, हम काँट बनब

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९८. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९९. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेरणादायक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८००. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) फूल-काँट – आत्म-शक्ति

८०१. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) फूल-काँट – आत्म-शक्ति

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०२. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. शिशिधर कुमार, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०३. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०४. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

८०५. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०६. खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693मे डॉ. शिशिधर कुमारक “हम फूल बनब, हम काँट बनब” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रेरणादायक आ “फूल-काँट – आत्म-शक्ति” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2003 : विदेह-सदेह 9 — सरे आलम गौहर: नेना भुटकाक कविता

८०७. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) नेना भुटकाक कविता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०८. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०९. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-कविता

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१०. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) स्कूल-प्रेरणा

८११. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) स्कूल-प्रेरणा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१२. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सरे आलम गौहर, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१३. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१४. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता”केँ विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

८१५. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१६. खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694मे सरे आलम गौहरक “नेना भुटकाक कविता” प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ “स्कूल-प्रेरणा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2004 : विदेह-सदेह 9 — जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’: बाल गीत (हमरवह खावतर)

८१७. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क “बाल गीत (हमरवह खावतर)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल गीत (हमरवह खावतर)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१८. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क “बाल गीत (हमरवह खावतर)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१९. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क “बाल गीत (हमरवह खावतर)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रकृति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२०. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क “बाल गीत (हमरवह खावतर)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सूरज-चाँद-धरती हमरा लेल

८२१. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क “बाल गीत (हमरवह खावतर)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सूरज-चाँद-धरती हमरा लेल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२२. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क “बाल गीत (हमरवह खावतर)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-प्रकृति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२३. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर ‘अनिल’क “बाल गीत (हमरवह खावतर)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२४. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क "बाल गीत (हमरवह खावतर)"कैँ विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

८२५. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क "बाल गीत (हमरवह खावतर)" प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२६. खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695मे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क "बाल गीत (हमरवह खावतर)" प्रविष्टि बालगीत, बाल-प्रकृति आ "सूरज-चाँद-धरती हमरा लेल" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2005 : विदेह-सदेह 9 — प्रेमेन्द्र मिश्र: अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता

८२७. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक "अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२८. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक "अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२९. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक "अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेरणादायक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३०. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक "अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) 'कोशिश करैबला के हार नहि'

८३१. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक “अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ‘कोशिश करैबला के हार नहि’

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३२. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक “अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक प्रेमेन्द्र मिश्र, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३३. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक “अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३४. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक “अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता”कैँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

८३५. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: प्रेमेन्द्र मिश्रक “अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३६. खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696मे प्रेमेन्द्र मिश्रक “अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रेरणादायक आ “‘कोशिश करैबला के हार नहि’” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2006 : विदेह-सदेह 9 — बृषेश चन्द्र लाल: बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)

८३७. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३८. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) सूचकांकमे विधा रिक्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३९. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सूचकांकमे उप-विधा रिक्त

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४०. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मुख्य साहित्यिक संकेत

८४१. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मुख्य साहित्यिक संकेत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४२. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक बृषेश चन्द्र लाल, विधा सूचकांकमे विधा रिक्त, उप-विधा सूचकांकमे उप-विधा रिक्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४३. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४४. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)”कैं विदेह-सदेह 9क सूचकांकमे विधा रिक्त-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सूचकांकमे उप-विधा रिक्तक रूपमे सूचकांकमे विधा रिक्त-संसारसँ जुड़ल अछि।

८४५. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४६. खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697मे बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)” प्रविष्टि सूचकांकमे विधा रिक्त, सूचकांकमे उप-विधा रिक्त आ “मुख्य साहित्यिक संकेत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2007 : विदेह-सदेह 9 — तुकांत-मनोरंजन।: सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त

८४७. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४८. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) सूचकांकमे विधा रिक्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४९. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सूचकांकमे उप-विधा रिक्त

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५०. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मुख्य साहित्यिक संकेत

८५१. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मुख्य साहित्यिक संकेत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५२. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक तुकांत-मनोरंजन।, विधा सूचकांकमे विधा रिक्त, उप-विधा सूचकांकमे उप-विधा रिक्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५३. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५४. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त”केँ विदेह-सदेह 9क सूचकांकमे विधा रिक्त-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सूचकांकमे उप-विधा रिक्तक रूपमे सूचकांकमे विधा रिक्त-संसारसँ जुड़ल अछि।

८५५. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५६. खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698मे तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टि सूचकांकमे विधा रिक्त, सूचकांकमे उप-विधा रिक्त आ “मुख्य साहित्यिक संकेत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2008 : विदेह-सदेह 9 — शान्तिलक्ष्मी चौधरी: बाल गजल (शिशु सिया उपमा)

८५७. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल गजल (शिशु सिया उपमा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५८. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५९. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-गजल

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६०. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बेटी-प्रशंसा

८६१. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बेटी-प्रशंसा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६२. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा गजल, उप-विधा बाल-गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६३. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६४. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)”केँ विदेह-सदेह 9क गजल-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-गजलक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि।

८६५. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६६. खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)” प्रविष्टि गजल, बाल-गजल आ “बेटी-प्रशंसा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2009 : विदेह-सदेह 9 — शान्तिलक्ष्मी चौधरी: बाल गजल (कोबी टमाटर)

८६७. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल गजल (कोबी टमाटर)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६८. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६९. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-गजल

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७०. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सब्जी-तुकांत

८७१. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सब्जी-तुकांत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७२. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा गजल, उप-विधा बाल-गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७३. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७४. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)”कैँ विदेह-सदेह 9क गजल-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-गजलक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि।

८७५. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७६. खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)” प्रविष्टि गजल, बाल-गजल आ “सब्जी-तुकांत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2010 : विदेह-सदेह 9 — शान्तिलक्ष्मी चौधरी: बाल गजल (सोए छी हम)

८७७. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल गजल (सोए छी हम)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७८. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७९. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-संस्मरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८०. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बचपन-खेल

८८१. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बचपन-खेल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८२. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा गजल, उप-विधा बाल-संस्मरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८३. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८४. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)”केँ विदेह-सदेह 9क गजल-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-संस्मरणक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि।

८८५. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८६. खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)” प्रविष्टि गजल, बाल-संस्मरण आ “बचपन-खेल” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2011 : विदेह-सदेह 9 — शान्तिलक्ष्मी चौधरी: गजल (पेट मे भल खड़ नहि)

८८७. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गजल (पेट मे भल खड़ नहि)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८८. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८९. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९०. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) नुनुआ-शरारत

८९१. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नुनुआ-शरारत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९२. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा गजल, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९३. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९४. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)”कैं विदेह-सदेह 9क गजल-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि।

८९५. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९६. खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)” प्रविष्टि गजल, बाल-हास्य आ “नुनुआ-शरारत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2012 : विदेह-सदेह 9 — शान्तिलक्ष्मी चौधरी: कुम्हर

८९७. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) कुम्हर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९८. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९९. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-ग्राम्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९००. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) कुम्हार-उपयोगिता

९०१. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) कुम्हार-उपयोगिता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०२. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-ग्राम्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०३. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०४. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-ग्राम्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९०५. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०६. खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर” प्रविष्टि कविता, बाल-ग्राम्य आ “कुम्हार-उपयोगिता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2013 : विदेह-सदेह 9 — शान्तिलक्ष्मी चौधरी: बरखा रानी

९०७. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बरखा रानी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०८. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०९. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रकृति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१०. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बरखा-वर्णन (भरत ‘ऋतु-वर्णन’)

९११. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बरखा-वर्णन (भरत ‘ऋतु-वर्णन’)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१२. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१३. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१४. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी”कैं विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९१५. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१६. खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “बरखा-वर्णन (भरत ‘ऋतु-वर्णन’)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2014 : विदेह-सदेह 9 — इरा मल्लिक: छिम-छिम बरसा

९१७. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) छिम-छिम बरसा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१८. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१९. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रकृति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२०. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बरखा-बिजली

९२१. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बरखा-बिजली

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२२. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक इरा मल्लिक, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२३. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२४. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९२५. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२६. खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705मे इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “बरखा-बिजली” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2015 : विदेह-सदेह 9 — इरा मल्लिक: माँ!

९२७. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) माँ!

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२८. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२९. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-अभिव्यक्ति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३०. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) माँ-खिलौना – बाल-इच्छा

९३१. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) माँ-खिलौना – बाल-इच्छा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३२. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक इरा मल्लिक, विधा कविता, उप-विधा बाल-अभिव्यक्ति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३३. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३४. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!”कें विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-अभिव्यक्तिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९३५. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: इरा मल्लिकक “माँ!” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३६. खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706मे इरा मल्लिकक “माँ!” प्रविष्टि कविता, बाल-अभिव्यक्ति आ “माँ-खिलौना – बाल-इच्छा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2016 : विदेह-सदेह 9 — नीलम कुमार: बहंगलू भाइ यौ वटंगलू

९३७. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बहंगलू भाइ यौ वटंगलू

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३८. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) बालगीत

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३९. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४०. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सुस्ती-व्यंग्य

९४१. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सुस्ती-व्यंग्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४२. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक नीलम कुमार, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४३. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४४. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू”केँ विदेह-सदेह 9क बालगीत-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।

९४५. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४६. खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707मे नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू” प्रविष्टि बालगीत, बाल-हास्य आ “सुस्ती-व्यंग्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2017 : विदेह-सदेह 9 — मुन्नी कामत: जड़ैत ज्योत

९४७. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) जड़ैत ज्योत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४८. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४९. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-नारी-शिक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५०. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लड़कीक पढ़बाक इच्छा

९५१. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लड़कीक पढ़बाक इच्छा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५२. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मुन्नी कामत, विधा कविता, उप-विधा बाल-नारी-शिक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५३. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५४. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-नारी-शिक्षाक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९५५. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५६. खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708मे मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत” प्रविष्टि कविता, बाल-नारी-शिक्षा आ “लड़कीक पढ़बाक इच्छा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2018 : विदेह-सदेह 9 — राजदेव मण्डल: मुवनयाँक सन्देता

९५७. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मुवनयाँक सन्देता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५८. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५९. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६०. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बेटा-जन्म – दादीक ताना

९६१. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बेटा-जन्म – दादीक ताना

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६२. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजदेव मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६३. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६४. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता”कैं विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९६५. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६६. खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709मे राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता” प्रविष्टि कविता, बाल-हास्य आ “बेटा-जन्म – दादीक ताना” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2019 : विदेह-सदेह 9 — राजदेव मण्डल: कनीक गाछ

९६७. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) कनीक गाछ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६८. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६९. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-व्यंग्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७०. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सब-कोयल-गाछ

९७१. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सब-कोयल-गाछ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७२. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजदेव मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-व्यंग्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७३. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७४. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-व्यंग्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९७५. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७६. खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710मे राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ” प्रविष्टि कविता, बाल-व्यंग्य आ “सब-कोयल-गाछ” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2020 : विदेह-सदेह 9 — चन्दन कुमार झा: हमहूँ पढ़ै आब

९७७. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) हमहूँ पढ़ै आब

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७८. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७९. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-नारी-शिक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८०. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लड़की-अधिकार

९८१. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लड़की-अधिकार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८२. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक चन्दन कुमार झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-नारी-शिक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८३. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८४. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-नारी-शिक्षाक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९८५. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८६. खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711मे चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब” प्रविष्टि कविता, बाल-नारी-शिक्षा आ “लड़की-अधिकार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2021 : विदेह-सदेह 9 — चन्दन कुमार झा: बुन्नी

९८७. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बुन्नी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८८. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८९. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रकृति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९०. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मेंढक-हास्य

९९१. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मेंढक-हास्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९२. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक चन्दन कुमार झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९३. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९४. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

९९५. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: चन्दन कुमार झाक “बुन्नी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९६. खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712मे चन्दन कुमार झाक “बुन्नी” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “मेंढक-हास्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2022 : विदेह-सदेह 9 — शंभू नाथ झा: न्यूटनक सिद्धान्त

९९७. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) न्यूटनक सिद्धान्त

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९८. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९९. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-वैज्ञानिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०००. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) न्यूटन-गति-सिद्धान्त

१००१. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) न्यूटन-गति-सिद्धान्त

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००२. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शंभू नाथ झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-वैज्ञानिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००३. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००४. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त”कैं विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-वैज्ञानिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

१००५. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००६. खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713मे शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त” प्रविष्टि कविता, बाल-वैज्ञानिक आ “न्यूटन-गति-सिद्धान्त” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2023 : विदेह-सदेह 9 — शंभू नाथ झा: पाकल आम

१००७. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) पाकल आम

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००८. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००९. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-ग्राम्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१०. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आमक आनन्द

१०११. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) आमक आनन्द

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१२. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शंभू नाथ झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-ग्राम्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१३. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१४. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-ग्राम्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०१५. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: शंभू नाथ झाक “पाकल आम” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१६. खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714मे शंभू नाथ झाक “पाकल आम” प्रविष्टि कविता, बाल-ग्राम्य आ “आमक आनन्द” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2024 : विदेह-सदेह 9 — चन्दन कुमार झा: दू टा अगड़म-बगड़म

१०१७. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) दू टा अगड़म-बगड़म

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१८. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) दोहा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१९. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-लोक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२०. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) दो पंक्तिक लोक-रचना

१०२१. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) दो पंक्तिक लोक-रचना

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२२. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक चन्दन कुमार झा, विधा दोहा, उप-विधा बाल-लोक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२३. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२४. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म”केँ विदेह-सदेह 9क दोहा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-लोकक रूपमे दोहा-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०२५. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२६. खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715मे चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म” प्रविष्टि दोहा, बाल-लोक आ “दो पंक्तिक लोक-रचना” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2025 : विदेह-सदेह 9 — मनोज कुमार मण्डल: खेल

१०२७. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) खेल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२८. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२९. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-दार्शनिक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३०. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जीवन-खेल – इमान-बेइमानी

१०३१. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जीवन-खेल – इमान-बेइमानी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३२. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मनोज कुमार मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-दार्शनिक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३३. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३४. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-दार्शनिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०३५. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: मनोज कुमार मण्डलक “खेल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३६. खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716मे मनोज कुमार मण्डलक “खेल” प्रविष्टि कविता, बाल-दार्शनिक आ “जीवन-खेल – इमान-बेइमानी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2026 : विदेह-सदेह 9 — प्रभात राय भट्ट: चुनमुन-चुनमुन

१०३७. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चुनमुन-चुनमुन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३८. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३९. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रकृति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४०. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) चिड़ैया-आग – पश्चाताप

१०४१. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) चिड़ैया-आग – पश्चाताप

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४२. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक प्रभात राय भट्ट, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४३. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४४. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन”कैँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०४५. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४६. खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717मे प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “चिड़ैया-आग – पश्चाताप” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2027 : विदेह-सदेह 9 — दुर्गानन्द मण्डल: हम हिन्दुस्तानी छी

१०४७. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) हम हिन्दुस्तानी छी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४८. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४९. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-देशभक्ति

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५०. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) हिन्दुस्तानी-गौरव

१०५१. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) हिन्दुस्तानी-गौरव

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५२. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक दुर्गानन्द मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-देशभक्ति

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५३. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५४. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी”केँ विदेह-सदेह 9क कविता-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०५५. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५६. खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718मे दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी” प्रविष्टि कविता, बाल-देशभक्ति आ “हिन्दुस्तानी-गौरव” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2028 : विदेह-सदेह 9 — अश्वत मिश्र: बाल रुबाई

१०५७. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल रुबाई

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५८. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) रुबाई

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५९. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेरणादायक

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६०. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) भोर-इजोत

१०६१. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भोर-इजोत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६२. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अश्वत मिश्र, विधा रुबाई, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६३. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६४. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई”केँ विदेह-सदेह 9क रुबाई-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे रुबाई-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०६५. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६६. खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719मे अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई” प्रविष्टि रुबाई, बाल-प्रेरणादायक आ “भोर-इजोत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2029 : विदेह-सदेह 9 — अश्वत मिश्र: बाल गजल (बौआ हमर)

१०६७. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल गजल (बौआ हमर)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६८. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६९. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-गजल

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७०. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बालकक मेहनत

१०७१. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बालकक मेहनत

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७२. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अश्वत मिश्र, विधा गजल, उप-विधा बाल-गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७३. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७४. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)”कैँ विदेह-सदेह 9क गजल-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-गजलक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०७५. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७६. खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720मे अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)” प्रविष्टि गजल, बाल-गजल आ “बालकक मेहनत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2030 : विदेह-सदेह 9 — आशुतोष मिश्र: बाल गजल (फेंकै झटहा)

१०७७. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बाल गजल (फेंकै झटहा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७८. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७९. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-हास्य

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८०. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आम-तोड़-विवाद

१०८१. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) आम-तोड़-विवाद

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८२. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक आशुतोष मिश्र, विधा गजल, उप-विधा बाल-हास्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८३. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८४. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)”केँ विदेह-सदेह 9क गजल-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०८५. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८६. खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721मे आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)” प्रविष्टि गजल, बाल-हास्य आ “आम-तोड़-विवाद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2031 : विदेह-सदेह 9 — देवांशु वत्स: प्रगतिक रहस्य

१०८७. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) प्रगतिक रहस्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८८. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) चित्रकथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८९. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-प्रेरणा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९०. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) (पाठ-चित्र)

१०९१. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) (पाठ-चित्र)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९२. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक देवांशु वत्स, विधा चित्रकथा, उप-विधा बाल-प्रेरणा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९३. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९४. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य”केँ विदेह-सदेह 9क चित्रकथा-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-प्रेरणाक रूपमे चित्रकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०९५. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९६. खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722मे देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य” प्रविष्टि चित्रकथा, बाल-प्रेरणा आ “(पाठ-चित्र)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2032 : विदेह-सदेह 9 — तुनिशा प्रियम: चित्र

१०९७. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चित्र

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९८. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९९. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११००. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पृष्ठ 302 पर

११०१. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पृष्ठ 302 पर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०२. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक तुनिशा प्रियम, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०३. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०४. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र”कैं विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

११०५. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: तुनिशा प्रियमक “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०६. खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723मे तुनिशा प्रियमक “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “पृष्ठ 302 पर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2033 : विदेह-सदेह 9 — गुंजन कर्ण: चित्र

११०७. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चित्र

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०८. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०९. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११०. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पृष्ठ 304 पर

१११११. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पृष्ठ 304 पर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११२. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गुंजन कर्ण, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११३. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११४. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र”केँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

१११५. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: गुंजन कर्णक “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११६. खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724मे गुंजन कर्णक “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “पृष्ठ 304 पर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2034 : विदेह-सदेह 9 — गणेश ठाकूर: चित्र

१११७. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चित्र

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११८. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११९. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२०. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) कक्षा-८, पोखवड़भीरा

११२१. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) कक्षा-८, पोखवड़भीरा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२२. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गणेश ठाकूर, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२३. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२४. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र”केँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

११२५. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: गणेश ठाकूरक “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२६. खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725मे गणेश ठाकूरक “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “कक्षा-८, पोखवड़भीरा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2035 : विदेह-सदेह 9 — अनुपमा प्रियदर्शिनी: चित्र-परिचय

११२७. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चित्र-परिचय

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२८. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११२९. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३०. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) अमेरिका-निवासी

११३१. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) अमेरिका-निवासी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३२. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अनुपमा प्रियदर्शिनी, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३३. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३४. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय”केँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

११३५. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३६. खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726मे अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “अमेरिका-निवासी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2036 : विदेह-सदेह 9 — श्वेता झा चौधरी: कला-परिचय

११३७. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) कला-परिचय

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३८. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३९. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४०. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जमशेदपुर-लंदन-प्रदर्शनी

११४१. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जमशेदपुर-लंदन-प्रदर्शनी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४२. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक श्वेता झा चौधरी, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४३. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४४. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय”कैँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

११४५. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४६. खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727मे श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “जमशेदपुर-लंदन-प्रदर्शनी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2037 : विदेह-सदेह 9 — श्वेता झा (सिंगापुर): चित्र

११४७. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चित्र

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४८. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४९. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५०. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पृष्ठ 318 पर

११५१. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पृष्ठ 318 पर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५२. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक श्वेता झा (सिंगापुर), विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५३. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५४. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र”केँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

११५५. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५६. खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728मे श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “पृष्ठ 318 पर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2038 : विदेह-सदेह 9 — प्रवीण कुमार ठाकूर: फैशन डिजाइन

११५७. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) फैशन डिजाइन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५८. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५९. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-शिल्प

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६०. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) फैशन डिजाइनर, दिल्ली

११६१. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) फैशन डिजाइनर, दिल्ली

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६२. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक प्रवीण कुमार ठाकूर, विधा कला, उप-विधा बाल-शिल्प

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६३. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६४. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन”केँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-शिल्पक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

११६५. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६६. खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729मे प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन” प्रविष्टि कला, बाल-शिल्प आ “फैशन डिजाइनर, दिल्ली” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2039 : विदेह-सदेह 9 — कैलाश कुमार कामत: फोटोग्राफी

११६७. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) फोटोग्राफी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६८. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६९. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-फोटोग्राफी

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७०. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सातम् कक्षा, बेरमा

११७१. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सातम् कक्षा, बेरमा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७२. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक कैलाश कुमार कामत, विधा कला, उप-विधा बाल-फोटोग्राफी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७३. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७४. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी”केँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-फोटोग्राफीक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

११७५. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७६. खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730मे कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी” प्रविष्टि कला, बाल-फोटोग्राफी आ “सातम् कक्षा, बेरमा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2040 : विदेह-सदेह 9 — मोना पाण्डेय: चित्र

११७७. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चित्र

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७८. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७९. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८०. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पृष्ठ 320 पर

११८१. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पृष्ठ 320 पर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८२. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मोना पाण्डेय, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८३. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८४. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र”कैँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

११८५. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: मोना पाण्डेयक “चित्र” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८६. खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731मे मोना पाण्डेयक “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “पृष्ठ 320 पर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2041 : विदेह-सदेह 9 — इरा मल्लिक: जन्म-परिचय

११८७. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) जन्म-परिचय

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८८. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) जीवनी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११८९. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-लेखिका

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९०. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) दरभंगा-निवासी

११९१. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) दरभंगा-निवासी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९२. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक इरा मल्लिक, विधा जीवनी, उप-विधा बाल-लेखिका

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९३. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९४. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय”केँ विदेह-सदेह 9क जीवनी-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-लेखिकाक रूपमे जीवनी-संसारसँ जुड़ल अछि।

११९५. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९६. खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732मे इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय” प्रविष्टि जीवनी, बाल-लेखिका आ “दरभंगा-निवासी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2042 : विदेह-सदेह 9 — ज्योति सुनीत चौधरी: चित्र-परिचय

११९७. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चित्र-परिचय

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९८. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९९. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-कलाकार

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२००. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लंदन-निवासी शिल्पी

१२०१. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लंदन-निवासी शिल्पी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०२. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कला, उप-विधा बाल-कलाकार

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०३. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०४. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय”कैं विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-कलाकारक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

१२०५. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०६. खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733मे ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टि कला, बाल-कलाकार आ “लंदन-निवासी शिल्पी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2043 : विदेह-सदेह 9 — श्रेता झा चौधरी: मिथिला चित्रकला

१२०७. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मिथिला चित्रकला

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०८. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०९. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१०. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मिथिला-चित्रशैली

१२११. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मिथिला-चित्रशैली

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१२. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक श्रेता झा चौधरी, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१३. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१४. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला”केँ विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

१२१५. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१६. खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734मे श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “मिथिला-चित्रशैली” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2044 : विदेह-सदेह 9 — श्रेता झा (सिंगापुर): चित्रकला

१२१७. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) चित्रकला

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१८. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) कला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१९. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) बाल-चित्रकला

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२०. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) अन्तर्राष्ट्रिय-मिथिला कला

१२२१. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) अन्तर्राष्ट्रिय-मिथिला कला

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२२. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक श्रेता झा (सिंगापुर), विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२३. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२४. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला”कैं विदेह-सदेह 9क कला-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।

१२२५. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला” प्रविष्टि विदेह-सदेह 9क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२२६. खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735मे श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “अन्तर्राष्ट्रिय-मिथिला कला” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 5134 : विदेह-सदेह 9 — नचिकेता — नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)

१२२७. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) द्वितीय खेप

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२२८. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) द्वितीय खेप

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२२९. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’कैं नाटक रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) द्वितीय खेप

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२३०. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक द्वितीय खेप दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२३१. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) द्वितीय खेप

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२३२. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) द्वितीय खेप

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२३३. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) द्वितीय खेप

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२३४. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) द्वितीय खेपक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२३५. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’मे नाटकक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) नाटकक रूप द्वितीय खेप कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२३६. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (दोसर भाग)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं द्वितीय खेप धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5135 : विदेह-सदेह 9 — -- — मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)

१२३७. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) अन्तिम किस्त

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२३८. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) अन्तिम किस्त

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२३९. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’कैं शोध-लेख रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) अन्तिम किस्त

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२४०. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक अन्तिम किस्त दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२४१. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) अन्तिम किस्त

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२४२. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) अन्तिम किस्त

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२४३. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) अन्तिम किस्त

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२४४. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) अन्तिम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२४५. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’मे शोध-लेखक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) शोध-लेखक रूप अन्तिम किस्त कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२४६. ‘मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (भाग ७)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं अन्तिम किस्त धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5136 : विदेह-सदेह 9 — गजेन्द्र ठाकुर — सहस्रबाढ़नि (अंक ९)

१२४७. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) नवम किस्त

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२४८. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) नवम किस्त

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२४९. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’कैं उपन्यास रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) नवम किस्त

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२५०. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक नवम किस्त दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२५१. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) नवम किस्त

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२५२. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) नवम किस्त

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२५३. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) नवम किस्त

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२५४. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) नवम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२५५. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’मे उपन्यासक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) उपन्यासक रूप नवम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२५६. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक ९)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ नवम किस्त धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5137 : विदेह-सदेह 9 — गजेन्द्र ठाकुर — महाभारत (अंक ९)

१२५७. ‘महाभारत (अंक ९)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) नवम किस्त

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२५८. ‘महाभारत (अंक ९)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) नवम किस्त

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२५९. ‘महाभारत (अंक ९)’कैँ महाकाव्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) नवम किस्त

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२६०. ‘महाभारत (अंक ९)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक नवम किस्त दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२६१. ‘महाभारत (अंक ९)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) नवम किस्त

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२६२. ‘महाभारत (अंक ९)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) नवम किस्त

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२६३. ‘महाभारत (अंक ९)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) नवम किस्त

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२६४. ‘महाभारत (अंक ९)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) नवम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२६५. ‘महाभारत (अंक ९)’मे महाकाव्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) महाकाव्यक रूप नवम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२६६. ‘महाभारत (अंक ९)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ नवम किस्त धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5138 : विदेह-सदेह 9 — गजेन्द्र ठाकुर — पसीधक काँट

१२६७. ‘पसीधक काँट’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२६८. ‘पसीधक काँट’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२६९. ‘पसीधक काँट’कैँ कथा रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२७०. ‘पसीधक काँट’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक अंक ९ केर व्यंग्य कथा दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२७१. ‘पसीधक काँट’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२७२. ‘पसीधक काँट’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) अंक ९ केर व्यंग्य कथा

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२७३. ‘पसीधक काँट’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२७४. ‘पसीधक काँट’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) अंक ९ केर व्यंग्य कथाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२७५. ‘पसीधक काँट’मे कथाक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) कथाक रूप अंक ९ केर व्यंग्य कथा कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२७६. ‘पसीधक काँट’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ अंक ९ केर व्यंग्य कथा धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5139 : विदेह-सदेह 9 — रामजी चौधरी — (रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)

१२७७. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) विस्मृत कविता

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२७८. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) विस्मृत कविता

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२७९. '(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)'कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) विस्मृत कविता

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२८०. '(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक विस्मृत कविता दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२८१. '(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) विस्मृत कविता

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२८२. '(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)'क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) विस्मृत कविता

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२८३. '(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) विस्मृत कविता

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२८४. '(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) विस्मृत कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२८५. '(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)'मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप विस्मृत कविता कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२८६. '(रामजी चौधरी पद्य भाग १-३)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ विस्मृत कविता धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5140 : विदेह-सदेह 9 — गंगेश गुंजन, ज्योति झा चौधरी — (देश छोड़ि..., विकास)

१२८७. '(देश छोड़ि..., विकास)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) आधुनिक पद्य

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२८८. '(देश छोड़ि..., विकास)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) आधुनिक पद्य

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२८९. '(देश छोड़ि..., विकास)'कैं पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) आधुनिक पद्य

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१२९०. '(देश छोड़ि..., विकास)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक आधुनिक पद्य दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२९१. '(देश छोड़ि..., विकास)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) आधुनिक पद्य

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१२९२. '(देश छोड़ि..., विकास)'क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) आधुनिक पद्य

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१२९३. '(देश छोड़ि..., विकास)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) आधुनिक पद्य

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१२९४. '(देश छोड़ि..., विकास)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) आधुनिक पद्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२९५. ‘(देश छोड़ि..., विकास)’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप आधुनिक पद्य कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२९६. ‘(देश छोड़ि..., विकास)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ आधुनिक पद्य धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5141 : विदेह-सदेह 9 — नूतन झा — जानकी नवमी (पाबनि)

१२९७. ‘जानकी नवमी (पाबनि)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

१२९८. ‘जानकी नवमी (पाबनि)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

१२९९. ‘जानकी नवमी (पाबनि)’कैँ निबंध रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

१३००. ‘जानकी नवमी (पाबनि)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक सांस्कृतिक निबंध दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३०१. ‘जानकी नवमी (पाबनि)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

१३०२. ‘जानकी नवमी (पाबनि)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) सांस्कृतिक निबंध

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

१३०३. 'जानकी नवमी (पाबनि)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

१३०४. 'जानकी नवमी (पाबनि)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) सांस्कृतिक निबंधक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३०५. 'जानकी नवमी (पाबनि)'मे निबंधक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) निबंधक रूप सांस्कृतिक निबंध कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३०६. 'जानकी नवमी (पाबनि)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं सांस्कृतिक निबंध धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

उत्तरमाला — अध्याय २ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) राहुल सांकृत्यायन — ब्युटी कुमारीक आलेख 'राहुलजी एक नजरिमे' राहुल सांकृत्यायनपर अछि।

२. (A) केदारनाथ पाण्डे — राहुल सांकृत्यायनक मूल नाम केदारनाथ पाण्डे छल, जिनकर जन्म आजमगढ़ जिलाक एक किसान परिवारमे भेल।

३. (A) लेनिनग्राद विश्वविद्यालय — राहुल सांकृत्यायन सन् १९४५ मे लेनिनग्राद विश्वविद्यालयक प्राच्यविभागमे प्राध्यापक बनि सोवियत संघ गेलाह।

४. (A) पचीस मास — आलेख अनुसार राहुल सांकृत्यायन एहि बेर पचीस मास धरि सोवियत संघमे रहलाह।

५. (A) ईसा मसीह आ शैतान (एकटा कैदीक मुँहसँ प्रेरित) — 'कैदी' कथामे चित्रकार ईसा मसीहक चित्र बनबैत छथि, आ शैतानक चित्र लेल एक कैदीक मुँहसँ प्रेरणा लैत छथि, जे बादमे चौदह वर्ष पहिने हुनके अनाथालयसँ उठाओल गेल बच्चा सिद्ध होइत छथि।

६. (A) हमर प्रिये नेना भुटका — भावना नवीनक रचनाक शीर्षक 'हमर प्रिये नेना भुटका' थिक, जे बाल दिवसक अवसरपर लिखल गेल अछि।

७. (B) अपन भाषाकैं उपेक्षा नहि करबाक चाही — रचनामे सन्देश अछि जे लोक विदेशी भाषा सीखबामे पाइ खर्च करैत छथि मुदा अपन मातृभाषाकैं उपेक्षा कऽ दैत छथि, जे उचित नहि।

८. (A) कंप्यूटरक खेल — शबनम श्रीक रचनाक शीर्षक 'कंप्यूटरक खेल' थिक।

९. (A) मैथिली चित्रकथा आ गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा — डॉ. रमण झा प्रीति ठाकुरक दू गोट सचित्र कथा-संग्रह — मैथिली चित्रकथा आ गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा — क चर्चा करैत छथि।

१०. (A) बूढ़ पुरान स्त्रीगण — डॉ. रमण झा लिखैत छथि जे मिथिलामे बूढ़ पुरान स्त्रीगण छोट-छोट बच्चाकैं सुतेबाक काल खिस्सा सुनबैत छथि।

११. (A) सरकारी घोषनाक बादो पढ़ल नहि जाइत अछि — आलेख अनुसार महाविद्यालय-विश्वविद्यालयमे मैथिली विषयक रूपमे पढ़ल जाइत अछि मुदा विद्यालय-स्तरपर सरकारी घोषनाक बादो ओहि तरहें नहि पढ़ल जाइत अछि।

१२. (A) संस्कृत मधुराम इंटर स्तरीय विद्यालय, ग्वालपाड़ा, मधेपुरा — ब्युटी कुमारी संस्कृत मधुराम इंटर स्तरीय विद्यालय, ग्वालपाड़ा, मधेपुरा (बिहार) मे सहायक शिक्षिका छथि।

१३. (A) जम्मू विश्वविद्यालय — ब्युटी कुमारी जम्मू विश्वविद्यालयसँ बी.एड. केलनि।

१४. (A) विदेशी भाषाक अति-मोहसँ अपन हानि — एहि लोकोक्तिमे व्यंग्य अछि जे विदेशी भाषाक अति-मोहमे लोक अपने नुकसान कऽ लैत अछि — 'एहेन फारसी पढ़लौं पुत्ता, अपने सिर बिसानि'।

१५. (A) गूगल साइट्स (sites.google.com/a/videha) — प्रीति ठाकुरक चित्रकथा गूगल साइट्स (sites.google.com/a/videha...) पर पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल उपलब्ध अछि।

१६. (A) दूधक संग घोंटल जाइत भाषा (मातृभाषा) सँ तुलना — भावना नवीन लिखैत छथि जे मातृभाषा ओ भाषा थिक जे बच्चा माएक दूधक संग घोंटैत-घोंटैत सिखैत अछि, जखन कि विदेशी भाषा बादमे पाइ खर्च कऽ सिखल जाइत अछि।

१७. (A) १६ गोट (नओ गोट गोनू झासँ सम्बद्ध) — डॉ. रमण झाक समीक्षा अनुसार 'गोनू आ आन मैथिली चित्रकथा' मे कुल १६ गोट कथा अछि, जाहिमे नओ गोट गोनू झासँ सम्बद्ध अछि।

१८. (A) दस गोट — डॉ. रमण झाक समीक्षा अनुसार दोसर संग्रह 'मैथिली चित्रकथा' मे कुल दस गोट प्रमुख कथा वर्णित अछि।

१९. (A) कथाक बीच-बीचमे काल्पनिक चित्रक समायोजन — डॉ. रमण झा अनुसार कथा सबहक बीच-बीचमे काल्पनिक चित्रक समायोजन कथाक यथार्थताकेँ बढ़ाबैत अछि।

२०. (A) पथ दर्शन — मुन्नाजीक आत्मकथात्मक लेखक नाम 'पथ दर्शन' थिक।

२१. (A) विद्यालयक सांस्कृतिक कार्यक्रममे बच्चाक संगीत-चयन — लेखक विद्यालयक सांस्कृतिक कार्यक्रममे बच्चा सभकेँ 'आवारा हूँ' सन फिल्मी गीतपर गाबैत-नचैत देखि मर्माहत भेलाह।

२२. (A) बच्चा जेहन धरनदार, तैयारियो तेहने — शिकायतपर लेखककेँ उत्तर भेटलनि जे बच्चा जेहन धरनदार (तैयार) रहैत अछि, तैयारियो तेहने रहैत अछि — एक उदासीन प्रतिक्रिया।

२३. (A) सहस्रमुखक दीप — काश्यप कमल (पवनकान्त झा) क खिस्साक नाम 'सहस्रमुखक दीप' थिक, जे 'बाबूक सुनाएल खिस्सा' शृंखला अन्तर्गत अछि।

२४. (A) एक राजा जे रोज वेश बदलि प्रजाक हाल देखैत छलाह — खिस्साक मुख्य पात्र एक राजा छथि, जे रोज राति वेश बदलि कऽ अपन राज्यमे घुमैत छलाह आ प्रजाक हालक प्रत्यक्ष ज्ञान लैत छलाह।

२५. (A) कर्जा लऽ कऽ 'सहस्रमुखक दीप' जरबैत परिवार — राजा एक गरीब परिवारक संवाद सुनैत छथि, जे कर्जा लऽ कऽ 'सहस्रमुखक दीप' जरबैत आ ओकर प्रकाशमे भोजन करैत अछि।

२६. (A) गरीबीमे सेहो श्रद्धा-सन्तोषक भाव सम्भव — खिस्साक मूल सीख अछि जे गरीबीक बीचो श्रद्धा, सन्तोष आ छोट-छीन उत्सवक भाव सम्भव अछि, जे राजाकेँ सेहो विचारमे पाड़ि दैत अछि।

२७. (A) शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र — सूचकांक पंक्ति 616मे गजेन्द्र ठाकूरक प्रविष्टि "शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र" रूपमे देल अछि।

२८. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२९. (C) समालोचना/प्रस्तावना — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समालोचना/प्रस्तावना" अछि।

३०. (D) भरतमुनिक रससिद्धान्त – बाल-हृदयसंवाद — टिप्पणीक पहिल संकेत "भरतमुनिक रससिद्धान्त – बाल-हृदयसंवाद" अछि।

३१. (A) भरतमुनिक रससिद्धान्त – बाल-हृदयसंवाद — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "भरतमुनिक रससिद्धान्त – बाल-हृदयसंवाद" रूपमे देखाइत अछि।

३२. (B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा गद्य, उप-विधा समालोचना/प्रस्तावना — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३४. (D) ई पाठ समालोचना/प्रस्तावनाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३६. (B) खण्ड 1925, सूचकांक पंक्ति 616मे गजेन्द्र ठाकूरक "शिशु, बाल आ किशोर साहित्य आ ओकर समीक्षाशास्त्र" प्रविष्टि गद्य, समालोचना/प्रस्तावना आ "भरतमुनिक रससिद्धान्त – बाल-हृदयसंवाद" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३७. (A) ध्वनि-प्रतिध्वनि — सूचकांक पंक्ति 617मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि "ध्वनि-प्रतिध्वनि" रूपमे देल अछि।

३८. (B) कहानी — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कहानी” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३९. (C) बाल-चेतना — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चेतना” अछि।

४०. (D) ध्वनि-प्रतिध्वनि – वैदिक उपमा — टिप्पणीक पहिल संकेत “ध्वनि-प्रतिध्वनि – वैदिक उपमा” अछि।

४१. (A) ध्वनि-प्रतिध्वनि – वैदिक उपमा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “ध्वनि-प्रतिध्वनि – वैदिक उपमा” रूपमे देखाइत अछि।

४२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कहानी, उप-विधा बाल-चेतना — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४४. (D) ई पाठ बाल-चेतनाक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४६. (B) खण्ड 1926, सूचकांक पंक्ति 617मे ज्योति सुनीत चौधरीक “ध्वनि-प्रतिध्वनि” प्रविष्टि कहानी, बाल-चेतना आ “ध्वनि-प्रतिध्वनि – वैदिक उपमा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४७. (A) अदृश्य बन्धन — सूचकांक पंक्ति 618मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “अदृश्य बन्धन” रूपमे देल अछि।

४८. (B) कहानी — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कहानी” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४९. (C) बाल-मनोविज्ञान — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-मनोविज्ञान” अछि।

५०. (D) माया-भ्रामकता — टिप्पणीक पहिल संकेत “माया-भ्रामकता” अछि।

५१. (A) माया-भ्रामकता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “माया-भ्रामकता” रूपमे देखाइत अछि।

५२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कहानी, उप-विधा बाल-मनोविज्ञान — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५४. (D) ई पाठ बाल-मनोविज्ञानक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५६. (B) खण्ड 1927, सूचकांक पंक्ति 618मे ज्योति सुनीत चौधरीक “अदृश्य बन्धन” प्रविष्टि कहानी, बाल-मनोविज्ञान आ “माया-भ्रामकता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५७. (A) नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी — सूचकांक पंक्ति 619मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी” रूपमे देल अछि।

५८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लोककथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५९. (C) शिशु-साहित्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शिशु-साहित्य” अछि।

६०. (D) लोभ-परिणाम — टिप्पणीक पहिल संकेत “लोभ-परिणाम” अछि।

६१. (A) लोभ-परिणाम — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “लोभ-परिणाम” रूपमे देखाइत अछि।

६२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६४. (D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६६. (B) खण्ड 1928, सूचकांक पंक्ति 619मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – भलुनिया मौसी” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “लोभ-परिणाम” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६७. (A) नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल — सूचकांक पंक्ति 620मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल” रूपमे देल अछि।

६८. **(B) लोककथा** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लोककथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६९. **(C) शिशु-साहित्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शिशु-साहित्य” अछि।

७०. **(D) मणि-अंगूठी प्रतीक** — टिप्पणीक पहिल संकेत “मणि-अंगूठी प्रतीक” अछि।

७१. **(A) बेट्टेलहाइमक परीकथा-विश्लेषण** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बेट्टेलहाइमक परीकथा-विश्लेषण” रूपमे देखाइत अछि।

७२. **(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७४. **(D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७६. **(B) खण्ड 1929, सूचकांक पंक्ति 620मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सित्रूरक पुल” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “बेट्टेलहाइमक परीकथा-विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७७. **(A) नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी** — सूचकांक पंक्ति 621मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी” रूपमे देल अछि।

७८. **(B) लोककथा** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लोककथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७९. **(C) शिशु-साहित्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शिशु-साहित्य” अछि।

८०. **(D) अनुरणन-पुनरुद्धार** — टिप्पणीक पहिल संकेत “अनुरणन-पुनरुद्धार” अछि।

८१. **(A) लूकाच्सक ‘सामाजिक यथार्थ’** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “लूकाच्सक ‘सामाजिक यथार्थ’” रूपमे देखाइत अछि।

८२. **(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८४. **(D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८६. **(B) खण्ड 1930, सूचकांक पंक्ति 621मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – एक राजाक सात मेहरी” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “लूकाच्सक ‘सामाजिक यथार्थ’” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८७. **(A) नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि** — सूचकांक पंक्ति 622मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि” रूपमे देल अछि।

८८. **(B) लोककथा** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लोककथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८९. **(C) शिशु-साहित्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शिशु-साहित्य” अछि।

९०. **(D) बुद्धि-पराक्रम (नारी)** — टिप्पणीक पहिल संकेत “बुद्धि-पराक्रम (नारी)” अछि।

९१. **(A) बुद्धि-पराक्रम (नारी)** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बुद्धि-पराक्रम (नारी)” रूपमे देखाइत अछि।

९२. **(B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९४. **(D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९६. **(B) खण्ड 1931, सूचकांक पंक्ति 622मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – पन्साया कुमरि” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “बुद्धि-पराक्रम (नारी)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे

खोलैत अछि।

९७. (A) नानीक खिस्सा – सुहान बोन — सूचकांक पंक्ति 623मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “नानीक खिस्सा – सुहान बोन” रूपमे देल अछि।

९८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लोककथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९९. (C) शिशु-साहित्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शिशु-साहित्य” अछि।

१००. (D) राक्षसी-विजय (असत्य पर सत्य) — टिप्पणीक पहिल संकेत “राक्षसी-विजय (असत्य पर सत्य)” अछि।

१०१. (A) राक्षसी-विजय (असत्य पर सत्य) — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “राक्षसी-विजय (असत्य पर सत्य)” रूपमे देखाइत अछि।

१०२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लोककथा, उप-विधा शिशु-साहित्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०४. (D) ई पाठ शिशु-साहित्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०६. (B) खण्ड 1932, सूचकांक पंक्ति 623मे ज्योति सुनीत चौधरीक “नानीक खिस्सा – सुहान बोन” प्रविष्टि लोककथा, शिशु-साहित्य आ “राक्षसी-विजय (असत्य पर सत्य)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०७. (A) राहुलजी एक नजरिमे — सूचकांक पंक्ति 624मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “राहुलजी एक नजरिमे” रूपमे देल अछि।

१०८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लेख” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०९. (C) बाल-जीवनी — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-जीवनी” अछि।

११०. (D) ज्ञान-यात्रा, भ्रमणकथा — टिप्पणीक पहिल संकेत “ज्ञान-यात्रा, भ्रमणकथा” अछि।

१११. (A) ज्ञान-यात्रा, भ्रमणकथा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “ज्ञान-यात्रा, भ्रमणकथा” रूपमे देखाइत अछि।

११२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लेख, उप-विधा बाल-जीवनी — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११४. (D) ई पाठ बाल-जीवनीक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११६. (B) खण्ड 1933, सूचकांक पंक्ति 624मे ज्योति सुनीत चौधरीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टि लेख, बाल-जीवनी आ “ज्ञान-यात्रा, भ्रमणकथा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११७. (A) कैदी — सूचकांक पंक्ति 625मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “कैदी” रूपमे देल अछि।

११८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लेख” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११९. (C) बाल-प्रेरणादायक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-प्रेरणादायक” अछि।

१२०. (D) चित्रकारक चित्र-सत्य — टिप्पणीक पहिल संकेत “चित्रकारक चित्र-सत्य” अछि।

१२१. (A) चित्रकारक चित्र-सत्य — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “चित्रकारक चित्र-सत्य” रूपमे देखाइत अछि।

१२२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लेख, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१२३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१२४. (D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१२६. (B) खण्ड 1934, सूचकांक पंक्ति 625मे ज्योति सुनीत चौधरीक “कैदी” प्रविष्टि लेख, बाल-प्रेरणादायक आ “चित्रकारक चित्र-सत्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१२७. (A) हमर प्रिये नेना भुटका — सूचकांक पंक्ति 626मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “हमर प्रिये नेना भुटका” रूपमे देल अछि।

१२८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लेख” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१२९. (C) बाल-चेतना — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चेतना” अछि।

१३०. (D) मातृभाषाक महिमा (भरत ‘स्वभाषा-रस’) — टिप्पणीक पहिल संकेत “मातृभाषाक महिमा (भरत ‘स्वभाषा-रस’)” अछि।

१३१. (A) मातृभाषाक महिमा (भरत ‘स्वभाषा-रस’) — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मातृभाषाक महिमा (भरत ‘स्वभाषा-रस’)” रूपमे देखाइत अछि।

१३२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा लेख, उप-विधा बाल-चेतना — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१३३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१३४. (D) ई पाठ बाल-चेतनाक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१३५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१३६. (B) खण्ड 1935, सूचकांक पंक्ति 626मे ज्योति सुनीत चौधरीक “हमर प्रिये नेना भुटका” प्रविष्टि लेख, बाल-चेतना आ “मातृभाषाक महिमा (भरत ‘स्वभाषा-रस’)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१३७. (A) राहुलजी एक नजरिमे — सूचकांक पंक्ति 627मे ब्युटी कुमारीक प्रविष्टि “राहुलजी एक नजरिमे” रूपमे देल अछि।

१३८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लेख” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१३९. (C) बाल-जीवनी — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-जीवनी” अछि।

१४०. (D) राहुल सांकृत्यायन – बाल-साहित्य हेतु आदर्श चरित — टिप्पणीक पहिल संकेत “राहुल सांकृत्यायन – बाल-साहित्य हेतु आदर्श चरित” अछि।

१४१. (A) राहुल सांकृत्यायन – बाल-साहित्य हेतु आदर्श चरित — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “राहुल सांकृत्यायन – बाल-साहित्य हेतु आदर्श चरित” रूपमे देखाइत अछि।

१४२. (B) लेखक ब्युटी कुमारी, विधा लेख, उप-विधा बाल-जीवनी — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१४४. (D) ई पाठ बाल-जीवनीक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१४६. (B) खण्ड 1936, सूचकांक पंक्ति 627मे ब्युटी कुमारीक “राहुलजी एक नजरिमे” प्रविष्टि लेख, बाल-जीवनी आ “राहुल सांकृत्यायन – बाल-साहित्य हेतु आदर्श चरित” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१४७. (A) हमर प्रिये नेना भुटका — सूचकांक पंक्ति 628मे भावना नवीनक प्रविष्टि “हमर प्रिये नेना भुटका” रूपमे देल अछि।

१४८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लेख” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१४९. (C) बाल-चेतना — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चेतना” अछि।

१५०. (D) मातृभाषा-प्रेम, राष्ट्रभाषा हिन्दी-मैथिली संवाद — टिप्पणीक पहिल संकेत “मातृभाषा-प्रेम, राष्ट्रभाषा हिन्दी-मैथिली संवाद” अछि।

१५१. (A) मातृभाषा-प्रेम, राष्ट्रभाषा हिन्दी-मैथिली संवाद — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मातृभाषा-प्रेम, राष्ट्रभाषा हिन्दी-मैथिली संवाद” रूपमे देखाइत अछि।

१५२. (B) लेखक भावना नवीन, विधा लेख, उप-विधा बाल-चेतना — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१५४. (D) ई पाठ बाल-चेतनाक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१५६. (B) खण्ड 1937, सूचकांक पंक्ति 628मे भावना नवीनक "हमर प्रिये नेना भुटका" प्रविष्टि लेख, बाल-चेतना आ "मातृभाषा-प्रेम, राष्ट्रभाषा हिन्दी-मैथिली संवाद" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१५७. (A) कंप्यूटरक खेल — सूचकांक पंक्ति 629मे शबनम श्रीक प्रविष्टि "कंप्यूटरक खेल" रूपमे देल अछि।

१५८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लेख" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१५९. (C) बाल-शैक्षिक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-शैक्षिक" अछि।

१६०. (D) पियाजेक आपरेशनल अवस्था – कम्प्यूटर सीखल — टिप्पणीक पहिल संकेत "पियाजेक आपरेशनल अवस्था – कम्प्यूटर सीखल" अछि।

१६१. (A) पियाजेक आपरेशनल अवस्था – कम्प्यूटर सीखल — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "पियाजेक आपरेशनल अवस्था – कम्प्यूटर सीखल" रूपमे देखाइत अछि।

१६२. (B) लेखक शबनम श्री, विधा लेख, उप-विधा बाल-शैक्षिक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१६४. (D) ई पाठ बाल-शैक्षिकक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१६६. (B) खण्ड 1938, सूचकांक पंक्ति 629मे शबनम श्रीक "कंप्यूटरक खेल" प्रविष्टि लेख, बाल-शैक्षिक आ "पियाजेक आपरेशनल अवस्था – कम्प्यूटर सीखल" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१६७. (A) गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा — सूचकांक पंक्ति 630मे डॉ. रमण झाक प्रविष्टि "गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा" रूपमे देल अछि।

१६८. (B) समीक्षा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "समीक्षा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१६९. (C) बाल-पुस्तक-समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-पुस्तक-समीक्षा" अछि।

१७०. (D) चित्र-कथा परम्परा — टिप्पणीक पहिल संकेत "चित्र-कथा परम्परा" अछि।

१७१. (A) चित्र-कथा परम्परा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "चित्र-कथा परम्परा" रूपमे देखाइत अछि।

१७२. (B) लेखक डॉ. रमण झा, विधा समीक्षा, उप-विधा बाल-पुस्तक-समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१७३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१७४. (D) ई पाठ बाल-पुस्तक-समीक्षाक रूपमे समीक्षा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१७५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१७६. (B) खण्ड 1939, सूचकांक पंक्ति 630मे डॉ. रमण झाक "गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा" प्रविष्टि समीक्षा, बाल-पुस्तक-समीक्षा आ "चित्र-कथा परम्परा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१७७. (A) कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार — सूचकांक पंक्ति 631मे विनीत उत्पलक प्रविष्टि "कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार" रूपमे देल अछि।

१७८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लेख" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१७९. (C) बाल-सिनेमा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-सिनेमा" अछि।

१८०. (D) बाल-कलाकारक परिणति — टिप्पणीक पहिल संकेत "बाल-कलाकारक परिणति" अछि।

१८१. (A) बाल-कलाकारक परिणति — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "बाल-कलाकारक परिणति" रूपमे देखाइत अछि।

१८२. (B) लेखक विनीत उत्पल, विधा लेख, उप-विधा बाल-सिनेमा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१८३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१८४. (D) ई पाठ बाल-सिनेमाक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१८५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१८६. (B) खण्ड 1940, सूचकांक पंक्ति 631मे विनीत उत्पलक "कतए गेल फिल्मक बाल कलाकार" प्रविष्टि लेख, बाल-सिनेमा आ "बाल-कलाकारक परिणति" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१८७. (A) अभिनव वर्ष — सूचकांक पंक्ति 632मे डॉ. अभ्यधारी सिंहक प्रविष्टि "अभिनव वर्ष" रूपमे देल अछि।

१८८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लेख" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१८९. (C) बाल-जानकारी — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-जानकारी" अछि।

१९०. (D) विक्रम संवत्क प्राचीनता — टिप्पणीक पहिल संकेत "विक्रम संवत्क प्राचीनता" अछि।

१९१. (A) विक्रम संवत्क प्राचीनता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "विक्रम संवत्क प्राचीनता" रूपमे देखाइत अछि।

१९२. (B) लेखक डॉ. अभ्यधारी सिंह, विधा लेख, उप-विधा बाल-जानकारी — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१९३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१९४. (D) ई पाठ बाल-जानकारीक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१९५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१९६. (B) खण्ड 1941, सूचकांक पंक्ति 632मे डॉ. अभ्यधारी सिंहक "अभिनव वर्ष" प्रविष्टि लेख, बाल-जानकारी आ "विक्रम संवत्क प्राचीनता" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१९७. (A) एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर — सूचकांक पंक्ति 633मे अनमोल झाक प्रविष्टि "एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर" रूपमे देल अछि।

१९८. (B) लघुकथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लघुकथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१९९. (C) बाल-व्यंग्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-व्यंग्य" अछि।

२००. (D) हास्य-व्यंग्य (ललित कला) — टिप्पणीक पहिल संकेत "हास्य-व्यंग्य (ललित कला)" अछि।

२०१. (A) हास्य-व्यंग्य (ललित कला) — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "हास्य-व्यंग्य (ललित कला)" रूपमे देखाइत अछि।

२०२. (B) लेखक अनमोल झा, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-व्यंग्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२०३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२०४. (D) ई पाठ बाल-व्यंग्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२०५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२०६. (B) खण्ड 1942, सूचकांक पंक्ति 633मे अनमोल झाक "एकटा बाल विहनि कथा – भण्डाफोर" प्रविष्टि लघुकथा, बाल-व्यंग्य आ "हास्य-व्यंग्य (ललित कला)" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२०७. (A) तरंगन देखाइए — सूचकांक पंक्ति 634मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क प्रविष्टि "तरंगन देखाइए" रूपमे देल अछि।

२०८. (B) लघुकथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लघुकथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२०९. (C) बाल-हास्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-हास्य" अछि।

२१०. (D) लोक-जीवन, कथा-प्रवाह — टिप्पणीक पहिल संकेत "लोक-जीवन, कथा-प्रवाह" अछि।

२११. (A) लोक-जीवन, कथा-प्रवाह — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "लोक-जीवन, कथा-प्रवाह" रूपमे देखाइत अछि।

२१२. **(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-हास्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२१३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२१४. **(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२१५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२१६. **(B) खण्ड 1943, सूचकांक पंक्ति 634मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “तरंगन देखाइए” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-हास्य आ “लोक-जीवन, कथा-प्रवाह” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२१७. **(A) दहीक ठोप** — सूचकांक पंक्ति 635मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क प्रविष्टि “दहीक ठोप” रूपमे देल अछि।

२१८. **(B) लघुकथा** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लघुकथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२१९. **(C) बाल-हास्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-हास्य” अछि।

२२०. **(D) ग्राम्य-व्यंग्य** — टिप्पणीक पहिल संकेत “ग्राम्य-व्यंग्य” अछि।

२२१. **(A) ग्राम्य-व्यंग्य** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “ग्राम्य-व्यंग्य” रूपमे देखाइत अछि।

२२२. **(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-हास्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२२३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२२४. **(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२२५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२२६. **(B) खण्ड 1944, सूचकांक पंक्ति 635मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “दहीक ठोप” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-हास्य आ “ग्राम्य-व्यंग्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२२७. **(A) खाँइछक लेल साडी** — सूचकांक पंक्ति 636मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क प्रविष्टि “खाँइछक लेल साडी” रूपमे देल अछि।

२२८. **(B) लघुकथा** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लघुकथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२२९. **(C) बाल-मार्मिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-मार्मिक” अछि।

२३०. **(D) मातृ-प्रेम, दीन-दर्शन** — टिप्पणीक पहिल संकेत “मातृ-प्रेम, दीन-दर्शन” अछि।

२३१. **(A) मातृ-प्रेम, दीन-दर्शन** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मातृ-प्रेम, दीन-दर्शन” रूपमे देखाइत अछि।

२३२. **(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-मार्मिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२३३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२३४. **(D) ई पाठ बाल-मार्मिकक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२३५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२३६. **(B) खण्ड 1945, सूचकांक पंक्ति 636मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “खाँइछक लेल साडी” प्रविष्टि लघुकथा, बाल-मार्मिक आ “मातृ-प्रेम, दीन-दर्शन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२३७. **(A) नारियल-गाछ** — सूचकांक पंक्ति 637मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क प्रविष्टि “नारियल-गाछ” रूपमे देल अछि।

२३८. **(B) लघुकथा** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लघुकथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२३९. **(C) बाल-संस्मरण** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-संस्मरण” अछि।

२४०. **(D) वृक्ष-संस्कार** — टिप्पणीक पहिल संकेत “वृक्ष-संस्कार” अछि।

२४१. **(A) वृक्ष-संस्कार** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “वृक्ष-संस्कार” रूपमे देखाइत अछि।

२४२. **(B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-संस्मरण** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२४४. (D) ई पाठ बाल-संस्मरणक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२४६. (B) खण्ड 1946, सूचकांक पंक्ति 637मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "नारियल-गाछ" प्रविष्टि लघुकथा, बाल-संस्मरण आ "वृक्ष-संस्कार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२४७. (A) मिथिलाक लोकदेवता — सूचकांक पंक्ति 638मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क प्रविष्टि "मिथिलाक लोकदेवता" रूपमे देल अछि।

२४८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लेख" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२४९. (C) बाल-सांस्कृतिक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-सांस्कृतिक" अछि।

२५०. (D) लोकदेवता-पूजा — टिप्पणीक पहिल संकेत "लोकदेवता-पूजा" अछि।

२५१. (A) लोकदेवता-पूजा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "लोकदेवता-पूजा" रूपमे देखाइत अछि।

२५२. (B) लेखक शिवकुमार झा 'टिल्लू', विधा लेख, उप-विधा बाल-सांस्कृतिक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२५४. (D) ई पाठ बाल-सांस्कृतिकक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२५६. (B) खण्ड 1947, सूचकांक पंक्ति 638मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "मिथिलाक लोकदेवता" प्रविष्टि लेख, बाल-सांस्कृतिक आ "लोकदेवता-पूजा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२५७. (A) तरंगन आनक बडाइ — सूचकांक पंक्ति 639मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क प्रविष्टि "तरंगन आनक बडाइ" रूपमे देल अछि।

२५८. (B) समीक्षा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "समीक्षा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२५९. (C) बाल-पुस्तक-समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-पुस्तक-समीक्षा" अछि।

२६०. (D) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'तरंगन' – बाल-नैतिकता, कर्म-सिद्धान्त — टिप्पणीक पहिल संकेत "जगदीश प्रसाद मण्डलक 'तरंगन' – बाल-नैतिकता, कर्म-सिद्धान्त" अछि।

२६१. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक 'तरंगन' – बाल-नैतिकता, कर्म-सिद्धान्त — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "जगदीश प्रसाद मण्डलक 'तरंगन' – बाल-नैतिकता, कर्म-सिद्धान्त" रूपमे देखाइत अछि।

२६२. (B) लेखक शिवकुमार झा 'टिल्लू', विधा समीक्षा, उप-विधा बाल-पुस्तक-समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२६४. (D) ई पाठ बाल-पुस्तक-समीक्षाक रूपमे समीक्षा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२६६. (B) खण्ड 1948, सूचकांक पंक्ति 639मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क "तरंगन आनक बडाइ" प्रविष्टि समीक्षा, बाल-पुस्तक-समीक्षा आ "जगदीश प्रसाद मण्डलक 'तरंगन' – बाल-नैतिकता, कर्म-सिद्धान्त" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२६७. (A) साबरमती आश्रम — सूचकांक पंक्ति 640मे शिवकुमार झा 'टिल्लू'क प्रविष्टि "साबरमती आश्रम" रूपमे देल अछि।

२६८. (B) यात्रा-संस्मरण — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "यात्रा-संस्मरण" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२६९. (C) बाल-प्रेरणादायक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्रेरणादायक" अछि।

२७०. (D) गाँधीजीक अहिंसा — टिप्पणीक पहिल संकेत "गाँधीजीक अहिंसा" अछि।

२७१. (A) गाँधीजीक अहिंसा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “गाँधीजीक अहिंसा” रूपमे देखाइत अछि।

२७२. (B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा यात्रा-संस्मरण, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२७३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२७४. (D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे यात्रा-संस्मरण-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२७५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२७६. (B) खण्ड 1949, सूचकांक पंक्ति 640मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “साबरमती आश्रम” प्रविष्टि यात्रा-संस्मरण, बाल-प्रेरणादायक आ “गाँधीजीक अहिंसा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२७७. (A) मूर्ख राजा आ ओकर बेटा — सूचकांक पंक्ति 641मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क प्रविष्टि “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा” रूपमे देल अछि।

२७८. (B) कहानी — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कहानी” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२७९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-शिक्षाप्रद” अछि।

२८०. (D) मूर्ख-राजा बिम्ब – कौटिल्य ‘अर्थशास्त्र’ — टिप्पणीक पहिल संकेत “मूर्ख-राजा बिम्ब – कौटिल्य ‘अर्थशास्त्र’” अछि।

२८१. (A) अरस्तू: करुणा-भय — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “अरस्तू: करुणा-भय” रूपमे देखाइत अछि।

२८२. (B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा कहानी, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२८३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२८४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२८५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२८६. (B) खण्ड 1950, सूचकांक पंक्ति 641मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “मूर्ख राजा आ ओकर बेटा” प्रविष्टि कहानी, बाल-शिक्षाप्रद आ “अरस्तू: करुणा-भय” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२८७. (A) देश-प्रेम — सूचकांक पंक्ति 642मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क प्रविष्टि “देश-प्रेम” रूपमे देल अछि।

२८८. (B) कहानी — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कहानी” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२८९. (C) बाल-देशभक्ति — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-देशभक्ति” अछि।

२९०. (D) रूस-जापान युद्ध – बलिदान — टिप्पणीक पहिल संकेत “रूस-जापान युद्ध – बलिदान” अछि।

२९१. (A) रूस-जापान युद्ध – बलिदान — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “रूस-जापान युद्ध – बलिदान” रूपमे देखाइत अछि।

२९२. (B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा कहानी, उप-विधा बाल-देशभक्ति — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२९३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२९४. (D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२९५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२९६. (B) खण्ड 1951, सूचकांक पंक्ति 642मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “देश-प्रेम” प्रविष्टि कहानी, बाल-देशभक्ति आ “रूस-जापान युद्ध – बलिदान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२९७. (A) गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा — सूचकांक पंक्ति 643मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क प्रविष्टि “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” रूपमे देल अछि।

२९८. (B) समीक्षा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “समीक्षा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२९९. (C) बाल-पुस्तक-समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-पुस्तक-समीक्षा” अछि।

३००. (D) प्रीति ठाकूर – शब्द-चित्र संवाद, पियाजेक दृश्य-सीख — टिप्पणीक पहिल संकेत “प्रीति ठाकूर – शब्द-चित्र संवाद, पियाजेक दृश्य-सीख” अछि।

३०१. (A) प्रीति ठाकूर – शब्द-चित्र संवाद, पियाजेक दृश्य-सीख — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “प्रीति ठाकूर – शब्द-चित्र संवाद, पियाजेक दृश्य-सीख” रूपमे देखाइत अछि।

३०२. (B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा समीक्षा, उप-विधा बाल-पुस्तक-समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३०३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३०४. (D) ई पाठ बाल-पुस्तक-समीक्षाक रूपमे समीक्षा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३०५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३०६. (B) खण्ड 1952, सूचकांक पंक्ति 643मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा” प्रविष्टि समीक्षा, बाल-पुस्तक-समीक्षा आ “प्रीति ठाकूर – शब्द-चित्र संवाद, पियाजेक दृश्य-सीख” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३०७. (A) बाल दिवस — सूचकांक पंक्ति 644मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क प्रविष्टि “बाल दिवस” रूपमे देल अछि।

३०८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लेख” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३०९. (C) बाल-जानकारी — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-जानकारी” अछि।

३१०. (D) नेहरू – बाल-मैत्री, विज्ञान-प्रेम — टिप्पणीक पहिल संकेत “नेहरू – बाल-मैत्री, विज्ञान-प्रेम” अछि।

३११. (A) नेहरू – बाल-मैत्री, विज्ञान-प्रेम — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “नेहरू – बाल-मैत्री, विज्ञान-प्रेम” रूपमे देखाइत अछि।

३१२. (B) लेखक शिवकुमार झा ‘टिल्लू’, विधा लेख, उप-विधा बाल-जानकारी — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३१३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३१४. (D) ई पाठ बाल-जानकारीक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३१५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३१६. (B) खण्ड 1953, सूचकांक पंक्ति 644मे शिवकुमार झा ‘टिल्लू’क “बाल दिवस” प्रविष्टि लेख, बाल-जानकारी आ “नेहरू – बाल-मैत्री, विज्ञान-प्रेम” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३१७. (A) विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन) — सूचकांक पंक्ति 645मे शेफालिका वर्माक प्रविष्टि “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)” रूपमे देल अछि।

३१८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लोककथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३१९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-शिक्षाप्रद” अछि।

३२०. (D) ‘आसनम प्रभु चालन’ – छल-भेद — टिप्पणीक पहिल संकेत “‘आसनम प्रभु चालन’ – छल-भेद” अछि।

३२१. (A) ‘आसनम प्रभु चालन’ – छल-भेद — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “‘आसनम प्रभु चालन’ – छल-भेद” रूपमे देखाइत अछि।

३२२. (B) लेखक शेफालिका वर्मा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३२३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३२४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३२५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३२६. (B) खण्ड 1954, सूचकांक पंक्ति 645मे शेफालिका वर्माक “विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन)” प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ “‘आसनम प्रभु चालन’ – छल-भेद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३२७. (A) पथ दर्शन — सूचकांक पंक्ति 646मे शेफालिका वर्माक प्रविष्टि “पथ दर्शन” रूपमे देल अछि।

३२८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लेख” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३२९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-शिक्षाप्रद” अछि।

३३०. (D) बाल-गीत ‘आवारा’ पर व्यंग्य – सांस्कृतिक पतन — टिप्पणीक पहिल संकेत “बाल-गीत ‘आवारा’ पर व्यंग्य – सांस्कृतिक पतन” अछि।

३३१. (A) बाल-गीत ‘आवारा’ पर व्यंग्य – सांस्कृतिक पतन — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बाल-गीत ‘आवारा’ पर व्यंग्य – सांस्कृतिक पतन” रूपमे देखाइत अछि।

३३२. (B) लेखक शेफालिका वर्मा, विधा लेख, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३३३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३३४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३३५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३३६. (B) खण्ड 1955, सूचकांक पंक्ति 646मे शेफालिका वर्माक “पथ दर्शन” प्रविष्टि लेख, बाल-शिक्षाप्रद आ “बाल-गीत ‘आवारा’ पर व्यंग्य – सांस्कृतिक पतन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३३७. (A) बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप — सूचकांक पंक्ति 647मे पवनकान्त झाक प्रविष्टि “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप” रूपमे देल अछि।

३३८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लोककथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३३९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-शिक्षाप्रद” अछि।

३४०. (D) सहस्रमुख दीप (कल्पना-यथार्थ) — टिप्पणीक पहिल संकेत “सहस्रमुख दीप (कल्पना-यथार्थ)” अछि।

३४१. (A) सहस्रमुख दीप (कल्पना-यथार्थ) — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “सहस्रमुख दीप (कल्पना-यथार्थ)” रूपमे देखाइत अछि।

३४२. (B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३४४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३४६. (B) खण्ड 1956, सूचकांक पंक्ति 647मे पवनकान्त झाक “बाबूक सुनाएल खिस्सा – सहस्मुखक दीप” प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ “सहस्रमुख दीप (कल्पना-यथार्थ)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३४७. (A) गप्पक अर्थ — सूचकांक पंक्ति 648मे पवनकान्त झाक प्रविष्टि “गप्पक अर्थ” रूपमे देल अछि।

३४८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “लोककथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३४९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-शिक्षाप्रद” अछि।

३५०. (D) नटुआक गीत – संयम — टिप्पणीक पहिल संकेत “नटुआक गीत – संयम” अछि।

३५१. (A) अरस्तू: कथानक-बोध — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “अरस्तू: कथानक-बोध” रूपमे देखाइत अछि।

३५२. (B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३५४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३५६. (B) खण्ड 1957, सूचकांक पंक्ति 648मे पवनकान्त झाक "गप्पक अर्थ" प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ "अरस्तू: कथानक-बोध" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३५७. (A) जिहियासँ काल धेलक — सूचकांक पंक्ति 649मे पवनकान्त झाक प्रविष्टि "जिहियासँ काल धेलक" रूपमे देल अछि।

३५८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लोककथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३५९. (C) बाल-व्यंग्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-व्यंग्य" अछि।

३६०. (D) ज्योतिषी-साँप – व्यंग्य-शिक्षा — टिप्पणीक पहिल संकेत "ज्योतिषी-साँप – व्यंग्य-शिक्षा" अछि।

३६१. (A) ज्योतिषी-साँप – व्यंग्य-शिक्षा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "ज्योतिषी-साँप – व्यंग्य-शिक्षा" रूपमे देखाइत अछि।

३६२. (B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-व्यंग्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३६४. (D) ई पाठ बाल-व्यंग्यक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३६६. (B) खण्ड 1958, सूचकांक पंक्ति 649मे पवनकान्त झाक "जिहियासँ काल धेलक" प्रविष्टि लोककथा, बाल-व्यंग्य आ "ज्योतिषी-साँप – व्यंग्य-शिक्षा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३६७. (A) नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के? — सूचकांक पंक्ति 650मे पवनकान्त झाक प्रविष्टि "नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?" रूपमे देल अछि।

३६८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लोककथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३६९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-शिक्षाप्रद" अछि।

३७०. (D) पण्डित-राजकुमार — टिप्पणीक पहिल संकेत "पण्डित-राजकुमार" अछि।

३७१. (A) पण्डित-राजकुमार — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "पण्डित-राजकुमार" रूपमे देखाइत अछि।

३७२. (B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३७३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३७४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३७५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३७६. (B) खण्ड 1959, सूचकांक पंक्ति 650मे पवनकान्त झाक "नीक करी तँ पैघ के? बेजाए करी तँ पैघ के?" प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ "पण्डित-राजकुमार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३७७. (A) पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी — सूचकांक पंक्ति 651मे पवनकान्त झाक प्रविष्टि "पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी" रूपमे देल अछि।

३७८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लोककथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३७९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-शिक्षाप्रद" अछि।

३८०. (D) कण-कणमे भगवान – व्यवहार-ज्ञान — टिप्पणीक पहिल संकेत "कण-कणमे भगवान – व्यवहार-ज्ञान" अछि।

३८१. (A) कण-कणमे भगवान – व्यवहार-ज्ञान — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "कण-कणमे भगवान – व्यवहार-ज्ञान" रूपमे देखाइत अछि।

३८२. (B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३८३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३८४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३८५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३८६. (B) खण्ड 1960, सूचकांक पंक्ति 651मे पवनकान्त झाक "पढ़बे टा नै करी ओकरा गुनबो करी" प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ "कण-कणमे भगवान – व्यवहार-ज्ञान" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३८७. (A) अकलक मोल — सूचकांक पंक्ति 652मे पवनकान्त झाक प्रविष्टि "अकलक मोल" रूपमे देल अछि।

३८८. (B) लोककथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लोककथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३८९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-शिक्षाप्रद" अछि।

३९०. (D) वृद्ध-युवा मंत्री – प्रज्ञा-परीक्षा — टिप्पणीक पहिल संकेत "वृद्ध-युवा मंत्री – प्रज्ञा-परीक्षा" अछि।

३९१. (A) वृद्ध-युवा मंत्री – प्रज्ञा-परीक्षा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "वृद्ध-युवा मंत्री – प्रज्ञा-परीक्षा" रूपमे देखाइत अछि।

३९२. (B) लेखक पवनकान्त झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३९३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३९४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३९५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३९६. (B) खण्ड 1961, सूचकांक पंक्ति 652मे पवनकान्त झाक "अकलक मोल" प्रविष्टि लोककथा, बाल-शिक्षाप्रद आ "वृद्ध-युवा मंत्री – प्रज्ञा-परीक्षा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३९७. (A) लाट साहेबक किरानी — सूचकांक पंक्ति 653मे गंगेश गुंजनक प्रविष्टि "लाट साहेबक किरानी" रूपमे देल अछि।

३९८. (B) लघुकथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लघुकथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३९९. (C) बाल-व्यंग्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-व्यंग्य" अछि।

४००. (D) भिखारी-व्यवस्था — टिप्पणीक पहिल संकेत "भिखारी-व्यवस्था" अछि।

४०१. (A) भिखारी-व्यवस्था — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "भिखारी-व्यवस्था" रूपमे देखाइत अछि।

४०२. (B) लेखक गंगेश गुंजन, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-व्यंग्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४०३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४०४. (D) ई पाठ बाल-व्यंग्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४०५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४०६. (B) खण्ड 1962, सूचकांक पंक्ति 653मे गंगेश गुंजनक "लाट साहेबक किरानी" प्रविष्टि लघुकथा, बाल-व्यंग्य आ "भिखारी-व्यवस्था" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४०७. (A) पारस — सूचकांक पंक्ति 654मे दुर्गानन्द मण्डलक प्रविष्टि "पारस" रूपमे देल अछि।

४०८. (B) लघुकथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लघुकथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४०९. (C) बाल-प्रेरणादायक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्रेरणादायक" अछि।

४१०. (D) चायबला पारस – विद्या-अर्जन — टिप्पणीक पहिल संकेत "चायबला पारस – विद्या-अर्जन" अछि।

४११. (A) चायबला पारस – विद्या-अर्जन — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "चायबला पारस – विद्या-अर्जन" रूपमे देखाइत अछि।

४१२. (B) लेखक दुर्गानन्द मण्डल, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४१३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४१४. **(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४१५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४१६. **(B) खण्ड 1963, सूचकांक पंक्ति 654मे दुर्गानन्द मण्डलक "पारस" प्रविष्टि लघुकथा, बाल-प्रेरणादायक आ "चायबला पारस – विद्या-अर्जन" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४१७. **(A) राखी** — सूचकांक पंक्ति 655मे दुर्गानन्द मण्डलक प्रविष्टि "राखी" रूपमे देल अछि।

४१८. **(B) लेख** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लेख" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४१९. **(C) बाल-सांस्कृतिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-सांस्कृतिक" अछि।

४२०. **(D) रक्षा-बन्धन – संस्कार** — टिप्पणीक पहिल संकेत "रक्षा-बन्धन – संस्कार" अछि।

४२१. **(A) रक्षा-बन्धन – संस्कार** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "रक्षा-बन्धन – संस्कार" रूपमे देखाइत अछि।

४२२. **(B) लेखक दुर्गानन्द मण्डल, विधा लेख, उप-विधा बाल-सांस्कृतिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४२३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४२४. **(D) ई पाठ बाल-सांस्कृतिकक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४२५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४२६. **(B) खण्ड 1964, सूचकांक पंक्ति 655मे दुर्गानन्द मण्डलक "राखी" प्रविष्टि लेख, बाल-सांस्कृतिक आ "रक्षा-बन्धन – संस्कार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४२७. **(A) स्वतंत्रता दिवस** — सूचकांक पंक्ति 656मे दुर्गानन्द मण्डलक प्रविष्टि "स्वतंत्रता दिवस" रूपमे देल अछि।

४२८. **(B) लेख** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लेख" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४२९. **(C) बाल-देशभक्ति** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-देशभक्ति" अछि।

४३०. **(D) भ्रष्टाचार-व्यंग्य, राजनीति-पाखंड** — टिप्पणीक पहिल संकेत "भ्रष्टाचार-व्यंग्य, राजनीति-पाखंड" अछि।

४३१. **(A) भ्रष्टाचार-व्यंग्य, राजनीति-पाखंड** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "भ्रष्टाचार-व्यंग्य, राजनीति-पाखंड" रूपमे देखाइत अछि।

४३२. **(B) लेखक दुर्गानन्द मण्डल, विधा लेख, उप-विधा बाल-देशभक्ति** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४३३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४३४. **(D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४३५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४३६. **(B) खण्ड 1965, सूचकांक पंक्ति 656मे दुर्गानन्द मण्डलक "स्वतंत्रता दिवस" प्रविष्टि लेख, बाल-देशभक्ति आ "भ्रष्टाचार-व्यंग्य, राजनीति-पाखंड" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४३७. **(A) चंदा मामा आ चंद्रमा** — सूचकांक पंक्ति 657मे नवीन ठाकूरक प्रविष्टि "चंदा मामा आ चंद्रमा" रूपमे देल अछि।

४३८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४३९. **(C) बाल-वैज्ञानिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-वैज्ञानिक" अछि।

४४०. **(D) चन्दा-मामा परीकथा** — टिप्पणीक पहिल संकेत "चन्दा-मामा परीकथा" अछि।

४४१. **(A) चन्दा-मामा परीकथा** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "चन्दा-मामा परीकथा" रूपमे देखाइत अछि।

४४२. **(B) लेखक नवीन ठाकूर, विधा कविता, उप-विधा बाल-वैज्ञानिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४४३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४४४. **(D) ई पाठ बाल-वैज्ञानिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४४५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४४६. **(B) खण्ड 1966, सूचकांक पंक्ति 657मे नवीन ठाकूरक "चंदा मामा आ चंद्रमा" प्रविष्टि कविता, बाल-वैज्ञानिक आ "चन्दा-मामा परीकथा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४४७. **(A) ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?** — सूचकांक पंक्ति 658मे विपिन कुमार झाक प्रविष्टि "ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?" रूपमे देल अछि।

४४८. **(B) लोककथा** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लोककथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४४९. **(C) बाल-दार्शनिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-दार्शनिक" अछि।

४५०. **(D) ब्रह्मा-वनराज संवाद** — टिप्पणीक पहिल संकेत "ब्रह्मा-वनराज संवाद" अछि।

४५१. **(A) ब्रह्मा-वनराज संवाद** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "ब्रह्मा-वनराज संवाद" रूपमे देखाइत अछि।

४५२. **(B) लेखक विपिन कुमार झा, विधा लोककथा, उप-विधा बाल-दार्शनिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४५३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४५४. **(D) ई पाठ बाल-दार्शनिकक रूपमे लोककथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४५५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४५६. **(B) खण्ड 1967, सूचकांक पंक्ति 658मे विपिन कुमार झाक "ऐ चराचर जगत मे मनुक्ख के?" प्रविष्टि लोककथा, बाल-दार्शनिक आ "ब्रह्मा-वनराज संवाद" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४५७. **(A) दादीक गीत** — सूचकांक पंक्ति 659मे अनिल मल्लिकक प्रविष्टि "दादीक गीत" रूपमे देल अछि।

४५८. **(B) लोकगीत** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लोकगीत" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४५९. **(C) बाल-लोकसाहित्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-लोकसाहित्य" अछि।

४६०. **(D) 'उठू फूलकुमैर रानी' – ग्राम-संस्कार** — टिप्पणीक पहिल संकेत "'उठू फूलकुमैर रानी' – ग्राम-संस्कार" अछि।

४६१. **(A) 'उठू फूलकुमैर रानी' – ग्राम-संस्कार** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "'उठू फूलकुमैर रानी' – ग्राम-संस्कार" रूपमे देखाइत अछि।

४६२. **(B) लेखक अनिल मल्लिक, विधा लोकगीत, उप-विधा बाल-लोकसाहित्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४६३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४६४. **(D) ई पाठ बाल-लोकसाहित्यक रूपमे लोकगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४६५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४६६. **(B) खण्ड 1968, सूचकांक पंक्ति 659मे अनिल मल्लिकक "दादीक गीत" प्रविष्टि लोकगीत, बाल-लोकसाहित्य आ "'उठू फूलकुमैर रानी' – ग्राम-संस्कार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४६७. **(A) गोलबा** — सूचकांक पंक्ति 660मे बृषेश चन्द्र लालक प्रविष्टि "गोलबा" रूपमे देल अछि।

४६८. **(B) कहानी** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कहानी" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४६९. **(C) बाल-मार्मिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-मार्मिक" अछि।

४७०. **(D) गोलबा (बकरा) – बलिदान** — टिप्पणीक पहिल संकेत "गोलबा (बकरा) – बलिदान" अछि।

४७१. **(A) गोलबा (बकरा) – बलिदान** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "गोलबा (बकरा) – बलिदान" रूपमे देखाइत अछि।

४७२. **(B) लेखक बृषेश चन्द्र लाल, विधा कहानी, उप-विधा बाल-मार्मिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४७३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४७४. **(D) ई पाठ बाल-मार्मिकक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४७५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४७६. **(B) खण्ड 1969, सूचकांक पंक्ति 660मे बृषेश चन्द्र लालक "गोलबा" प्रविष्टि कहानी, बाल-मार्मिक आ "गोलबा (बकरा) – बलिदान" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४७७. **(A) एकदन्त हाथी आ नौलखा हार** — सूचकांक पंक्ति 661मे बृषेश चन्द्र लालक प्रविष्टि "एकदन्त हाथी आ नौलखा हार" रूपमे देल अछि।

४७८. **(B) कहानी** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कहानी" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४७९. **(C) बाल-ऐतिहासिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-ऐतिहासिक" अछि।

४८०. **(D) स्त्री-अस्मिता, दहेज-विरोध** — टिप्पणीक पहिल संकेत "स्त्री-अस्मिता, दहेज-विरोध" अछि।

४८१. **(A) नारी-विमर्श** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "नारी-विमर्श" रूपमे देखाइत अछि।

४८२. **(B) लेखक बृषेश चन्द्र लाल, विधा कहानी, उप-विधा बाल-ऐतिहासिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४८३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४८४. **(D) ई पाठ बाल-ऐतिहासिकक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४८५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४८६. **(B) खण्ड 1970, सूचकांक पंक्ति 661मे बृषेश चन्द्र लालक "एकदन्त हाथी आ नौलखा हार" प्रविष्टि कहानी, बाल-ऐतिहासिक आ "नारी-विमर्श" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४८७. **(A) चोनहा** — सूचकांक पंक्ति 662मे जगदानन्द झा 'मनु'क प्रविष्टि "चोनहा" रूपमे देल अछि।

४८८. **(B) कहानी** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कहानी" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४८९. **(C) बाल-सामाजिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-सामाजिक" अछि।

४९०. **(D) आँखि-कमजोरी, माता-पिताक उपेक्षा – पियाजे** — टिप्पणीक पहिल संकेत "आँखि-कमजोरी, माता-पिताक उपेक्षा – पियाजे" अछि।

४९१. **(A) आँखि-कमजोरी, माता-पिताक उपेक्षा – पियाजे** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "आँखि-कमजोरी, माता-पिताक उपेक्षा – पियाजे" रूपमे देखाइत अछि।

४९२. **(B) लेखक जगदानन्द झा 'मनु', विधा कहानी, उप-विधा बाल-सामाजिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४९३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४९४. **(D) ई पाठ बाल-सामाजिकक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४९५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४९६. **(B) खण्ड 1971, सूचकांक पंक्ति 662मे जगदानन्द झा 'मनु'क "चोनहा" प्रविष्टि कहानी, बाल-सामाजिक आ "आँखि-कमजोरी, माता-पिताक उपेक्षा – पियाजे" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४९७. **(A) बुद्धिया दादी** — सूचकांक पंक्ति 663मे जगदीश प्रसाद मण्डलक प्रविष्टि "बुद्धिया दादी" रूपमे देल अछि।

४९८. **(B) लघुकथा** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लघुकथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४९९. **(C) बाल-हास्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-हास्य" अछि।

५००. **(D) दादी-पोता – सजमनियाँ तोड़ा** — टिप्पणीक पहिल संकेत "दादी-पोता – सजमनियाँ तोड़ा" अछि।

५०१. **(A) लोक-हास्य** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "लोक-हास्य" रूपमे देखाइत अछि।

५०२. **(B) लेखक जगदीश प्रसाद मण्डल, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-हास्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५०३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५०४. **(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५०५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५०६. (B) खण्ड 1972, सूचकांक पंक्ति 663मे जगदीश प्रसाद मण्डलक "बुद्धिया दादी" प्रविष्टि लघुकथा, बाल-हास्य आ "लोक-हास्य" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५०७. (A) मान — सूचकांक पंक्ति 664मे जगदीश प्रसाद मण्डलक प्रविष्टि "मान" रूपमे देल अछि।

५०८. (B) लघुकथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लघुकथा" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५०९. (C) बाल-सामाजिक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-सामाजिक" अछि।

५१०. (D) 'आद्रा' – कर्म-ईमानदारी — टिप्पणीक पहिल संकेत "'आद्रा' – कर्म-ईमानदारी" अछि।

५११. (A) 'आद्रा' – कर्म-ईमानदारी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "'आद्रा' – कर्म-ईमानदारी" रूपमे देखाइत अछि।

५१२. (B) लेखक जगदीश प्रसाद मण्डल, विधा लघुकथा, उप-विधा बाल-सामाजिक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५१३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५१४. (D) ई पाठ बाल-सामाजिकक रूपमे लघुकथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५१५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५१६. (B) खण्ड 1973, सूचकांक पंक्ति 664मे जगदीश प्रसाद मण्डलक "मान" प्रविष्टि लघुकथा, बाल-सामाजिक आ "'आद्रा' – कर्म-ईमानदारी" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५१७. (A) तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास) — सूचकांक पंक्ति 665मे गजेन्द्र ठाकूरक प्रविष्टि "तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)" रूपमे देल अछि।

५१८. (B) उपन्यास — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "उपन्यास" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५१९. (C) बाल-फंतासी — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-फंतासी" अछि।

५२०. (D) परीलोक – वैज्ञानिक-कल्पना — टिप्पणीक पहिल संकेत "परीलोक – वैज्ञानिक-कल्पना" अछि।

५२१. (A) परीलोक – वैज्ञानिक-कल्पना — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "परीलोक – वैज्ञानिक-कल्पना" रूपमे देखाइत अछि।

५२२. (B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा उपन्यास, उप-विधा बाल-फंतासी — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५२३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५२४. (D) ई पाठ बाल-फंतासीक रूपमे उपन्यास-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५२५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५२६. (B) खण्ड 1974, सूचकांक पंक्ति 665मे गजेन्द्र ठाकूरक "तरहरिमे परीलोक (बाल उपन्यास)" प्रविष्टि उपन्यास, बाल-फंतासी आ "परीलोक – वैज्ञानिक-कल्पना" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५२७. (A) हीरा-मोती — सूचकांक पंक्ति 666मे दमन कुमार झाक प्रविष्टि "हीरा-मोती" रूपमे देल अछि।

५२८. (B) कहानी — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कहानी" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५२९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-शिक्षाप्रद" अछि।

५३०. (D) सत्य-रुपी हीरा, प्रेम-रुपी मोती – सदाचार — टिप्पणीक पहिल संकेत "सत्य-रुपी हीरा, प्रेम-रुपी मोती – सदाचार" अछि।

५३१. (A) सत्य-रुपी हीरा, प्रेम-रुपी मोती – सदाचार — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "सत्य-रुपी हीरा, प्रेम-रुपी मोती – सदाचार" रूपमे देखाइत अछि।

५३२. (B) लेखक दमन कुमार झा, विधा कहानी, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५३३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५३४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे कहानी-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५३५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५३६. (B) खण्ड 1975, सूचकांक पंक्ति 666मे दमन कुमार झाक "हीरा-मोती" प्रविष्टि कहानी, बाल-शिक्षाप्रद आ "सत्य-रुपी हीरा, प्रेम-रुपी मोती – सदाचार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५३७. (A) दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष — सूचकांक पंक्ति 667मे डॉ. शिशिधर कुमारक प्रविष्टि "दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष" रूपमे देल अछि।

५३८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लेख" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५३९. (C) बाल-भूगोल — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-भूगोल" अछि।

५४०. (D) अण्टाकंटिका – वैज्ञानिक-रोमांच — टिप्पणीक पहिल संकेत "अण्टाकंटिका – वैज्ञानिक-रोमांच" अछि।

५४१. (A) अण्टाकंटिका – वैज्ञानिक-रोमांच — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "अण्टाकंटिका – वैज्ञानिक-रोमांच" रूपमे देखाइत अछि।

५४२. (B) लेखक डॉ. शिशिधर कुमार, विधा लेख, उप-विधा बाल-भूगोल — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५४४. (D) ई पाठ बाल-भूगोलक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५४६. (B) खण्ड 1976, सूचकांक पंक्ति 667मे डॉ. शिशिधर कुमारक "दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष" प्रविष्टि लेख, बाल-भूगोल आ "अण्टाकंटिका – वैज्ञानिक-रोमांच" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५४७. (A) उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम — सूचकांक पंक्ति 668मे डॉ. शिशिधर कुमारक प्रविष्टि "उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम" रूपमे देल अछि।

५४८. (B) लेख — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "लेख" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५४९. (C) बाल-प्राणी-विज्ञान — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्राणी-विज्ञान" अछि।

५५०. (D) न उड़ेबला पक्षी – जीव-वैविध्य — टिप्पणीक पहिल संकेत "न उड़ेबला पक्षी – जीव-वैविध्य" अछि।

५५१. (A) न उड़ेबला पक्षी – जीव-वैविध्य — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "न उड़ेबला पक्षी – जीव-वैविध्य" रूपमे देखाइत अछि।

५५२. (B) लेखक डॉ. शिशिधर कुमार, विधा लेख, उप-विधा बाल-प्राणी-विज्ञान — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५५४. (D) ई पाठ बाल-प्राणी-विज्ञानक रूपमे लेख-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५५६. (B) खण्ड 1977, सूचकांक पंक्ति 668मे डॉ. शिशिधर कुमारक "उड़ै ने सकी पर उड़ै छी हम" प्रविष्टि लेख, बाल-प्राणी-विज्ञान आ "न उड़ेबला पक्षी – जीव-वैविध्य" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५५७. (A) चल रॉकेट उड़ान भर — सूचकांक पंक्ति 669मे — (सामूहिक/अनाम)क प्रविष्टि "चल रॉकेट उड़ान भर" रूपमे देल अछि।

५५८. (B) बालगीत — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "बालगीत" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५५९. (C) बाल-कविता — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-कविता" अछि।

५६०. (D) रॉकेट-चाँद – कल्पना-विज्ञान — टिप्पणीक पहिल संकेत "रॉकेट-चाँद – कल्पना-विज्ञान" अछि।

५६१. (A) रॉकेट-चाँद – कल्पना-विज्ञान — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "रॉकेट-चाँद – कल्पना-विज्ञान" रूपमे देखाइत अछि।

५६२. (B) लेखक — (सामूहिक/अनाम), विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५६४. (D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५६६. (B) खण्ड 1978, सूचकांक पंक्ति 669मे — (सामूहिक/अनाम)क "चल रॉकेट उड़ान भर" प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ "रॉकेट-चाँद – कल्पना-विज्ञान" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५६७. (A) माए गइ माए — सूचकांक पंक्ति 670मे पंकज कुमार झाक प्रविष्टि "माए गइ माए" रूपमे देल अछि।

५६८. (B) बालगीत — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "बालगीत" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५६९. (C) बाल-कविता — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-कविता" अछि।

५७०. (D) माँ-पुकार – लोक-विविधता — टिप्पणीक पहिल संकेत "माँ-पुकार – लोक-विविधता" अछि।

५७१. (A) माँ-पुकार – लोक-विविधता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "माँ-पुकार – लोक-विविधता" रूपमे देखाइत अछि।

५७२. (B) लेखक पंकज कुमार झा, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५७३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५७४. (D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५७५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५७६. (B) खण्ड 1979, सूचकांक पंक्ति 670मे पंकज कुमार झाक "माए गइ माए" प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ "माँ-पुकार – लोक-विविधता" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५७७. (A) बड़द करैए दाउन ने यौ — सूचकांक पंक्ति 671मे गजेन्द्र ठाकूरक प्रविष्टि "बड़द करैए दाउन ने यौ" रूपमे देल अछि।

५७८. (B) बालगीत — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "बालगीत" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५७९. (C) बाल-कविता — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-कविता" अछि।

५८०. (D) पशु-पक्षी नाम – सीख — टिप्पणीक पहिल संकेत "पशु-पक्षी नाम – सीख" अछि।

५८१. (A) पशु-पक्षी नाम – सीख — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "पशु-पक्षी नाम – सीख" रूपमे देखाइत अछि।

५८२. (B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५८३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५८४. (D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५८५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५८६. (B) खण्ड 1980, सूचकांक पंक्ति 671मे गजेन्द्र ठाकूरक "बड़द करैए दाउन ने यौ" प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ "पशु-पक्षी नाम – सीख" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५८७. (A) बालपन — सूचकांक पंक्ति 672मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि "बालपन" रूपमे देल अछि।

५८८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५८९. (C) बाल-संस्मरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-संस्मरण" अछि।

५९०. (D) बचपनक बीतल पल – नॉस्टेल्जिया — टिप्पणीक पहिल संकेत "बचपनक बीतल पल – नॉस्टेल्जिया" अछि।

५९१. (A) बचपनक बीतल पल – नॉस्टेल्जिया — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "बचपनक बीतल पल – नॉस्टेल्जिया" रूपमे देखाइत अछि।

५९२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-संस्मरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५९३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५९४. (D) ई पाठ बाल-संस्मरणक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५९५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५९६. (B) खण्ड 1981, सूचकांक पंक्ति 672मे ज्योति सुनीत चौधरीक "बालपन" प्रविष्टि कविता, बाल-संस्मरण आ "बचपनक बीतल पल – नॉस्टेल्जिया" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५९७. (A) सैण्टाक अस्तित्व — सूचकांक पंक्ति 673मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि "सैण्टाक अस्तित्व" रूपमे देल अछि।

५९८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५९९. (C) बाल-दार्शनिक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-दार्शनिक" अछि।

६००. (D) सांता-उपग्रह – सत्य-असत्य — टिप्पणीक पहिल संकेत "सांता-उपग्रह – सत्य-असत्य" अछि।

६०१. (A) सांता-उपग्रह – सत्य-असत्य — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "सांता-उपग्रह – सत्य-असत्य" रूपमे देखाइत अछि।

६०२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-दार्शनिक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६०३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६०४. (D) ई पाठ बाल-दार्शनिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६०५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६०६. (B) खण्ड 1982, सूचकांक पंक्ति 673मे ज्योति सुनीत चौधरीक "सैण्टाक अस्तित्व" प्रविष्टि कविता, बाल-दार्शनिक आ "सांता-उपग्रह – सत्य-असत्य" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६०७. (A) दलमा — सूचकांक पंक्ति 674मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि "दलमा" रूपमे देल अछि।

६०८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६०९. (C) बाल-प्रकृति — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्रकृति" अछि।

६१०. (D) हाथी-सैलानी – प्रकृति-संघर्ष — टिप्पणीक पहिल संकेत "हाथी-सैलानी – प्रकृति-संघर्ष" अछि।

६११. (A) हाथी-सैलानी – प्रकृति-संघर्ष — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "हाथी-सैलानी – प्रकृति-संघर्ष" रूपमे देखाइत अछि।

६१२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६१३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६१४. (D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६१५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६१६. (B) खण्ड 1983, सूचकांक पंक्ति 674मे ज्योति सुनीत चौधरीक "दलमा" प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ "हाथी-सैलानी – प्रकृति-संघर्ष" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६१७. (A) सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ — सूचकांक पंक्ति 675मे जगदीश प्रसाद मण्डलक प्रविष्टि "सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ" रूपमे देल अछि।

६१८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६१९. (C) बाल-प्रेरणादायक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्रेरणादायक" अछि।

६२०. (D) बाल-प्रेरणा-गीत — टिप्पणीक पहिल संकेत "बाल-प्रेरणा-गीत" अछि।

६२१. (A) बाल-प्रेरणा-गीत — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "बाल-प्रेरणा-गीत" रूपमे देखाइत अछि।

६२२. (B) लेखक जगदीश प्रसाद मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६२३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६२४. **(D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६२५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६२६. **(B) खण्ड 1984, सूचकांक पंक्ति 675मे जगदीश प्रसाद मण्डलक "सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ" प्रविष्टि कविता, बाल-प्रेरणादायक आ "बाल-प्रेरणा-गीत" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६२७. **(A) पुत्र-शपता सम्वाद** — सूचकांक पंक्ति 676मे जगदीश प्रसाद मण्डलक प्रविष्टि "पुत्र-शपता सम्वाद" रूपमे देल अछि।

६२८. **(B) संवाद** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "संवाद" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६२९. **(C) बाल-दार्शनिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-दार्शनिक" अछि।

६३०. **(D) धर्म-पाप-विवेचना** — टिप्पणीक पहिल संकेत "धर्म-पाप-विवेचना" अछि।

६३१. **(A) धर्म-पाप-विवेचना** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "धर्म-पाप-विवेचना" रूपमे देखाइत अछि।

६३२. **(B) लेखक जगदीश प्रसाद मण्डल, विधा संवाद, उप-विधा बाल-दार्शनिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६३३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६३४. **(D) ई पाठ बाल-दार्शनिकक रूपमे संवाद-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६३५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६३६. **(B) खण्ड 1985, सूचकांक पंक्ति 676मे जगदीश प्रसाद मण्डलक "पुत्र-शपता सम्वाद" प्रविष्टि संवाद, बाल-दार्शनिक आ "धर्म-पाप-विवेचना" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६३७. **(A) बाल गीत** — सूचकांक पंक्ति 677मे डॉ. नरेश कुमार 'विकल'क प्रविष्टि "बाल गीत" रूपमे देल अछि।

६३८. **(B) बालगीत** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "बालगीत" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६३९. **(C) बाल-देशभक्ति** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-देशभक्ति" अछि।

६४०. **(D) गंगा-हिमालय – देश-प्रेम** — टिप्पणीक पहिल संकेत "गंगा-हिमालय – देश-प्रेम" अछि।

६४१. **(A) गंगा-हिमालय – देश-प्रेम** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "गंगा-हिमालय – देश-प्रेम" रूपमे देखाइत अछि।

६४२. **(B) लेखक डॉ. नरेश कुमार 'विकल', विधा बालगीत, उप-विधा बाल-देशभक्ति** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६४३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६४४. **(D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६४५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६४६. **(B) खण्ड 1986, सूचकांक पंक्ति 677मे डॉ. नरेश कुमार 'विकल'क "बाल गीत" प्रविष्टि बालगीत, बाल-देशभक्ति आ "गंगा-हिमालय – देश-प्रेम" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६४७. **(A) कतए जाइ** — सूचकांक पंक्ति 678मे संस्कृति वर्माक प्रविष्टि "कतए जाइ" रूपमे देल अछि।

६४८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६४९. **(C) बाल-सामाजिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-सामाजिक" अछि।

६५०. **(D) दिल्ली-फ्लैट मे बच्चीक अकेलापन** — टिप्पणीक पहिल संकेत "दिल्ली-फ्लैट मे बच्चीक अकेलापन" अछि।

६५१. **(A) दिल्ली-फ्लैट मे बच्चीक अकेलापन** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "दिल्ली-फ्लैट मे बच्चीक अकेलापन" रूपमे देखाइत अछि।

६५२. **(B) लेखक संस्कृति वर्मा, विधा कविता, उप-विधा बाल-सामाजिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६५३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६५४. **(D) ई पाठ बाल-सामाजिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६५५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६५६. **(B) खण्ड 1987, सूचकांक पंक्ति 678मे संस्कृति वर्माक "कतए जाइ" प्रविष्टि कविता, बाल-सामाजिक आ "दिल्ली-फ्लैट मे बच्चीक अकेलापन" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६५७. **(A) अपन गाम** — सूचकांक पंक्ति 679मे अनमोल झाक प्रविष्टि "अपन गाम" रूपमे देल अछि।

६५८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६५९. **(C) बाल-ग्राम्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-ग्राम्य" अछि।

६६०. **(D) गाम-मामा गाम – बाल-दृष्टि** — टिप्पणीक पहिल संकेत "गाम-मामा गाम – बाल-दृष्टि" अछि।

६६१. **(A) गाम-मामा गाम – बाल-दृष्टि** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "गाम-मामा गाम – बाल-दृष्टि" रूपमे देखाइत अछि।

६६२. **(B) लेखक अनमोल झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-ग्राम्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६६३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६६४. **(D) ई पाठ बाल-ग्राम्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६६५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६६६. **(B) खण्ड 1988, सूचकांक पंक्ति 679मे अनमोल झाक "अपन गाम" प्रविष्टि कविता, बाल-ग्राम्य आ "गाम-मामा गाम – बाल-दृष्टि" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६६७. **(A) साओन कुमार** — सूचकांक पंक्ति 680मे राजेश मोहन झा 'गुंजन'क प्रविष्टि "साओन कुमार" रूपमे देल अछि।

६६८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६६९. **(C) बाल-प्रकृति** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्रकृति" अछि।

६७०. **(D) सावन-मेघ-दृश्य** — टिप्पणीक पहिल संकेत "सावन-मेघ-दृश्य" अछि।

६७१. **(A) सावन-मेघ-दृश्य** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "सावन-मेघ-दृश्य" रूपमे देखाइत अछि।

६७२. **(B) लेखक राजेश मोहन झा 'गुंजन', विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६७३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६७४. **(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६७५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६७६. **(B) खण्ड 1989, सूचकांक पंक्ति 680मे राजेश मोहन झा 'गुंजन'क "साओन कुमार" प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ "सावन-मेघ-दृश्य" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६७७. **(A) छुट्टी** — सूचकांक पंक्ति 681मे राजेश मोहन झाक प्रविष्टि "छुट्टी" रूपमे देल अछि।

६७८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६७९. **(C) बाल-छुट्टी** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-छुट्टी" अछि।

६८०. **(D) छुट्टीक आनन्द** — टिप्पणीक पहिल संकेत "छुट्टीक आनन्द" अछि।

६८१. **(A) छुट्टीक आनन्द** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "छुट्टीक आनन्द" रूपमे देखाइत अछि।

६८२. **(B) लेखक राजेश मोहन झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-छुट्टी** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६८३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६८४. **(D) ई पाठ बाल-छुट्टीक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६८५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६८६. **(B) खण्ड 1990, सूचकांक पंक्ति 681मे राजेश मोहन झाक "छुट्टी" प्रविष्टि कविता, बाल-छुट्टी आ "छुट्टीक आनन्द" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६८७. **(A) पेटू गोलू** — सूचकांक पंक्ति 682मे शिव कुमार झाक प्रविष्टि "पेटू गोलू" रूपमे देल अछि।

६८८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६८९. **(C) बाल-हास्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-हास्य" अछि।

६९०. **(D) पेटू-गोलू – आहार-व्यंग्य** — टिप्पणीक पहिल संकेत "पेटू-गोलू – आहार-व्यंग्य" अछि।

६९१. **(A) पेटू-गोलू – आहार-व्यंग्य** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "पेटू-गोलू – आहार-व्यंग्य" रूपमे देखाइत अछि।

६९२. **(B) लेखक शिव कुमार झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-हास्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६९३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६९४. **(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६९५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६९६. **(B) खण्ड 1991, सूचकांक पंक्ति 682मे शिव कुमार झाक "पेटू गोलू" प्रविष्टि कविता, बाल-हास्य आ "पेटू-गोलू – आहार-व्यंग्य" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६९७. **(A) उल्लूक शिकारी** — सूचकांक पंक्ति 683मे रमाकान्त राय रमाक प्रविष्टि "उल्लूक शिकारी" रूपमे देल अछि।

६९८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६९९. **(C) बाल-हास्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-हास्य" अछि।

७००. **(D) उल्लू-शिकार – हास्य** — टिप्पणीक पहिल संकेत "उल्लू-शिकार – हास्य" अछि।

७०१. **(A) उल्लू-शिकार – हास्य** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "उल्लू-शिकार – हास्य" रूपमे देखाइत अछि।

७०२. **(B) लेखक रमाकान्त राय रमा, विधा कविता, उप-विधा बाल-हास्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७०३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७०४. **(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७०५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७०६. **(B) खण्ड 1992, सूचकांक पंक्ति 683मे रमाकान्त राय रमाक "उल्लूक शिकारी" प्रविष्टि कविता, बाल-हास्य आ "उल्लू-शिकार – हास्य" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७०७. **(A) बाबाक रोपल गाछ** — सूचकांक पंक्ति 684मे मिथिलेश कुमार झाक प्रविष्टि "बाबाक रोपल गाछ" रूपमे देल अछि।

७०८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७०९. **(C) बाल-ग्राम्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-ग्राम्य" अछि।

७१०. **(D) बाबाक आम पेड़ – संस्मरण** — टिप्पणीक पहिल संकेत "बाबाक आम पेड़ – संस्मरण" अछि।

७११. **(A) बाबाक आम पेड़ – संस्मरण** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "बाबाक आम पेड़ – संस्मरण" रूपमे देखाइत अछि।

७१२. **(B) लेखक मिथिलेश कुमार झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-ग्राम्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७१३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७१४. **(D) ई पाठ बाल-ग्राम्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७१५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७१६. **(B) खण्ड 1993, सूचकांक पंक्ति 684मे मिथिलेश कुमार झाक "बाबाक रोपल गाछ" प्रविष्टि कविता, बाल-ग्राम्य आ "बाबाक आम पेड़ – संस्मरण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७१७. **(A) सिनेहक सरगम** — सूचकांक पंक्ति 685मे महाकान्त ठाकुरक प्रविष्टि "सिनेहक सरगम" रूपमे देल अछि।

७१८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७१९. **(C) बाल-प्रेम** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्रेम" अछि।

७२०. **(D) स्नेह-प्रेम-भावना** — टिप्पणीक पहिल संकेत "स्नेह-प्रेम-भावना" अछि।

७२१. **(A) स्नेह-प्रेम-भावना** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "स्नेह-प्रेम-भावना" रूपमे देखाइत अछि।

७२२. **(B) लेखक महाकान्त ठाकुर, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रेम** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७२३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७२४. **(D) ई पाठ बाल-प्रेमक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७२५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७२६. **(B) खण्ड 1994, सूचकांक पंक्ति 685मे महाकान्त ठाकुरक "सिनेहक सरगम" प्रविष्टि कविता, बाल-प्रेम आ "स्नेह-प्रेम-भावना" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७२७. **(A) अपन भूमि** — सूचकांक पंक्ति 686मे महाकान्त ठाकुरक प्रविष्टि "अपन भूमि" रूपमे देल अछि।

७२८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७२९. **(C) बाल-देशभक्ति** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-देशभक्ति" अछि।

७३०. **(D) माटी-मोह** — टिप्पणीक पहिल संकेत "माटी-मोह" अछि।

७३१. **(A) माटी-मोह** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "माटी-मोह" रूपमे देखाइत अछि।

७३२. **(B) लेखक महाकान्त ठाकुर, विधा कविता, उप-विधा बाल-देशभक्ति** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७३३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७३४. **(D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७३५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७३६. **(B) खण्ड 1995, सूचकांक पंक्ति 686मे महाकान्त ठाकुरक "अपन भूमि" प्रविष्टि कविता, बाल-देशभक्ति आ "माटी-मोह" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७३७. **(A) भोर पोख** — सूचकांक पंक्ति 687मे महाकान्त ठाकुरक प्रविष्टि "भोर पोख" रूपमे देल अछि।

७३८. **(B) सूचकांकमे विधा रिक्त** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "सूचकांकमे विधा रिक्त" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७३९. **(C) सूचकांकमे उप-विधा रिक्त** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "सूचकांकमे उप-विधा रिक्त" अछि।

७४०. **(D) मुख्य साहित्यिक संकेत** — टिप्पणीक पहिल संकेत "मुख्य साहित्यिक संकेत" अछि।

७४१. **(A) मुख्य साहित्यिक संकेत** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मुख्य साहित्यिक संकेत" रूपमे देखाइत अछि।

७४२. **(B) लेखक महाकान्त ठाकुर, विधा सूचकांकमे विधा रिक्त, उप-विधा सूचकांकमे उप-विधा रिक्त** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७४३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७४४. (D) ई पाठ सूचकांकमे उप-विधा रिक्तक रूपमे सूचकांकमे विधा रिक्त-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७४६. (B) खण्ड 1996, सूचकांक पंक्ति 687मे महाकान्त ठाकुरक "भोर पोख" प्रविष्टि सूचकांकमे विधा रिक्त, सूचकांकमे उप-विधा रिक्त आ "मुख्य साहित्यिक संकेत" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७४७. (A) सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त — सूचकांक पंक्ति 688मे सुबह-पोखर।क प्रविष्टि "सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त" रूपमे देल अछि।

७४८. (B) सूचकांकमे विधा रिक्त — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "सूचकांकमे विधा रिक्त" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७४९. (C) सूचकांकमे उप-विधा रिक्त — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "सूचकांकमे उप-विधा रिक्त" अछि।

७५०. (D) मुख्य साहित्यिक संकेत — टिप्पणीक पहिल संकेत "मुख्य साहित्यिक संकेत" अछि।

७५१. (A) मुख्य साहित्यिक संकेत — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मुख्य साहित्यिक संकेत" रूपमे देखाइत अछि।

७५२. (B) लेखक सुबह-पोखर।, विधा सूचकांकमे विधा रिक्त, उप-विधा सूचकांकमे उप-विधा रिक्त — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७५४. (D) ई पाठ सूचकांकमे उप-विधा रिक्तक रूपमे सूचकांकमे विधा रिक्त-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७५६. (B) खण्ड 1997, सूचकांक पंक्ति 688मे सुबह-पोखर।क "सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त" प्रविष्टि सूचकांकमे विधा रिक्त, सूचकांकमे उप-विधा रिक्त आ "मुख्य साहित्यिक संकेत" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७५७. (A) ज्ञान दीप — सूचकांक पंक्ति 689मे महाकान्त ठाकुरक प्रविष्टि "ज्ञान दीप" रूपमे देल अछि।

७५८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७५९. (C) बाल-शिक्षाप्रद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-शिक्षाप्रद" अछि।

७६०. (D) ज्ञान-प्रकाश — टिप्पणीक पहिल संकेत "ज्ञान-प्रकाश" अछि।

७६१. (A) ज्ञान-प्रकाश — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "ज्ञान-प्रकाश" रूपमे देखाइत अछि।

७६२. (B) लेखक महाकान्त ठाकुर, विधा कविता, उप-विधा बाल-शिक्षाप्रद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७६४. (D) ई पाठ बाल-शिक्षाप्रदक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७६६. (B) खण्ड 1998, सूचकांक पंक्ति 689मे महाकान्त ठाकुरक "ज्ञान दीप" प्रविष्टि कविता, बाल-शिक्षाप्रद आ "ज्ञान-प्रकाश" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७६७. (A) बेटी — सूचकांक पंक्ति 690मे डॉ. जया वर्माक प्रविष्टि "बेटी" रूपमे देल अछि।

७६८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७६९. (C) बाल-नारी-चेतना — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-नारी-चेतना" अछि।

७७०. (D) बेटी-रक्षा-सम्मान — टिप्पणीक पहिल संकेत "बेटी-रक्षा-सम्मान" अछि।

७७१. **(A) बेटी-रक्षा-सम्मान** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बेटी-रक्षा-सम्मान” रूपमे देखाइत अछि।

७७२. **(B) लेखक डॉ. जया वर्मा, विधा कविता, उप-विधा बाल-नारी-चेतना** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७७३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७७४. **(D) ई पाठ बाल-नारी-चेतनाक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७७५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७७६. **(B) खण्ड 1999, सूचकांक पंक्ति 690मे डॉ. जया वर्माक “बेटी” प्रविष्टि कविता, बाल-नारी-चेतना आ “बेटी-रक्षा-सम्मान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७७७. **(A) भात छै नाम-नाम** — सूचकांक पंक्ति 691मे चन्द्रशेखर कामतक प्रविष्टि “भात छै नाम-नाम” रूपमे देल अछि।

७७८. **(B) बालगीत** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “बालगीत” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७७९. **(C) बाल-कविता** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-कविता” अछि।

७८०. **(D) भात-दाल-तरकारी** — टिप्पणीक पहिल संकेत “भात-दाल-तरकारी” अछि।

७८१. **(A) भात-दाल-तरकारी** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “भात-दाल-तरकारी” रूपमे देखाइत अछि।

७८२. **(B) लेखक चन्द्रशेखर कामत, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७८३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७८४. **(D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७८५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७८६. **(B) खण्ड 2000, सूचकांक पंक्ति 691मे चन्द्रशेखर कामतक “भात छै नाम-नाम” प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ “भात-दाल-तरकारी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७८७. **(A) गीत (छल-छल-छल)** — सूचकांक पंक्ति 692मे चन्द्रशेखर कामतक प्रविष्टि “गीत (छल-छल-छल)” रूपमे देल अछि।

७८८. **(B) बालगीत** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “बालगीत” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७८९. **(C) बाल-कविता** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-कविता” अछि।

७९०. **(D) नानी-गाम** — टिप्पणीक पहिल संकेत “नानी-गाम” अछि।

७९१. **(A) नानी-गाम** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “नानी-गाम” रूपमे देखाइत अछि।

७९२. **(B) लेखक चन्द्रशेखर कामत, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७९३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७९४. **(D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७९५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७९६. **(B) खण्ड 2001, सूचकांक पंक्ति 692मे चन्द्रशेखर कामतक “गीत (छल-छल-छल)” प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ “नानी-गाम” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७९७. **(A) हम फूल बनब, हम काँट बनब** — सूचकांक पंक्ति 693मे डॉ. शिशिधर कुमारक प्रविष्टि “हम फूल बनब, हम काँट बनब” रूपमे देल अछि।

७९८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७९९. **(C) बाल-प्रेरणादायक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-प्रेरणादायक” अछि।

८००. **(D) फूल-काँट – आत्म-शक्ति** — टिप्पणीक पहिल संकेत “फूल-काँट – आत्म-शक्ति” अछि।

८०१. **(A) फूल-काँट – आत्म-शक्ति** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “फूल-काँट – आत्म-शक्ति” रूपमे देखाइत अछि।

८०२. (B) लेखक डॉ. शिशिधर कुमार, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८०३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८०४. (D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८०५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८०६. (B) खण्ड 2002, सूचकांक पंक्ति 693मे डॉ. शिशिधर कुमारक "हम फूल बनब, हम काँट बनब" प्रविष्टि कविता, बाल-प्रेरणादायक आ "फूल-काँट – आत्म-शक्ति" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८०७. (A) नेना भुटकाक कविता — सूचकांक पंक्ति 694मे सरे आलम गौहरक प्रविष्टि "नेना भुटकाक कविता" रूपमे देल अछि।

८०८. (B) बालगीत — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "बालगीत" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८०९. (C) बाल-कविता — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-कविता" अछि।

८१०. (D) स्कूल-प्रेरणा — टिप्पणीक पहिल संकेत "स्कूल-प्रेरणा" अछि।

८११. (A) स्कूल-प्रेरणा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "स्कूल-प्रेरणा" रूपमे देखाइत अछि।

८१२. (B) लेखक सरे आलम गौहर, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-कविता — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८१३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८१४. (D) ई पाठ बाल-कविताक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८१५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८१६. (B) खण्ड 2003, सूचकांक पंक्ति 694मे सरे आलम गौहरक "नेना भुटकाक कविता" प्रविष्टि बालगीत, बाल-कविता आ "स्कूल-प्रेरणा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८१७. (A) बाल गीत (हमरवह खावतर) — सूचकांक पंक्ति 695मे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क प्रविष्टि "बाल गीत (हमरवह खावतर)" रूपमे देल अछि।

८१८. (B) बालगीत — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "बालगीत" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८१९. (C) बाल-प्रकृति — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्रकृति" अछि।

८२०. (D) सूरज-चाँद-धरती हमरा लेल — टिप्पणीक पहिल संकेत "सूरज-चाँद-धरती हमरा लेल" अछि।

८२१. (A) सूरज-चाँद-धरती हमरा लेल — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "सूरज-चाँद-धरती हमरा लेल" रूपमे देखाइत अछि।

८२२. (B) लेखक जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल', विधा बालगीत, उप-विधा बाल-प्रकृति — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८२३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८२४. (D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८२५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८२६. (B) खण्ड 2004, सूचकांक पंक्ति 695मे जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल'क "बाल गीत (हमरवह खावतर)" प्रविष्टि बालगीत, बाल-प्रकृति आ "सूरज-चाँद-धरती हमरा लेल" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८२७. (A) अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता — सूचकांक पंक्ति 696मे प्रेमेन्द्र मिश्रक प्रविष्टि "अपन बेटा अभिनव मिश्र कैँ बल दै लेल कविता" रूपमे देल अछि।

८२८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "कविता" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८२९. (C) बाल-प्रेरणादायक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "बाल-प्रेरणादायक" अछि।

८३०. (D) ‘कोशिश करैबला के हार नहि’ — टिप्पणीक पहिल संकेत “‘कोशिश करैबला के हार नहि’” अछि।

८३१. (A) ‘कोशिश करैबला के हार नहि’ — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “‘कोशिश करैबला के हार नहि’” रूपमे देखाइत अछि।

८३२. (B) लेखक प्रेमेन्द्र मिश्र, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८३३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८३४. (D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८३५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८३६. (B) खण्ड 2005, सूचकांक पंक्ति 696मे प्रेमेन्द्र मिश्रक “अपन बेटा अभिनव मिश्र केँ बल दै लेल कविता” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रेरणादायक आ “‘कोशिश करैबला के हार नहि’” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८३७. (A) बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी) — सूचकांक पंक्ति 697मे बृषेश चन्द्र लालक प्रविष्टि “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)” रूपमे देल अछि।

८३८. (B) सूचकांकमे विधा रिक्त — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “सूचकांकमे विधा रिक्त” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८३९. (C) सूचकांकमे उप-विधा रिक्त — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सूचकांकमे उप-विधा रिक्त” अछि।

८४०. (D) मुख्य साहित्यिक संकेत — टिप्पणीक पहिल संकेत “मुख्य साहित्यिक संकेत” अछि।

८४१. (A) मुख्य साहित्यिक संकेत — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मुख्य साहित्यिक संकेत” रूपमे देखाइत अछि।

८४२. (B) लेखक बृषेश चन्द्र लाल, विधा सूचकांकमे विधा रिक्त, उप-विधा सूचकांकमे उप-विधा रिक्त — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८४४. (D) ई पाठ सूचकांकमे उप-विधा रिक्तक रूपमे सूचकांकमे विधा रिक्त-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८४६. (B) खण्ड 2006, सूचकांक पंक्ति 697मे बृषेश चन्द्र लालक “बाल-कविता (छिनीकटोरा, डमरू, गुड्डी)” प्रविष्टि सूचकांकमे विधा रिक्त, सूचकांकमे उप-विधा रिक्त आ “मुख्य साहित्यिक संकेत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८४७. (A) सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त — सूचकांक पंक्ति 698मे तुकांत-मनोरंजन।क प्रविष्टि “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” रूपमे देल अछि।

८४८. (B) सूचकांकमे विधा रिक्त — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “सूचकांकमे विधा रिक्त” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८४९. (C) सूचकांकमे उप-विधा रिक्त — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सूचकांकमे उप-विधा रिक्त” अछि।

८५०. (D) मुख्य साहित्यिक संकेत — टिप्पणीक पहिल संकेत “मुख्य साहित्यिक संकेत” अछि।

८५१. (A) मुख्य साहित्यिक संकेत — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मुख्य साहित्यिक संकेत” रूपमे देखाइत अछि।

८५२. (B) लेखक तुकांत-मनोरंजन।, विधा सूचकांकमे विधा रिक्त, उप-विधा सूचकांकमे उप-विधा रिक्त — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८५४. (D) ई पाठ सूचकांकमे उप-विधा रिक्तक रूपमे सूचकांकमे विधा रिक्त-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८५६. (B) खण्ड 2007, सूचकांक पंक्ति 698मे तुकांत-मनोरंजन।क “सूचकांकमे पाठ-नाम रिक्त” प्रविष्टि सूचकांकमे विधा रिक्त, सूचकांकमे उप-विधा रिक्त आ “मुख्य साहित्यिक संकेत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८५७. (A) बाल गजल (शिशु सिया उपमा) — सूचकांक पंक्ति 699मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक प्रविष्टि “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)” रूपमे देल अछि।

८५८. (B) गजल — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गजल” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८५९. (C) बाल-गजल — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-गजल” अछि।

८६०. (D) बेटी-प्रशंसा — टिप्पणीक पहिल संकेत “बेटी-प्रशंसा” अछि।

८६१. (A) बेटी-प्रशंसा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बेटी-प्रशंसा” रूपमे देखाइत अछि।

८६२. (B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा गजल, उप-विधा बाल-गजल — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८६४. (D) ई पाठ बाल-गजलक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८६६. (B) खण्ड 2008, सूचकांक पंक्ति 699मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (शिशु सिया उपमा)” प्रविष्टि गजल, बाल-गजल आ “बेटी-प्रशंसा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८६७. (A) बाल गजल (कोबी टमाटर) — सूचकांक पंक्ति 700मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक प्रविष्टि “बाल गजल (कोबी टमाटर)” रूपमे देल अछि।

८६८. (B) गजल — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गजल” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८६९. (C) बाल-गजल — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-गजल” अछि।

८७०. (D) सब्जी-तुकांत — टिप्पणीक पहिल संकेत “सब्जी-तुकांत” अछि।

८७१. (A) सब्जी-तुकांत — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “सब्जी-तुकांत” रूपमे देखाइत अछि।

८७२. (B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा गजल, उप-विधा बाल-गजल — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८७३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८७४. (D) ई पाठ बाल-गजलक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८७५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८७६. (B) खण्ड 2009, सूचकांक पंक्ति 700मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (कोबी टमाटर)” प्रविष्टि गजल, बाल-गजल आ “सब्जी-तुकांत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८७७. (A) बाल गजल (सोए छी हम) — सूचकांक पंक्ति 701मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक प्रविष्टि “बाल गजल (सोए छी हम)” रूपमे देल अछि।

८७८. (B) गजल — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गजल” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८७९. (C) बाल-संस्मरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-संस्मरण” अछि।

८८०. (D) बचपन-खेल — टिप्पणीक पहिल संकेत “बचपन-खेल” अछि।

८८१. (A) बचपन-खेल — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बचपन-खेल” रूपमे देखाइत अछि।

८८२. (B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा गजल, उप-विधा बाल-संस्मरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८८३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८८४. (D) ई पाठ बाल-संस्मरणक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८८५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८८६. **(B) खण्ड 2010, सूचकांक पंक्ति 701मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बाल गजल (सोए छी हम)” प्रविष्टि गजल, बाल-संस्मरण आ “बचपन-खेल” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८८७. **(A) गजल (पेट मे भल खड़ नहि)** — सूचकांक पंक्ति 702मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक प्रविष्टि “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)” रूपमे देल अछि।

८८८. **(B) गजल** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गजल” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८८९. **(C) बाल-हास्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-हास्य” अछि।

८९०. **(D) नुनुआ-शरारत** — टिप्पणीक पहिल संकेत “नुनुआ-शरारत” अछि।

८९१. **(A) नुनुआ-शरारत** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “नुनुआ-शरारत” रूपमे देखाइत अछि।

८९२. **(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा गजल, उप-विधा बाल-हास्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८९३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८९४. **(D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८९५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८९६. **(B) खण्ड 2011, सूचकांक पंक्ति 702मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल (पेट मे भल खड़ नहि)” प्रविष्टि गजल, बाल-हास्य आ “नुनुआ-शरारत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८९७. **(A) कुम्हर** — सूचकांक पंक्ति 703मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक प्रविष्टि “कुम्हर” रूपमे देल अछि।

८९८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८९९. **(C) बाल-ग्राम्य** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-ग्राम्य” अछि।

९००. **(D) कुम्हार-उपयोगिता** — टिप्पणीक पहिल संकेत “कुम्हार-उपयोगिता” अछि।

९०१. **(A) कुम्हार-उपयोगिता** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “कुम्हार-उपयोगिता” रूपमे देखाइत अछि।

९०२. **(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-ग्राम्य** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९०३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९०४. **(D) ई पाठ बाल-ग्राम्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९०५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९०६. **(B) खण्ड 2012, सूचकांक पंक्ति 703मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “कुम्हर” प्रविष्टि कविता, बाल-ग्राम्य आ “कुम्हार-उपयोगिता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९०७. **(A) बरखा रानी** — सूचकांक पंक्ति 704मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक प्रविष्टि “बरखा रानी” रूपमे देल अछि।

९०८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९०९. **(C) बाल-प्रकृति** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-प्रकृति” अछि।

९१०. **(D) बरखा-वर्णन (भरत ‘ऋतु-वर्णन’)** — टिप्पणीक पहिल संकेत “बरखा-वर्णन (भरत ‘ऋतु-वर्णन’)” अछि।

९११. **(A) बरखा-वर्णन (भरत ‘ऋतु-वर्णन’)** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बरखा-वर्णन (भरत ‘ऋतु-वर्णन’)” रूपमे देखाइत अछि।

९१२. **(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९१३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९१४. **(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९१५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९१६. (B) खण्ड 2013, सूचकांक पंक्ति 704मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “बरखा रानी” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “बरखा-वर्णन (भरत ‘ऋतु-वर्णन’)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९१७. (A) छिम-छिम बरसा — सूचकांक पंक्ति 705मे इरा मल्लिकक प्रविष्टि “छिम-छिम बरसा” रूपमे देल अछि।

९१८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९१९. (C) बाल-प्रकृति — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-प्रकृति” अछि।

९२०. (D) बरखा-बिजली — टिप्पणीक पहिल संकेत “बरखा-बिजली” अछि।

९२१. (A) बरखा-बिजली — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बरखा-बिजली” रूपमे देखाइत अछि।

९२२. (B) लेखक इरा मल्लिक, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९२३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९२४. (D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९२५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९२६. (B) खण्ड 2014, सूचकांक पंक्ति 705मे इरा मल्लिकक “छिम-छिम बरसा” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “बरखा-बिजली” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९२७. (A) माँ! — सूचकांक पंक्ति 706मे इरा मल्लिकक प्रविष्टि “माँ!” रूपमे देल अछि।

९२८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९२९. (C) बाल-अभिव्यक्ति — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-अभिव्यक्ति” अछि।

९३०. (D) माँ-खिलौना – बाल-इच्छा — टिप्पणीक पहिल संकेत “माँ-खिलौना – बाल-इच्छा” अछि।

९३१. (A) माँ-खिलौना – बाल-इच्छा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “माँ-खिलौना – बाल-इच्छा” रूपमे देखाइत अछि।

९३२. (B) लेखक इरा मल्लिक, विधा कविता, उप-विधा बाल-अभिव्यक्ति — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९३३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९३४. (D) ई पाठ बाल-अभिव्यक्तिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९३५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९३६. (B) खण्ड 2015, सूचकांक पंक्ति 706मे इरा मल्लिकक “माँ!” प्रविष्टि कविता, बाल-अभिव्यक्ति आ “माँ-खिलौना – बाल-इच्छा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९३७. (A) बहंगलू भाइ यौ वटंगलू — सूचकांक पंक्ति 707मे नीलम कुमारक प्रविष्टि “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू” रूपमे देल अछि।

९३८. (B) बालगीत — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “बालगीत” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९३९. (C) बाल-हास्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-हास्य” अछि।

९४०. (D) सुस्ती-व्यंग्य — टिप्पणीक पहिल संकेत “सुस्ती-व्यंग्य” अछि।

९४१. (A) सुस्ती-व्यंग्य — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “सुस्ती-व्यंग्य” रूपमे देखाइत अछि।

९४२. (B) लेखक नीलम कुमार, विधा बालगीत, उप-विधा बाल-हास्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९४४. (D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे बालगीत-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९४६. (B) खण्ड 2016, सूचकांक पंक्ति 707मे नीलम कुमारक “बहंगलू भाइ यौ वटंगलू” प्रविष्टि बालगीत, बाल-हास्य आ “सुस्ती-व्यंग्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९४७. (A) जड़ैत ज्योत — सूचकांक पंक्ति 708मे मुन्नी कामतक प्रविष्टि “जड़ैत ज्योत” रूपमे देल अछि।

९४८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९४९. (C) बाल-नारी-शिक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-नारी-शिक्षा” अछि।

९५०. (D) लड़कीक पढ़बाक इच्छा — टिप्पणीक पहिल संकेत “लड़कीक पढ़बाक इच्छा” अछि।

९५१. (A) लड़कीक पढ़बाक इच्छा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “लड़कीक पढ़बाक इच्छा” रूपमे देखाइत अछि।

९५२. (B) लेखक मुन्नी कामत, विधा कविता, उप-विधा बाल-नारी-शिक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९५४. (D) ई पाठ बाल-नारी-शिक्षाक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९५६. (B) खण्ड 2017, सूचकांक पंक्ति 708मे मुन्नी कामतक “जड़ैत ज्योत” प्रविष्टि कविता, बाल-नारी-शिक्षा आ “लड़कीक पढ़बाक इच्छा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९५७. (A) मुवनयाँक सन्देता — सूचकांक पंक्ति 709मे राजदेव मण्डलक प्रविष्टि “मुवनयाँक सन्देता” रूपमे देल अछि।

९५८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९५९. (C) बाल-हास्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-हास्य” अछि।

९६०. (D) बेटा-जन्म – दादीक ताना — टिप्पणीक पहिल संकेत “बेटा-जन्म – दादीक ताना” अछि।

९६१. (A) बेटा-जन्म – दादीक ताना — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बेटा-जन्म – दादीक ताना” रूपमे देखाइत अछि।

९६२. (B) लेखक राजदेव मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-हास्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९६४. (D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९६६. (B) खण्ड 2018, सूचकांक पंक्ति 709मे राजदेव मण्डलक “मुवनयाँक सन्देता” प्रविष्टि कविता, बाल-हास्य आ “बेटा-जन्म – दादीक ताना” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९६७. (A) कनीक गाछ — सूचकांक पंक्ति 710मे राजदेव मण्डलक प्रविष्टि “कनीक गाछ” रूपमे देल अछि।

९६८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९६९. (C) बाल-व्यंग्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-व्यंग्य” अछि।

९७०. (D) सब-कोयल-गाछ — टिप्पणीक पहिल संकेत “सब-कोयल-गाछ” अछि।

९७१. (A) सब-कोयल-गाछ — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “सब-कोयल-गाछ” रूपमे देखाइत अछि।

९७२. (B) लेखक राजदेव मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-व्यंग्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९७३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९७४. (D) ई पाठ बाल-व्यंग्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९७५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९७६. **(B) खण्ड 2019, सूचकांक पंक्ति 710मे राजदेव मण्डलक “कनीक गाछ” प्रविष्टि कविता, बाल-व्यंग्य आ “सब-कोयल-गाछ” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९७७. **(A) हमहूँ पढ़ै आब** — सूचकांक पंक्ति 711मे चन्दन कुमार झाक प्रविष्टि “हमहूँ पढ़ै आब” रूपमे देल अछि।

९७८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९७९. **(C) बाल-नारी-शिक्षा** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-नारी-शिक्षा” अछि।

९८०. **(D) लड़की-अधिकार** — टिप्पणीक पहिल संकेत “लड़की-अधिकार” अछि।

९८१. **(A) लड़की-अधिकार** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “लड़की-अधिकार” रूपमे देखाइत अछि।

९८२. **(B) लेखक चन्दन कुमार झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-नारी-शिक्षा** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९८३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९८४. **(D) ई पाठ बाल-नारी-शिक्षाक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९८५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९८६. **(B) खण्ड 2020, सूचकांक पंक्ति 711मे चन्दन कुमार झाक “हमहूँ पढ़ै आब” प्रविष्टि कविता, बाल-नारी-शिक्षा आ “लड़की-अधिकार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९८७. **(A) बुन्नी** — सूचकांक पंक्ति 712मे चन्दन कुमार झाक प्रविष्टि “बुन्नी” रूपमे देल अछि।

९८८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९८९. **(C) बाल-प्रकृति** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-प्रकृति” अछि।

९९०. **(D) मेंढक-हास्य** — टिप्पणीक पहिल संकेत “मेंढक-हास्य” अछि।

९९१. **(A) मेंढक-हास्य** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मेंढक-हास्य” रूपमे देखाइत अछि।

९९२. **(B) लेखक चन्दन कुमार झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९९३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९९४. **(D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९९५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९९६. **(B) खण्ड 2021, सूचकांक पंक्ति 712मे चन्दन कुमार झाक “बुन्नी” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “मेंढक-हास्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९९७. **(A) न्यूटनक सिद्धान्त** — सूचकांक पंक्ति 713मे शंभू नाथ झाक प्रविष्टि “न्यूटनक सिद्धान्त” रूपमे देल अछि।

९९८. **(B) कविता** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९९९. **(C) बाल-वैज्ञानिक** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-वैज्ञानिक” अछि।

१०००. **(D) न्यूटन-गति-सिद्धान्त** — टिप्पणीक पहिल संकेत “न्यूटन-गति-सिद्धान्त” अछि।

१००१. **(A) न्यूटन-गति-सिद्धान्त** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “न्यूटन-गति-सिद्धान्त” रूपमे देखाइत अछि।

१००२. **(B) लेखक शंभू नाथ झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-वैज्ञानिक** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१००३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१००४. **(D) ई पाठ बाल-वैज्ञानिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१००५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१००६. (B) खण्ड 2022, सूचकांक पंक्ति 713मे शंभू नाथ झाक “न्यूटनक सिद्धान्त” प्रविष्टि कविता, बाल-वैज्ञानिक आ “न्यूटन-गति-सिद्धान्त” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१००७. (A) पाकल आम — सूचकांक पंक्ति 714मे शंभू नाथ झाक प्रविष्टि “पाकल आम” रूपमे देल अछि।

१००८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१००९. (C) बाल-ग्राम्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-ग्राम्य” अछि।

१०१०. (D) आमक आनन्द — टिप्पणीक पहिल संकेत “आमक आनन्द” अछि।

१०११. (A) आमक आनन्द — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “आमक आनन्द” रूपमे देखाइत अछि।

१०१२. (B) लेखक शंभू नाथ झा, विधा कविता, उप-विधा बाल-ग्राम्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०१३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०१४. (D) ई पाठ बाल-ग्राम्यक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०१५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०१६. (B) खण्ड 2023, सूचकांक पंक्ति 714मे शंभू नाथ झाक “पाकल आम” प्रविष्टि कविता, बाल-ग्राम्य आ “आमक आनन्द” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०१७. (A) दू टा अगड़म-बगड़म — सूचकांक पंक्ति 715मे चन्दन कुमार झाक प्रविष्टि “दू टा अगड़म-बगड़म” रूपमे देल अछि।

१०१८. (B) दोहा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “दोहा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०१९. (C) बाल-लोक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-लोक” अछि।

१०२०. (D) दो पंक्तिक लोक-रचना — टिप्पणीक पहिल संकेत “दो पंक्तिक लोक-रचना” अछि।

१०२१. (A) दो पंक्तिक लोक-रचना — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “दो पंक्तिक लोक-रचना” रूपमे देखाइत अछि।

१०२२. (B) लेखक चन्दन कुमार झा, विधा दोहा, उप-विधा बाल-लोक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०२३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०२४. (D) ई पाठ बाल-लोकक रूपमे दोहा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०२५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०२६. (B) खण्ड 2024, सूचकांक पंक्ति 715मे चन्दन कुमार झाक “दू टा अगड़म-बगड़म” प्रविष्टि दोहा, बाल-लोक आ “दो पंक्तिक लोक-रचना” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०२७. (A) खेल — सूचकांक पंक्ति 716मे मनोज कुमार मण्डलक प्रविष्टि “खेल” रूपमे देल अछि।

१०२८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०२९. (C) बाल-दार्शनिक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-दार्शनिक” अछि।

१०३०. (D) जीवन-खेल – इमान-बेइमानी — टिप्पणीक पहिल संकेत “जीवन-खेल – इमान-बेइमानी” अछि।

१०३१. (A) जीवन-खेल – इमान-बेइमानी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “जीवन-खेल – इमान-बेइमानी” रूपमे देखाइत अछि।

१०३२. (B) लेखक मनोज कुमार मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-दार्शनिक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०३३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०३४. (D) ई पाठ बाल-दार्शनिकक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०३५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०३६. (B) खण्ड 2025, सूचकांक पंक्ति 716मे मनोज कुमार मण्डलक “खेल” प्रविष्टि कविता, बाल-दार्शनिक आ “जीवन-खेल – इमान-बेइमानी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०३७. (A) चुनमुन-चुनमुन — सूचकांक पंक्ति 717मे प्रभात राय भट्टक प्रविष्टि “चुनमुन-चुनमुन” रूपमे देल अछि।

१०३८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०३९. (C) बाल-प्रकृति — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-प्रकृति” अछि।

१०४०. (D) चिड़ैया-आग – पश्चाताप — टिप्पणीक पहिल संकेत “चिड़ैया-आग – पश्चाताप” अछि।

१०४१. (A) चिड़ैया-आग – पश्चाताप — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “चिड़ैया-आग – पश्चाताप” रूपमे देखाइत अछि।

१०४२. (B) लेखक प्रभात राय भट्ट, विधा कविता, उप-विधा बाल-प्रकृति — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०४४. (D) ई पाठ बाल-प्रकृतिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०४६. (B) खण्ड 2026, सूचकांक पंक्ति 717मे प्रभात राय भट्टक “चुनमुन-चुनमुन” प्रविष्टि कविता, बाल-प्रकृति आ “चिड़ैया-आग – पश्चाताप” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०४७. (A) हम हिन्दुस्तानी छी — सूचकांक पंक्ति 718मे दुर्गानन्द मण्डलक प्रविष्टि “हम हिन्दुस्तानी छी” रूपमे देल अछि।

१०४८. (B) कविता — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कविता” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०४९. (C) बाल-देशभक्ति — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-देशभक्ति” अछि।

१०५०. (D) हिन्दुस्तानी-गौरव — टिप्पणीक पहिल संकेत “हिन्दुस्तानी-गौरव” अछि।

१०५१. (A) हिन्दुस्तानी-गौरव — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “हिन्दुस्तानी-गौरव” रूपमे देखाइत अछि।

१०५२. (B) लेखक दुर्गानन्द मण्डल, विधा कविता, उप-विधा बाल-देशभक्ति — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०५४. (D) ई पाठ बाल-देशभक्तिक रूपमे कविता-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०५६. (B) खण्ड 2027, सूचकांक पंक्ति 718मे दुर्गानन्द मण्डलक “हम हिन्दुस्तानी छी” प्रविष्टि कविता, बाल-देशभक्ति आ “हिन्दुस्तानी-गौरव” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०५७. (A) बाल रुबाई — सूचकांक पंक्ति 719मे अश्वत मिश्रक प्रविष्टि “बाल रुबाई” रूपमे देल अछि।

१०५८. (B) रुबाई — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “रुबाई” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०५९. (C) बाल-प्रेरणादायक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-प्रेरणादायक” अछि।

१०६०. (D) भोर-इजोत — टिप्पणीक पहिल संकेत “भोर-इजोत” अछि।

१०६१. (A) भोर-इजोत — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “भोर-इजोत” रूपमे देखाइत अछि।

१०६२. (B) लेखक अश्वत मिश्र, विधा रुबाई, उप-विधा बाल-प्रेरणादायक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०६४. (D) ई पाठ बाल-प्रेरणादायकक रूपमे रुबाई-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०६६. (B) खण्ड 2028, सूचकांक पंक्ति 719मे अश्वत मिश्रक “बाल रुबाई” प्रविष्टि रुबाई, बाल-प्रेरणादायक आ “भोर-इजोत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०६७. (A) बाल गजल (बौआ हमर) — सूचकांक पंक्ति 720मे अश्वत मिश्रक प्रविष्टि “बाल गजल (बौआ हमर)” रूपमे देल अछि।

१०६८. (B) गजल — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गजल” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०६९. (C) बाल-गजल — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-गजल” अछि।

१०७०. (D) बालकक मेहनत — टिप्पणीक पहिल संकेत “बालकक मेहनत” अछि।

१०७१. (A) बालकक मेहनत — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बालकक मेहनत” रूपमे देखाइत अछि।

१०७२. (B) लेखक अश्वत मिश्र, विधा गजल, उप-विधा बाल-गजल — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०७३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०७४. (D) ई पाठ बाल-गजलक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०७५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०७६. (B) खण्ड 2029, सूचकांक पंक्ति 720मे अश्वत मिश्रक “बाल गजल (बौआ हमर)” प्रविष्टि गजल, बाल-गजल आ “बालकक मेहनत” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०७७. (A) बाल गजल (फेंकै झटहा) — सूचकांक पंक्ति 721मे आशुतोष मिश्रक प्रविष्टि “बाल गजल (फेंकै झटहा)” रूपमे देल अछि।

१०७८. (B) गजल — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गजल” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०७९. (C) बाल-हास्य — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-हास्य” अछि।

१०८०. (D) आम-तोड़-विवाद — टिप्पणीक पहिल संकेत “आम-तोड़-विवाद” अछि।

१०८१. (A) आम-तोड़-विवाद — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “आम-तोड़-विवाद” रूपमे देखाइत अछि।

१०८२. (B) लेखक आशुतोष मिश्र, विधा गजल, उप-विधा बाल-हास्य — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०८३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०८४. (D) ई पाठ बाल-हास्यक रूपमे गजल-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०८५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०८६. (B) खण्ड 2030, सूचकांक पंक्ति 721मे आशुतोष मिश्रक “बाल गजल (फेंकै झटहा)” प्रविष्टि गजल, बाल-हास्य आ “आम-तोड़-विवाद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०८७. (A) प्रगतिक रहस्य — सूचकांक पंक्ति 722मे देवांशु वत्सक प्रविष्टि “प्रगतिक रहस्य” रूपमे देल अछि।

१०८८. (B) चित्रकथा — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “चित्रकथा” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०८९. (C) बाल-प्रेरणा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-प्रेरणा” अछि।

१०९०. (D) (पाठ-चित्र) — टिप्पणीक पहिल संकेत “(पाठ-चित्र)” अछि।

१०९१. (A) (पाठ-चित्र) — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “(पाठ-चित्र)” रूपमे देखाइत अछि।

१०९२. (B) लेखक देवांशु वत्स, विधा चित्रकथा, उप-विधा बाल-प्रेरणा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०९३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०९४. (D) ई पाठ बाल-प्रेरणाक रूपमे चित्रकथा-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०९५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०९६. **(B) खण्ड 2031, सूचकांक पंक्ति 722मे देवांशु वत्सक “प्रगतिक रहस्य” प्रविष्टि चित्रकथा, बाल-प्रेरणा आ “(पाठ-चित्र)” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०९७. **(A) चित्र** — सूचकांक पंक्ति 723मे तुनिशा प्रियमक प्रविष्टि “चित्र” रूपमे देल अछि।

१०९८. **(B) कला** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०९९. **(C) बाल-चित्रकला** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

११००. **(D) पृष्ठ 302 पर** — टिप्पणीक पहिल संकेत “पृष्ठ 302 पर” अछि।

११०१. **(A) पृष्ठ 302 पर** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “पृष्ठ 302 पर” रूपमे देखाइत अछि।

११०२. **(B) लेखक तुनिशा प्रियम, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११०३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११०४. **(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११०५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११०६. **(B) खण्ड 2032, सूचकांक पंक्ति 723मे तुनिशा प्रियमक “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “पृष्ठ 302 पर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११०७. **(A) चित्र** — सूचकांक पंक्ति 724मे गुंजन कर्णक प्रविष्टि “चित्र” रूपमे देल अछि।

११०८. **(B) कला** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११०९. **(C) बाल-चित्रकला** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

१११०. **(D) पृष्ठ 304 पर** — टिप्पणीक पहिल संकेत “पृष्ठ 304 पर” अछि।

११११. **(A) पृष्ठ 304 पर** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “पृष्ठ 304 पर” रूपमे देखाइत अछि।

१११२. **(B) लेखक गुंजन कर्ण, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१११३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१११४. **(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१११५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१११६. **(B) खण्ड 2033, सूचकांक पंक्ति 724मे गुंजन कर्णक “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “पृष्ठ 304 पर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१११७. **(A) चित्र** — सूचकांक पंक्ति 725मे गणेश ठाकूरक प्रविष्टि “चित्र” रूपमे देल अछि।

१११८. **(B) कला** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१११९. **(C) बाल-चित्रकला** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

११२०. **(D) कक्षा-८, पोखवड़भीरा** — टिप्पणीक पहिल संकेत “कक्षा-८, पोखवड़भीरा” अछि।

११२१. **(A) कक्षा-८, पोखवड़भीरा** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “कक्षा-८, पोखवड़भीरा” रूपमे देखाइत अछि।

११२२. **(B) लेखक गणेश ठाकूर, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११२३. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११२४. **(D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११२५. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११२६. (B) खण्ड 2034, सूचकांक पंक्ति 725मे गणेश ठाकूरक “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “कक्षा-८, पोखवड़भीरा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११२७. (A) चित्र-परिचय — सूचकांक पंक्ति 726मे अनुपमा प्रियदर्शिनीक प्रविष्टि “चित्र-परिचय” रूपमे देल अछि।

११२८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११२९. (C) बाल-चित्रकला — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

११३०. (D) अमेरिका-निवासी — टिप्पणीक पहिल संकेत “अमेरिका-निवासी” अछि।

११३१. (A) अमेरिका-निवासी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “अमेरिका-निवासी” रूपमे देखाइत अछि।

११३२. (B) लेखक अनुपमा प्रियदर्शिनी, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११३३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११३४. (D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११३५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११३६. (B) खण्ड 2035, सूचकांक पंक्ति 726मे अनुपमा प्रियदर्शिनीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “अमेरिका-निवासी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११३७. (A) कला-परिचय — सूचकांक पंक्ति 727मे श्वेता झा चौधरीक प्रविष्टि “कला-परिचय” रूपमे देल अछि।

११३८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११३९. (C) बाल-चित्रकला — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

११४०. (D) जमशेदपुर-लंदन-प्रदर्शनी — टिप्पणीक पहिल संकेत “जमशेदपुर-लंदन-प्रदर्शनी” अछि।

११४१. (A) जमशेदपुर-लंदन-प्रदर्शनी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “जमशेदपुर-लंदन-प्रदर्शनी” रूपमे देखाइत अछि।

११४२. (B) लेखक श्वेता झा चौधरी, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११४३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११४४. (D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११४५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११४६. (B) खण्ड 2036, सूचकांक पंक्ति 727मे श्वेता झा चौधरीक “कला-परिचय” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “जमशेदपुर-लंदन-प्रदर्शनी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११४७. (A) चित्र — सूचकांक पंक्ति 728मे श्वेता झा (सिंगापुर)क प्रविष्टि “चित्र” रूपमे देल अछि।

११४८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११४९. (C) बाल-चित्रकला — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

११५०. (D) पृष्ठ 318 पर — टिप्पणीक पहिल संकेत “पृष्ठ 318 पर” अछि।

११५१. (A) पृष्ठ 318 पर — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “पृष्ठ 318 पर” रूपमे देखाइत अछि।

११५२. (B) लेखक श्वेता झा (सिंगापुर), विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११५३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११५४. (D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११५५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११५६. (B) खण्ड 2037, सूचकांक पंक्ति 728मे श्वेता झा (सिंगापुर)क “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “पृष्ठ 318 पर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११५७. (A) फैशन डिजाइन — सूचकांक पंक्ति 729मे प्रवीण कुमार ठाकूरक प्रविष्टि “फैशन डिजाइन” रूपमे देल अछि।

११५८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११५९. (C) बाल-शिल्प — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-शिल्प” अछि।

११६०. (D) फैशन डिजाइनर, दिल्ली — टिप्पणीक पहिल संकेत “फैशन डिजाइनर, दिल्ली” अछि।

११६१. (A) फैशन डिजाइनर, दिल्ली — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “फैशन डिजाइनर, दिल्ली” रूपमे देखाइत अछि।

११६२. (B) लेखक प्रवीण कुमार ठाकूर, विधा कला, उप-विधा बाल-शिल्प — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११६३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११६४. (D) ई पाठ बाल-शिल्पक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११६५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११६६. (B) खण्ड 2038, सूचकांक पंक्ति 729मे प्रवीण कुमार ठाकूरक “फैशन डिजाइन” प्रविष्टि कला, बाल-शिल्प आ “फैशन डिजाइनर, दिल्ली” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११६७. (A) फोटोग्राफी — सूचकांक पंक्ति 730मे कैलाश कुमार कामतक प्रविष्टि “फोटोग्राफी” रूपमे देल अछि।

११६८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११६९. (C) बाल-फोटोग्राफी — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-फोटोग्राफी” अछि।

११७०. (D) सातम् कक्षा, बेरमा — टिप्पणीक पहिल संकेत “सातम् कक्षा, बेरमा” अछि।

११७१. (A) सातम् कक्षा, बेरमा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “सातम् कक्षा, बेरमा” रूपमे देखाइत अछि।

११७२. (B) लेखक कैलाश कुमार कामत, विधा कला, उप-विधा बाल-फोटोग्राफी — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११७३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११७४. (D) ई पाठ बाल-फोटोग्राफीक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११७५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११७६. (B) खण्ड 2039, सूचकांक पंक्ति 730मे कैलाश कुमार कामतक “फोटोग्राफी” प्रविष्टि कला, बाल-फोटोग्राफी आ “सातम् कक्षा, बेरमा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११७७. (A) चित्र — सूचकांक पंक्ति 731मे मोना पाण्डेयक प्रविष्टि “चित्र” रूपमे देल अछि।

११७८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११७९. (C) बाल-चित्रकला — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

११८०. (D) पृष्ठ 320 पर — टिप्पणीक पहिल संकेत “पृष्ठ 320 पर” अछि।

११८१. (A) पृष्ठ 320 पर — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “पृष्ठ 320 पर” रूपमे देखाइत अछि।

११८२. (B) लेखक मोना पाण्डेय, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११८३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११८४. (D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११८५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११८६. (B) खण्ड 2040, सूचकांक पंक्ति 731मे मोना पाण्डेयक “चित्र” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “पृष्ठ 320 पर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११८७. (A) जन्म-परिचय — सूचकांक पंक्ति 732मे इरा मल्लिकक प्रविष्टि “जन्म-परिचय” रूपमे देल अछि।

११८८. (B) जीवनी — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “जीवनी” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११८९. (C) बाल-लेखिका — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-लेखिका” अछि।

११९०. (D) दरभंगा-निवासी — टिप्पणीक पहिल संकेत “दरभंगा-निवासी” अछि।

११९१. (A) दरभंगा-निवासी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “दरभंगा-निवासी” रूपमे देखाइत अछि।

११९२. (B) लेखक इरा मल्लिक, विधा जीवनी, उप-विधा बाल-लेखिका — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११९३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११९४. (D) ई पाठ बाल-लेखिकाक रूपमे जीवनी-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११९५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११९६. (B) खण्ड 2041, सूचकांक पंक्ति 732मे इरा मल्लिकक “जन्म-परिचय” प्रविष्टि जीवनी, बाल-लेखिका आ “दरभंगा-निवासी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११९७. (A) चित्र-परिचय — सूचकांक पंक्ति 733मे ज्योति सुनीत चौधरीक प्रविष्टि “चित्र-परिचय” रूपमे देल अछि।

११९८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११९९. (C) बाल-कलाकार — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-कलाकार” अछि।

१२००. (D) लंदन-निवासी शिल्पी — टिप्पणीक पहिल संकेत “लंदन-निवासी शिल्पी” अछि।

१२०१. (A) लंदन-निवासी शिल्पी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “लंदन-निवासी शिल्पी” रूपमे देखाइत अछि।

१२०२. (B) लेखक ज्योति सुनीत चौधरी, विधा कला, उप-विधा बाल-कलाकार — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१२०३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१२०४. (D) ई पाठ बाल-कलाकारक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२०५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१२०६. (B) खण्ड 2042, सूचकांक पंक्ति 733मे ज्योति सुनीत चौधरीक “चित्र-परिचय” प्रविष्टि कला, बाल-कलाकार आ “लंदन-निवासी शिल्पी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१२०७. (A) मिथिला चित्रकला — सूचकांक पंक्ति 734मे श्रेता झा चौधरीक प्रविष्टि “मिथिला चित्रकला” रूपमे देल अछि।

१२०८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१२०९. (C) बाल-चित्रकला — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

१२१०. (D) मिथिला-चित्रशैली — टिप्पणीक पहिल संकेत “मिथिला-चित्रशैली” अछि।

१२११. (A) मिथिला-चित्रशैली — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मिथिला-चित्रशैली” रूपमे देखाइत अछि।

१२१२. (B) लेखक श्रेता झा चौधरी, विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१२१३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१२१४. (D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२१५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१२१६. (B) खण्ड 2043, सूचकांक पंक्ति 734मे श्रेता झा चौधरीक “मिथिला चित्रकला” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “मिथिला-चित्रशैली” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१२१७. (A) चित्रकला — सूचकांक पंक्ति 735मे श्रेता झा (सिंगापुर)क प्रविष्टि “चित्रकला” रूपमे देल अछि।

१२१८. (B) कला — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “कला” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१२१९. (C) बाल-चित्रकला — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “बाल-चित्रकला” अछि।

१२२०. (D) अन्तर्राष्ट्रिय-मिथिला कला — टिप्पणीक पहिल संकेत “अन्तर्राष्ट्रिय-मिथिला कला” अछि।

१२२१. (A) अन्तर्राष्ट्रिय-मिथिला कला — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “अन्तर्राष्ट्रिय-मिथिला कला” रूपमे देखाइत अछि।

१२२२. (B) लेखक श्रेता झा (सिंगापुर), विधा कला, उप-विधा बाल-चित्रकला — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१२२३. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१२२४. (D) ई पाठ बाल-चित्रकलाक रूपमे कला-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२२५. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१२२६. (B) खण्ड 2044, सूचकांक पंक्ति 735मे श्रेता झा (सिंगापुर)क “चित्रकला” प्रविष्टि कला, बाल-चित्रकला आ “अन्तर्राष्ट्रिय-मिथिला कला” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 9क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१२२७. (A) द्वितीय खेप — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ द्वितीय खेप सँ जोड़ैत अछि।

१२२८. (A) द्वितीय खेप — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२२९. (A) द्वितीय खेप — सुरक्षित पठन स्रोत-सार द्वितीय खेप धरि सीमित रहैत अछि।

१२३०. (A) शीर्षक द्वितीय खेप दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२३१. (A) द्वितीय खेप — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल द्वितीय खेप सँ बनैत अछि।

१२३२. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२३३. (A) द्वितीय खेप — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ द्वितीय खेपक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२३४. (A) द्वितीय खेपक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२३५. (A) नाटकक रूप द्वितीय खेप केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२३६. (A) उत्तरकेँ द्वितीय खेप धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२३७. (A) अन्तिम किस्त — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ अन्तिम किस्त सँ जोड़ैत अछि।

१२३८. (A) अन्तिम किस्त — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२३९. (A) अन्तिम किस्त — सुरक्षित पठन स्रोत-सार अन्तिम किस्त धरि सीमित रहैत अछि।

१२४०. (A) शीर्षक अन्तिम किस्त दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२४१. (A) अन्तिम किस्त — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल अन्तिम किस्त सँ बनैत अछि।

१२४२. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२४३. (A) अन्तिम किस्त — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ अन्तिम किस्तक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२४४. (A) अन्तिम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२४५. (A) शोध-लेखक रूप अन्तिम किस्त केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२४६. (A) उत्तरकेँ अन्तिम किस्त धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२४७. (A) नवम किस्त — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ नवम किस्त सँ जोड़ैत अछि।

१२४८. (A) नवम किस्त — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२४९. (A) नवम किस्त — सुरक्षित पठन स्रोत-सार नवम किस्त धरि सीमित रहैत अछि।

१२५०. (A) शीर्षक नवम किस्त दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२५१. (A) नवम किस्त — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल नवम किस्त सँ बनैत अछि।

१२५२. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२५३. (A) नवम किस्त — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ नवम किस्तक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२५४. (A) नवम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२५५. (A) उपन्यासक रूप नवम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२५६. (A) उत्तरकैँ नवम किस्त धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२५७. (A) नवम किस्त — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ नवम किस्त सँ जोड़ैत अछि।

१२५८. (A) नवम किस्त — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२५९. (A) नवम किस्त — सुरक्षित पठन स्रोत-सार नवम किस्त धरि सीमित रहैत अछि।

१२६०. (A) शीर्षक नवम किस्त दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२६१. (A) नवम किस्त — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल नवम किस्त सँ बनैत अछि।

१२६२. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२६३. (A) नवम किस्त — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ नवम किस्तक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२६४. (A) नवम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२६५. (A) महाकाव्यक रूप नवम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२६६. (A) उत्तरकैँ नवम किस्त धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२६७. (A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ अंक ९ केर व्यंग्य कथा सँ जोड़ैत अछि।

१२६८. (A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२६९. (A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा — सुरक्षित पठन स्रोत-सार अंक ९ केर व्यंग्य कथा धरि सीमित रहैत अछि।

१२७०. (A) शीर्षक अंक ९ केर व्यंग्य कथा दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२७१. (A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल अंक ९ केर व्यंग्य कथा सँ बनैत अछि।

१२७२. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२७३. (A) अंक ९ केर व्यंग्य कथा — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ अंक ९ केर व्यंग्य कथाक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२७४. (A) अंक ९ केर व्यंग्य कथाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२७५. (A) कथाक रूप अंक ९ केर व्यंग्य कथा कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२७६. (A) उत्तरकैँ अंक ९ केर व्यंग्य कथा धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२७७. (A) विस्मृत कविता — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ विस्मृत कविता सँ जोड़ैत अछि।

१२७८. (A) विस्मृत कविता — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२७९. (A) विस्मृत कविता — सुरक्षित पठन स्रोत-सार विस्मृत कविता धरि सीमित रहैत अछि।

१२८०. (A) शीर्षक विस्मृत कविता दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२८१. (A) विस्मृत कविता — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल विस्मृत कविता सँ बनैत अछि।

१२८२. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२८३. (A) विस्मृत कविता — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ विस्मृत कविताक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२८४. (A) विस्मृत कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२८५. (A) पद्यक रूप विस्मृत कविता कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२८६. (A) उत्तरकैँ विस्मृत कविता धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२८७. (A) आधुनिक पद्य — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ आधुनिक पद्य सँ जोड़ैत अछि।

१२८८. (A) आधुनिक पद्य — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२८९. (A) आधुनिक पद्य — सुरक्षित पठन स्रोत-सार आधुनिक पद्य धरि सीमित रहैत अछि।

१२९०. (A) शीर्षक आधुनिक पद्य दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१२९१. (A) आधुनिक पद्य — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल आधुनिक पद्य सँ बनैत अछि।

१२९२. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१२९३. (A) आधुनिक पद्य — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ आधुनिक पद्यक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१२९४. (A) आधुनिक पद्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१२९५. (A) पद्यक रूप आधुनिक पद्य कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१२९६. (A) उत्तरकैँ आधुनिक पद्य धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१२९७. (A) सांस्कृतिक निबंध — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ सांस्कृतिक निबंध सँ जोड़ैत अछि।

१२९८. (A) सांस्कृतिक निबंध — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१२९९. (A) सांस्कृतिक निबंध — सुरक्षित पठन स्रोत-सार सांस्कृतिक निबंध धरि सीमित रहैत अछि।

१३००. (A) शीर्षक सांस्कृतिक निबंध दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

१३०१. (A) सांस्कृतिक निबंध — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल सांस्कृतिक निबंध सँ बनैत अछि।

१३०२. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१३०३. (A) सांस्कृतिक निबंध — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ सांस्कृतिक निबंधक आधार पर ग्रहणीय अछि।

१३०४. (A) सांस्कृतिक निबंधक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३०५. (A) निबंधक रूप सांस्कृतिक निबंध कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

१३०६. (A) उत्तरकैँ सांस्कृतिक निबंध धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

अध्याय ३ : विदेह-सदेह १० — विस्तृत अध्ययन

खण्ड ६ : विदेह-सदेह १० — समालोचना (विस्तार)

१. विदेह-सदेह १० मे श्री राज 'यात्रीक कविता' मे कोन विषयक चर्चा करैत छथि?

(A) गाम

(B) शहर

(C) विदेश

(D) कोनो नहि

२. विदेह-सदेह १० मे डॉ. राजीव कुमार वर्माक आलेखक शीर्षक की?

(A) कारी घटा बरसैत मेघ

(B) गामक जिनगी

(C) महासुन्दरी देवी

(D) कोनो नहि

३. विदेह-सदेह १० मे चन्द्रेशक आलेख कोन उत्सवपर अछि?

(A) झिझिया नृत्य महोत्सव

(B) विद्यापति महोत्सव

(C) छठि महोत्सव

(D) कोनो नहि

४. विदेह-सदेह १० मे परमेश्वर कापड़िक आलेखक शीर्षक की?

(A) मानकताक बात विखपाद अछि!

(B) गामक जिनगी

(C) कारी घटा

(D) कोनो नहि

५. विदेह-सदेह १० मे अतुलेश्वरक आलेख कोन विद्वानपर अछि?

(A) पंडित गोविन्द झा

(B) विद्यापति

(C) ज्योतिरीश्वर

(D) कोनो नहि

६. विदेह-सदेह १० मे महासुन्दरी देवीकेँ कोन सम्मान भेटलाक उल्लेख अछि?

(A) पद्मश्री (२०११, मिथिला चित्रकला)

(B) भारत रत्न

(C) पद्म विभूषण

(D) कोनो नहि

७. विदेह-सदेह १० मे डॉ. अरुण कुमार सिंहक आलेखक मुख्य विषय की?

(A) कंप्यूटर आ भाषा-विज्ञानक भूमिका मैथिली-शिक्षणमे

(B) नाटक

(C) पद्य

(D) कोनो नहि

८. विदेह-सदेह १० मे मीना झाक आलेख कोन शहरमे मैथिल समाजपर अछि?

(A) लंदन

(B) न्यूयॉर्क

(C) पेरिस

(D) कोनो नहि

९. विदेह-सदेह १० मे अमरकान्त अमरक आलेखक शीर्षक की?

(A) संघीयतामे मैथिली भाषा

(B) गामक जिनगी

(C) कारी घटा

(D) कोनो नहि

१०. विदेह-सदेह १० मे अरविन्द ठाकुरक आलेख कोन लोक-देवतापर अछि?

(A) भीम केवट

(B) गोनू झा

(C) विद्यापति

(D) कोनो नहि

११. विदेह-सदेह १० मे 'यू.पी.एस.सी. (मैथिली) लेल' सामग्री के देलनि?

(A) शम्भु कुमार सिंह

(B) गजेन्द्र ठाकुर

(C) विनीत उत्पल

(D) कोनो नहि

१२. विदेह-सदेह १० मे एकटा सुपौल कथा-गोष्ठीक उल्लेख अछि — कतेक कथा पाठ भेल?

(A) ३९ टा (७५म गोष्ठीमे)

(B) दस टा

(C) सय टा

(D) पाँच टा

१३. विदेह-सदेह १० मे विनीत उत्पलक आलेखक शीर्षक की?

(A) की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत

(B) गामक जिनगी

(C) कारी घटा

(D) कोनो नहि

१४. विदेह-सदेह १० मे राजेन्द्र कुमार प्रधानक आलेखक विषय की?

(A) २१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना

(B) नाटक

(C) पद्य

(D) कोनो नहि

१५. विदेह-सदेह १० मे प्रो. वीणा ठाकुरक आलेख कोन उपन्यासपर अछि?

(A) जिनगीक जीत

(B) सहस्रबाढ़नि

(C) भाग रौ

(D) कोनो नहि

खण्ड ३८ : विदेह-सदेह १० — झिझिया महोत्सव परिणाम आ मौलाइल गाछक फूल (विस्तार)

१६. झिझिया महोत्सव कोन दू संस्थाक संयुक्त अभियानमे मनाओल गेल?

(A) नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान आ जनचेतना अभियान नेपाल

(B) केवल विदेह

(C) केवल साहित्य अकादेमी

(D) कोनो नहि

१७. स्वागत भाषणमे रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर' झिझिया नृत्यक उमेर कतेक बतेलनि?

(A) बारह-तेरह सए वर्ष पुरान

(B) सय वर्ष

(C) पचास वर्ष

(D) कोनो नहि

१८. प्रो. परमेश्वर कापड़िक कथन अनुसार झिझिया केवल की नहि अछि?

(A) केवल नृत्य वा गीत मात्र नहि, जीवनसँ जुड़ल बात

(B) केवल आधुनिक नृत्य

(C) विदेशी नृत्य

(D) कोनो नहि

१९. झिझिया नृत्यकेँ डा. रेवती रमण लाल कोन प्रतीक कहलनि?

(A) महिला जागरणक प्रतीक

(B) केवल मनोरंजन

(C) धार्मिक कर्मकाण्ड मात्र

(D) कोनो नहि

२०. झिझिया प्रतियोगितामे प्रथम स्थान के प्राप्त केलक?

(A) जन चेतना अभियान झिझिया टीम

(B) भैरव झिझिया टीम

(C) मिथिला मिडिया टीम

(D) कोनो नहि

२१. झिझिया प्रतियोगितामे द्वितीय स्थान केकरा भेटल?

(A) भैरव झिझिया टीम

(B) जन चेतना अभियान टीम

(C) मिथिला मिडिया टीम

(D) कोनो नहि

२२. 'मौलाइल गाछक फूल' उपन्यासक समीक्षक के छथि?

(A) दुर्गानन्द मण्डल

(B) अच्छेलाल शास्त्री

(C) प्रा. परमेश्वर कापड़ि

(D) कोनो नहि

२३. 'मौलाइल गाछक फूल' उपन्यासक रचनाकार के छथि?

(A) जगदीश प्रसाद मण्डल

(B) गजेन्द्र ठाकुर

(C) सुभाषचन्द्र यादव

(D) कोनो नहि

२४. समीक्षक अनुसार 'मौलाइल गाछक फूल' उपन्यासक आरम्भ कोन घटनासँ होइत अछि?

(A) गामक अकाल

(B) विवाह

(C) युद्ध

(D) कोनो नहि

२५. ‘मौलाइल गाछक फूल’ क सोनेलालक संग जुड़ल चरित्र फुदिया की प्रदर्शित करैत अछि?

(A) मानवीय सहयोग आ सामाजिक एकता

(B) केवल स्वार्थ

(C) विश्वासघात

(D) कोनो नहि

२६. समीक्षक उपन्यासकार जगदीश प्रसाद मण्डलकेँ कोन पूर्ववर्ती मैथिली लेखकक उत्तराधिकारी सन मानैत छथि?

(A) प्रो. हरिमोहन झा

(B) विद्यापति

(C) ज्योतिरीश्वर

(D) कोनो नहि

२७. समीक्षामे उपन्यासक नारी-पात्रक (रधिया, श्यामा, सुगिया आदि) विशेषता की कहल गेल?

(A) पतिपरायणता आ भारतीय नारीक मर्यादाक चित्रण

(B) केवल विद्रोही स्वभाव

(C) केवल हास्य

(D) कोनो नहि

खण्ड 2045 : विदेह-सदेह 10 — गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक): 'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्...

२८. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य/पद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) विदेह पत्रिकाक सम्पादक

३२. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) विदेह पत्रिकाक सम्पादक

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक), विधा गद्य/पद्य, उप-विधा प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य/पद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताजक रूपमे गद्य/पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३६. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७. खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736मे गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क “'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज” प्रविष्टि गद्य/पद्य, प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताज आ “विदेह पत्रिकाक सम्पादक” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2046 : विदेह-सदेह 10 — राज: 'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)

३८. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा/आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) यात्रीक कवितामे ग्राम्य-चेतना आ स्थानीयताक विश्लेषण

४२. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) यात्रीक कवितामे ग्राम्य-चेतना आ स्थानीयताक विश्लेषण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राज, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा/आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षा/आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४६. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७. खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737मे राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा/आलेख आ “यात्रीक कवितामे ग्राम्य-चेतना आ स्थानीयताक विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2047 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. राजीव कुमार वर्मा: 'कारी घटा बरसैत मेघ'

४८. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक “'कारी घटा बरसैत मेघ'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'कारी घटा बरसैत मेघ'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक “'कारी घटा बरसैत मेघ'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पद्य/गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक “'कारी घटा बरसैत मेघ'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) कविता/संस्मरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक “'कारी घटा बरसैत मेघ'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) दिल्लीक वास्तविकता आ गामक सुन्दरतामे अन्तर

५२. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक “'कारी घटा बरसैत मेघ'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) दिल्लीक वास्तविकता आ गामक सुन्दरतामे अन्तर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक "'कारी घटा बरसैत मेघ'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. राजीव कुमार वर्मा, विधा पद्य/गद्य, उप-विधा कविता/संस्मरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक "'कारी घटा बरसैत मेघ'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक "'कारी घटा बरसैत मेघ'"केँ विदेह-सदेह 10क पद्य/गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ कविता/संस्मरणक रूपमे पद्य/गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५६. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: डॉ. राजीव कुमार वर्माक "'कारी घटा बरसैत मेघ'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७. खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738मे डॉ. राजीव कुमार वर्माक "'कारी घटा बरसैत मेघ'" प्रविष्टि पद्य/गद्य, कविता/संस्मरण आ "दिल्लीक वास्तविकता आ गामक सुन्दरतामे अन्तर" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2048 : विदेह-सदेह 10 — अशोक: 'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्ष...

५८. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सुभाष चन्द्र यादवक कथा-साहित्यक सूक्ष्म विश्लेषण

६२. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सुभाष चन्द्र यादवक कथा-साहित्यक सूक्ष्म विश्लेषण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अशोक, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

६६. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७. खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739मे अशोकक “'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “सुभाष चन्द्र यादवक कथा-साहित्यक सूक्ष्म विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2049 : विदेह-सदेह 10 — चन्द्रेश: 'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'

६८. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज/समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानमे आयोजित झिझिया नृत्यक प्रस्तुति

७२. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानमे आयोजित झिझिया नृत्यक प्रस्तुति

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक चन्द्रेश, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताज/समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

७६. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७. खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740मे चन्द्रेशक “'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/समीक्षा आ “नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानमे आयोजित झिझिया नृत्यक प्रस्तुति” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2050 : विदेह-सदेह 10 — दुगानन्द मण्डल: 'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'

७८. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक “'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक “'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक “'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक सामाजिक समरसता आ आदर्शवादी दृष्टिक मूल्यांकन

८२. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक सामाजिक समरसता आ आदर्शवादी दृष्टिक मूल्यांकन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक दुगानन्द मण्डल, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

८६. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: दुगानन्द मण्डलक "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७. खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741मे दुगानन्द मण्डलक "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक सामाजिक समरसता आ आदर्शवादी दृष्टिक मूल्यांकन" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2051 : विदेह-सदेह 10 — अच्छेलाल शास्त्री: 'रणभूमि आ कविता'

८८. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'रणभूमि आ कविता'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पद्य/गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) कविता/आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सामाजिक जागरण आ कविताक प्रेरणा

९२. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सामाजिक जागरण आ कविताक प्रेरणा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अच्छेलाल शास्त्री, विधा पद्य/गद्य, उप-विधा कविता/आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'"कैं विदेह-सदेह 10क पद्य/गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ कविता/आलेखक रूपमे पद्य/गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

९६. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: अच्छेलाल शास्त्रीक “'रणभूमि आ कविता'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७. खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742मे अच्छेलाल शास्त्रीक “'रणभूमि आ कविता'” प्रविष्टि पद्य/गद्य, कविता/आलेख आ “सामाजिक जागरण आ कविताक प्रेरणा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2052 : विदेह-सदेह 10 — परमेश्वर कापडि: 'मानकताक बात विखपाद अछि !'

९८. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मानकताक बात विखपाद अछि !'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) निबन्ध

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) नेपालक सन्दर्भमे मानकता आ भाषिक विखण्डनक विरोध

१०२. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नेपालक सन्दर्भमे मानकता आ भाषिक विखण्डनक विरोध

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक परमेश्वर कापडि, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ निबन्धक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०६. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७. खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743मे परमेश्वर कापडिक “'मानकताक बात विखपाद अछि !'” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध आ “नेपालक सन्दर्भमे मानकता आ भाषिक विखण्डनक विरोध” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2053 : विदेह-सदेह 10 — अतुलेशर: 'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'

१०८. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) निबन्ध

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली भाषा वैज्ञानिक अध्ययनक महत्व

११२. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली भाषा वैज्ञानिक अध्ययनक महत्व

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अतुलेशर, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११४. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ निबन्धक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

११६. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: अतुलेशरक “'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७. खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744मे अतुलेशरक "'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'" प्रविष्टि गद्य, निबन्ध आ "मैथिली भाषा वैज्ञानिक अध्ययनक महत्व" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2054 : विदेह-सदेह 10 — उमेश मण्डल: 'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष...

११८. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक "'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक "'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक "'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज/संस्मरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक "'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली कथा गोष्ठीक सुन्दर विवरण

१२२. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक "'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली कथा गोष्ठीक सुन्दर विवरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक "'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक उमेश मण्डल, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/संस्मरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२४. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक “'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक “'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताज/संस्मरणक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१२६. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: उमेश मण्डलक “'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७. खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745मे उमेश मण्डलक “'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/संस्मरण आ “मैथिली कथा गोष्ठीक सुन्दर विवरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2055 : विदेह-सदेह 10 — संजीव कुमार 'शमा': 'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'

१२८. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क “'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क “'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क “'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लालदास जयन्तीक आयोजन, कविता पाठ आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक विवरण

१३२. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लालदास जयन्तीक आयोजन, कविता पाठ आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक विवरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक संजीव कुमार 'शमा', विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३४. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१३६. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: संजीव कुमार 'शमा'क "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७. खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746मे संजीव कुमार 'शमा'क "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ "लालदास जयन्तीक आयोजन, कविता पाठ आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक विवरण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2056 : विदेह-सदेह 10 — मुत्राजी: 'मैथिली गजलपर परिचर्चा'

१३८. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिली गजलपर परिचर्चा'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) परिचर्चा/संयोजन

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकासपर विमर्श

१४२. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकासपर विमर्श

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मुत्राजी, विधा गद्य, उप-विधा परिचर्चा/संयोजन

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४४. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ परिचर्चा/संयोजनक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१४६. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: मुत्राजीक “'मैथिली गजलपर परिचर्चा'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७. खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747मे मुत्राजीक “'मैथिली गजलपर परिचर्चा'” प्रविष्टि गद्य, परिचर्चा/संयोजन आ “मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकासपर विमर्श” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2057 : विदेह-सदेह 10 — गंगेश गुंजन: 'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)

१४८. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) आलेख/पत्र

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गजलक मूल पाठ, रचनाकारक सतत सृजन-सक्रियता

१५२. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गजलक मूल पाठ, रचनाकारक सतत सृजन-सक्रियता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गंगेश गुंजन, विधा गद्य, उप-विधा आलेख/पत्र

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५४. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ आलेख/पत्रक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१५६. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७. खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748मे गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)” प्रविष्टि गद्य, आलेख/पत्र आ “गजलक मूल पाठ, रचनाकारक सतत सृजन-सक्रियता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2058 : विदेह-सदेह 10 — प्रेमचन्द्र पंकज: 'मैथिली गजल : एक नजरिमे'

१५८. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक “'मैथिली गजल : एक नजरिमे'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिली गजल : एक नजरिमे'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक “'मैथिली गजल : एक नजरिमे'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गजलक सहजता एवं भाव-चमत्कार

१६२. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गजलक सहजता एवं भाव-चमत्कार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक प्रेमचन्द्र पंकज, विधा गद्य, उप-विधा आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६४. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१६६. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७. खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749मे प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'" प्रविष्टि गद्य, आलेख आ "गजलक सहजता एवं भाव-चमत्कार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2059 : विदेह-सदेह 10 — राजेन्द्र बिमल: गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार

१६८. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक "गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक "गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक "गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) साक्षात्कार/विचार

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक "गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली गजलक भविष्य उज्जवल

१७२. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक "गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली गजलक भविष्य उज्जवल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक "गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजेन्द्र बिमल, विधा गद्य, उप-विधा साक्षात्कार/विचार

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७४. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक “गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७५. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक “गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ साक्षात्कार/विचारक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१७६. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: राजेन्द्र बिमलक “गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७७. खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750मे राजेन्द्र बिमलक “गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार” प्रविष्टि गद्य, साक्षात्कार/विचार आ “मैथिली गजलक भविष्य उज्जवल” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2060 : विदेह-सदेह 10 — मिहिर झा: 'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)

१७८. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७९. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य/पद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८०. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८१. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गजलक ऐतिहासिक विकास-यात्रा

१८२. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मिथिलाक संस्कार ओ परिवेश

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८३. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मिहिर झा, विधा गद्य/पद्य, उप-विधा आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८४. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८५. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य/पद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य/पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१८६. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८७. खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751मे मिहिर झाक “'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)” प्रविष्टि गद्य/पद्य, आलेख आ “मिथिलाक संस्कार ओ परिवेश” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2061 : विदेह-सदेह 10 — ओमप्रकाश झा: 'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)

१८८. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८९. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९०. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९१. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली गजलक संक्षिप्त इतिहास

१९२. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली गजलक संक्षिप्त इतिहास

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९३. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ओमप्रकाश झा, विधा गद्य, उप-विधा आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९४. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९५. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक “'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१९६. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: ओमप्रकाश झाक “'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९७. खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752मे ओमप्रकाश झाक “'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)” प्रविष्टि गद्य, आलेख आ “मैथिली गजलक संक्षिप्त इतिहास” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2062 : विदेह-सदेह 10 — धीरेन्द्र प्रेमर्ष: 'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'

१९८. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१९९. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२००. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०१. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गीत आ गजलक अन्तर

२०२. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गीत आ गजलक अन्तर

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०३. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक धीरेन्द्र प्रेमर्ष, विधा गद्य, उप-विधा आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०४. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०५. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२०६. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०७. खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753मे धीरेन्द्र प्रेमर्षक “'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'” प्रविष्टि गद्य, आलेख आ “गीत आ गजलक अन्तर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2063 : विदेह-सदेह 10 — आशीष अनचिन्हार: 'मैथिली गजलक वर्तमान'

२०८. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक “'मैथिली गजलक वर्तमान'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिली गजलक वर्तमान'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०९. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक "'मैथिली गजलक वर्तमान'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१०. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक "'मैथिली गजलक वर्तमान'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२११. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक "'मैथिली गजलक वर्तमान'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) अनचिन्हार आखर ब्लॉगक माध्यमे गजलक शुद्धिकरण

२१२. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक "'मैथिली गजलक वर्तमान'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) अनचिन्हार आखर ब्लॉगक माध्यमे गजलक शुद्धिकरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१३. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक "'मैथिली गजलक वर्तमान'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक आशीष अनचिन्हार, विधा गद्य, उप-विधा आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१४. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक "'मैथिली गजलक वर्तमान'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१५. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक "'मैथिली गजलक वर्तमान'"कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२१६. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: आशीष अनचिन्हारक “'मैथिली गजलक वर्तमान'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१७. खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754मे आशीष अनचिन्हारक “'मैथिली गजलक वर्तमान'” प्रविष्टि गद्य, आलेख आ “अनचिन्हार आखर ब्लॉगक माध्यमे गजलक शुद्धिकरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2064 : विदेह-सदेह 10 — शेफालिका वर्मा: गजल पर परिचर्चामे विचार

२१८. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गजल पर परिचर्चामे विचार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२१९. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२०. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२१. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गजलक प्रेम-मुहब्बत के रूप

२२२. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गजलक प्रेम-मुहब्बत के रूप

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२३. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शेफालिका वर्मा, विधा गद्य, उप-विधा आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२४. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२५. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२२६. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२७. खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755मे शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार” प्रविष्टि गद्य, आलेख आ “गजलक प्रेम-मुहब्बत के रूप” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2065 : विदेह-सदेह 10 — पूनम मण्डल: 'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म...

२२८. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक “'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२९. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक “'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३०. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक "'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३१. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक "'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पद्म पुरस्कारक विवरण

२३२. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक "'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पद्म पुरस्कारक विवरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३३. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक "'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पूनम मण्डल, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३४. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक "'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३५. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक "'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२३६. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: पूनम मण्डलक "'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३७. खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756मे पूनम मण्डलक “'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “पद्म पुरस्कारक विवरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2066 : विदेह-सदेह 10 — राजेन्द्र कुमार प्रधान: '२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासम...

२३८. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) '२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३९. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४०. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शोध-आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४१. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्रसाद मण्डल, गजेन्द्र ठाकूर आदिक उपन्यासमे राजनीतिक विश्लेषण

२४२. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्रसाद मण्डल, गजेन्द्र ठाकूर आदिक उपन्यासमे राजनीतिक विश्लेषण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४३. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजेन्द्र कुमार प्रधान, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४४. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४५. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२४६. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४७. खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757मे राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'” प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ “जगदीश प्रसाद मण्डल, गजेन्द्र ठाकूर आदिक उपन्यासमे राजनीतिक विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2067 : विदेह-सदेह 10 — विनीत उत्पल: 'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'

२४८. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४९. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५०. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५१. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) दिल्लीक सेक्स वर्करक जीवनक सचित्र वर्णन

२५२. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) दिल्लीक सेक्स वर्करक जीवनक सचित्र वर्णन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५३. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक विनीत उत्पल, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५४. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५५. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२५६. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५७. खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758मे विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “दिल्लीक सेक्स वर्करक जीवनक सचित्र वर्णन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2068 : विदेह-सदेह 10 — सुजीत कुमार झा: 'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभ...

२५८. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक "'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५९. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक "'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६०. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक "'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६१. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक "'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) नेपालमे मैथिली अनौपचारिक शिक्षाक सफलता

२६२. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक "'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नेपालमे मैथिली अनौपचारिक शिक्षाक सफलता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६३. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक "'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सुजीत कुमार झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६४. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक "'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६५. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक “'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२६६. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: सुजीत कुमार झाक “'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६७. खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759मे सुजीत कुमार झाक “'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “नेपालमे मैथिली अनौपचारिक शिक्षाक सफलता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2069 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. अरुण कुमार सिंह: 'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम...

२६८. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६९. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७०. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शोध-आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७१. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) भाषा शिक्षण

२७२. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भाषा शिक्षण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७३. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. अरुण कुमार सिंह, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७४. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७५. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२७६. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७७. खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760मे डॉ. अरुण कुमार सिंहक “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'” प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ “भाषा शिक्षण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2070 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. शशिधर कुमर: 'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'

२७८. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७९. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८०. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८१. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रह

२८२. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रह

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८३. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. शशिधर कुमर, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८४. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८५. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२८६. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८७. खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761मे डॉ. शशिधर कुमरक “'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रह” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2071 : विदेह-सदेह 10 — जितेन्द्र झा: 'के राखत रुमालक इज्जत?'

२८८. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'के राखत रुमालक इज्जत?'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८९. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९०. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज/आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९१. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) शहीद दुर्गानन्द झाक स्मृति आ उपेक्षाक विरोध

२९२. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नेपालक राजनीतिक स्थिति

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९३. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जितेन्द्र झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९४. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९५. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताज/आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२९६. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९७. खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762मे जितेन्द्र झाक “'के राखत रुमालक इज्जत?'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/आलेख आ “नेपालक राजनीतिक स्थिति” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2072 : विदेह-सदेह 10 — मानेश्वर मनुज: 'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'

२९८. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक “'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९९. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक “'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३००. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) निबन्ध/समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०१. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मुम्बइक यथार्थ

३०२. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मुम्बइक यथार्थ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०३. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मानेश्वर मनुज, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०४. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०५. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ निबन्ध/समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३०६. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: मानेश्वर मनुजक "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०७. खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763मे मानेश्वर मनुजक “'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/समीक्षा आ “मुम्बइक यथार्थ” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2073 : विदेह-सदेह 10 — नवेन्दु कुमार झा: 'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्...

३०८. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०९. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१०. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३११. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) भारत-नेपाल रेल संबंध

३१२. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जाति व्यवस्था पर प्रो. शर्माक व्याख्यान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१३. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक नवेन्दु कुमार झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१४. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१५. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजिक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३१६. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१७. खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764मे नवेन्दु कुमार झाक “'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “जाति व्यवस्था पर प्रो. शर्माक व्याख्यान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2074 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. कैलाश कुमार मिश्र: 'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान...

३१८. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक “'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१९. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक “'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२०. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक “'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शोध-आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२१. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मिथिला चित्रकलाक शास्त्रीय विवेचना

३२२. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मिथिला चित्रकलाक शास्त्रीय विवेचना

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२३. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. कैलाश कुमार मिश्र, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२४. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२५. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३२६. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२७. खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'" प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ "मिथिला चित्रकलाक शास्त्रीय विवेचना" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2075 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. कैलाश कुमार मिश्र: 'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर...

३२८. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२९. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३०. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) यात्रा-वृत्तान्त

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३१. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पूर्वोत्तर भारतक सजीव यात्रा-संस्मरण

३३२. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पूर्वोत्तर भारतक सजीव यात्रा-संस्मरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३३. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. कैलाश कुमार मिश्र, विधा गद्य, उप-विधा यात्रा-वृत्तान्त

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३४. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३५. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ यात्रा-वृत्तान्तक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३३६. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३७. खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'" प्रविष्टि गद्य, यात्रा-वृत्तान्त आ "पूर्वोत्तर भारतक सजीव यात्रा-संस्मरण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2076 : विदेह-सदेह 10 — मंत्रेशर झा: 'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)

३३८. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक "'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३९. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक "'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४०. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक "'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४१. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक "'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास आ कथा साहित्यक पात्र विधान पर विमर्श

३४२. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक “'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास आ कथा साहित्यक पात्र विधान पर विमर्श

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४३. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक “'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मंत्रेशर झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४४. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक “'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४५. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक “'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३४६. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: मंत्रेशर झाक “'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४७. खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767मे मंत्रेशर झाक “'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास आ कथा साहित्यक पात्र विधान पर विमर्श” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2077 : विदेह-सदेह 10 — आशीष अनचिन्हार: 'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल...

३४८. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक “'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४९. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५०. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५१. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) वियोगीक गजलमे शब्द चयन, काव्यगत त्रुटि आ समालोचनाक आधार

३५२. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) वियोगीक गजलमे शब्द चयन, काव्यगत त्रुटि आ समालोचनाक आधार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५३. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक आशीष अनचिन्हार, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५४. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५५. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३५६. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: आशीष अनचिन्हारक “'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५७. खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768मे आशीष अनचिन्हारक “'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “वियोगीक गजलमे शब्द चयन, काव्यगत त्रुटि आ समालोचनाक आधार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2078 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. मेघन प्रसाद: 'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'

३५८. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५९. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६०. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शोध-आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६१. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) अनुवादक कला, चुनौती

३६२. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) अनुवादक कला, चुनौती

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६३. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. मेघन प्रसाद, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६४. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६५. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३६६. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६७. खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769मे डॉ. मेघन प्रसादक “'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'” प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ “अनुवादक कला, चुनौती” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2079 : विदेह-सदेह 10 — सुमित आनन्द: 'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'

३६८. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६९. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७०. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७१. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) भारतीय भाषा संस्थानक तत्वावधानमे ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयमे अनुवाद कार्यशाला

३७२. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भारतीय भाषा संस्थानक तत्वावधानमे ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयमे अनुवाद कार्यशाला

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७३. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सुमित आनन्द, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७४. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७५. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३७६. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७७. खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770मे सुमित आनन्दक “'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “भारतीय भाषा संस्थानक तत्वावधानमे ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयमे अनुवाद कार्यशाला” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2080 : विदेह-सदेह 10 — धनाकर ठाकूर: 'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'

३७८. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक “'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७९. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक “'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८०. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक “'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८१. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक “'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मंडलजीक कथा संग्रहक पात्र आ समाज

३८२. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक “'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मंडलजीक कथा संग्रहक पात्र आ समाज

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८३. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक “'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक धनाकर ठाकूर, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८४. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक "'जगदीश प्रसाद मंडलक "गामक जिनगी"'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८५. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक "'जगदीश प्रसाद मंडलक "गामक जिनगी"'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३८६. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: धनाकर ठाकूरक "'जगदीश प्रसाद मंडलक "गामक जिनगी"'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८७. खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771मे धनाकर ठाकूरक "'जगदीश प्रसाद मंडलक "गामक जिनगी"'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "मंडलजीक कथा संग्रहक पात्र आ समाज" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2081 : विदेह-सदेह 10 — बिपिन झा: 'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'

३८८. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक "'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८९. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक "'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९०. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक "'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शोध-आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९१. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) कम्प्यूटरीकृत अनुवादमे बहुअर्थी शब्द (बहुअर्थकता) क समस्या आ समाधान

३९२. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) कम्प्यूटरीकृत अनुवादमे बहुअर्थी शब्द (बहुअर्थकता) क समस्या आ समाधान

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९३. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक बिपिन झा, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९४. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९५. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३९६. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: बिपिन झाक “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९७. खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772मे बिपिन झाक “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'” प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ “कम्प्यूटरीकृत अनुवादमे बहुअर्थी शब्द (बहुअर्थकता) क समस्या आ समाधान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2082 : विदेह-सदेह 10 — वीरेन्द्र कुमार यादव: 'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'

३९८. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९९. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४००. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०१. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) यज्ञ-मेलाक आडम्बर आ धार्मिक अन्धविश्वासपर व्यंग्य

४०२. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) यज्ञ-मेलाक आडम्बर आ धार्मिक अन्धविश्वासपर व्यंग्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०३. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक वीरेन्द्र कुमार यादव, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०४. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०५. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४०६. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०७. खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773मे वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “यज्ञ-मेलाक आडम्बर आ धार्मिक अन्धविश्वासपर व्यंग्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2083 : विदेह-सदेह 10 — रामभरोस कापड़ि "भ्रमर": 'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'

४०८. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०९. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१०. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४११. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) काठमाण्डूमे सम्पन्न सम्मेलन

४१२. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मिथिलारत्न आ मिथिलांशी सम्मानक विवरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१३. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक रामभरोस कापड़ि "भ्रमर", विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१४. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१५. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४१६. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१७. खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774मे रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “मिथिलारत्न आ मिथिलांशी सम्मानक विवरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2084 : विदेह-सदेह 10 — रमेश: 'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल ‘मुदा'

४१८. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक “'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल ‘मुदा'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल ‘मुदा'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१९. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२०. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचना

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२१. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मायानन्द मिश्रक कथा-साहित्यक सीमा आ विशेषता

४२२. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मायानन्द मिश्रक कथा-साहित्यक सीमा आ विशेषता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२३. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक रमेश, विधा गद्य, उप-विधा समालोचना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२४. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२५. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समालोचनाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४२६. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२७. खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775मे रमेशक "'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल 'मुदा'" प्रविष्टि गद्य, समालोचना आ "मायानन्द मिश्रक कथा-साहित्यक सीमा आ विशेषता" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2086 : विदेह-सदेह 10 — रमाकान्त राय 'रमा' (आचार्य दिव्यचक्षु): 'गामक जिनगी' (पोथी समीक...

४२८. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय 'रमा' (आचार्य दिव्यचक्षु)क "'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२९. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय 'रमा' (आचार्य दिव्यचक्षु)क "'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३०. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय 'रमा' (आचार्य दिव्यचक्षु)क "'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३१. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय 'रमा' (आचार्य दिव्यचक्षु)क "'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रहक समीक्षा

४३२. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय 'रमा' (आचार्य दिव्यचक्षु)क "'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रहक समीक्षा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३३. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु), विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३४. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३५. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४३६. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३७. खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777मे रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रहक समीक्षा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2087 : विदेह-सदेह 10 — रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु): 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व...

४३८. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३९. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४०. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४१. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आरसी प्रसाद सिंह पर साहित्य अकादेमी आ बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयक आयोजन

४४२. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) आरसी प्रसाद सिंह पर साहित्य अकादेमी आ बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयक आयोजन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४३. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु), विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४४. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४५. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४४६. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४७. खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778मे रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “आरसी प्रसाद सिंह पर साहित्य अकादेमी आ बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयक आयोजन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2088 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. योगानन्द झा: 'गामक जिनगी' (समीक्षा)

४४८. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'गामक जिनगी' (समीक्षा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४९. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५०. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५१. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्र. मण्डलक कथा-संग्रहमे आस्था, जिजीविषा आ संघर्षक प्रवाह

४५२. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्र. मण्डलक कथा-संग्रहमे आस्था, जिजीविषा आ संघर्षक प्रवाह

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५३. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. योगानन्द झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५४. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५५. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४५६. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५७. खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779मे डॉ. योगानन्द झाक “'गामक जिनगी' (समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “जगदीश प्र. मण्डलक कथा-संग्रहमे आस्था, जिजीविषा आ संघर्षक प्रवाह” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2089 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. योगानन्द झा: 'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)

४५८. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५९. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६०. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६१. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) सीता-चरित्रक आधुनिक सन्दर्भ

४६२. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) नारी-अस्मिताक गाथा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६३. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. योगानन्द झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६४. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६५. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४६६. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६७. खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780मे डॉ. योगानन्द झाक “'उषा किरण खानक ‘जाइ सँ पहिने’ (समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “नारी-अस्मिताक गाथा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2090 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. योगानन्द झा: 'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'

४६८. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६९. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७०. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७१. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्र. मंडलक उपन्यासक आदर्शवादी विचारधाराक विश्लेषण

४७२. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्र. मंडलक उपन्यासक आदर्शवादी विचारधाराक विश्लेषण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७३. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. योगानन्द झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७४. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७५. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४७६. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७७. खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781मे डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "जगदीश प्र. मंडलक उपन्यासक आदर्शवादी विचारधाराक विश्लेषण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2091 : विदेह-सदेह 10 — मानेश्वर मनुज: 'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'

४७८. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक "'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७९. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक "'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८०. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक "'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८१. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक "'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) विभा रानीक कथा पर आलोचनात्मक दृष्टि

४८२. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक “'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) विभा रानीक कथा पर आलोचनात्मक दृष्टि

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८३. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक “'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मानेश्वर मनुज, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८४. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक “'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८५. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक “'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'”केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४८६. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: मानेश्वर मनुजक “'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८७. खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782मे मानेश्वर मनुजक “'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “विभा रानीक कथा पर आलोचनात्मक दृष्टि” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2092 : विदेह-सदेह 10 — मानेश्वर मनुज: 'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'

४८८. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक “'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८९. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९०. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचना

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९१. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) प्रेमचन्द आ मैथिली रूपान्तरण

४९२. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) प्रेमचन्द आ मैथिली रूपान्तरण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९३. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मानेश्वर मनुज, विधा गद्य, उप-विधा समालोचना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९४. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९५. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समालोचनाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४९६. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९७. खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783मे मानेश्वर मनुजक "'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'" प्रविष्टि गद्य, समालोचना आ "प्रेमचन्द आ मैथिली रूपान्तरण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2093 : विदेह-सदेह 10 — ज्योति झा चौधरी: 'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/...

४९८. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक "'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९९. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक "'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५००. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक "'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०१. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक "'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लन्डनमे मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी

५०२. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक "'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लन्डनमे मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०३. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक “'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक ज्योति झा चौधरी, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०४. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक “'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०५. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक “'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५०६. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: ज्योति झा चौधरीक “'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०७. खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784मे ज्योति झा चौधरीक “'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “लन्डनमे मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2094 : विदेह-सदेह 10 — शिव कुमार झा ‘टिल्लू’: 'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चि...

५०८. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०९. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१०. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) शोध-आलेख

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५११. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श

५१२. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१३. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिव कुमार झा ‘टिल्लू’, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१४. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१५. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५१६. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१७. खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785मे शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'” प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ “मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2095 : विदेह-सदेह 10 — शिव कुमार झा ‘टिल्लू’: 'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली...

५१८. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१९. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२०. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२१. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गजेन्द्र ठाकुर, ज्योति चौधरी, राजदेव मंडल आदिक कृति पर विविध समीक्षा

५२२. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गजेन्द्र ठाकुर, ज्योति चौधरी, राजदेव मंडल आदिक कृति पर विविध समीक्षा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२३. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिव कुमार झा ‘टिल्लू’, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२४. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२५. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५२६. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२७. खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786मे शिव कुमार झा ‘टिल्लू’क “'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “गजेन्द्र ठाकुर, ज्योति चौधरी, राजदेव मंडल आदिक कृति पर विविध समीक्षा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2096 : विदेह-सदेह 10 — सुशान्त झा: 'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'

५२८. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२९. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३०. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) विचार/निबन्ध

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३१. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली भाषा आ लिपिक प्रश्न

५३२. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली भाषा आ लिपिक प्रश्न

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३३. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सुशान्त झा, विधा गद्य, उप-विधा विचार/निबन्ध

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३४. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३५. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ विचार/निबन्धक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५३६. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३७. खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787मे सुशान्त झाक “'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'” प्रविष्टि गद्य, विचार/निबन्ध आ “मैथिली भाषा आ लिपिक प्रश्न” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2097 : विदेह-सदेह 10 — डॉ. बचेश्वर झा: 'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)

५३८. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३९. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४०. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४१. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जगदीश प्र. मंडलक उपन्यास

५४२. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जगदीश प्र. मंडलक उपन्यास

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४३. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. बचेश्वर झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४४. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४५. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक “'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५४६. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: डॉ. बचेश्वर झाक “'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४७. खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788मे डॉ. बचेश्वर झाक “'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “जगदीश प्र. मंडलक उपन्यास” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2098 : विदेह-सदेह 10 — राजेश्वर नेपाली: 'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हा...

५४८. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४९. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य/पद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५०. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) श्रद्धाञ्जलि/समालोचना

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५१. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) प्रतापनारायण झाक जीवनी आ रचना संसार

५५२. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) प्रतापनारायण झाक जीवनी आ रचना संसार

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५३. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजेश्वर नेपाली, विधा गद्य/पद्य, उप-विधा श्रद्धाञ्जलि/समालोचना

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५४. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५५. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य/पद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ श्रद्धाञ्जलि/समालोचनाक रूपमे गद्य/पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५५६. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५७. खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789मे राजेश्वर नेपालीक “'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'” प्रविष्टि गद्य/पद्य, श्रद्धाञ्जलि/समालोचना आ “प्रतापनारायण झाक जीवनी आ रचना संसार” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2099 : विदेह-सदेह 10 — बसंत झा: 'उगना'

५५८. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'उगना'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५९. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६०. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) लोककथा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६१. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) महाकवि विद्यापति आ उगना (महादेव)क लोककथा

५६२. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) महाकवि विद्यापति आ उगना (महादेव)क लोककथा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६३. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक बसंत झा, विधा गद्य, उप-विधा लोककथा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६४. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६५. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'”कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ लोककथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५६६. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: बसंत झाक “'उगना'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६७. खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790मे बसंत झाक “'उगना'” प्रविष्टि गद्य, लोककथा आ “महाकवि विद्यापति आ उगना (महादेव)क लोककथा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2100 : विदेह-सदेह 10 — जीवकान्त: 'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'

५६८. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक “'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६९. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक “'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७०. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक “'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७१. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक “'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश

५७२. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक “'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७३. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक “'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जीवकान्त, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७४. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक 'जिनगीक जीत' उपन्यासपर'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७५. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक 'जिनगीक जीत' उपन्यासपर'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५७६. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक 'जिनगीक जीत' उपन्यासपर'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७७. खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791मे जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक 'जिनगीक जीत' उपन्यासपर'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2101 : विदेह-सदेह 10 — जीवकान्त: 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'

५७८. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७९. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८०. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८१. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश

५८२. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८३. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक जीवकान्त, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८४. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८५. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५८६. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८७. खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792मे जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2102 : विदेह-सदेह 10 — धीरेन्द्र कुमार: 'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मै...

५८८. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८९. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९०. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९१. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) बाल साहित्य आ चित्रकलाक माध्यमे मैथिलीक समृद्धता

५९२. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) बाल साहित्य आ चित्रकलाक माध्यमे मैथिलीक समृद्धता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९३. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक धीरेन्द्र कुमार, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९४. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९५. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५९६. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९७. खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793मे धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "बाल साहित्य आ चित्रकलाक माध्यमे मैथिलीक समृद्धता" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2103 : विदेह-सदेह 10 — धीरेन्द्र कुमार: 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'

५९८. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९९. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६००. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०१. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आदर्शवादी चित्रण

६०२. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) आदर्शवादी चित्रण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०३. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक धीरेन्द्र कुमार, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०४. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०५. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'"कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

६०६. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०७. खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794मे धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "आदर्शवादी चित्रण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2104 : विदेह-सदेह 10 — राजदेव मंडल: 'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'

६०८. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०९. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१०. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) पत्र

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६११. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गजेन्द्र ठाकूरक पोथी "कुरूक्षेत्रम्"क सराहना

६१२. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गजेन्द्र ठाकूरक पोथी "कुरूक्षेत्रम्"क सराहना

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१३. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजदेव मंडल, विधा गद्य, उप-विधा पत्र

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१४. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१५. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'"कैँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ पत्रक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

६१६. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१७. खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795मे राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'" प्रविष्टि गद्य, पत्र आ "गजेन्द्र ठाकूरक पोथी "कुरूक्षेत्रम्"क सराहना" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2105 : विदेह-सदेह 10 — राजदेव मंडल: 'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''

६१८. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१९. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२०. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२१. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) कथा-संग्रहक शैली, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भ

६२२. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) कथा-संग्रहक शैली, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भ

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२३. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राजदेव मंडल, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२४. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२५. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''"केँ विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

६२६. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''" प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२७. खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796मे राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "कथा-संग्रहक शैली, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भ" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2106 : विदेह-सदेह 10 — कृपानन्द झा: 'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'

६२८. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक "'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) 'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२९. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक "'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३०. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक “'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३१. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक “'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) चुनचुन मिश्रक जीवन, संघर्ष आ मैथिली आन्दोलन

६३२. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक “'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) चुनचुन मिश्रक जीवन, संघर्ष आ मैथिली आन्दोलन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३३. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक “'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक कृपानन्द झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३४. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक “'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३५. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक “'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'”कैं विदेह-सदेह 10क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

६३६. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: कृपानन्द झाक “'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'” प्रविष्टि विदेह-सदेह 10क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३७. खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797मे कृपानन्द झाक "'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ "चुनचुन मिश्रक जीवन, संघर्ष आ मैथिली आन्दोलन" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 5142 : विदेह-सदेह 10 — नचिकेता — नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)

६३८. 'नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

६३९. 'नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

६४०. 'नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)'केँ नाटक रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

६४१. 'नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक द्वितीय अंक प्रारम्भ दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६४२. 'नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

६४३. 'नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)'क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) द्वितीय अंक प्रारम्भ

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

६४४. 'नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

६४५. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) द्वितीय अंक प्रारम्भक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६४६. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)’मे नाटकक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) नाटकक रूप द्वितीय अंक प्रारम्भ कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६४७. ‘नो एंट्री : मा प्रविश (द्वितीय अंक शुरू)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैं द्वितीय अंक प्रारम्भ धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5143 : विदेह-सदेह 10 — गजेन्द्र ठाकुर — सहस्रबाढ़नि (अंक १०)

६४८. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) दसम किस्त

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

६४९. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) दसम किस्त

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

६५०. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’कैं उपन्यास रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) दसम किस्त

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

६५१. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक दसम किस्त दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६५२. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) दसम किस्त

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

६५३. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) दसम किस्त

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

६५४. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) दसम किस्त

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

६५५. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) दसम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६५६. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’मे उपन्यासक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) उपन्यासक रूप दसम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६५७. ‘सहस्रबाढ़नि (अंक १०)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ दसम किस्त धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5144 : विदेह-सदेह 10 — गजेन्द्र ठाकुर — महाभारत (अंक १०)

६५८. ‘महाभारत (अंक १०)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) दसम किस्त

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

६५९. ‘महाभारत (अंक १०)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) दसम किस्त

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

६६०. ‘महाभारत (अंक १०)’कैँ महाकाव्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) दसम किस्त

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

६६१. ‘महाभारत (अंक १०)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक दसम किस्त दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६६२. ‘महाभारत (अंक १०)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) दसम किस्त

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

६६३. ‘महाभारत (अंक १०)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) दसम किस्त

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

६६४. ‘महाभारत (अंक १०)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) दसम किस्त

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

६६५. ‘महाभारत (अंक १०)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) दसम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६६६. ‘महाभारत (अंक १०)’मे महाकाव्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) महाकाव्यक रूप दसम किस्त कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६६७. ‘महाभारत (अंक १०)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ दसम किस्त धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5145 : विदेह-सदेह 10 — गजेन्द्र ठाकुर — फूसि-फटक

६६८. ‘फूसि-फटक’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) अंक १० केर कथा

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

६६९. ‘फूसि-फटक’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) अंक १० केर कथा

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

६७०. ‘फूसि-फटक’कैं कथा रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) अंक १० केर कथा

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

६७१. ‘फूसि-फटक’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक अंक १० केर कथा दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६७२. ‘फूसि-फटक’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) अंक १० केर कथा

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

६७३. ‘फूसि-फटक’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) अंक १० केर कथा

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

६७४. ‘फूसि-फटक’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) अंक १० केर कथा

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

६७५. ‘फूसि-फटक’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) अंक १० केर कथाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६७६. ‘फूसि-फटक’मे कथाक रूप कथ्य कैं कोना सहारा दैत अछि?

(A) कथाक रूप अंक १० केर कथा कैं स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैं मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६७७. ‘फूसि-फटक’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकेँ अंक १० केर कथा धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5146 : विदेह-सदेह 10 — रामजी चौधरी — (रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)

६७८. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) विस्मृत कविता

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

६७९. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) विस्मृत कविता

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

६८०. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) विस्मृत कविता

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

६८१. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक विस्मृत कविता दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६८२. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) विस्मृत कविता

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

६८३. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) विस्मृत कविता

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

६८४. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) विस्मृत कविता

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

६८५. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) विस्मृत कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६८६. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप विस्मृत कविता कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६८७. ‘(रामजी चौधरी पद्य भाग ४-७)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ विस्मृत कविता धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5147 : विदेह-सदेह 10 — गंगेश गुंजन, ज्योति झा चौधरी — (परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)

६८८. ‘(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) आधुनिक पद्य

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

६८९. ‘(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) आधुनिक पद्य

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

६९०. ‘(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)’कैँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) आधुनिक पद्य

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

६९१. ‘(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक आधुनिक पद्य दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६९२. ‘(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) आधुनिक पद्य

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

६९३. '(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)'क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) आधुनिक पद्य

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

६९४. '(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) आधुनिक पद्य

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

६९५. '(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) आधुनिक पद्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६९६. '(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)'मे पद्यक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) पद्यक रूप आधुनिक पद्य कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६९७. '(परिवर्त्तन, आधुनिक कविता)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ आधुनिक पद्य धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5148 : विदेह-सदेह 10 — -- — (अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)

६९८. '(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) धारावाहिक

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

६९९. '(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

७००. '(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)'कैँ संस्कृत-शिक्षा रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) धारावाहिक

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

७०१. ‘(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक धारावाहिक दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७०२. ‘(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

७०३. ‘(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) धारावाहिक

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

७०४. ‘(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) धारावाहिक

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

७०५. ‘(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) धारावाहिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७०६. ‘(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)’मे संस्कृत-शिक्षाक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) संस्कृत-शिक्षाक रूप धारावाहिक कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७०७. ‘(अंक १० केर संस्कृत शिक्षा)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ धारावाहिक धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5149 : विदेह-सदेह 10 — श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर — कोजगराक अरिपन

७०८. ‘कोजगराक अरिपन’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) चित्र सहित

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

७०९. ‘कोजगराक अरिपन’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) चित्र सहित

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

७१०. ‘कोजगराक अरिपन’कैँ मिथिला कला रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) चित्र सहित

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

७११. ‘कोजगराक अरिपन’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक चित्र सहित दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७१२. ‘कोजगराक अरिपन’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) चित्र सहित

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

७१३. ‘कोजगराक अरिपन’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) चित्र सहित

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

७१४. ‘कोजगराक अरिपन’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) चित्र सहित

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

७१५. ‘कोजगराक अरिपन’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) चित्र सहितक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७१६. ‘कोजगराक अरिपन’मे मिथिला कलाक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) मिथिला कलाक रूप चित्र सहित कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७१७. ‘कोजगराक अरिपन’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकेँ चित्र सहित धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5150 : विदेह-सदेह 10 — गजेन्द्र ठाकुर — बगियाक गाछ

७१८. ‘बगियाक गाछ’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) लोककथा

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

७१९. ‘बगियाक गाछ’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) लोककथा

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

७२०. ‘बगियाक गाछ’केँ बालानां कृते रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) लोककथा

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

७२१. ‘बगियाक गाछ’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक लोककथा दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७२२. ‘बगियाक गाछ’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) लोककथा

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

७२३. ‘बगियाक गाछ’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) लोककथा

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

७२४. ‘बगियाक गाछ’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) लोककथा

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

७२५. ‘बगियाक गाछ’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) लोककथाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७२६. ‘बगियाक गाछ’मे बालानां कृतेक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) बालानां कृतेक रूप लोककथा कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७२७. ‘बगियाक गाछ’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ लोककथा धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 5151 : विदेह-सदेह 10 — नूतन झा — वटसावित्री (पाबनि)

७२८. ‘वटसावित्री (पाबनि)’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) केवल क्रमांक-सूची

(C) बाहरी सजावट

(D) असम्बद्ध सूचना

७२९. ‘वटसावित्री (पाबनि)’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) कागजक आकार

(C) सिरिफ तिथि

(D) प्रचारात्मक वाक्य

७३०. ‘वटसावित्री (पाबनि)’कैँ निबंध रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन

(C) स्रोत-बाह्य घटना

(D) यादृच्छिक अनुमान

७३१. ‘वटसावित्री (पाबनि)’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

(A) शीर्षक सांस्कृतिक निबंध दिस संकेत करैत अछि

(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि

(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि

(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७३२. ‘वटसावित्री (पाबनि)’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) सूचीगणना मात्र

(C) असम्बद्ध हास्य

(D) बाहरी विज्ञापन

७३३. ‘वटसावित्री (पाबनि)’क गलत पठन कोन होएत?

(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब

(B) सांस्कृतिक निबंध

(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब

(D) अर्थाधारित पठन करब

७३४. ‘वटसावित्री (पाबनि)’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

(A) सांस्कृतिक निबंध

(B) निजी लाभक हिसाब

(C) सैनिक आदेश

(D) खेलक परिणाम

७३५. ‘वटसावित्री (पाबनि)’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

(A) सांस्कृतिक निबंधक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब

(B) क्रमांकक गिनती पूछब

(C) कागजक आकार पूछब

(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७३६. ‘वटसावित्री (पाबनि)’मे निबंधक रूप कथ्य कैँ कोना सहारा दैत अछि?

(A) निबंधक रूप सांस्कृतिक निबंध कैँ स्पष्ट करैत अछि

(B) रूप कथ्यकैँ मिटा दैत अछि

(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि

(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७३७. ‘वटसावित्री (पाबनि)’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

(A) उत्तरकैँ सांस्कृतिक निबंध धरि सीमित राखब

(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब

(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब

(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

उत्तरमाला — अध्याय ३ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) गाम — श्री राजक आलेख ‘यात्रीक कवितामे गाम’ शीर्षकसँ यात्री (नागार्जुन) क कवितामे गामक चित्रणक चर्चा करैत अछि।

२. (A) कारी घटा बरसैत मेघ — डॉ. राजीव कुमार वर्माक आलेखक शीर्षक ‘कारी घटा बरसैत मेघ’ थिक।

३. (A) झिझिया नृत्य महोत्सव — चन्द्रेशक आलेख ‘यर्थाथक अनुभुतिमे ऐतिहासिक दिन: झिझिया नृत्य महोत्सव’ शीर्षकसँ अछि।

४. (A) मानकताक बात विखपाद अछि! — परमेश्वर कापड़िक आलेखक शीर्षक ‘मानकताक बात विखपाद अछि!’ थिक — मैथिली मानकीकरणक विवादपर अछि।

५. (A) पंडित गोविन्द झा — अतुलेश्वरक आलेख ‘पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन’ शीर्षकसँ अछि।

६. (A) पद्मश्री (२०११, मिथिला चित्रकला) — पूनम मण्डलक आलेखमे उल्लेख अछि जे महासुन्दरी देवीकैँ मिथिला चित्रकला लेल सन् २०११ मे पद्मश्री भेटल।

७. (A) कंप्यूटर आ भाषा-विज्ञानक भूमिका मैथिली-शिक्षणमे — डॉ. अरुण कुमार सिंहक आलेख मैथिलेत्तर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखब-सिखाएबमे कंप्यूटर आ भाषा-विज्ञानक भूमिकापर अछि।

८. (A) लंदन — मीना झाक आलेख ‘लंदनमे मैथिल समाज’ शीर्षकसँ अछि।

९. (A) संघीयतामे मैथिली भाषा — अमरकान्त अमरक आलेखक शीर्षक ‘संघीयतामे मैथिली भाषा’ थिक — नेपालक संघीय व्यवस्थामे मैथिलीक स्थानपर।

१०. (A) भीम केवट — अरविन्द ठाकुरक आलेख ‘लोकदेव भीम केवट’ शीर्षकसँ अछि।

११. (A) शम्भु कुमार सिंह — शम्भु कुमार सिंह यू.पी.एस.सी. (मैथिली) प्रतियोगी परीक्षार्थी लेल सामग्री देलनि।

१२. (A) ३९ टा (७५म गोष्ठीमे) — उमेश मण्डलक रिपोर्ताज अनुसार ७५म कथा गोष्ठीमे ३९ टा कथाक पाठ भेल छल।

१३. (A) की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत — विनीत उत्पलक आलेखक शीर्षक 'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत' थिक — एक सामाजिक खोजपरक रिपोर्ताज।

१४. (A) २१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना — राजेन्द्र कुमार प्रधानक आलेख २१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतनापर अछि।

१५. (A) जिनगीक जीत — प्रो. वीणा ठाकुरक आलेख उपन्यास 'जिनगीक जीत' पर अछि।

१६. (A) नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान आ जनचेतना अभियान नेपाल — झिझिया महोत्सव नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान आ जनचेतना अभियान नेपालक संयुक्त अभियानमे मनाओल गेल।

१७. (A) बारह-तेरह सए वर्ष पुरान — रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर' कहलनि जे झिझिया नृत्य आइसँ बारह-तेरह सए वर्ष पहिने आरम्भ भेल छल।

१८. (A) केवल नृत्य वा गीत मात्र नहि, जीवनसँ जुड़ल बात — प्रो. परमेश्वर कापड़ि कहलनि जे झिझिया मात्र नृत्य वा गीतमे सीमित नहि अछि, ई जीवनसँ जुड़ल बात थिक।

१९. (A) महिला जागरणक प्रतीक — डा. रेवती रमण लाल कहलनि जे झिझिया महिला जागरणक प्रतीक आ संस्कृतिक आस्था-पर्व थिक।

२०. (A) जन चेतना अभियान झिझिया टीम — निर्णायक मंडल अनुसार प्रथम स्थान जन चेतना अभियान झिझिया टीमकेँ भेटल।

२१. (A) भैरव झिझिया टीम — द्वितीय स्थान भैरव झिझिया टीमकेँ भेटल।

२२. (A) दुर्गानन्द मण्डल — 'मौलाइल गाछक फूल' उपन्यासक पोथी-समीक्षा दुर्गानन्द मण्डल लिखलनि।

२३. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — 'मौलाइल गाछक फूल' उपन्यासक रचनाकार जगदीश प्रसाद मण्डल छथि।

२४. (A) गामक अकाल — समीक्षक अनुसार उपन्यासक आरम्भहि गाममे अकाल पड़ि जाइत अछि, आ लोक अन्नक अभावमे कष्ट पाबैत छथि।

२५. (A) मानवीय सहयोग आ सामाजिक एकता — समीक्षक अनुसार फुदिया द्वारा सोनेलालकेँ कहल गेल सहयोगक वचन मानवीय सहयोग आ सामाजिक एकताक प्रतीक थिक — विपत्तिमे संग देबाक भाव।

२६. (A) प्रो. हरिमोहन झा — समीक्षक लिखैत छथि जे प्रो. हरिमोहन झाक बाद मैथिली साहित्यमे जगदीश प्रसाद मण्डलजीक स्थान विशेष अछि।

२७. (A) पतिपरायणता आ भारतीय नारीक मर्यादाक चित्रण — समीक्षक अनुसार उपन्यासक नारी-पात्र पतिपरायणता, सुख-दुखमे संग देब आ भारतीय नारीक मर्यादाक स्पष्ट चित्र उपस्थित करैत छथि।

२८. (A) 'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज — सूचकांक पंक्ति 736मे गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क प्रविष्टि "'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज" रूपमे देल अछि।

२९. (B) गद्य/पद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य/पद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३०. (C) प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताज" अछि।

३१. (D) विदेह पत्रिकाक सम्पादक — टिप्पणीक पहिल संकेत "विदेह पत्रिकाक सम्पादक" अछि।

३२. (A) विदेह पत्रिकाक सम्पादक — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "विदेह पत्रिकाक सम्पादक" रूपमे देखाइत अछि।

३३. (B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक), विधा गद्य/पद्य, उप-विधा प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३५. (D) ई पाठ प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताजक रूपमे गद्य/पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३७. (B) खण्ड 2045, सूचकांक पंक्ति 736मे गजेन्द्र ठाकूर (सम्पादक)क "'प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना, समीक्षाशास्त्र आ समालोचनाक समालोचना'; गजल, रुबाइ, कता, हाइकू विधापर विचार; मैथिली गजलक विमर्श; रिपोर्ताज" प्रविष्टि गद्य/पद्य, प्रबन्ध/समालोचना/निबन्ध/रिपोर्ताज आ

“विदेह पत्रिकाक सम्पादक” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३८. (A) 'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा) — सूचकांक पंक्ति 737मे राजक प्रविष्टि “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)” रूपमे देल अछि।

३९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४०. (C) समीक्षा/आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समीक्षा/आलेख” अछि।

४१. (D) यात्रीक कवितामे ग्राम्य-चेतना आ स्थानीयताक विश्लेषण — टिप्पणीक पहिल संकेत “यात्रीक कवितामे ग्राम्य-चेतना आ स्थानीयताक विश्लेषण” अछि।

४२. (A) यात्रीक कवितामे ग्राम्य-चेतना आ स्थानीयताक विश्लेषण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “यात्रीक कवितामे ग्राम्य-चेतना आ स्थानीयताक विश्लेषण” रूपमे देखाइत अछि।

४३. (B) लेखक राज, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा/आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४५. (D) ई पाठ समीक्षा/आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४७. (B) खण्ड 2046, सूचकांक पंक्ति 737मे राजक “'यात्रीक कवितामे गाम' (आलेख/समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा/आलेख आ “यात्रीक कवितामे ग्राम्य-चेतना आ स्थानीयताक विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४८. (A) 'कारी घटा बरसैत मेघ' — सूचकांक पंक्ति 738मे डॉ. राजीव कुमार वर्माक प्रविष्टि “'कारी घटा बरसैत मेघ'” रूपमे देल अछि।

४९. (B) पद्य/गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “पद्य/गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५०. (C) कविता/संस्मरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “कविता/संस्मरण” अछि।

५१. (D) दिल्लीक वास्तविकता आ गामक सुन्दरतामे अन्तर — टिप्पणीक पहिल संकेत “दिल्लीक वास्तविकता आ गामक सुन्दरतामे अन्तर” अछि।

५२. (A) दिल्लीक वास्तविकता आ गामक सुन्दरतामे अन्तर — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “दिल्लीक वास्तविकता आ गामक सुन्दरतामे अन्तर” रूपमे देखाइत अछि।

५३. (B) लेखक डॉ. राजीव कुमार वर्मा, विधा पद्य/गद्य, उप-विधा कविता/संस्मरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५५. (D) ई पाठ कविता/संस्मरणक रूपमे पद्य/गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५७. (B) खण्ड 2047, सूचकांक पंक्ति 738मे डॉ. राजीव कुमार वर्माक “'कारी घटा बरसैत मेघ'” प्रविष्टि पद्य/गद्य, कविता/संस्मरण आ “दिल्लीक वास्तविकता आ गामक सुन्दरतामे अन्तर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५८. (A) 'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा) — सूचकांक पंक्ति 739मे अशोकक प्रविष्टि “'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)” रूपमे देल अछि।

५९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समीक्षा” अछि।

६१. (D) सुभाष चन्द्र यादवक कथा-साहित्यक सूक्ष्म विश्लेषण — टिप्पणीक पहिल संकेत “सुभाष चन्द्र यादवक कथा-साहित्यक सूक्ष्म विश्लेषण” अछि।

६२. (A) सुभाष चन्द्र यादवक कथा-साहित्यक सूक्ष्म विश्लेषण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “सुभाष चन्द्र यादवक कथा-साहित्यक सूक्ष्म विश्लेषण” रूपमे देखाइत अछि।

६३. (B) लेखक अशोक, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६७. (B) खण्ड 2048, सूचकांक पंक्ति 739मे अशोकक "'बनैत-बिगडैत' (सुभाष चन्द्र यादवक दोसर कथा संग्रहक समीक्षा)" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "सुभाष चन्द्र यादवक कथा-साहित्यक सूक्ष्म विश्लेषण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६८. (A) 'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव' — सूचकांक पंक्ति 740मे चन्द्रेशक प्रविष्टि "'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'" रूपमे देल अछि।

६९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७०. (C) रिपोर्ताज/समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "रिपोर्ताज/समीक्षा" अछि।

७१. (D) नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानमे आयोजित झिझिया नृत्यक प्रस्तुति — टिप्पणीक पहिल संकेत "नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानमे आयोजित झिझिया नृत्यक प्रस्तुति" अछि।

७२. (A) नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानमे आयोजित झिझिया नृत्यक प्रस्तुति — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानमे आयोजित झिझिया नृत्यक प्रस्तुति" रूपमे देखाइत अछि।

७३. (B) लेखक चन्द्रेश, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७५. (D) ई पाठ रिपोर्ताज/समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७७. (B) खण्ड 2049, सूचकांक पंक्ति 740मे चन्द्रेशक "'यथार्थक अनुभूतिमे ऐतिहासिक दिनः झिझिया नृत्य महोत्सव'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/समीक्षा आ "नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानमे आयोजित झिझिया नृत्यक प्रस्तुति" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७८. (A) 'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल' — सूचकांक पंक्ति 741मे दुगानन्द मण्डलक प्रविष्टि "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'" रूपमे देल अछि।

७९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

८१. (D) जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक सामाजिक समरसता आ आदर्शवादी दृष्टिक मूल्यांकन — टिप्पणीक पहिल संकेत "जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक सामाजिक समरसता आ आदर्शवादी दृष्टिक मूल्यांकन" अछि।

८२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक सामाजिक समरसता आ आदर्शवादी दृष्टिक मूल्यांकन — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक सामाजिक समरसता आ आदर्शवादी दृष्टिक मूल्यांकन" रूपमे देखाइत अछि।

८३. (B) लेखक दुगानन्द मण्डल, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८७. (B) खण्ड 2050, सूचकांक पंक्ति 741मे दुगानन्द मण्डलक "'पोथी समीक्षा- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक सामाजिक समरसता आ आदर्शवादी दृष्टिक मूल्यांकन" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित

करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८८. (A) 'रणभूमि आ कविता' — सूचकांक पंक्ति 742मे अच्छेलाल शास्त्रीक प्रविष्टि "'रणभूमि आ कविता'" रूपमे देल अछि।

८९. (B) पद्य/गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "पद्य/गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९०. (C) कविता/आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "कविता/आलेख" अछि।

९१. (D) सामाजिक जागरण आ कविताक प्रेरणा — टिप्पणीक पहिल संकेत "सामाजिक जागरण आ कविताक प्रेरणा" अछि।

९२. (A) सामाजिक जागरण आ कविताक प्रेरणा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "सामाजिक जागरण आ कविताक प्रेरणा" रूपमे देखाइत अछि।

९३. (B) लेखक अच्छेलाल शास्त्री, विधा पद्य/गद्य, उप-विधा कविता/आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९५. (D) ई पाठ कविता/आलेखक रूपमे पद्य/गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९७. (B) खण्ड 2051, सूचकांक पंक्ति 742मे अच्छेलाल शास्त्रीक "'रणभूमि आ कविता'" प्रविष्टि पद्य/गद्य, कविता/आलेख आ "सामाजिक जागरण आ कविताक प्रेरणा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९८. (A) 'मानकताक बात विखपाद अछि !' — सूचकांक पंक्ति 743मे परमेश्वर कापडिक प्रविष्टि "'मानकताक बात विखपाद अछि !'" रूपमे देल अछि।

९९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१००. (C) निबन्ध — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "निबन्ध" अछि।

१०१. (D) नेपालक सन्दर्भमे मानकता आ भाषिक विखण्डनक विरोध — टिप्पणीक पहिल संकेत "नेपालक सन्दर्भमे मानकता आ भाषिक विखण्डनक विरोध" अछि।

१०२. (A) नेपालक सन्दर्भमे मानकता आ भाषिक विखण्डनक विरोध — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "नेपालक सन्दर्भमे मानकता आ भाषिक विखण्डनक विरोध" रूपमे देखाइत अछि।

१०३. (B) लेखक परमेश्वर कापडि, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०५. (D) ई पाठ निबन्धक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०७. (B) खण्ड 2052, सूचकांक पंक्ति 743मे परमेश्वर कापडिक "'मानकताक बात विखपाद अछि !'" प्रविष्टि गद्य, निबन्ध आ "नेपालक सन्दर्भमे मानकता आ भाषिक विखण्डनक विरोध" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०८. (A) 'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन' — सूचकांक पंक्ति 744मे अतुलेशरक प्रविष्टि "'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'" रूपमे देल अछि।

१०९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११०. (C) निबन्ध — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "निबन्ध" अछि।

१११. (D) मैथिली भाषा वैज्ञानिक अध्ययनक महत्व — टिप्पणीक पहिल संकेत "मैथिली भाषा वैज्ञानिक अध्ययनक महत्व" अछि।

११२. (A) मैथिली भाषा वैज्ञानिक अध्ययनक महत्व — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मैथिली भाषा वैज्ञानिक अध्ययनक महत्व" रूपमे देखाइत अछि।

११३. (B) लेखक अतुलेशर, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

११५. (D) ई पाठ निबन्धक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११७. (B) खण्ड 2053, सूचकांक पंक्ति 744मे अतुलेशरक "'पंडित गोविन्द झा, मैथिली आ अध्ययन'" प्रविष्टि गद्य, निबन्ध आ "मैथिली भाषा वैज्ञानिक अध्ययनक महत्व" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११८. (A) 'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा' — सूचकांक पंक्ति 745मे उमेश मण्डलक प्रविष्टि "'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'" रूपमे देल अछि।

११९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१२०. (C) रिपोर्ताज/संस्मरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "रिपोर्ताज/संस्मरण" अछि।

१२१. (D) मैथिली कथा गोष्ठीक सुन्दर विवरण — टिप्पणीक पहिल संकेत "मैथिली कथा गोष्ठीक सुन्दर विवरण" अछि।

१२२. (A) मैथिली कथा गोष्ठीक सुन्दर विवरण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मैथिली कथा गोष्ठीक सुन्दर विवरण" रूपमे देखाइत अछि।

१२३. (B) लेखक उमेश मण्डल, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/संस्मरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१२४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१२५. (D) ई पाठ रिपोर्ताज/संस्मरणक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१२७. (B) खण्ड 2054, सूचकांक पंक्ति 745मे उमेश मण्डलक "'निर्मलीसँ जनकपुर धाम' (रिपोर्ताज); 'सुपौलक कथा गोष्टी'; '७५म कथा गोष्टी'; 'मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/संस्मरण आ "मैथिली कथा गोष्ठीक सुन्दर विवरण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१२८. (A) 'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह' — सूचकांक पंक्ति 746मे संजीव कुमार 'शमा'क प्रविष्टि "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'" रूपमे देल अछि।

१२९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१३०. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "रिपोर्ताज" अछि।

१३१. (D) लालदास जयन्तीक आयोजन, कविता पाठ आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक विवरण — टिप्पणीक पहिल संकेत "लालदास जयन्तीक आयोजन, कविता पाठ आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक विवरण" अछि।

१३२. (A) लालदास जयन्तीक आयोजन, कविता पाठ आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक विवरण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "लालदास जयन्तीक आयोजन, कविता पाठ आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक विवरण" रूपमे देखाइत अछि।

१३३. (B) लेखक संजीव कुमार 'शमा', विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१३४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१३५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१३६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१३७. (B) खण्ड 2055, सूचकांक पंक्ति 746मे संजीव कुमार 'शमा'क "'महाकवि पं. लालदास जयन्ती समारोह'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ "लालदास जयन्तीक आयोजन, कविता पाठ आ सांस्कृतिक कार्यक्रमक विवरण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१३८. (A) 'मैथिली गजलपर परिचर्चा' — सूचकांक पंक्ति 747मे मुत्राजीक प्रविष्टि "'मैथिली गजलपर परिचर्चा'" रूपमे देल अछि।

१३९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१४०. (C) परिचर्चा/संयोजन — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “परिचर्चा/संयोजन” अछि।

१४१. (D) मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकासपर विमर्श — टिप्पणीक पहिल संकेत “मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकासपर विमर्श” अछि।

१४२. (A) मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकासपर विमर्श — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकासपर विमर्श” रूपमे देखाइत अछि।

१४३. (B) लेखक मुत्राजी, विधा गद्य, उप-विधा परिचर्चा/संयोजन — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१४४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१४५. (D) ई पाठ परिचर्चा/संयोजनक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१४६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१४७. (B) खण्ड 2056, सूचकांक पंक्ति 747मे मुत्राजीक “'मैथिली गजलपर परिचर्चा'” प्रविष्टि गद्य, परिचर्चा/संयोजन आ “मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकासपर विमर्श” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१४८. (A) 'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार) — सूचकांक पंक्ति 748मे गंगेश गुंजनक प्रविष्टि “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)” रूपमे देल अछि।

१४९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१५०. (C) आलेख/पत्र — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “आलेख/पत्र” अछि।

१५१. (D) गजलक मूल पाठ, रचनाकारक सतत सृजन-सक्रियता — टिप्पणीक पहिल संकेत “गजलक मूल पाठ, रचनाकारक सतत सृजन-सक्रियता” अछि।

१५२. (A) गजलक मूल पाठ, रचनाकारक सतत सृजन-सक्रियता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “गजलक मूल पाठ, रचनाकारक सतत सृजन-सक्रियता” रूपमे देखाइत अछि।

१५३. (B) लेखक गंगेश गुंजन, विधा गद्य, उप-विधा आलेख/पत्र — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१५४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१५५. (D) ई पाठ आलेख/पत्रक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१५६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१५७. (B) खण्ड 2057, सूचकांक पंक्ति 748मे गंगेश गुंजनक “'मैथिली गजलक उत्पत्ति आ विकास' (विचार)” प्रविष्टि गद्य, आलेख/पत्र आ “गजलक मूल पाठ, रचनाकारक सतत सृजन-सक्रियता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१५८. (A) 'मैथिली गजल : एक नजरिमे' — सूचकांक पंक्ति 749मे प्रेमचन्द्र पंकजक प्रविष्टि “'मैथिली गजल : एक नजरिमे'” रूपमे देल अछि।

१५९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१६०. (C) आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “आलेख” अछि।

१६१. (D) गजलक सहजता एवं भाव-चमत्कार — टिप्पणीक पहिल संकेत “गजलक सहजता एवं भाव-चमत्कार” अछि।

१६२. (A) गजलक सहजता एवं भाव-चमत्कार — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “गजलक सहजता एवं भाव-चमत्कार” रूपमे देखाइत अछि।

१६३. (B) लेखक प्रेमचन्द्र पंकज, विधा गद्य, उप-विधा आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१६४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१६५. (D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१६६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१६७. **(B) खण्ड 2058, सूचकांक पंक्ति 749मे प्रेमचन्द्र पंकजक "'मैथिली गजल : एक नजरिमे'" प्रविष्टि गद्य, आलेख आ "गजलक सहजता एवं भाव-चमत्कार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१६८. **(A) गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार** — सूचकांक पंक्ति 750मे राजेन्द्र बिमलक प्रविष्टि "गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार" रूपमे देल अछि।

१६९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१७०. **(C) साक्षात्कार/विचार** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "साक्षात्कार/विचार" अछि।

१७१. **(D) मैथिली गजलक भविष्य उज्जवल** — टिप्पणीक पहिल संकेत "मैथिली गजलक भविष्य उज्जवल" अछि।

१७२. **(A) मैथिली गजलक भविष्य उज्जवल** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मैथिली गजलक भविष्य उज्जवल" रूपमे देखाइत अछि।

१७३. **(B) लेखक राजेन्द्र बिमल, विधा गद्य, उप-विधा साक्षात्कार/विचार** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१७४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१७५. **(D) ई पाठ साक्षात्कार/विचारक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१७६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१७७. **(B) खण्ड 2059, सूचकांक पंक्ति 750मे राजेन्द्र बिमलक "गजलपर परिचर्चामे साक्षात्कार/विचार" प्रविष्टि गद्य, साक्षात्कार/विचार आ "मैथिली गजलक भविष्य उज्जवल" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१७८. **(A) 'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)** — सूचकांक पंक्ति 751मे मिहिर झाक प्रविष्टि "'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)" रूपमे देल अछि।

१७९. **(B) गद्य/पद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य/पद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१८०. **(C) आलेख** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "आलेख" अछि।

१८१. **(D) गजलक ऐतिहासिक विकास-यात्रा** — टिप्पणीक पहिल संकेत "गजलक ऐतिहासिक विकास-यात्रा" अछि।

१८२. **(A) मिथिलाक संस्कार ओ परिवेश** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मिथिलाक संस्कार ओ परिवेश" रूपमे देखाइत अछि।

१८३. **(B) लेखक मिहिर झा, विधा गद्य/पद्य, उप-विधा आलेख** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१८४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१८५. **(D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य/पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१८६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१८७. **(B) खण्ड 2060, सूचकांक पंक्ति 751मे मिहिर झाक "'मैथिली गजलक वर्तमान' (आलेख)" प्रविष्टि गद्य/पद्य, आलेख आ "मिथिलाक संस्कार ओ परिवेश" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१८८. **(A) 'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)** — सूचकांक पंक्ति 752मे ओमप्रकाश झाक प्रविष्टि "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)" रूपमे देल अछि।

१८९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१९०. **(C) आलेख** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "आलेख" अछि।

१९१. **(D) मैथिली गजलक संक्षिप्त इतिहास** — टिप्पणीक पहिल संकेत "मैथिली गजलक संक्षिप्त इतिहास" अछि।

१९२. **(A) मैथिली गजलक संक्षिप्त इतिहास** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मैथिली गजलक संक्षिप्त इतिहास" रूपमे देखाइत अछि।

१९३. **(B) लेखक ओमप्रकाश झा, विधा गद्य, उप-विधा आलेख** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१९४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१९५. (D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१९६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१९७. (B) खण्ड 2061, सूचकांक पंक्ति 752मे ओमप्रकाश झाक "'मैथिली गजल पर परिचर्चा' (विचार)" प्रविष्टि गद्य, आलेख आ "मैथिली गजलक संक्षिप्त इतिहास" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१९८. (A) 'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना' — सूचकांक पंक्ति 753मे धीरेन्द्र प्रेमर्षक प्रविष्टि "'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'" रूपमे देल अछि।

१९९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२००. (C) आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "आलेख" अछि।

२०१. (D) गीत आ गजलक अन्तर — टिप्पणीक पहिल संकेत "गीत आ गजलक अन्तर" अछि।

२०२. (A) गीत आ गजलक अन्तर — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "गीत आ गजलक अन्तर" रूपमे देखाइत अछि।

२०३. (B) लेखक धीरेन्द्र प्रेमर्ष, विधा गद्य, उप-विधा आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२०४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२०५. (D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२०६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२०७. (B) खण्ड 2062, सूचकांक पंक्ति 753मे धीरेन्द्र प्रेमर्षक "'मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना'" प्रविष्टि गद्य, आलेख आ "गीत आ गजलक अन्तर" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२०८. (A) 'मैथिली गजलक वर्तमान' — सूचकांक पंक्ति 754मे आशीष अनचिन्हारक प्रविष्टि "'मैथिली गजलक वर्तमान'" रूपमे देल अछि।

२०९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२१०. (C) आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "आलेख" अछि।

२११. (D) अनचिन्हार आखर ब्लॉगक माध्यमे गजलक शुद्धिकरण — टिप्पणीक पहिल संकेत "अनचिन्हार आखर ब्लॉगक माध्यमे गजलक शुद्धिकरण" अछि।

२१२. (A) अनचिन्हार आखर ब्लॉगक माध्यमे गजलक शुद्धिकरण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "अनचिन्हार आखर ब्लॉगक माध्यमे गजलक शुद्धिकरण" रूपमे देखाइत अछि।

२१३. (B) लेखक आशीष अनचिन्हार, विधा गद्य, उप-विधा आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२१४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२१५. (D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२१६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२१७. (B) खण्ड 2063, सूचकांक पंक्ति 754मे आशीष अनचिन्हारक "'मैथिली गजलक वर्तमान'" प्रविष्टि गद्य, आलेख आ "अनचिन्हार आखर ब्लॉगक माध्यमे गजलक शुद्धिकरण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२१८. (A) गजल पर परिचर्चामे विचार — सूचकांक पंक्ति 755मे शेफालिका वर्माक प्रविष्टि "गजल पर परिचर्चामे विचार" रूपमे देल अछि।

२१९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२२०. (C) आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "आलेख" अछि।

२२१. (D) गजलक प्रेम-मुहब्बत के रूप — टिप्पणीक पहिल संकेत "गजलक प्रेम-मुहब्बत के रूप" अछि।

२२२. (A) गजलक प्रेम-मुहब्बत के रूप — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "गजलक प्रेम-मुहब्बत के रूप" रूपमे देखाइत अछि।

२२३. (B) लेखक शेफालिका वर्मा, विधा गद्य, उप-विधा आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२२४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२२५. (D) ई पाठ आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२२६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२२७. (B) खण्ड 2064, सूचकांक पंक्ति 755मे शेफालिका वर्माक “गजल पर परिचर्चामे विचार” प्रविष्टि गद्य, आलेख आ “गजलक प्रेम-मुहब्बत के रूप” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२२८. (A) 'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री' — सूचकांक पंक्ति 756मे पूनम मण्डलक प्रविष्टि “'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'” रूपमे देल अछि।

२२९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२३०. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

२३१. (D) पद्म पुरस्कारक विवरण — टिप्पणीक पहिल संकेत “पद्म पुरस्कारक विवरण” अछि।

२३२. (A) पद्म पुरस्कारक विवरण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “पद्म पुरस्कारक विवरण” रूपमे देखाइत अछि।

२३३. (B) लेखक पूनम मण्डल, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२३४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२३५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२३६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२३७. (B) खण्ड 2065, सूचकांक पंक्ति 756मे पूनम मण्डलक “'महासुन्दरी देबीकेँ मिथिला चित्रकला लेल २०११ क पद्म श्री'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “पद्म पुरस्कारक विवरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२३८. (A) '२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना' — सूचकांक पंक्ति 757मे राजेन्द्र कुमार प्रधानक प्रविष्टि “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'” रूपमे देल अछि।

२३९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२४०. (C) शोध-आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शोध-आलेख” अछि।

२४१. (D) जगदीश प्रसाद मण्डल, गजेन्द्र ठाकूर आदिक उपन्यासमे राजनीतिक विश्लेषण — टिप्पणीक पहिल संकेत “जगदीश प्रसाद मण्डल, गजेन्द्र ठाकूर आदिक उपन्यासमे राजनीतिक विश्लेषण” अछि।

२४२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल, गजेन्द्र ठाकूर आदिक उपन्यासमे राजनीतिक विश्लेषण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “जगदीश प्रसाद मण्डल, गजेन्द्र ठाकूर आदिक उपन्यासमे राजनीतिक विश्लेषण” रूपमे देखाइत अछि।

२४३. (B) लेखक राजेन्द्र कुमार प्रधान, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२४४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२४५. (D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२४६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२४७. (B) खण्ड 2066, सूचकांक पंक्ति 757मे राजेन्द्र कुमार प्रधानक “'२१म शताब्दीक पहिल दशकक मैथिली उपन्यासमे राजनीतिक चेतना'” प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ “जगदीश प्रसाद मण्डल, गजेन्द्र ठाकूर आदिक उपन्यासमे राजनीतिक विश्लेषण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२४८. (A) 'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत' — सूचकांक पंक्ति 758मे विनीत उत्पलक प्रविष्टि “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'” रूपमे देल अछि।

२४९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२५०. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

२५१. (D) दिल्लीक सेक्स वर्करक जीवनक सचित्र वर्णन — टिप्पणीक पहिल संकेत “दिल्लीक सेक्स वर्करक जीवनक सचित्र वर्णन” अछि।

२५२. (A) दिल्लीक सेक्स वर्करक जीवनक सचित्र वर्णन — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “दिल्लीक सेक्स वर्करक जीवनक सचित्र वर्णन” रूपमे देखाइत अछि।

२५३. (B) लेखक विनीत उत्पल, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२५४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२५५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२५६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२५७. (B) खण्ड 2067, सूचकांक पंक्ति 758मे विनीत उत्पलक “'की अछि दिल्लीक जी.बी. रोडक कोठाक सत'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “दिल्लीक सेक्स वर्करक जीवनक सचित्र वर्णन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२५८. (A) 'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल' — सूचकांक पंक्ति 759मे सुजीत कुमार झाक प्रविष्टि “'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'” रूपमे देल अछि।

२५९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२६०. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

२६१. (D) नेपालमे मैथिली अनौपचारिक शिक्षाक सफलता — टिप्पणीक पहिल संकेत “नेपालमे मैथिली अनौपचारिक शिक्षाक सफलता” अछि।

२६२. (A) नेपालमे मैथिली अनौपचारिक शिक्षाक सफलता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “नेपालमे मैथिली अनौपचारिक शिक्षाक सफलता” रूपमे देखाइत अछि।

२६३. (B) लेखक सुजीत कुमार झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२६४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२६५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२६६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२६७. (B) खण्ड 2068, सूचकांक पंक्ति 759मे सुजीत कुमार झाक “'अनौपचारिक शिक्षामे मैथिली, पढ़ाइक हिसाबसँ प्रभावकारी भऽ रहल'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “नेपालमे मैथिली अनौपचारिक शिक्षाक सफलता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२६८. (A) 'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका' — सूचकांक पंक्ति 760मे डॉ. अरुण कुमार सिंहक प्रविष्टि “'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'” रूपमे देल अछि।

२६९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२७०. (C) शोध-आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शोध-आलेख” अछि।

२७१. (D) भाषा शिक्षण — टिप्पणीक पहिल संकेत “भाषा शिक्षण” अछि।

२७२. (A) भाषा शिक्षण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “भाषा शिक्षण” रूपमे देखाइत अछि।

२७३. (B) लेखक डॉ. अरुण कुमार सिंह, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२७४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२७५. (D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२७६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२७७. (B) खण्ड 2069, सूचकांक पंक्ति 760मे डॉ. अरुण कुमार सिंहक "'मैथिलेतर भाषी प्रदेशमे मैथिली सीखबा... कम्प्यूटर आ भाषा विज्ञानक भूमिका'" प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ "भाषा शिक्षण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२७८. (A) 'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी' — सूचकांक पंक्ति 761मे डॉ. शशिधर कुमरक प्रविष्टि "'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'" रूपमे देल अछि।

२७९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२८०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

२८१. (D) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रह — टिप्पणीक पहिल संकेत "जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रह" अछि।

२८२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रह — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रह" रूपमे देखाइत अछि।

२८३. (B) लेखक डॉ. शशिधर कुमर, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२८४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२८५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२८६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२८७. (B) खण्ड 2070, सूचकांक पंक्ति 761मे डॉ. शशिधर कुमरक "'पोथी समीक्षा : गामक जिनगी'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रह" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२८८. (A) 'के राखत रुमालक इज्जत?' — सूचकांक पंक्ति 762मे जितेन्द्र झाक प्रविष्टि "'के राखत रुमालक इज्जत?'" रूपमे देल अछि।

२८९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२९०. (C) रिपोर्ताज/आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "रिपोर्ताज/आलेख" अछि।

२९१. (D) शहीद दुर्गानन्द झाक स्मृति आ उपेक्षाक विरोध — टिप्पणीक पहिल संकेत "शहीद दुर्गानन्द झाक स्मृति आ उपेक्षाक विरोध" अछि।

२९२. (A) नेपालक राजनीतिक स्थिति — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "नेपालक राजनीतिक स्थिति" रूपमे देखाइत अछि।

२९३. (B) लेखक जितेन्द्र झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

२९४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

२९५. (D) ई पाठ रिपोर्ताज/आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

२९६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

२९७. (B) खण्ड 2071, सूचकांक पंक्ति 762मे जितेन्द्र झाक "'के राखत रुमालक इज्जत?'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/आलेख आ "नेपालक राजनीतिक स्थिति" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

२९८. (A) 'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी' — सूचकांक पंक्ति 763मे मानेश्वर मनुजक प्रविष्टि "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'" रूपमे देल अछि।

२९९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३००. (C) निबन्ध/समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "निबन्ध/समीक्षा" अछि।

३०१. (D) मुम्बइक यथार्थ — टिप्पणीक पहिल संकेत "मुम्बइक यथार्थ" अछि।

३०२. (A) मुम्बइक यथार्थ — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मुम्बइक यथार्थ" रूपमे देखाइत अछि।

३०३. (B) लेखक मानेश्वर मनुज, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३०४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३०५. (D) ई पाठ निबन्ध/समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३०६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३०७. (B) खण्ड 2072, सूचकांक पंक्ति 763मे मानेश्वर मनुजक "'मैथिल दृष्टिक प्रसंग मुम्बइसँ एक चिट्ठी'" प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/समीक्षा आ "मुम्बइक यथार्थ" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३०८. (A) 'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...' — सूचकांक पंक्ति 764मे नवेन्दु कुमार झाक प्रविष्टि "'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'" रूपमे देल अछि।

३०९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३१०. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "रिपोर्ताज" अछि।

३११. (D) भारत-नेपाल रेल संबंध — टिप्पणीक पहिल संकेत "भारत-नेपाल रेल संबंध" अछि।

३१२. (A) जाति व्यवस्था पर प्रो. शर्माक व्याख्यान — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "जाति व्यवस्था पर प्रो. शर्माक व्याख्यान" रूपमे देखाइत अछि।

३१३. (B) लेखक नवेन्दु कुमार झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३१४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३१५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३१६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३१७. (B) खण्ड 2073, सूचकांक पंक्ति 764मे नवेन्दु कुमार झाक "'रेल लाइन...' (समाचार); 'भारतीय सामाजिक बेवस्थामे... जाति बेवस्था'; 'प्रदेशमे लागत चौदहटा नव उद्योग...'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ "जाति व्यवस्था पर प्रो. शर्माक व्याख्यान" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३१८. (A) 'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य' — सूचकांक पंक्ति 765मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक प्रविष्टि "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'" रूपमे देल अछि।

३१९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३२०. (C) शोध-आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "शोध-आलेख" अछि।

३२१. (D) मिथिला चित्रकलाक शास्त्रीय विवेचना — टिप्पणीक पहिल संकेत "मिथिला चित्रकलाक शास्त्रीय विवेचना" अछि।

३२२. (A) मिथिला चित्रकलाक शास्त्रीय विवेचना — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मिथिला चित्रकलाक शास्त्रीय विवेचना" रूपमे देखाइत अछि।

३२३. (B) लेखक डॉ. कैलाश कुमार मिश्र, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३२४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३२५. (D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३२६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३२७. (B) खण्ड 2074, सूचकांक पंक्ति 765मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'मिथिला चित्रकला (पेटिंग): भूत, वर्तमान आ भविष्य'" प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ "मिथिला चित्रकलाक शास्त्रीय विवेचना" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३२८. (A) 'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)' — सूचकांक पंक्ति 766मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक प्रविष्टि "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'" रूपमे देल अछि।

३२९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३३०. (C) यात्रा-वृत्तान्त — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "यात्रा-वृत्तान्त" अछि।

३३१. (D) पूर्वोत्तर भारतक सजीव यात्रा-संस्मरण — टिप्पणीक पहिल संकेत "पूर्वोत्तर भारतक सजीव यात्रा-संस्मरण" अछि।

३३२. (A) पूर्वोत्तर भारतक सजीव यात्रा-संस्मरण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "पूर्वोत्तर भारतक सजीव यात्रा-संस्मरण" रूपमे देखाइत अछि।

३३३. (B) लेखक डॉ. कैलाश कुमार मिश्र, विधा गद्य, उप-विधा यात्रा-वृत्तान्त — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३३४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३३५. (D) ई पाठ यात्रा-वृत्तान्तक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३३६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३३७. (B) खण्ड 2075, सूचकांक पंक्ति 766मे डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक "'यायावरी-(हॉफलोंग; भावमय बुन्दावन; लोअर दिवांग घाटी...)'" प्रविष्टि गद्य, यात्रा-वृत्तान्त आ "पूर्वोत्तर भारतक सजीव यात्रा-संस्मरण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३३८. (A) 'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा) — सूचकांक पंक्ति 767मे मंत्रेशर झाक प्रविष्टि "'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)" रूपमे देल अछि।

३३९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३४०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

३४१. (D) जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास आ कथा साहित्यक पात्र विधान पर विमर्श — टिप्पणीक पहिल संकेत "जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास आ कथा साहित्यक पात्र विधान पर विमर्श" अछि।

३४२. (A) जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास आ कथा साहित्यक पात्र विधान पर विमर्श — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास आ कथा साहित्यक पात्र विधान पर विमर्श" रूपमे देखाइत अछि।

३४३. (B) लेखक मंत्रेशर झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३४४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३४५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३४६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३४७. (B) खण्ड 2076, सूचकांक पंक्ति 767मे मंत्रेशर झाक "'चरित्र चित्रणक बाजीगर-जगदीश प्रसाद मंडल' (समीक्षा)" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास आ कथा साहित्यक पात्र विधान पर विमर्श" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३४८. (A) 'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा) — सूचकांक पंक्ति 768मे आशीष अनचिन्हारक प्रविष्टि "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)" रूपमे देल अछि।

३४९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३५०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

३५१. (D) वियोगीक गजलमे शब्द चयन, काव्यगत त्रुटि आ समालोचनाक आधार — टिप्पणीक पहिल संकेत "वियोगीक गजलमे शब्द चयन, काव्यगत त्रुटि आ समालोचनाक आधार" अछि।

३५२. (A) वियोगीक गजलमे शब्द चयन, काव्यगत त्रुटि आ समालोचनाक आधार — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "वियोगीक गजलमे शब्द चयन, काव्यगत त्रुटि आ समालोचनाक आधार" रूपमे देखाइत अछि।

३५३. (B) लेखक आशीष अनचिन्हार, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३५४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३५५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३५६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३५७. (B) खण्ड 2077, सूचकांक पंक्ति 768मे आशीष अनचिन्हारक "'समालोचना- गजलक साक्ष्य' (तारानन्द वियोगीक गजल संग्रहक समीक्षा)" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "वियोगीक गजलमे शब्द चयन, काव्यगत त्रुटि आ समालोचनाक आधार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३५८. (A) 'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास' — सूचकांक पंक्ति 769मे डॉ. मेघन प्रसादक प्रविष्टि "'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'" रूपमे देल अछि।

३५९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३६०. (C) शोध-आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "शोध-आलेख" अछि।

३६१. (D) अनुवादक कला, चुनौती — टिप्पणीक पहिल संकेत "अनुवादक कला, चुनौती" अछि।

३६२. (A) अनुवादक कला, चुनौती — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "अनुवादक कला, चुनौती" रूपमे देखाइत अछि।

३६३. (B) लेखक डॉ. मेघन प्रसाद, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३६४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३६५. (D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३६६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३६७. (B) खण्ड 2078, सूचकांक पंक्ति 769मे डॉ. मेघन प्रसादक "'मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास'" प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ "अनुवादक कला, चुनौती" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३६८. (A) 'संवाद- कार्यशालाक आयोजन' — सूचकांक पंक्ति 770मे सुमित आनन्दक प्रविष्टि "'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'" रूपमे देल अछि।

३६९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३७०. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "रिपोर्ताज" अछि।

३७१. (D) भारतीय भाषा संस्थानक तत्वावधानमे ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयमे अनुवाद कार्यशाला — टिप्पणीक पहिल संकेत "भारतीय भाषा संस्थानक तत्वावधानमे ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयमे अनुवाद कार्यशाला" अछि।

३७२. (A) भारतीय भाषा संस्थानक तत्वावधानमे ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयमे अनुवाद कार्यशाला — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "भारतीय भाषा संस्थानक तत्वावधानमे ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयमे अनुवाद कार्यशाला" रूपमे देखाइत अछि।

३७३. (B) लेखक सुमित आनन्द, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३७४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३७५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३७६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३७७. (B) खण्ड 2079, सूचकांक पंक्ति 770मे सुमित आनन्दक "'संवाद- कार्यशालाक आयोजन'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ "भारतीय भाषा संस्थानक तत्वावधानमे ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयमे अनुवाद कार्यशाला" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३७८. (A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक "गामक जिनगी"' — सूचकांक पंक्ति 771मे धनाकर ठाकूरक प्रविष्टि "'जगदीश प्रसाद मंडलक "गामक जिनगी"'" रूपमे देल अछि।

३७९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३८०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समीक्षा” अछि।

३८१. (D) मंडलजीक कथा संग्रहक पात्र आ समाज — टिप्पणीक पहिल संकेत “मंडलजीक कथा संग्रहक पात्र आ समाज” अछि।

३८२. (A) मंडलजीक कथा संग्रहक पात्र आ समाज — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मंडलजीक कथा संग्रहक पात्र आ समाज” रूपमे देखाइत अछि।

३८३. (B) लेखक धनाकर ठाकूर, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३८४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३८५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३८६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३८७. (B) खण्ड 2080, सूचकांक पंक्ति 771मे धनाकर ठाकूरक “'जगदीश प्रसाद मंडलक “गामक जिनगी”'” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “मंडलजीक कथा संग्रहक पात्र आ समाज” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३८८. (A) 'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता' — सूचकांक पंक्ति 772मे बिपिन झाक प्रविष्टि “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'” रूपमे देल अछि।

३८९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३९०. (C) शोध-आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “शोध-आलेख” अछि।

३९१. (D) कम्प्यूटरीकृत अनुवादमे बहुअर्थी शब्द (बहुअर्थकता) क समस्या आ समाधान — टिप्पणीक पहिल संकेत “कम्प्यूटरीकृत अनुवादमे बहुअर्थी शब्द (बहुअर्थकता) क समस्या आ समाधान” अछि।

३९२. (A) कम्प्यूटरीकृत अनुवादमे बहुअर्थी शब्द (बहुअर्थकता) क समस्या आ समाधान — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “कम्प्यूटरीकृत अनुवादमे बहुअर्थी शब्द (बहुअर्थकता) क समस्या आ समाधान” रूपमे देखाइत अछि।

३९३. (B) लेखक बिपिन झा, विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

३९४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३९५. (D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३९६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३९७. (B) खण्ड 2081, सूचकांक पंक्ति 772मे बिपिन झाक “'यान्त्रिक अनुवाद आ बहुअर्थकता'” प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ “कम्प्यूटरीकृत अनुवादमे बहुअर्थी शब्द (बहुअर्थकता) क समस्या आ समाधान” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३९८. (A) 'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य' — सूचकांक पंक्ति 773मे वीरेन्द्र कुमार यादवक प्रविष्टि “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'” रूपमे देल अछि।

३९९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४००. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

४०१. (D) यज्ञ-मेलाक आडम्बर आ धार्मिक अन्धविश्वासपर व्यंग्य — टिप्पणीक पहिल संकेत “यज्ञ-मेलाक आडम्बर आ धार्मिक अन्धविश्वासपर व्यंग्य” अछि।

४०२. (A) यज्ञ-मेलाक आडम्बर आ धार्मिक अन्धविश्वासपर व्यंग्य — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “यज्ञ-मेलाक आडम्बर आ धार्मिक अन्धविश्वासपर व्यंग्य” रूपमे देखाइत अछि।

४०३. (B) लेखक वीरेन्द्र कुमार यादव, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४०४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४०५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४०६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४०७. (B) खण्ड 2082, सूचकांक पंक्ति 773मे वीरेन्द्र कुमार यादवक “'महाविष्णु यज्ञ-मेलाक दृश्य'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “यज्ञ-मेलाक आडम्बर आ धार्मिक अन्धविश्वासपर व्यंग्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४०८. (A) 'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७' — सूचकांक पंक्ति 774मे रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क प्रविष्टि “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'” रूपमे देल अछि।

४०९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४१०. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

४११. (D) काठमाण्डूमे सम्पन्न सम्मेलन — टिप्पणीक पहिल संकेत “काठमाण्डूमे सम्पन्न सम्मेलन” अछि।

४१२. (A) मिथिलारत्न आ मिथिलांशी सम्मानक विवरण — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मिथिलारत्न आ मिथिलांशी सम्मानक विवरण” रूपमे देखाइत अछि।

४१३. (B) लेखक रामभरोस कापड़ि "भ्रमर", विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४१४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४१५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४१६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४१७. (B) खण्ड 2083, सूचकांक पंक्ति 774मे रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"क “'अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन : २०६७'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “मिथिलारत्न आ मिथिलांशी सम्मानक विवरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४१८. (A) 'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल ‘मुदा' — सूचकांक पंक्ति 775मे रमेशक प्रविष्टि “'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल ‘मुदा'” रूपमे देल अछि।

४१९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४२०. (C) समालोचना — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समालोचना” अछि।

४२१. (D) मायानन्द मिश्रक कथा-साहित्यक सीमा आ विशेषता — टिप्पणीक पहिल संकेत “मायानन्द मिश्रक कथा-साहित्यक सीमा आ विशेषता” अछि।

४२२. (A) मायानन्द मिश्रक कथा-साहित्यक सीमा आ विशेषता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मायानन्द मिश्रक कथा-साहित्यक सीमा आ विशेषता” रूपमे देखाइत अछि।

४२३. (B) लेखक रमेश, विधा गद्य, उप-विधा समालोचना — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४२४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४२५. (D) ई पाठ समालोचनाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४२६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४२७. (B) खण्ड 2084, सूचकांक पंक्ति 775मे रमेशक “'प्रो. मायानन्द मिश्रक रमनगर कथामे लागल ‘मुदा'” प्रविष्टि गद्य, समालोचना आ “मायानन्द मिश्रक कथा-साहित्यक सीमा आ विशेषता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४२८. (A) 'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा) — सूचकांक पंक्ति 777मे रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क प्रविष्टि “'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)” रूपमे देल अछि।

४२९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४३०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समीक्षा” अछि।

४३१. (D) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रहक समीक्षा — टिप्पणीक पहिल संकेत “जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रहक समीक्षा” अछि।

४३२. (A) जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रहक समीक्षा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रहक समीक्षा” रूपमे देखाइत अछि।

४३३. (B) लेखक रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु), विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४३४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४३५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४३६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४३७. (B) खण्ड 2086, सूचकांक पंक्ति 777मे रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'गामक जिनगी' (पोथी समीक्षा)” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “जगदीश प्रसाद मण्डलक कथा संग्रहक समीक्षा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४३८. (A) 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार' — सूचकांक पंक्ति 778मे रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क प्रविष्टि “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'” रूपमे देल अछि।

४३९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४४०. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

४४१. (D) आरसी प्रसाद सिंह पर साहित्य अकादेमी आ बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयक आयोजन — टिप्पणीक पहिल संकेत “आरसी प्रसाद सिंह पर साहित्य अकादेमी आ बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयक आयोजन” अछि।

४४२. (A) आरसी प्रसाद सिंह पर साहित्य अकादेमी आ बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयक आयोजन — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “आरसी प्रसाद सिंह पर साहित्य अकादेमी आ बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयक आयोजन” रूपमे देखाइत अछि।

४४३. (B) लेखक रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु), विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४४४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४४५. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४४६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४४७. (B) खण्ड 2087, सूचकांक पंक्ति 778मे रमाकान्त राय ‘रमा’ (आचार्य दिव्यचक्षु)क “'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “आरसी प्रसाद सिंह पर साहित्य अकादेमी आ बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयक आयोजन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४४८. (A) 'गामक जिनगी' (समीक्षा) — सूचकांक पंक्ति 779मे डॉ. योगानन्द झाक प्रविष्टि “'गामक जिनगी' (समीक्षा)” रूपमे देल अछि।

४४९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४५०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समीक्षा” अछि।

४५१. (D) जगदीश प्र. मण्डलक कथा-संग्रहमे आस्था, जिजीविषा आ संघर्षक प्रवाह — टिप्पणीक पहिल संकेत “जगदीश प्र. मण्डलक कथा-संग्रहमे आस्था, जिजीविषा आ संघर्षक प्रवाह” अछि।

४५२. (A) जगदीश प्र. मण्डलक कथा-संग्रहमे आस्था, जिजीविषा आ संघर्षक प्रवाह — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “जगदीश प्र. मण्डलक कथा-संग्रहमे आस्था, जिजीविषा आ संघर्षक प्रवाह” रूपमे देखाइत अछि।

४५३. (B) लेखक डॉ. योगानन्द झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४५४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४५५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४५६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४५७. **(B) खण्ड 2088, सूचकांक पंक्ति 779मे डॉ. योगानन्द झाक "'गामक जिनगी' (समीक्षा)" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "जगदीश प्र. मण्डलक कथा-संग्रहमे आस्था, जिजीविषा आ संघर्षक प्रवाह" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४५८. **(A) 'उषा किरण खानक 'जाइ सँ पहिने' (समीक्षा)** — सूचकांक पंक्ति 780मे डॉ. योगानन्द झाक प्रविष्टि "'उषा किरण खानक 'जाइ सँ पहिने' (समीक्षा)" रूपमे देल अछि।

४५९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४६०. **(C) समीक्षा** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

४६१. **(D) सीता-चरित्रक आधुनिक सन्दर्भ** — टिप्पणीक पहिल संकेत "सीता-चरित्रक आधुनिक सन्दर्भ" अछि।

४६२. **(A) नारी-अस्मिताक गाथा** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "नारी-अस्मिताक गाथा" रूपमे देखाइत अछि।

४६३. **(B) लेखक डॉ. योगानन्द झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४६४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४६५. **(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४६६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४६७. **(B) खण्ड 2089, सूचकांक पंक्ति 780मे डॉ. योगानन्द झाक "'उषा किरण खानक 'जाइ सँ पहिने' (समीक्षा)" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "नारी-अस्मिताक गाथा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४६८. **(A) 'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'** — सूचकांक पंक्ति 781मे डॉ. योगानन्द झाक प्रविष्टि "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'" रूपमे देल अछि।

४६९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४७०. **(C) समीक्षा** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

४७१. **(D) जगदीश प्र. मंडलक उपन्यासक आदर्शवादी विचारधाराक विश्लेषण** — टिप्पणीक पहिल संकेत "जगदीश प्र. मंडलक उपन्यासक आदर्शवादी विचारधाराक विश्लेषण" अछि।

४७२. **(A) जगदीश प्र. मंडलक उपन्यासक आदर्शवादी विचारधाराक विश्लेषण** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "जगदीश प्र. मंडलक उपन्यासक आदर्शवादी विचारधाराक विश्लेषण" रूपमे देखाइत अछि।

४७३. **(B) लेखक डॉ. योगानन्द झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४७४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४७५. **(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४७६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४७७. **(B) खण्ड 2090, सूचकांक पंक्ति 781मे डॉ. योगानन्द झाक "'आदर्शक उपस्थापन- मौलाइल गाछक फूल'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "जगदीश प्र. मंडलक उपन्यासक आदर्शवादी विचारधाराक विश्लेषण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४७८. **(A) 'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'** — सूचकांक पंक्ति 782मे मानेश्वर मनुजक प्रविष्टि "'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'" रूपमे देल अछि।

४७९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४८०. **(C) समीक्षा** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

४८१. **(D) विभा रानीक कथा पर आलोचनात्मक दृष्टि** — टिप्पणीक पहिल संकेत "विभा रानीक कथा पर आलोचनात्मक दृष्टि" अछि।

४८२. **(A) विभा रानीक कथा पर आलोचनात्मक दृष्टि** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “विभा रानीक कथा पर आलोचनात्मक दृष्टि” रूपमे देखाइत अछि।

४८३. **(B) लेखक मानेश्वर मनुज, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४८४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४८५. **(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४८६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४८७. **(B) खण्ड 2091, सूचकांक पंक्ति 782मे मानेश्वर मनुजक “'बुच्ची दाइक निलामी कोना से देखू'” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “विभा रानीक कथा पर आलोचनात्मक दृष्टि” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४८८. **(A) 'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'** — सूचकांक पंक्ति 783मे मानेश्वर मनुजक प्रविष्टि “'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'” रूपमे देल अछि।

४८९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४९०. **(C) समालोचना** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समालोचना” अछि।

४९१. **(D) प्रेमचन्द आ मैथिली रूपान्तरण** — टिप्पणीक पहिल संकेत “प्रेमचन्द आ मैथिली रूपान्तरण” अछि।

४९२. **(A) प्रेमचन्द आ मैथिली रूपान्तरण** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “प्रेमचन्द आ मैथिली रूपान्तरण” रूपमे देखाइत अछि।

४९३. **(B) लेखक मानेश्वर मनुज, विधा गद्य, उप-विधा समालोचना** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४९४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४९५. **(D) ई पाठ समालोचनाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४९६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४९७. **(B) खण्ड 2092, सूचकांक पंक्ति 783मे मानेश्वर मनुजक “'मानसरोवरक भूमिकाक प्रासंगिकता'” प्रविष्टि गद्य, समालोचना आ “प्रेमचन्द आ मैथिली रूपान्तरण” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४९८. **(A) 'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'** — सूचकांक पंक्ति 784मे ज्योति झा चौधरीक प्रविष्टि “'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'” रूपमे देल अछि।

४९९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५००. **(C) रिपोर्ताज** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

५०१. **(D) लन्डनमे मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी** — टिप्पणीक पहिल संकेत “लन्डनमे मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी” अछि।

५०२. **(A) लन्डनमे मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “लन्डनमे मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी” रूपमे देखाइत अछि।

५०३. **(B) लेखक ज्योति झा चौधरी, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५०४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५०५. **(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५०६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५०७. **(B) खण्ड 2093, सूचकांक पंक्ति 784मे ज्योति झा चौधरीक “'इलिंग आर्ट ग्रुपक ९५म वार्षिक कला प्रदर्शनी/ यूके मे भेल २०११ क वार्षिक मिथिला सांस्कृतिक कार्यक्रम'” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “लन्डनमे मिथिला चित्रकला प्रदर्शनी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५०८. (A) 'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण' — सूचकांक पंक्ति 785मे शिव कुमार झा 'टिल्लू'क प्रविष्टि "'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'" रूपमे देल अछि।

५०९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५१०. (C) शोध-आलेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "शोध-आलेख" अछि।

५११. (D) मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श — टिप्पणीक पहिल संकेत "मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श" अछि।

५१२. (A) मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श" रूपमे देखाइत अछि।

५१३. (B) लेखक शिव कुमार झा 'टिल्लू', विधा गद्य, उप-विधा शोध-आलेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५१४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५१५. (D) ई पाठ शोध-आलेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५१६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५१७. (B) खण्ड 2094, सूचकांक पंक्ति 785मे शिव कुमार झा 'टिल्लू'क "'मैथिली उपन्यास साहित्यमे दलित पात्रक चित्रण'" प्रविष्टि गद्य, शोध-आलेख आ "मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५१८. (A) 'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा' — सूचकांक पंक्ति 786मे शिव कुमार झा 'टिल्लू'क प्रविष्टि "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'" रूपमे देल अछि।

५१९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५२०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

५२१. (D) गजेन्द्र ठाकुर, ज्योति चौधरी, राजदेव मंडल आदिक कृति पर विविध समीक्षा — टिप्पणीक पहिल संकेत "गजेन्द्र ठाकुर, ज्योति चौधरी, राजदेव मंडल आदिक कृति पर विविध समीक्षा" अछि।

५२२. (A) गजेन्द्र ठाकुर, ज्योति चौधरी, राजदेव मंडल आदिक कृति पर विविध समीक्षा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "गजेन्द्र ठाकुर, ज्योति चौधरी, राजदेव मंडल आदिक कृति पर विविध समीक्षा" रूपमे देखाइत अछि।

५२३. (B) लेखक शिव कुमार झा 'टिल्लू', विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५२४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५२५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५२६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५२७. (B) खण्ड 2095, सूचकांक पंक्ति 786मे शिव कुमार झा 'टिल्लू'क "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक/ अर्चिस/ मैथिली चित्रकथा/ अम्बरा'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "गजेन्द्र ठाकुर, ज्योति चौधरी, राजदेव मंडल आदिक कृति पर विविध समीक्षा" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५२८. (A) 'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य' — सूचकांक पंक्ति 787मे सुशान्त झाक प्रविष्टि "'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'" रूपमे देल अछि।

५२९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५३०. (C) विचार/निबन्ध — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "विचार/निबन्ध" अछि।

५३१. (D) मैथिली भाषा आ लिपिक प्रश्न — टिप्पणीक पहिल संकेत "मैथिली भाषा आ लिपिक प्रश्न" अछि।

५३२. (A) मैथिली भाषा आ लिपिक प्रश्न — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मैथिली भाषा आ लिपिक प्रश्न" रूपमे देखाइत अछि।

५३३. (B) लेखक सुशान्त झा, विधा गद्य, उप-विधा विचार/निबन्ध — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५३४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५३५. (D) ई पाठ विचार/निबन्धक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५३६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५३७. (B) खण्ड 2096, सूचकांक पंक्ति 787मे सुशान्त झाक "'मैथिली, मैथिल संस्कृति आ मिथिला राज्य'" प्रविष्टि गद्य, विचार/निबन्ध आ "मैथिली भाषा आ लिपिक प्रश्न" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५३८. (A) 'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा) — सूचकांक पंक्ति 788मे डॉ. बचेश्वर झाक प्रविष्टि "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)" रूपमे देल अछि।

५३९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५४०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

५४१. (D) जगदीश प्र. मंडलक उपन्यास — टिप्पणीक पहिल संकेत "जगदीश प्र. मंडलक उपन्यास" अछि।

५४२. (A) जगदीश प्र. मंडलक उपन्यास — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "जगदीश प्र. मंडलक उपन्यास" रूपमे देखाइत अछि।

५४३. (B) लेखक डॉ. बचेश्वर झा, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५४४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५४५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५४६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५४७. (B) खण्ड 2097, सूचकांक पंक्ति 788मे डॉ. बचेश्वर झाक "'मौलाइल गाछक फूल' (समीक्षा)" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "जगदीश प्र. मंडलक उपन्यास" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५४८. (A) 'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि' — सूचकांक पंक्ति 789मे राजेश्वर नेपालीक प्रविष्टि "'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'" रूपमे देल अछि।

५४९. (B) गद्य/पद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य/पद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५५०. (C) श्रद्धाञ्जलि/समालोचना — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "श्रद्धाञ्जलि/समालोचना" अछि।

५५१. (D) प्रतापनारायण झाक जीवनी आ रचना संसार — टिप्पणीक पहिल संकेत "प्रतापनारायण झाक जीवनी आ रचना संसार" अछि।

५५२. (A) प्रतापनारायण झाक जीवनी आ रचना संसार — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "प्रतापनारायण झाक जीवनी आ रचना संसार" रूपमे देखाइत अछि।

५५३. (B) लेखक राजेश्वर नेपाली, विधा गद्य/पद्य, उप-विधा श्रद्धाञ्जलि/समालोचना — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५५४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५५५. (D) ई पाठ श्रद्धाञ्जलि/समालोचनाक रूपमे गद्य/पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५५६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५५७. (B) खण्ड 2098, सूचकांक पंक्ति 789मे राजेश्वर नेपालीक "'कवि पं. प्रतापनारायण झाकें छअम पुण्यतिथिपर हार्दिक श्रद्धाञ्जलि'" प्रविष्टि गद्य/पद्य, श्रद्धाञ्जलि/समालोचना आ "प्रतापनारायण झाक जीवनी आ रचना संसार" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५५८. (A) 'उगना' — सूचकांक पंक्ति 790मे बसंत झाक प्रविष्टि "'उगना'" रूपमे देल अछि।

५५९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५६०. (C) लोककथा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "लोककथा" अछि।

५६१. (D) महाकवि विद्यापति आ उगना (महादेव)क लोककथा — टिप्पणीक पहिल संकेत “महाकवि विद्यापति आ उगना (महादेव)क लोककथा” अछि।

५६२. (A) महाकवि विद्यापति आ उगना (महादेव)क लोककथा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “महाकवि विद्यापति आ उगना (महादेव)क लोककथा” रूपमे देखाइत अछि।

५६३. (B) लेखक बसंत झा, विधा गद्य, उप-विधा लोककथा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५६४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५६५. (D) ई पाठ लोककथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५६६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५६७. (B) खण्ड 2099, सूचकांक पंक्ति 790मे बसंत झाक “'उगना'” प्रविष्टि गद्य, लोककथा आ “महाकवि विद्यापति आ उगना (महादेव)क लोककथा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५६८. (A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर' — सूचकांक पंक्ति 791मे जीवकान्तक प्रविष्टि “'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'” रूपमे देल अछि।

५६९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५७०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समीक्षा” अछि।

५७१. (D) मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश — टिप्पणीक पहिल संकेत “मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश” अछि।

५७२. (A) मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश” रूपमे देखाइत अछि।

५७३. (B) लेखक जीवकान्त, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५७४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५७५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५७६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५७७. (B) खण्ड 2100, सूचकांक पंक्ति 791मे जीवकान्तक “'जगदीश प्रसाद मंडलक ‘जिनगीक जीत’ उपन्यासपर'” प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ “मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५७८. (A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास “मौलाइल गाछक फूल”' — सूचकांक पंक्ति 792मे जीवकान्तक प्रविष्टि “'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास “मौलाइल गाछक फूल”'” रूपमे देल अछि।

५७९. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५८०. (C) समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “समीक्षा” अछि।

५८१. (D) मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश — टिप्पणीक पहिल संकेत “मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश” अछि।

५८२. (A) मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश” रूपमे देखाइत अछि।

५८३. (B) लेखक जीवकान्त, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५८४. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५८५. (D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५८६. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५८७. **(B) खण्ड 2101, सूचकांक पंक्ति 792मे जीवकान्तक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "मण्डलजीक उपन्यासक कथानक आ सन्देश" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५८८. **(A) 'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'** — सूचकांक पंक्ति 793मे धीरेन्द्र कुमारक प्रविष्टि "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'" रूपमे देल अछि।

५८९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५९०. **(C) समीक्षा** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

५९१. **(D) बाल साहित्य आ चित्रकलाक माध्यमे मैथिलीक समृद्धता** — टिप्पणीक पहिल संकेत "बाल साहित्य आ चित्रकलाक माध्यमे मैथिलीक समृद्धता" अछि।

५९२. **(A) बाल साहित्य आ चित्रकलाक माध्यमे मैथिलीक समृद्धता** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "बाल साहित्य आ चित्रकलाक माध्यमे मैथिलीक समृद्धता" रूपमे देखाइत अछि।

५९३. **(B) लेखक धीरेन्द्र कुमार, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५९४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५९५. **(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५९६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५९७. **(B) खण्ड 2102, सूचकांक पंक्ति 793मे धीरेन्द्र कुमारक "'प्रीति ठाकुरक गोनू झा आन मैथिली चित्रकथा आ मैथिली चित्रकथा'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "बाल साहित्य आ चित्रकलाक माध्यमे मैथिलीक समृद्धता" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५९८. **(A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'** — सूचकांक पंक्ति 794मे धीरेन्द्र कुमारक प्रविष्टि "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'" रूपमे देल अछि।

५९९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६००. **(C) समीक्षा** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

६०१. **(D) आदर्शवादी चित्रण** — टिप्पणीक पहिल संकेत "आदर्शवादी चित्रण" अछि।

६०२. **(A) आदर्शवादी चित्रण** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "आदर्शवादी चित्रण" रूपमे देखाइत अछि।

६०३. **(B) लेखक धीरेन्द्र कुमार, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६०४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६०५. **(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६०६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६०७. **(B) खण्ड 2103, सूचकांक पंक्ति 794मे धीरेन्द्र कुमारक "'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास- "मौलाइल गाछक फूल"'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "आदर्शवादी चित्रण" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६०८. **(A) 'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'** — सूचकांक पंक्ति 795मे राजदेव मंडलक प्रविष्टि "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'" रूपमे देल अछि।

६०९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६१०. **(C) पत्र** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "पत्र" अछि।

६११. **(D) गजेन्द्र ठाकूरक पोथी "कुरूक्षेत्रम्"क सराहना** — टिप्पणीक पहिल संकेत "गजेन्द्र ठाकूरक पोथी "कुरूक्षेत्रम्"क सराहना" अछि।

६१२. **(A) गजेन्द्र ठाकूरक पोथी "कुरूक्षेत्रम्"क सराहना** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "गजेन्द्र ठाकूरक पोथी "कुरूक्षेत्रम्"क सराहना" रूपमे देखाइत अछि।

६१३. **(B) लेखक राजदेव मंडल, विधा गद्य, उप-विधा पत्र** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६१४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६१५. **(D) ई पाठ पत्रक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६१६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६१७. **(B) खण्ड 2104, सूचकांक पंक्ति 795मे राजदेव मंडलक "'कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल पत्र'" प्रविष्टि गद्य, पत्र आ "गजेन्द्र ठाकूरक पोथी "कुरूक्षेत्रम्"क सराहना" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६१८. **(A) 'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''** — सूचकांक पंक्ति 796मे राजदेव मंडलक प्रविष्टि "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी''" रूपमे देल अछि।

६१९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६२०. **(C) समीक्षा** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "समीक्षा" अछि।

६२१. **(D) कथा-संग्रहक शैली, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भ** — टिप्पणीक पहिल संकेत "कथा-संग्रहक शैली, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भ" अछि।

६२२. **(A) कथा-संग्रहक शैली, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भ** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "कथा-संग्रहक शैली, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भ" रूपमे देखाइत अछि।

६२३. **(B) लेखक राजदेव मंडल, विधा गद्य, उप-विधा समीक्षा** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६२४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६२५. **(D) ई पाठ समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६२६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६२७. **(B) खण्ड 2105, सूचकांक पंक्ति 796मे राजदेव मंडलक "'जगदीश प्रसाद मंडलक लघुकथा संग्रह- 'गामक जिनगी'" प्रविष्टि गद्य, समीक्षा आ "कथा-संग्रहक शैली, भाषा आ सामाजिक सन्दर्भ" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६२८. **(A) 'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'** — सूचकांक पंक्ति 797मे कृपानन्द झाक प्रविष्टि "'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'" रूपमे देल अछि।

६२९. **(B) गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६३०. **(C) रिपोर्ताज** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "रिपोर्ताज" अछि।

६३१. **(D) चुनचुन मिश्रक जीवन, संघर्ष आ मैथिली आन्दोलन** — टिप्पणीक पहिल संकेत "चुनचुन मिश्रक जीवन, संघर्ष आ मैथिली आन्दोलन" अछि।

६३२. **(A) चुनचुन मिश्रक जीवन, संघर्ष आ मैथिली आन्दोलन** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "चुनचुन मिश्रक जीवन, संघर्ष आ मैथिली आन्दोलन" रूपमे देखाइत अछि।

६३३. **(B) लेखक कृपानन्द झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६३४. **(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६३५. **(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६३६. **(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६३७. **(B) खण्ड 2106, सूचकांक पंक्ति 797मे कृपानन्द झाक "'मैथिलक जन नायक चुनचुन मिश्र'" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ "चुनचुन मिश्रक जीवन, संघर्ष आ मैथिली आन्दोलन" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 10क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६३८. **(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ** — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ द्वितीय अंक प्रारम्भ सँ जोड़ैत अछि।

६३९. **(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ** — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

६४०. **(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ** — सुरक्षित पठन स्रोत-सार द्वितीय अंक प्रारम्भ धरि सीमित रहैत अछि।

६४१. **(A) शीर्षक द्वितीय अंक प्रारम्भ दिस संकेत करैत अछि** — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

६४२. **(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ** — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल द्वितीय अंक प्रारम्भ सँ बनैत अछि।

६४३. **(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब** — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

६४४. **(A) द्वितीय अंक प्रारम्भ** — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ द्वितीय अंक प्रारम्भक आधार पर ग्रहणीय अछि।

६४५. **(A) द्वितीय अंक प्रारम्भक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब** — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

६४६. **(A) नाटकक रूप द्वितीय अंक प्रारम्भ कैं स्पष्ट करैत अछि** — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

६४७. **(A) उत्तरकैं द्वितीय अंक प्रारम्भ धरि सीमित राखब** — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

६४८. **(A) दसम किस्त** — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं दसम किस्त सँ जोड़ैत अछि।

६४९. **(A) दसम किस्त** — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

६५०. **(A) दसम किस्त** — सुरक्षित पठन स्रोत-सार दसम किस्त धरि सीमित रहैत अछि।

६५१. **(A) शीर्षक दसम किस्त दिस संकेत करैत अछि** — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

६५२. **(A) दसम किस्त** — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल दसम किस्त सँ बनैत अछि।

६५३. **(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब** — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

६५४. **(A) दसम किस्त** — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दसम किस्तक आधार पर ग्रहणीय अछि।

६५५. **(A) दसम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब** — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

६५६. **(A) उपन्यासक रूप दसम किस्त कैं स्पष्ट करैत अछि** — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

६५७. **(A) उत्तरकैं दसम किस्त धरि सीमित राखब** — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

६५८. **(A) दसम किस्त** — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं दसम किस्त सँ जोड़ैत अछि।

६५९. **(A) दसम किस्त** — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

६६०. **(A) दसम किस्त** — सुरक्षित पठन स्रोत-सार दसम किस्त धरि सीमित रहैत अछि।

६६१. **(A) शीर्षक दसम किस्त दिस संकेत करैत अछि** — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

६६२. **(A) दसम किस्त** — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल दसम किस्त सँ बनैत अछि।

६६३. **(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब** — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

६६४. **(A) दसम किस्त** — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दसम किस्तक आधार पर ग्रहणीय अछि।

६६५. **(A) दसम किस्तक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब** — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

६६६. **(A) महाकाव्यक रूप दसम किस्त कैं स्पष्ट करैत अछि** — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

६६७. **(A) उत्तरकैं दसम किस्त धरि सीमित राखब** — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

६६८. **(A) अंक १० केर कथा** — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं अंक १० केर कथा सँ जोड़ैत अछि।

६६९. **(A) अंक १० केर कथा** — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

६७०. **(A) अंक १० केर कथा** — सुरक्षित पठन स्रोत-सार अंक १० केर कथा धरि सीमित रहैत अछि।

६७१. **(A) शीर्षक अंक १० केर कथा दिस संकेत करैत अछि** — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

६७२. **(A) अंक १० केर कथा** — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल अंक १० केर कथा सँ बनैत अछि।

६७३. **(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब** — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

६७४. **(A) अंक १० केर कथा** — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ अंक १० केर कथाक आधार पर ग्रहणीय अछि।

६७५. **(A) अंक १० केर कथाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब** — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

६७६. **(A) कथाक रूप अंक १० केर कथा कैँ स्पष्ट करैत अछि** — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

६७७. **(A) उत्तरकैँ अंक १० केर कथा धरि सीमित राखब** — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

६७८. **(A) विस्मृत कविता** — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ विस्मृत कविता सँ जोड़ैत अछि।

६७९. **(A) विस्मृत कविता** — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

६८०. **(A) विस्मृत कविता** — सुरक्षित पठन स्रोत-सार विस्मृत कविता धरि सीमित रहैत अछि।

६८१. **(A) शीर्षक विस्मृत कविता दिस संकेत करैत अछि** — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

६८२. **(A) विस्मृत कविता** — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल विस्मृत कविता सँ बनैत अछि।

६८३. **(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब** — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

६८४. **(A) विस्मृत कविता** — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ विस्मृत कविताक आधार पर ग्रहणीय अछि।

६८५. **(A) विस्मृत कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब** — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

६८६. **(A) पद्यक रूप विस्मृत कविता कैँ स्पष्ट करैत अछि** — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

६८७. **(A) उत्तरकैँ विस्मृत कविता धरि सीमित राखब** — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

६८८. **(A) आधुनिक पद्य** — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ आधुनिक पद्य सँ जोड़ैत अछि।

६८९. **(A) आधुनिक पद्य** — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

६९०. **(A) आधुनिक पद्य** — सुरक्षित पठन स्रोत-सार आधुनिक पद्य धरि सीमित रहैत अछि।

६९१. **(A) शीर्षक आधुनिक पद्य दिस संकेत करैत अछि** — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

६९२. **(A) आधुनिक पद्य** — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल आधुनिक पद्य सँ बनैत अछि।

६९३. **(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब** — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

६९४. **(A) आधुनिक पद्य** — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ आधुनिक पद्यक आधार पर ग्रहणीय अछि।

६९५. **(A) आधुनिक पद्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब** — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

६९६. **(A) पद्यक रूप आधुनिक पद्य कैँ स्पष्ट करैत अछि** — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

६९७. **(A) उत्तरकैँ आधुनिक पद्य धरि सीमित राखब** — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

६९८. **(A) धारावाहिक** — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ धारावाहिक सँ जोड़ैत अछि।

६९९. **(A) धारावाहिक** — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

७००. **(A) धारावाहिक** — सुरक्षित पठन स्रोत-सार धारावाहिक धरि सीमित रहैत अछि।

७०१. **(A) शीर्षक धारावाहिक दिस संकेत करैत अछि** — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

७०२. **(A) धारावाहिक** — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल धारावाहिक सँ बनैत अछि।

७०३. **(A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब** — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

७०४. **(A) धारावाहिक** — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ धारावाहिकक आधार पर ग्रहणीय अछि।

७०५. **(A) धारावाहिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब** — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

७०६. **(A) संस्कृत-शिक्षाक रूप धारावाहिक कैँ स्पष्ट करैत अछि** — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

७०७. **(A) उत्तरकैँ धारावाहिक धरि सीमित राखब** — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

७०८. **(A) चित्र सहित** — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ चित्र सहित सँ जोड़ैत अछि।

७०९. **(A) चित्र सहित** — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

७१०. **(A) चित्र सहित** — सुरक्षित पठन स्रोत-सार चित्र सहित धरि सीमित रहैत अछि।

७११. **(A) शीर्षक चित्र सहित दिस संकेत करैत अछि** — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

७१२. (A) चित्र सहित — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल चित्र सहित सँ बनैत अछि।

७१३. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

७१४. (A) चित्र सहित — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ चित्र सहितक आधार पर ग्रहणीय अछि।

७१५. (A) चित्र सहितक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

७१६. (A) मिथिला कलाक रूप चित्र सहित कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

७१७. (A) उत्तरकैँ चित्र सहित धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

७१८. (A) लोककथा — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ लोककथा सँ जोड़ैत अछि।

७१९. (A) लोककथा — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

७२०. (A) लोककथा — सुरक्षित पठन स्रोत-सार लोककथा धरि सीमित रहैत अछि।

७२१. (A) शीर्षक लोककथा दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

७२२. (A) लोककथा — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल लोककथा सँ बनैत अछि।

७२३. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

७२४. (A) लोककथा — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ लोककथाक आधार पर ग्रहणीय अछि।

७२५. (A) लोककथाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

७२६. (A) बालानां कृतेक रूप लोककथा कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

७२७. (A) उत्तरकैँ लोककथा धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

७२८. (A) सांस्कृतिक निबंध — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैँ सांस्कृतिक निबंध सँ जोड़ैत अछि।

७२९. (A) सांस्कृतिक निबंध — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

७३०. (A) सांस्कृतिक निबंध — सुरक्षित पठन स्रोत-सार सांस्कृतिक निबंध धरि सीमित रहैत अछि।

७३१. (A) शीर्षक सांस्कृतिक निबंध दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

७३२. (A) सांस्कृतिक निबंध — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल सांस्कृतिक निबंध सँ बनैत अछि।

७३३. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

७३४. (A) सांस्कृतिक निबंध — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ सांस्कृतिक निबंधक आधार पर ग्रहणीय अछि।

७३५. (A) सांस्कृतिक निबंधक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

७३६. (A) निबंधक रूप सांस्कृतिक निबंध कैँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

७३७. (A) उत्तरकैँ सांस्कृतिक निबंध धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

अध्याय ४ : विदेह-सदेह ११ — विस्तृत अध्ययन

खण्ड ७ : विदेह-सदेह ११ — डिजिटल भाषा-सक्रियता

१. विदेहक तेसर अंक (१ फरबरी २००८) मे की सूचित कएल गेल छल?

(A) विकीपीडियापर मैथिलीमे लेख नहि छल

(B) मैथिली पूर्ण मान्यताप्राप्त छल

(C) कोनो नहि

(D) विदेह बन्द भेल

२. मैथिली विकीपीडियाक स्थानीयकरण परियोजनामे के काज कऽ रहल छलाह?

(A) उमेश मंडल

(B) गजेन्द्र ठाकुर

(C) विभा रानी

(D) कोनो नहि

३. राजेश रंजन आ संगीता कुमारी कोन प्रोजेक्टसँ जुड़ल छथि?

(A) मैथिली फेडोरा/फ्यूल प्रोजेक्ट

(B) केवल विदेह

(C) केवल साहित्य अकादेमी

(D) कोनो नहि

४. राजेश रंजन आ संगीता कुमारी कोन ब्राउजरकेँ मैथिलीमे उपलब्ध केलनि?

(A) फायरफॉक्स (मोजिला)

(B) गूगल क्रोम

(C) इन्टरनेट एक्सप्लोरर

(D) कोनो नहि

५. मैथिली स्पेलचेकर के बनेलनि?

(A) राजेश रंजन आ संगीता कुमारी

(B) गजेन्द्र ठाकुर

(C) उमेश मण्डल

(D) कोनो नहि

६. गूगल पहिने मैथिलीकेँ कोन गलत नामसँ वर्गीकृत करैत छल?

(A) बिहारी (Bihari)

(B) हिन्दी

(C) नेपाली

(D) कोनो नहि

७. विदेहक विरोधक बाद गूगल की मानि लेलक?

(A) बिहारी नाम्ना कोनो भाषा नहि अछि

(B) मैथिली नकली भाषा अछि

(C) कोनो नहि

(D) विरोध अनुचित छल

८. विदेहक प्रयाससँ गूगल सर्च इन्जिनमे की भेल?

(A) मैथिली अलग भाषाक रूपमे मान्यता पाओलक

(B) कोनो परिवर्तन नहि भेल

(C) मैथिली हटाओल गेल

(D) कोनो नहि

९. मिथिलाक्षर आ कैथी लिपि यूनिकोडमे एनकोड करबाक आवेदन के देलनि?

(A) अंशुमन पाण्डेय

(B) गजेन्द्र ठाकुर

(C) राजेश रंजन

(D) कोनो नहि

१०. गूगल ट्रांसलेटर टूलकिटमे मैथिलीकेँ कोन रूपमे स्थान भेटल?

(A) सोर्स आ टार्गेट दुनू भाषाक रूपमे

(B) केवल सोर्स

(C) केवल टार्गेट

(D) कोनो स्थान नहि

११. स्व. वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'क जन्म कहिया भेल?

(A) १९११

(B) १९२१

(C) १९३१

(D) १९०१

१२. यात्रीजीक जन्म कतय भेल?

(A) मामागाम सतलखा

(B) पैतृक गाम तरौनी

(C) दिल्ली

(D) काशी

१३. यात्रीजीक देहान्त कहिया भेल?

(A) १९९८

(B) १९८८

(C) २००८

(D) १९७८

१४. यात्रीजीक पत्नीक नाम की छल?

(A) अपराजिता

(B) लखिमा

(C) सीता

(D) कोनो नहि

१५. यात्री 'समग्र' मे 'बलचनमा' केँ किएक नहि लेल गेल?

(A) ओ हिन्दीक कृति अछि, मैथिली अनुवाद भ्रष्ट अछि

(B) ओ छोट अछि

(C) ओ प्रसिद्ध नहि अछि

(D) कोनो नहि

खण्ड ३६ : विदेह-सदेह ११ — विदेह गोष्ठी आ कवि सम्मेलन (विस्तार)

१६. विदेह-सदेह ११ अनुसार एकटा स्थानीय कवि सम्मेलनक मुख्य अतिथि के छलाह?

(A) जगदीश प्रसाद मण्डल

(B) गजेन्द्र ठाकुर

(C) विभा रानी

(D) कोनो नहि

१७. एहि कवि सम्मेलनक विशेषता की रहल, श्रोता लोकनिक कथन अनुसार?

(A) ऐ इलाकामे एहन कार्यक्रम पहिल बेर आयोजित भेल

(B) सामान्य आयोजन छल

(C) विदेशी आयोजन छल

(D) कोनो नहि

१८. एहि कार्यक्रमक संचालन-भाषाक विषयमे की विशेष उल्लेख अछि?

(A) पहिल बेर कार्यक्रम-संचालन मैथिलीमे भेल (पहिने हिन्दीमे होइत छल)

(B) केवल अंग्रेजी

(C) केवल संस्कृत

(D) कोनो नहि

१९. 'विदेह गोष्ठी' कोन मासमे नियमित रूपें आयोजित होइत रहल अछि?

(A) दिसम्बर

(B) जनवरी

(C) जून

(D) कोनो नहि

२०. विदेह गोष्ठी कतेक वर्ष धरि निरन्तर आयोजित होएबाक उल्लेख विदेह-सदेह ११ मे अछि?

(A) कम-सँ-कम तीन वर्ष (२००८, २००९, २०१०)

(B) केवल एक वर्ष

(C) दस वर्ष

(D) कोनो नहि

२१. 'विकीपीडियापर मैथिली' शीर्षक खण्डमे कोन अंकक सन्दर्भ देल गेल अछि?

(A) विदेहक तेसर अंक (१ फरबरी २००८)

(B) प्रथम अंक

(C) ५०म अंक

(D) कोनो नहि

२२. राजेश रंजन आ संगीता कुमारी कतयक छथि?

(A) मधेपुरा

(B) दरभंगा

(C) पटना

(D) कोनो नहि

२३. 'हिन्दीक साम्राज्यवाद' सम्बन्धी विचार विदेह-सदेह ११ मे केकर मतसँ जुड़ल अछि?

(A) सम्पादकीय/लेखकीय टिप्पणी

(B) विदेशी विद्वान

(C) कोनो नहि

(D) केवल अनुमान

खण्ड 2107 : विदेह-सदेह 11 — गजेन्द्र ठाकूर: सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्...

२४. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक "सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/ विषय कोन अछि?

(A) सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२५. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक "सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक "सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक "सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) विदेहक प्रधान सम्पादक

२८. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक “सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र “यात्री”/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भाषा-प्रौद्योगिकी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२९. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक “सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र “यात्री”/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा गद्य, उप-विधा सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक “सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र “यात्री”/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३१. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक “सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र “यात्री”/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी”कैँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३२. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: गजेन्द्र ठाकूरक “सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वांक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र “यात्री”/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३. खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798मे गजेन्द्र ठाकूरक “सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वाक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र “यात्री”/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्रिवटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी” प्रविष्टि गद्य, सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताज आ “भाषा-प्रौद्योगिकी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2108 : विदेह-सदेह 11 — शिव कुमार झा “टिल्लू”: सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल

३४. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३५. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) सम्पादकीय/निबन्ध

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) जातिवाद विरोधी

३८. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जातिवाद विरोधी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३९. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शिव कुमार झा “टिल्लू”, विधा गद्य, उप-विधा सम्पादकीय/निबन्ध

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४१. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल”कैं विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ सम्पादकीय/निबन्धक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४२. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३. खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799मे शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल” प्रविष्टि गद्य, सम्पादकीय/निबन्ध आ “जातिवाद विरोधी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2109 : विदेह-सदेह 11 — डा. अरुण कुमार सिंह: उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्त...

४४. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४५. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) निबन्ध/संस्मरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ग्रामीण-शहरी विभाजन

४८. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) भाषा-समाजशास्त्र

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४९. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डा. अरुण कुमार सिंह, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/संस्मरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५१. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति”केँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ निबन्ध/संस्मरणक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५२. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३. खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800मे डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/संस्मरण आ “भाषा-समाजशास्त्र” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2110 : विदेह-सदेह 11 — राम भरोस कापडि भ्रमर: मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकन...

५४. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक "मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न" प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५५. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक "मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न"क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक "मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न"क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक "मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न" पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) लोकनायक सलहेस

५८. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक "मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न" प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) लोकनायक सलहेस

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५९. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक "मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक राम भरोस कापडि भ्रमर, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक "मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६१. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक “मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न”कैं विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

६२. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: राम भरोस कापडि भ्रमरक “मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३. खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801मे राम भरोस कापडि भ्रमरक “मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “लोकनायक सलहेस” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2111 : विदेह-सदेह 11 — मधुपनाथ झा: बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)

६४. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६५. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज/अनुवाद

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) फणीश्वरनाथ रेणु

६८. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली लोकनाट्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६९. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक मधुपनाथ झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/अनुवाद

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७१. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)”कैँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताज/अनुवादक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

७२. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३. खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802मे मधुपनाथ झाक “बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/अनुवाद आ “मैथिली लोकनाट्य” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2112 : विदेह-सदेह 11 — अतुलेशर: सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग,...

७४. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७५. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) निबन्ध/टिप्पणी

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आलोचनात्मक

७८. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) जातिवाद विरोधी

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७९. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक अतुलेशर, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/टिप्पणी

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८१. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति”कैं विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ निबन्ध/टिप्पणीक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

८२. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३. खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803मे अतुलेशरक “सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/टिप्पणी आ “जातिवाद विरोधी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2113 : विदेह-सदेह 11 — विनीत उत्पल: आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगम...

८४. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८५. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) निबन्ध/रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आधुनिक मैथिली नाटक

८८. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) आधुनिक मैथिली नाटक

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८९. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक विनीत उत्पल, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९१. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना”केँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ निबन्ध/रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

९२. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३. खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804मे विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/रिपोर्ताज आ “आधुनिक मैथिली नाटक” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2114 : विदेह-सदेह 11 — पूनम मण्डल: आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृत...

९४. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९५. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज/संस्मरण

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आरती कुमारीक स्मृति

९८. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मिथिला सांस्कृतिक समारोह

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९९. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक पूनम मण्डल, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/संस्मरण

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०१. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२”केँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताज/संस्मरणक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०२. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३. खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805मे पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/संस्मरण आ “मिथिला सांस्कृतिक समारोह” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2115 : विदेह-सदेह 11 — आशीष अनिचन्हार: मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय...

१०४. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०५. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज/परिचय

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) गजलकार परिचय

१०८. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) गजलकार परिचय

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०९. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक आशीष अनिचन्हार, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/परिचय

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१११. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय”कैँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताज/परिचयक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

११२. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११३. खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806मे आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/परिचय आ “गजलकार परिचय” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2116 : विदेह-सदेह 11 — सुमित आनन्द: सोसाइटी टुडेक लोकापण

११४. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) सोसाइटी टुडेक लोकापण

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११५. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११६. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११७. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) पत्रिका लोकार्पण समारोह

११८. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) पत्रिका लोकार्पण समारोह

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११९. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सुमित आनन्द, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२०. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२१. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण”केँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१२२. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२३. खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807मे सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “पत्रिका लोकार्पण समारोह” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2117 : विदेह-सदेह 11 — परमेश्वर कापडि: मिथिला राज्य संघर्ष समिति

१२४. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) मिथिला राज्य संघर्ष समिति

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२५. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२६. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) रिपोर्ताज

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२७. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मिथिला राज्य आन्दोलन

१२८. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मिथिला राज्य आन्दोलन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२९. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक परमेश्वर कापडि, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३०. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३१. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति”केँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१३२. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३३. खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808मे परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “मिथिला राज्य आन्दोलन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2118 : विदेह-सदेह 11 — डॉ. दमन कुमार झा: एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य

१३४. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३५. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) गद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३६. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) निबन्ध/समीक्षा

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३७. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) मैथिली बाल साहित्यक समीक्षा

१३८. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) मैथिली बाल साहित्यक समीक्षा

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३९. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक डॉ. दमन कुमार झा, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/समीक्षा

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४०. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४१. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य”केँ विदेह-सदेह 11क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ निबन्ध/समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१४२. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४३. खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809मे डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/समीक्षा आ “मैथिली बाल साहित्यक समीक्षा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2119 : विदेह-सदेह 11 — सन्दीप कुमार साप्ति: अपन गाँव

१४४. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) अपन गाँव

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४५. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४६. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) कविता

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४७. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ग्रामीण जीवन

१४८. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) ग्रामीण जीवन

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४९. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक सन्दीप कुमार साप्ति, विधा पद्य, उप-विधा कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५०. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५१. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव”केँ विदेह-सदेह 11क पद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ कविताक रूपमे पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१५२. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५३. खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810मे सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव” प्रविष्टि पद्य, कविता आ “ग्रामीण जीवन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2120 : विदेह-सदेह 11 — शान्तिलक्ष्मी चौधरी: गजल १ - ४

१५४. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) गजल १ - ४

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५५. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५६. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) गजल

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५७. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) महिला गजलकार

१५८. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) सामाजिक विषय

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१५९. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा पद्य, उप-विधा गजल

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६०. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६१. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४”केँ विदेह-सदेह 11क पद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ गजलक रूपमे पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१६२. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६३. खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४” प्रविष्टि पद्य, गजल आ “सामाजिक विषय” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 2121 : विदेह-सदेह 11 — रमेश रञ्जन: बारुद

१६४. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

(A) बारुद

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६५. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद”क मुख्य विधा कोन अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) पद्य

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६६. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) कविता

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६७. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) आन्दोलनकारी कविता

१६८. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

(A) आन्दोलनकारी कविता

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६९. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) लेखक रमेश रञ्जन, विधा पद्य, उप-विधा कविता

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७०. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७१. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद”कैं विदेह-सदेह 11क पद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

(D) ई पाठ कविताक रूपमे पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१७२. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: रमेश रञ्जनक “बारुद” प्रविष्टि विदेह-सदेह 11क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

(A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।

(B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७३. खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812: एहि खण्डक सार की अछि?

(A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।

(B) खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812मे रमेश रञ्जनक “बारुद” प्रविष्टि पद्य, कविता आ “आन्दोलनकारी कविता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि।

(C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।

(D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

उत्तरमाला — अध्याय ४ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) विकीपीडियापर मैथिलीमे लेख नहि छल — विदेहक तेसर अंकमे सूचित कएल गेल छल जे विकीपीडियापर मैथिलीपर लेख तँ छल मुदा मैथिलीमे लेख नहि छल, कारण मैथिली विकीपीडियाकैं स्वीकृति नहि भेटल छल।

२. (A) उमेश मंडल — उमेश मंडल विकीपीडियापर मैथिलीक स्थानीयकरण परियोजनामे काज कऽ रहल छलाह।

३. (A) मैथिली फेडोरा/फ्यूल प्रोजेक्ट — राजेश रंजन आ संगीता कुमारी मैथिली फेडोरा प्रोजेक्ट/ फ्यूल प्रोजेक्टसँ जुड़ल छथि।

४. (A) फायरफॉक्स (मोजिला) — राजेश रंजन आ संगीता कुमारी फायरफॉक्स (मोजिला) ब्राउजरकैं मैथिली भाषामे उपलब्ध करबाक काज केलनि।

५. (A) राजेश रंजन आ संगीता कुमारी — मैथिली स्पेलचेकर राजेश रंजन आ संगीता कुमारी द्वारा बनाओल गेल।

६. (A) बिहारी (Bihari) — गूगल पहिने मैथिलीकैं ‘बिहारी’ नामक कोनो भाषाक रूपमे वर्गीकृत करैत छल, जकर विदेह विरोध केलक।

७. (A) बिहारी नाम्ना कोनो भाषा नहि अछि — विदेहक विरोधक बाद गूगल मानि लेलक जे ‘बिहारी’ नाम्ना कोनो भाषा नहि होइत अछि, आ मैथिलीकैं अलग भाषाक रूपमे मान्यता देलक।

८. (A) मैथिली अलग भाषाक रूपमे मान्यता पाओलक — विदेहक प्रयास आ विरोधक बाद गूगल सर्च इन्जिनमे मैथिलीकैं अलग भाषाक रूपमे मान्यता भेटल।

९. (A) अंशुमन पाण्डेय — मिथिलाक्षर आ कैथी दुनू लिपिकैं यूनिकोडमे एनकोड करबाक आवेदन अंशुमन पाण्डेय द्वारा देल गेल, जे स्वीकृत भेल।

१०. (A) सोर्स आ टार्गेट दुनू भाषाक रूपमे — गूगल ट्रांसलेटर टूलकिटमे मैथिलीकैं सोर्स आ टार्गेट दुनू भाषाक रूपमे स्थान भेटल।

११. (A) १९११ — स्व. वैद्यनाथ मिश्र ‘यात्री’क जन्म सन् १९११ ई.मे भेल।

१२. (A) मामागाम सतलखा — यात्रीजीक जन्म अपन मामागाम सतलखामे भेल, जे हुनकर पैतृक गाम तरौनीक लगमे अछि।

१३. (A) १९९८ — वैद्यनाथ मिश्र ‘यात्री’क देहान्त सन् १९९८ ई.मे भेल।

१४. (A) अपराजिता — यात्रीजीक पत्नीक नाम अपराजिता छल।

१५. (A) ओ हिन्दीक कृति अछि, मैथिली अनुवाद भ्रष्ट अछि — 'बलचनमा'कैं यात्री समग्रमे नहि लेल गेल किएक तँ ओ मूलत: हिन्दीक कृति अछि, आ ओकर मैथिली अनुवाद भ्रष्ट (अधूरा/त्रुटिपूर्ण) मानल गेल।

१६. (A) जगदीश प्रसाद मण्डल — विदेह-सदेह ११ अनुसार एकटा स्थानीय कवि सम्मेलनक मुख्य अतिथि जगदीश प्रसाद मण्डल छलाह।

१७. (A) ऐ इलाकामे एहन कार्यक्रम पहिल बेर आयोजित भेल — श्रोता लोकनिक कहब छलन्हि जे ऐ इलाकामे एहन तरहक कार्यक्रम पहिल बेर आयोजित भेल।

१८. (A) पहिल बेर कार्यक्रम-संचालन मैथिलीमे भेल (पहिने हिन्दीमे होइत छल) — लोक कहलनि जे आइ धरि ऐ इलाकामे कार्यक्रमक संचालन हिन्दीमे होइत छल, ई पहिल बेर भेल जे संचालन मैथिलीमे भेल।

१९. (A) दिसम्बर — विदेह-सदेह ११ अनुसार 'विदेह गोष्ठी' दिसम्बर मासमे (२००८, २००९, २०१० आदि वर्ष सभमे, दू-दू दिनक जोड़ी तिथिमे) नियमित रूपें आयोजित होइत रहल अछि।

२०. (A) कम-सँ-कम तीन वर्ष (२००८, २००९, २०१०) — विदेह-सदेह ११ मे २००८, २००९ आ २०१० — एहि तीन वर्षक विदेह गोष्ठीक तिथि स्पष्ट रूपें उल्लिखित अछि, जे एकर निरन्तरता देखबैत अछि।

२१. (A) विदेहक तेसर अंक (१ फरबरी २००८) — ई खण्ड विदेहक तेसर अंक (१ फरबरी २००८) मे पहिल बेर देल गेल सूचनाक सन्दर्भ दैत अछि, जाहिमे मैथिली विकीपीडियाक अस्वीकृतिक चर्चा छल।

२२. (A) मधेपुरा — राजेश रंजन आ संगीता कुमारी मधेपुराक छथि, जिनकर स्वैच्छिक समूह मैथिलीमे फायरफॉक्स ब्राउजर तैयार केलक।

२३. (A) सम्पादकीय/लेखकीय टिप्पणी — विदेह-सदेह ११ मे एक टिप्पणी अछि जे हिन्दीक साम्राज्यवाद अंग्रेजीक साम्राज्यवादक स्थान लऽ लेने अछि, आ बेरमाक ठाकुर सन खाँटी-शब्दावलीधारी लोकक विचार आयातित-शब्दावलीबला साहित्यकारसँ बेसी महत्त्व रखैत अछि।

२४. (A) सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वाक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्विटर आदिपर मैथिली-तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी — सूचकांक पंक्ति 798मे गजेन्द्र ठाकूरक प्रविष्टि "सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वाक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्विटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी" रूपमे देल अछि।

२५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकैं "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

२६. (C) सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताज" अछि।

२७. (D) विदेहक प्रधान सम्पादक — टिप्पणीक पहिल संकेत "विदेहक प्रधान सम्पादक" अछि।

२८. (A) भाषा-प्रौद्योगिकी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "भाषा-प्रौद्योगिकी" रूपमे देखाइत अछि।

२९. (B) लेखक गजेन्द्र ठाकूर, विधा गद्य, उप-विधा सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकैं एक साथ रखैत अछि।

३०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककैं केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

३१. (D) ई पाठ सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकैं स्पष्ट करैत अछि।

३२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकैं एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

३३. (B) खण्ड 2107, सूचकांक पंक्ति 798मे गजेन्द्र ठाकूरक "सम्पादकीय: टॉमस ट्रांसट्रोमर/ विदेह साहित्य उत्सव २०१२/ दूर्वाक्षत/ मैथिली-सुरजापुरी-राजबंशी/ विदेह समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११/ स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"/ हिन्दी आ मैथिली आ साहित्यिक शब्दावली/ विकीपीडिया-गूगल-ट्विटर आदिपर मैथिली- तिरहूता आ कैथी यूनीकोड/ विद्यापति पुरस्कार कोषक पुरस्कार/ विदेह भाषा सम्मान २०१२-१३/ टैगोर लिटरेचर अवार्ड २०११/ समानान्तर परम्पराक विद्यापति आ पाग/ विदेह द्वारा मैथिली पोथी प्रदर्शनी" प्रविष्टि गद्य, सम्पादकीय/निबन्ध/रिपोर्ताज आ "भाषा-प्रौद्योगिकी" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकैं व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकैं प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

३४. (A) सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल — सूचकांक पंक्ति 799मे शिव कुमार झा “टिल्लू”क प्रविष्टि “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल” रूपमे देल अछि।

३५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

३६. (C) सम्पादकीय/निबन्ध — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “सम्पादकीय/निबन्ध” अछि।

३७. (D) जातिवाद विरोधी — टिप्पणीक पहिल संकेत “जातिवाद विरोधी” अछि।

३८. (A) जातिवाद विरोधी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “जातिवाद विरोधी” रूपमे देखाइत अछि।

३९. (B) लेखक शिव कुमार झा “टिल्लू”, विधा गद्य, उप-विधा सम्पादकीय/निबन्ध — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

४०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

४१. (D) ई पाठ सम्पादकीय/निबन्धक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

४२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

४३. (B) खण्ड 2108, सूचकांक पंक्ति 799मे शिव कुमार झा “टिल्लू”क “सम्पादकीय- बहिरा नाचए अपने ताल” प्रविष्टि गद्य, सम्पादकीय/निबन्ध आ “जातिवाद विरोधी” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

४४. (A) उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति — सूचकांक पंक्ति 800मे डा. अरुण कुमार सिंहक प्रविष्टि “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति” रूपमे देल अछि।

४५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

४६. (C) निबन्ध/संस्मरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “निबन्ध/संस्मरण” अछि।

४७. (D) ग्रामीण-शहरी विभाजन — टिप्पणीक पहिल संकेत “ग्रामीण-शहरी विभाजन” अछि।

४८. (A) भाषा-समाजशास्त्र — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “भाषा-समाजशास्त्र” रूपमे देखाइत अछि।

४९. (B) लेखक डा. अरुण कुमार सिंह, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/संस्मरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

५०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

५१. (D) ई पाठ निबन्ध/संस्मरणक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

५२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

५३. (B) खण्ड 2109, सूचकांक पंक्ति 800मे डा. अरुण कुमार सिंहक “उजड़ैत गाम: बसैत शहर??/ भाषा जातिगत सम्पत्ति नै अपितु सामाजिक सम्पत्ति” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/संस्मरण आ “भाषा-समाजशास्त्र” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

५४. (A) मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न — सूचकांक पंक्ति 801मे राम भरोस कापडि भ्रमरक प्रविष्टि “मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न” रूपमे देल अछि।

५५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

५६. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

५७. (D) लोकनायक सलहेस — टिप्पणीक पहिल संकेत “लोकनायक सलहेस” अछि।

५८. (A) लोकनायक सलहेस — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “लोकनायक सलहेस” रूपमे देखाइत अछि।

५९. (B) लेखक राम भरोस कापडि भ्रमर, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

६०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

६१. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

६२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

६३. (B) खण्ड 2110, सूचकांक पंक्ति 801मे राम भरोस कापडि भ्रमरक "मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी अन्तरगत लोकनायक सलहेसः चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम सम्पन्न" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ "लोकनायक सलहेस" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

६४. (A) बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद) — सूचकांक पंक्ति 802मे मधुपनाथ झाक प्रविष्टि "बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)" रूपमे देल अछि।

६५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

६६. (C) रिपोर्ताज/अनुवाद — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "रिपोर्ताज/अनुवाद" अछि।

६७. (D) फणीश्वरनाथ रेणु — टिप्पणीक पहिल संकेत "फणीश्वरनाथ रेणु" अछि।

६८. (A) मैथिली लोकनाट्य — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "मैथिली लोकनाट्य" रूपमे देखाइत अछि।

६९. (B) लेखक मधुपनाथ झा, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/अनुवाद — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

७०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

७१. (D) ई पाठ रिपोर्ताज/अनुवादक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

७२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

७३. (B) खण्ड 2111, सूचकांक पंक्ति 802मे मधुपनाथ झाक "बिदापत नाच (फणीशर नाथ रेणुक रिपोतांजक अनुवाद)" प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/अनुवाद आ "मैथिली लोकनाट्य" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

७४. (A) सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति — सूचकांक पंक्ति 803मे अतुलेशरक प्रविष्टि "सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति" रूपमे देल अछि।

७५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

७६. (C) निबन्ध/टिप्पणी — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "निबन्ध/टिप्पणी" अछि।

७७. (D) आलोचनात्मक — टिप्पणीक पहिल संकेत "आलोचनात्मक" अछि।

७८. (A) जातिवाद विरोधी — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा "जातिवाद विरोधी" रूपमे देखाइत अछि।

७९. (B) लेखक अतुलेशर, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/टिप्पणी — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

८०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

८१. (D) ई पाठ निबन्ध/टिप्पणीक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

८२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

८३. (B) खण्ड 2112, सूचकांक पंक्ति 803मे अतुलेशरक "सगर राति दीप जरए, आन्दोलन आ बभनभोज/ वैश्विक सोच?/ पाग, मिशिला आ जातिवादक राजनीति" प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/टिप्पणी आ "जातिवाद विरोधी" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

८४. (A) आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना — सूचकांक पंक्ति 804मे विनीत उत्पलक प्रविष्टि "आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना" रूपमे देल अछि।

८५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ "गद्य" रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

८६. (C) निबन्ध/रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप "निबन्ध/रिपोर्ताज" अछि।

८७. (D) आधुनिक मैथिली नाटक — टिप्पणीक पहिल संकेत "आधुनिक मैथिली नाटक" अछि।

८८. (A) आधुनिक मैथिली नाटक — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “आधुनिक मैथिली नाटक” रूपमे देखाइत अछि।

८९. (B) लेखक विनीत उत्पल, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

९०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

९१. (D) ई पाठ निबन्ध/रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

९२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

९३. (B) खण्ड 2113, सूचकांक पंक्ति 804मे विनीत उत्पलक “आधुनिक मैथिली नाटक आ टुच्या नाटककारक जातिवादी रंगमंचक अवधारणा/ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टी: सगर राति दीप जरय: एकटा बहन्ना” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/रिपोर्ताज आ “आधुनिक मैथिली नाटक” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

९४. (A) आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२ — सूचकांक पंक्ति 805मे पूनम मण्डलक प्रविष्टि “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२” रूपमे देल अछि।

९५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

९६. (C) रिपोर्ताज/संस्मरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज/संस्मरण” अछि।

९७. (D) आरती कुमारीक स्मृति — टिप्पणीक पहिल संकेत “आरती कुमारीक स्मृति” अछि।

९८. (A) मिथिला सांस्कृतिक समारोह — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मिथिला सांस्कृतिक समारोह” रूपमे देखाइत अछि।

९९. (B) लेखक पूनम मण्डल, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/संस्मरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१००. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०१. (D) ई पाठ रिपोर्ताज/संस्मरणक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०३. (B) खण्ड 2114, सूचकांक पंक्ति 805मे पूनम मण्डलक “आरती कुमारी आ सगर राति दीप जरय/ मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह २०१२” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/संस्मरण आ “मिथिला सांस्कृतिक समारोह” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०४. (A) मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय — सूचकांक पंक्ति 806मे आशीष अनिचन्हारक प्रविष्टि “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय” रूपमे देल अछि।

१०५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०६. (C) रिपोर्ताज/परिचय — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज/परिचय” अछि।

१०७. (D) गजलकार परिचय — टिप्पणीक पहिल संकेत “गजलकार परिचय” अछि।

१०८. (A) गजलकार परिचय — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “गजलकार परिचय” रूपमे देखाइत अछि।

१०९. (B) लेखक आशीष अनिचन्हार, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज/परिचय — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

११०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१११. (D) ई पाठ रिपोर्ताज/परिचयक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११३. (B) खण्ड 2115, सूचकांक पंक्ति 806मे आशीष अनिचन्हारक “मैथिली गजलकार पिरचय श्रृंखला/ "सगर राति दीप जरय"केर अन्त आ साहित्य अकादेमी कथा गोष्टीक उदय” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज/परिचय आ “गजलकार परिचय” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११४. (A) सोसाइटी टुडेक लोकापण — सूचकांक पंक्ति 807मे सुमित आनन्दक प्रविष्टि “सोसाइटी टुडेक लोकापण” रूपमे देल अछि।

११५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

११६. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

११७. (D) पत्रिका लोकार्पण समारोह — टिप्पणीक पहिल संकेत “पत्रिका लोकार्पण समारोह” अछि।

११८. (A) पत्रिका लोकार्पण समारोह — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “पत्रिका लोकार्पण समारोह” रूपमे देखाइत अछि।

११९. (B) लेखक सुमित आनन्द, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१२०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१२१. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१२३. (B) खण्ड 2116, सूचकांक पंक्ति 807मे सुमित आनन्दक “सोसाइटी टुडेक लोकापण” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “पत्रिका लोकार्पण समारोह” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१२४. (A) मिथिला राज्य संघर्ष समिति — सूचकांक पंक्ति 808मे परमेश्वर कापडिक प्रविष्टि “मिथिला राज्य संघर्ष समिति” रूपमे देल अछि।

१२५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१२६. (C) रिपोर्ताज — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रिपोर्ताज” अछि।

१२७. (D) मिथिला राज्य आन्दोलन — टिप्पणीक पहिल संकेत “मिथिला राज्य आन्दोलन” अछि।

१२८. (A) मिथिला राज्य आन्दोलन — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मिथिला राज्य आन्दोलन” रूपमे देखाइत अछि।

१२९. (B) लेखक परमेश्वर कापडि, विधा गद्य, उप-विधा रिपोर्ताज — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१३०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१३१. (D) ई पाठ रिपोर्ताजक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१३२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१३३. (B) खण्ड 2117, सूचकांक पंक्ति 808मे परमेश्वर कापडिक “मिथिला राज्य संघर्ष समिति” प्रविष्टि गद्य, रिपोर्ताज आ “मिथिला राज्य आन्दोलन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१३४. (A) एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य — सूचकांक पंक्ति 809मे डॉ. दमन कुमार झाक प्रविष्टि “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य” रूपमे देल अछि।

१३५. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१३६. (C) निबन्ध/समीक्षा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “निबन्ध/समीक्षा” अछि।

१३७. (D) मैथिली बाल साहित्यक समीक्षा — टिप्पणीक पहिल संकेत “मैथिली बाल साहित्यक समीक्षा” अछि।

१३८. (A) मैथिली बाल साहित्यक समीक्षा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मैथिली बाल साहित्यक समीक्षा” रूपमे देखाइत अछि।

१३९. (B) लेखक डॉ. दमन कुमार झा, विधा गद्य, उप-विधा निबन्ध/समीक्षा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१४०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१४१. (D) ई पाठ निबन्ध/समीक्षाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१४२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१४३. (B) खण्ड 2118, सूचकांक पंक्ति 809मे डॉ. दमन कुमार झाक “एकैसम शताब्दीक पहिल दशकमे मैथिली बालसाहित्य” प्रविष्टि गद्य, निबन्ध/समीक्षा आ “मैथिली बाल साहित्यक समीक्षा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१४४. (A) अपन गाँव — सूचकांक पंक्ति 810मे सन्दीप कुमार साप्तिक प्रविष्टि “अपन गाँव” रूपमे देल अछि।

१४५. (B) पद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “पद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१४६. (C) कविता — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “कविता” अछि।

१४७. (D) ग्रामीण जीवन — टिप्पणीक पहिल संकेत “ग्रामीण जीवन” अछि।

१४८. (A) ग्रामीण जीवन — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “ग्रामीण जीवन” रूपमे देखाइत अछि।

१४९. (B) लेखक सन्दीप कुमार साप्ति, विधा पद्य, उप-विधा कविता — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१५०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१५१. (D) ई पाठ कविताक रूपमे पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१५२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१५३. (B) खण्ड 2119, सूचकांक पंक्ति 810मे सन्दीप कुमार साप्तिक “अपन गाँव” प्रविष्टि पद्य, कविता आ “ग्रामीण जीवन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१५४. (A) गजल १ - ४ — सूचकांक पंक्ति 811मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक प्रविष्टि “गजल १ - ४” रूपमे देल अछि।

१५५. (B) पद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “पद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१५६. (C) गजल — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “गजल” अछि।

१५७. (D) महिला गजलकार — टिप्पणीक पहिल संकेत “महिला गजलकार” अछि।

१५८. (A) सामाजिक विषय — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “सामाजिक विषय” रूपमे देखाइत अछि।

१५९. (B) लेखक शान्तिलक्ष्मी चौधरी, विधा पद्य, उप-विधा गजल — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१६०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१६१. (D) ई पाठ गजलक रूपमे पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१६२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१६३. (B) खण्ड 2120, सूचकांक पंक्ति 811मे शान्तिलक्ष्मी चौधरीक “गजल १ - ४” प्रविष्टि पद्य, गजल आ “सामाजिक विषय” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१६४. (A) बारुद — सूचकांक पंक्ति 812मे रमेश रञ्जनक प्रविष्टि “बारुद” रूपमे देल अछि।

१६५. (B) पद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “पद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१६६. (C) कविता — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “कविता” अछि।

१६७. (D) आन्दोलनकारी कविता — टिप्पणीक पहिल संकेत “आन्दोलनकारी कविता” अछि।

१६८. (A) आन्दोलनकारी कविता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “आन्दोलनकारी कविता” रूपमे देखाइत अछि।

१६९. (B) लेखक रमेश रञ्जन, विधा पद्य, उप-विधा कविता — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१७०. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१७१. (D) ई पाठ कविताक रूपमे पद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१७२. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१७३. (B) खण्ड 2121, सूचकांक पंक्ति 812मे रमेश रञ्जनक “बारुद” प्रविष्टि पद्य, कविता आ “आन्दोलनकारी कविता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 11क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।